CMYK

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

नई दिल्ली, सोमवार 15 सितम्बर 2025 राष्ट्रीय संस्करण: वर्ष 23 अंक 164 पृष्ठ 12+12 मूल्य रुपये 5.00

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि शाह टाइम्स देहरादून अपनी पत्रकारिता की सफल यात्रा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर रजत जयंती अंक का प्रकाशन कर रहा है। उत्तराखंड राज्य निर्माण की 25 वर्षों की यात्रा के साथ दैनिक शाह टाइम्स राज्य की विकास यात्रा में अपनी सहभागिता निभाते हुए निरंतर आगे बढ़ रहा है।

21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखंड का दशक बनाने तथा राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष में उत्तराखंड को देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करने के लिए हम विकल्पहीन संकल्प के साथ प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रहे हैं। राज्य के समग्र विकास की हमारी सोच को साकार करने में शाह टाइम्स भी अपनी सकारात्मक पत्रकारिता के मिशन के साथ सहयोगी बने, यही अपेक्षा है। शाह टाइम्स की गढ़वाल एवं कुमाऊं के विभिन्न क्षेत्रों तक पहुंच उसकी पाठकों में लोक. प्रियता का प्रमाण है। समाजहित से जुड़े दायित्वों के निर्वहन की इसकी निरंतरता बनी रहे, यही मेरी कामना है। शाह टाइम्स के 25 वर्ष रजत जयंती अंक के सफल प्रकाशन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

पुष्कर सिंह धामी,
मुख्यमंत्री उत्तराखंड

यह अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि **दैनिक शाह टाइम्स** की और से रजत जयंती अंक का प्रकाशन किया जा रहा है। किसी भी समाचार पत्र के लिए 25 वर्षों की सफल यात्रा का कालखण्ड निश्चय ही गर्व और सम्मान की अनुभूति का विषय होता है।

सामाजिक सरोकारों तथा सार्वजनिक हित से जुड़कर ही समाचार पत्रों की वास्तविक सार्थकता सिद्ध होती है। राज्य सरकार द्वारा संचा. लित जनहितकारी नीतियों और योजनाओं को समाज के अंतिम पंक्ति तक पहुंचाने का दायित्व निभाना ही सार्थक पत्रकारिता मानी जाती है।

सामाजिक सरोकारों के प्रति पत्रकारिता के महत्त्वपूर्ण दायित्वों के कारण ही इसे लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ कहा जाता है। सार्थक पत्रका. रिता का उद्देश्य यही होना चाहिए कि वह प्रशासन और समाज के बीच एक सशक्त कड़ी का कार्य करे। दैनिक शाह टाइम्स अपनी स्वस्थ पत्रकारिता की प्रतिबद्धता के साथ प्रदेश के सर्वांगीण विकास में सहभागी बने, यही अपेक्षा है। दैनिक शाह टाइम्स के 25 वर्षों की इस रजत जयंती यात्रा एवं इसके सफल प्रकाशन पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

बंशीधर तिवारी
महानिदेशक सूचना एवं लोक संपर्क उत्तराखंड

आज हृदय अपार संतोष और गर्व से भरा है कि 25 वर्ष पूर्व दैनिक शाह टाइम्स के रूप में जिस छोटे से पौधे को मैंने अपने हाथों से सींचा था, आज वह एक विशाल, घना और छायादार वटवृक्ष बन चुका है। हमें इस बात का भी गौरव है कि इस पूरी यात्रा में हमने पत्रकारिता के उच्च आदर्शों और मूल्यों को कभी डिगने नहीं दिया। इस गौरवपूर्ण रजत जयंती वर्ष के पावन अवसर पर, मैं अपने समस्त प्रबुद्ध पाठकों, सम्मानित विज्ञापनदाताओं, स्नेही शुभचिंतकों और प्रत्येक कर्तव्यनिष्ठ कर्मचारी को हृदय की अतल गहराइयों से हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएं अर्पित करता हूं।

सम्पादक

25 वर्ष: सच का बेमिसाल सफर

देहरादून। पत्रकारिता केवल सूचना देना नहीं, समाज को दिशा देना भी है। इस विचारधारा को आत्मसात करते हुए, वर्ष 1999 में मुजफ्फरनगर से प्रकाशित होने वाला प्रतिष्ठित हिंदी दैनिक शाह टाइम्स, पृथक राज्य बनने के बाद उत्तराखंड की भूमि पर वर्ष 2001 में पहली बार कदम रखता है। राज्य गठन के साथ ही समाचार जगत में यह एक नया अध्याय था। कुमाऊं मंडल से हल्द्वानी संस्करण और गढ़वाल मंडल से देहरादून संस्करण के रूप में शाह टाइम्स ने अपने क्षेत्रीय संस्करणों का शुभारंभ किया। यह केवल एक अखबार की शुरुआत नहीं थी, बल्कि नवोदित राज्य के विकास की यात्रा में एक सहयोगी की भूमिका और समाज के प्रति एक उत्तरदायित्वपूर्ण यात्रा का आरंभ था। उत्तराखंड के निर्माण से लेकर विकास तक के हर मोड़ का साक्षी बनने की यात्रा।

प्रकाशन यात्रा: शब्दों से सरोकार तक

उत्तराखंड के निर्माण के साथ ही जब नई व्यवस्थाएं आकार ले रही थीं, उसी समय शाह टाइम्स ने इस नवोदित राज्य की नब्ज को पहचाना। हल्द्वानी और देहरादून से शुरू हुए इन दो संस्करणों ने पहाड़ के गांवों से लेकर राजधानी के गलियारों तक, जनभावनाओं को स्वर देने का कार्य किया। यह यात्रा केवल समाचार छापने की नहीं थी। यह यात्रा जन-सरोकारों की, स्थानीय मुद्दों की, और नीतियों पर जन अभिव्यक्ति को स्थान देने और सवाल उठाने की थी।

सकारात्मक पत्रकारिता का दर्पण

पिछले 25 वर्षों में जब उत्तराखंड ने राजनीतिक उठापटक, प्राकृतिक आपदाएं और विकास की ऊंचाइयों के बीच संतुलन साधने की कोशिश की, तब शाह टाइम्स हर मोड़ पर एक सजग प्रहरी के रूप में खड़ा रहा। चकराता के जंगलों में आग हो या जोशीमठ का भू-धंसाव, चारधाम यात्रा की कठिनाइयां हों या राज्य की राजनीति में आया संकट हो।

शाह टाइम्स की रिपोर्टिंग ने जनता की समस्याओं को न केवल उजागर किया, बल्कि नीति-निर्माताओं तक पहुंचाया। सरकार की जनहितकारी योजनाओं को भी प्रभावशाली ढंग से जनता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राजनीतिक तटस्थता और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता इस अखबार की सबसे बड़ी पहचान रही है।

एम. फहीम 'तन्हा'

चुनौतियों भरा, लेकिन डिगा नहीं सफर

पिछले 25 वर्षों में शाह टाइम्स ने पत्रकारिता के उसूलों पर कभी समझौता नहीं किया। कई बार बाजार की प्रतिस्पर्धा ने चुनौती दी, कभी तकनीकी संसाधनों की कमी ने रफ्तार धीमी की, तो कभी राजनीतिक दबावों ने कठिन हालात खड़े किए। लेकिन हल्द्वानी और देहरादून संस्करण की टीमों ने सर्दी, गर्मी, बरसात की परवाह किए बिना खबरों की तलाश में, सच्चाई की खोज में, और जनहित की रक्षा में अपना संपूर्ण योगदान दिया।

जनता का प्रेम: सबसे बड़ा पुरस्कार

खबरें छुपाता नहीं, छापता है के स्लोगन को आत्मसात करते हुए दैनिक शाह टाइम्स ने राज्य के हर जिले, हर तहसील और हर कस्बे तक अपनी पकड़ बनाई। इस अखबार को पाठकों ने हमेशा विश्वसनीय साथी माना। एक ऐसा साथी जो, न तो सनसनी फैलाता है, न ही किसी प्रकार की चाटुकारिता की पत्रकारिता करता है, बल्कि तथ्यों के साथ सच की बात करता है। 25 वर्षों बाद भी शाह टाइम्स पत्रकारिता में एक सम्मानित नाम है और जनता का अटूट विश्वास भी।

ऐतिहासिक दिन: जब एनडी तिवारी बने सम्पादक

दैनिक शाह टाइम्स के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय तब जुड़ गया, जब उत्तराखंड के तत्कालीन मुख्यमंत्री, पंडित नारायण दत्त तिवारी, देहरादून के सुभाष रोड स्थित अखबार के कार्यालय में पधारे। यद्यपि उनका आगमन एक शिष्टाचार भेंट तक सीमित था, किंतु संपादकीय कक्ष की दहलीज पर कदम रखते ही उनके भीतर का जन्मजात पत्रकार सहसा जाग उठा। उन्होंने बिना किसी औपचारिकता के तत्काल तत्कालीन स्थानीय संपादक नरेंद्र सेठी और उप-संपादक मोहम्मद शाहनजर के साथ उस दिन की प्रमुख खबरों पर गहन विमर्श किया। लगभग एक घंटे तक, पंडित तिवारी ने स्वयं बड़ी दिलचस्पी और गहनता से समाचार संपादन की कमान संभाली। यह अविस्मरणीय क्षण दैनिक शाह टाइम्स की संपादकीय स्वतंत्रता, उसकी अकाट्य साख और पत्रकारिता के प्रति उसकी अडिग गंभीरता का एक उदात्त प्रमाण बन गया।

समर्पण की टीम

किसी भी अखबार की सफलता के पीछे एक जुझारू टीम होती है। हल्द्वानी और देहरादून की टीमों सहित शाह टाइम्स के सभी संस्करणों में प्रत्येक स्टेशन पर कार्यरत संपादकीय टीम के साथियों ने समाचारों की डेडलाइन से परे जाकर, जनसरो. कारों, क्षेत्रीय मुद्दों और लोक संस्कृति को महत्व दिया। संवाददाताओं से लेकर संपादकों तक, सभी ने ग्राउंड रिपोर्टिंग को प्राथमिकता दी, जिससे अखबार कुर्सी से नहीं, जमीन से जुड़ा महसूस हुआ। शाह टाइम्स की संपादकीय टीम का संचालन कार्यकारी संपादक के रूप में 21 वर्षों से आनन्द बत्रा सुमन सफलतापूर्वक अंजाम दे रहे हैं।

नवाचार और भविष्य की ओर दृष्टि

आज जब पारंपरिक रूप से चलने वाला प्रिंट मीडिया डिजिटल हो रहा है, तो शाह टाइम्स ने भी डिजिटल विस्तार, सोशल मीडिया, और मोबाइल रीडिंग जैसे पहलुओं में अपने प्रभावी कदम बढ़ाए हैं। पत्रका. रिता के मूल्य, निष्पक्षता, उत्तरदायित्व व जनहित से जुड़े सरोकार जैसे सिद्धांत डिजिटल होने के बावजूद जस के तस हैं।

रजत से स्वर्ण की ओर

25 वर्षों की यह रजत यात्रा शाह टाइम्स की सदाबहार प्रासंगिकता का प्रतीक है। उत्तराखंड के जन-जीवन से जुड़ाव, राज्य के हर मोड़ पर सच्चाई को सामने रखने का साहस के प्रति निष्ठा। यही शाह टाइम्स की पहचान है। अब यह रजत पड़ाव स्वर्णिम भविष्य की ओर बढ़ते कदमों की तैयारी है। **शब्द रुके नहीं हैं, यात्रा जारी है।**

8 संस्करणों का सफर

दमदार भूमिका

मुजफ्फरनगर

शाह पब्लिकेशन द्वारा 6 सितंबर 1999 को जनसरोकारों और सकारात्मक पत्रकारिता के दृष्टिकोण को आगे रखते हुए शुरू किया गया हिंदी दैनिक समाचार पत्र शाह टाइम्स आज तीन राज्यों में 8 संस्करणों के साथ निष्पक्ष और सबसे भरोसेमंद पत्रकारिता के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। इन राज्यों के विकास में शाह टाइम्स ने सदैव एक प्रेरक की भूमिका निभाई है। यह अखबार 25 वर्षों में एक विशाल वृक्ष बन गया, जो उत्तर भारत में हिंदी पत्रकारिता का मजबूत स्तंभ है। इसकी लोकप्रियता का अंदाजा इसके स्लोगन खबरें छुपाता नहीं। छापता है की व्यापक पहचान और पाठकों के बीच इसकी विश्वसनीयता से लगाया जा सकता है। यह अखबार पूरे उत्तराखंड में एकमात्र ऐसा प्रकाशन है जो सभी जिलों में सामान्यत: एक समान पठन सामग्री उपलब्ध कराता है, जिससे क्षेत्रीय एकता को बढ़ावा मिला।

देहरादून

26 मार्च 2001 को उत्तराखंड की राजधानी देहरादून से गढ़वाल संस्करण की शुरुआत करने वाला दैनिक शाह टाइम्स उत्तराखंड के गढ़वाल मंडल की पत्रकारिता में एक महत्वपूर्ण स्तंभ बन चुका है। इस अखबार ने राज्य के सामाजिक, राजनी. तिक, आर्थिक और सांस्कृतिक परि.श्य में घटित तमाम प्रमुख घटनाओं को न केवल सूक्ष्मता से कवर किया, बल्कि विकास से जुड़ी जनसमस्याओं को भी प्रभावशाली ढंग से उजागर किया।

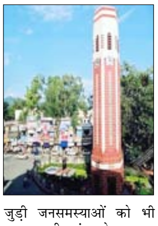

नई दिल्ली

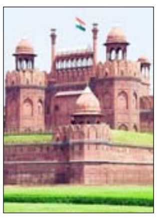

देश की राजधानी नई दिल्ली से 29 नवंबर 2002 अपने नई दिल्ली संस्करण की शुरुआत कर राष्ट्रीय पत्रकारिता के क्षेत्र में एक सशक्त उपस्थिति दर्ज की। ऐतिहासिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण दिल्ली न केवल भारत की सत्ता का केंद्र है, बल्कि विविधता में एकता, आधुनिकता और परंपरा का अद्वितीय संगम भी है। अपनी निर्भीक पत्रकारिता और वस्तुनिष्ठ .ष्टिकोण के साथ यह संस्करण राष्ट्रीय राजधानी के सामाजिक व राजनीतिक परि. श्य का एक विश्वसनीय दर्पण बन चुका है।

मुरादाबाद

दैनिक शाह टाइम्स ने मुरादाबाद 11 अप्रैल 2003 में अपने मुरादाबाद संस्करण की शुरुआत की। पीतल नगरी के नाम से प्रसिद्ध मुरादाबाद न केवल अपने हस्तशिल्प उद्योग के लिए जाना जाता है, बल्कि यह सांस्कृतिक विविधता, व्यापारिक सक्रियता और शैक्षणिक प्रगति का भी केंद्र रहा है। इन वर्षों में दैनिक शाह टाइम्स ने मुरादाबाद मंडल की सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक गतिविधियों को निष्पक्ष, संवे. दनशील तथा जनपक्षधर पत्रकारिता के माध्यम से प्रस्तुत किया।

हल्द्वानी

22 अप्रैल 2003 को कुमाऊं संस्करण के साथ दैनिक शाह टाइम्स ने कुमाऊं मंडल में जनभावनाओं, विकास संबंधी मुद्दों और प्रशासनिक गतिविधियों को निष्पक्षता और गंभीरता से प्रस्तुत करते हुए इसने जनता और शासन के बीच संवाद का मजबूत माध्यम तैयार किया है। क्षेत्रीय सरोकारों के प्रति प्रतिबद्धता के चलते यह संस्करण कुमाऊं की पत्रकारिता में एक विश्वसनीय महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

मेरठ

मेरठ संस्करण की शुरुआत मेरठ 13 फरवरी 2007 में हुई थी। ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक .ष्टि से समृद्ध मेरठ न केवल 1857 की क्रांति की पहली चिंगारी के लिए जाना जाता है, बल्कि यह आज भी खेल, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और उद्योग के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। मेरठ मंडल की राजनीतिक हलचलों, सामा. जिक बदलावों, प्रशासनिक नीतियों और जन आंदोलन की गहराई से रिपोर्टिंग करते हुए शाह टाइम्स ने जनता की आवाज को मजबूती से उठाया है।

जुड़े पत्रकारिता व साहित्य के बड़े हस्ताक्षर

शाह टाइम्स की इस 25 वर्षों की रजत यात्रा में पत्रकारिता एवं लेखन के प्रसिद्ध हस्ताक्षर डॉ. मेहरुद्दीन खां, पत्रकारिता के भीष्म पितामह के नाम से प्रसिद्ध श्याम अंजान और वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. कमलेश्वर सहित कई अन्य बड़े वरिष्ठ पत्रकारों और साहित्यकारों के उल्लेखनीय योगदान एवं सहयोग ने अखबार की सफलता को नई ऊंचाइयां दीं। जिसमें संपादकीय टीम के साथ तकनीकी टीम और अन्य स्टाफ का भी महत्वपूर्ण योगदान है।

बरेली

बरेली संस्करण की 18 जुलाई 2003 को में शुरुआत कर शाह टाइम्स ने रुहेलखंड क्षेत्र की पत्रकारिता में एक महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ा। सांस्कृतिक, धार्मिक और औद्योगिक दृष्टि से विशिष्ट पहचान रखने वाला बरेली, झुमका नगरी के नाम से प्रसिद्ध है और यहां का सर्जिकल, फर्नीचर व बांस उद्योग राष्ट्रीय स्तर पर अपनी छाप छोड़ चुका है। पत्रकारिता के माध्यम से यह संस्करण बरेली के विकास यात्रा का सजीव दस्तावेज बन चुका है।

लखनऊ

उप्र की राजधानी लखनऊ से 1 अगस्त 2009 आठवें संस्करण की शुरुआत की। अपनी तहजीब, नवाबी विरासत और साहित्यिक परंपरा के लिए प्रसिद्ध लखनऊ न केवल प्रशासनिक और राजनीतिक केंद्र है, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कला और उद्योग के क्षेत्र में भी इसकी विशिष्ट पहचान है। अपनी निष्पक्ष, सटीक और जनहितकारी पत्रकारिता के माध्यम से यह संस्करण लखनऊ और उत्तर प्रदेश के विकास यात्रा का सशक्त साक्षी बन चुका है।

संक्षिप्त समाचार

तीन विभागों को भी मिलेगी कैशलेस चिकित्सा

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शिक्षक दिवस पांच सितम्बर को सभी शिक्षकों के लिए की गई कैशलेश चिकित्सा सुविधा का लाभ देने की घोषणा की गई थी। इस सुविधा का लाभ बेसिक, माध्यमिक, उच्च शिक्षा के साथ ही श्रम, समाज कल्याण व अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के शिक्षकों-कर्मचारियों को भी मिलेगा। माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से इन सभी विभागों को पत्र भेजकर निर्धारित प्रोफार्मा पर सूचना मांगी गई है। मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणा के अनुसार बेसिक, माध्यमिक व उच्च शिक्षा विभाग के शिक्षकों के साथ ही शिक्षामित्रों, अनुदेशकों व रसोइयां को इस योजना का लाभ मिलना था।

यूपी का रहस्यमयी मठ, जो भी अंदर गया, जिंदा नहीं बचा

बलिया। यूपी के बलिया में एक रहस्यमयी मठ है, जिसके अंदर जिसने भी प्रवेश किया, वह जिंदा नहीं बचा। इसकी मान्यता काफी अजीबो-गरीब है। यहां आज दिन तक कोई ऐसा मठाधीश नहीं रहा, जो जीते जी मठ से कभी बाहर निकला हो। इस मठ में खुद कपिलमुनि पांडेय ने तपस्या करते हुए एक लक्ष्मण रेखा खींच दी थी। साथ ही आदेश दिया था कि कोई भी मठाधीश इस सीमा को पार न करे। तब से लेकर आज तक इस मठ की परंपरा और डर, दोनों बरकरार हैं। यहां के मठाधीश बाहर की दुनिया नहीं देख सकते हैं। यह रहस्यमयी मठ बैरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत रकबा टोला गांव में है। इस मठ का नाम मुन जी बाबा की मठिया है। वर्तमान मठाधीश जयनारायण पांडेय के अनुसार वह इस परंपरा की आठवीं पीढ़ी में महंथ हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नियुक्ति पर लगाई रोक, सरकार से मांगा जवाब

कंप्यूटर शिक्षक भर्ती में गैर बीएड धारकों को झटका

प्रयागराज, वार्ता

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कंप्यूटर शिक्षक भर्ती में गैर बीएड धारकों को तगड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने सहायक अध्यापक (प्रशिक्षित स्नातक श्रेणी) कंप्यूटर पदों की भर्ती में गैर बीएड डिग्रीधारकों की नियुक्ति पर रोक लगा दी है।

कंप्यूटर शिक्षक भर्ती में बीएड की अनिवार्यता समाप्त करने पर सरकार से दो हफ्ते में जवाब तलब किया है। हालांकि, भर्ती प्रक्रिया जारी रहेगी। यह आदेश न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति अरुण कुमार की अदालत ने जौनपुर निवासी प्रवीन मिश्रा व अन्य की ओर से वर्ष 2024 में बने छठे संशोधन नियम और उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से 2025 में विज्ञापित सहायक अध्यापक भर्ती को चुनौती देने

सरकार की दलील मानने से किया इन्कार

वाली याचिका पर दिया है। कोर्ट ने कहा कि इस पद पर नियुक्ति के लिए बीएड की डिग्री अनिवार्य है, जबकि राज्य सरकार ने इसे केवल वांछनीय योग्यता बताकर भर्ती की राह आसान करने की कोशिश की। कोर्ट ने साफ किया कि राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) की अधिसूचना को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। गौरतलब है कि छठे संशोधन नियम व आयोग के विज्ञापन में कहा गया कि कंप्यूटर शिक्षक के पद पर बीएड केवल वरीयता मानी जाएगी, अनिवार्य नहीं, जबकि राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) की अधिसूचना के मुताबिक कंप्यूटर शिक्षक के पद पर नियुक्ति के लिए बीएड अनिवार्य योग्यता है। इसके खिलाफ याचियों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। याचियों के अधिवक्ता ने दलील दी कि एनसीटीई की 12 नवम्बर 2014 की अधिसूचना में बीएड को माध्यमिक स्तर के सभी अध्यापक पदों के लिए न्यूनतम योग्यता घोषित किया गया है। इसलिए राज्य सरकार इसे बदल नहीं सकती। वहीं राज्य सरकार के अधिवक्ता ने दलील दी कि 2018 की भर्ती में बीएड योग्य अभ्यर्थियों की कमी के कारण बड़ी संख्या में पद रिक्त रह गए थे। छात्रों के हित में संशोधन कर अधिक उम्मीदवारों को अवसर देने की कोशिश की गई। अदालत ने सरकार की दलीलों को मानने से इन्कार कर दिया।

यूपी के सर्वोदय विद्यालयों और छात्रावासों में श्रमदान शुरू

लखनऊ। यूपी सरकार ने राज्य के सभी सर्वोदय विद्यालयों और छात्रावासों में हर रविवार को श्रमदान अभियान शुरू किया है। इस पहल के तहत विद्यार्थी खुद अपना परिसर सजाएंगे। इस कार्यक्रम का मकसद विद्यार्थियों में अनुशासन, सहयोग और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन को नई गति देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार ने एक और अभिनव कदम बढ़ाया है। सीएम योगी के मार्गदर्शन और समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण के निर्देश पर प्रदेश के सभी जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों और राजकीय छात्रावासों में प्रत्येक रविवार श्रमदान कार्यक्रम शुरू हो गया है। सरकार की इस नई पहल के तहत अब सर्वोदय विद्यालयों और छात्रावासों में हर रविवार को विद्यार्थियों द्वारा श्रमदान किया जाएगा, ताकि वो अपने परिसर को खुद सजा सकें और साफ-सुथरा रख सकें। इस कार्यक्रम का मकसद विद्यार्थियों में अनुशासन, सहयोग और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है, साथ ही बागवानी के जरिए से पर्यावरण चेतना भी बढ़ाना है। श्रमदान कार्यक्रम के तहत प्रत्येक रविवार को विद्यालय और छात्रावास में टूटी हुई कुर्सियां, मेज और अन्य फर्नीचर की मरम्मत की जाएगी, पानी की टंकियों और नालियों की सफाई एवं कचरा निस्तारण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

यूपी में आज रात से भारी बारिश की चेतावनी

लखनऊ, वार्ता

पूरे प्रदेश में दो दिन तक अभी उमस और परेशान करेगी। सोमवार देर शाम से मौसम में बदलाव की उम्मीद है। तापमान भी गिर सकता है।

मौसम विभाग के अनुसार मध्यांचल में सोमवार व मंगलवार को कहीं हल्की तो कहीं मध्यम बारिश की संभावना है। वहीं पूर्वांचल में भारी या मध्यम बारिश हो सकती है। आंचलिक मौसम विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि सोमवार देर शाम से पूर्वांचल में भारी बारिश की संभावना है, जिसकी शुरुआत नेपाल बार्डर से सटे कुशीनगर व अन्य जिलों से हो सकती है। बारिश उत्तर से दक्षिण की ओर स्थानांतरित होगी। तीन से चार दिन तक बारिश के आसार हैं। तराई क्षेत्र में अच्छी बारिश की उम्मीद है, लेकिन रविवार और सोमवार को प्रदेश में छिटपुट

दो दिन और सताएगी गर्मी-उमस

बूंदाबांदी के बीच उमस परेशान करती रहेगी। सोमवार के बाद से पश्चिमी राजस्थान में मानसून की विदाई शुरू हो जाएगी। उत्तर प्रदेश में फिलहाल अभी ऐसी स्थिति नहीं है। लो प्रेशर एरिया की वजह से सोमवार शाम से मध्यांचल में मध्यम बारिश हो सकती है, लेकिन पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बारिश का खास असर देखने को नहीं मिलेगा। यूपी में बीते कुछ दिनों से भारी उमस और गर्मी का सामना करना पड़ा है। लखनऊ और उसके आसपास के क्षेत्रों में सुबह से शाम तक धूप बनी रही।

चावल के दाने पर तस्वीर देख चौंके राहुल

रायबरेली, वार्ता

अपने संसदीय क्षेत्र के दौरे पर पहुंचे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी उस समय चौंक गए, जब उन्होंने अपनी तस्वीर चावल के एक दाने पर देखी। कलाकार ने अरहर के दाने पर भी राहुल की तस्वीर उकेरी थी। इसे देखकर राहुल गांधी ने कलाकार की जमकर तारीफ की। रायबरेली के कलाकार मो. नसीम ने राहुल गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी की चावल पर बनी तस्वीरें नेता प्रतिपक्ष को भेंट कीं।

कलाकार मो. नसीम ने बताया कि राहुल गांधी ने यह तस्वीरें देखकर कहा कि इतनी महीन कारीगरी कैसे कर लेते हैं? उन्होंने आश्वासन दिया कि हमारी सरकार आई, तो ऐसा सम्मान देंगे, जिसे आपने सोचा

रायबरेली के कलाकार ने गिफ्ट किया मोमेंटो

तक नहीं होगा। नसीम ने बताया कि 11 सितंबर को सांसद राहुल गांधी रायबरेली पहुंचे तब उनसे मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने राहुल गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी की तस्वीर को चावल के एक दाने पर बनाया। दाल के दाने पर उन्होंने एक्रेलिक पेंट्स से राहुल गांधी की तस्वीर बनाई और उन्हें गिफ्ट की। नसीम ने बताया कि पिछले 25 वर्ष यानी 1999 से यह कलाकारी कर रहे हैं। 5 बार का वर्ल्ड रिकॉर्ड उनके नाम है। रायबरेली का नाम पूरी दुनिया मे रोशन किया है। मो. नसीम ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भी उनके हुनर की तारीफ की थी, सम्मान भी दिया था। मो. नसीम के घर पर इसी तरह से चावल के दाने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन सहित दिग्गज हस्तियों का चित्र बनाकर रखा ह। मो. नसीम ने बताया कि कई बार मुंबई में नेताओं और अभिनेताओं ने उन्हें सम्मानित किया है। अमेठी के सांसद किशोरी लाल शर्मा का दाल के दाने पर चित्र बनाने के बाद उन्होंने भी अमेठी में मिलने के लिए उन्हें बुलाया है।

शुरुआत में राहुल गांधी को छोटा-मोटा पटाखा देना चाहिए: केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ। राहुल गांधी के रायबरेली दौर को लेकर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने तीखा व्यंग करते हुए कहा कि शुरुआत में राहुल गांधी को हाइड्रोजन बम के स्थान पर छोटा-मोटा पटाखा देना चाहिए था। राहुल गांधी के रायबरेली दौरे के दौरान दिए गए बयान को लेकर रविवार को कटाक्ष करते हुए प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स लिखा कि कांग्रेस को अपने मनमौजी नेता राहुल गांधी के हाथों में सीधे एटम बम या हाइड्रोजन बम नहीं थमाना चाहिए था। शुरुआत में उन्हें कोई छोटा-मोटा पटाखा देना चाहिए था।

सभी भारतीय भाषाओं का सम्मान करें

नई दिल्ली, वार्ता

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत में कई भाषाएं बोली जाती हैं। इनमें हिंदी देश की सबसे बड़ी आबादी में बोली जाने वाली भाषा है। 14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को भारत की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया था। इसी फैसले को याद करते हुए 14 सितंबर 1953 को हिंदी दिवस मनाने का फैसला लिया गया।

अपने संदेश में उन्होंने कहा कि हमारा देश मूलतः भाषा प्रधान राष्ट्र है। हमारी भाषाएं संस्कृति, इतिहास, परंपराओं, ज्ञान, विज्ञान, दर्शन और अध्यात्म को पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाने का एक सशक्त माध्यम रही हैं। हिंदी दिवस के अवसर हम हिंदी सहित सभी

हिंदी दिवस पर अमित शाह की अपील

भारतीय भाषाओं का सम्मान करें और एक आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और विकसित भारत की ओर अग्रसर हों।

उन्होंने यह भी कहा कि भारत की भाषाओं की सबसे बड़ी ताकत यह है कि उन्होंने हर वर्ग और समुदाय को अभिव्यक्ति का अवसर प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर में बिहू के गीत, तमिलनाडु में ओवियालु की आवाज़, पंजाब में लोहड़ी के गीत, बिहार में विद्यापति के पद, बंगाल में बाउल संतों के भजन, कजरी गीत और भिखारी ठाकुर का बिदेसिया - इन सभी ने देश की संस्कृति को जीवंत और कल्याणकारी बनाए रखा है। गृह मंत्री ने कहा कि संत तिरुवल्लुवर के पद दक्षिण में उतनी ही श्रद्धा से गाए जाते हैं जितनी उत्तर में उन्हें रुचि के साथ पढ़ा जाता है और कृष्णदेव. राय दक्षिण में भी उतने ही लोक. प्रिय थे जितने उत्तर में। अमित शाह ने कहा कि सुब्रमण्यम भारती की देश भक्तिपूर्ण रचनाएं हर क्षेत्र के युवाओं में राष्ट्रीय गौरव की भावना जगाती हैं। गोस्वामी तुलसीदास हर भारतीय के लिए पूजनीय हैं और संत कबीर के दोहे तमिल, कन्नड़ और मलयालम में अनुवादित पाए जाते हैं।

सेंसेक्स 81101.32
निफ्टी 24868.60

सोना रु. 109707
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 128008
प्रति किलो

महंगाई के आंकड़ों से तय होगी शेयर बाजार की चाल

मुंबई, वार्ता

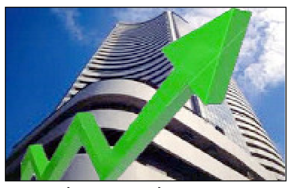

घरेलू शेयर बाजारों में लगातार दो सप्ताह की तेजी के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों का रुख महंगाई के आंकड़ों और अमेरिका में फेडरल रिजर्व के नीतिगत ब्याज दरों के बारे में फैसले पर निर्भर करेगा।

खुदरा मूल्य आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े गत शुक्रवार को बाजार बंद होने पर जारी किए गए थे। वहीं कल यानी सोमवार को थोक महंगाई के आंकड़े भी जारी होंगे। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतिगत दरों पर बैठक मंगलवार और बुधवार को होगी और दूसरे दिन बयान जारी किया जाएगा। इन सभी कारकों का बाजार पर असर देखने को मिलेगा। खुदरा महंगाई दर जुलाई की तुलना में बढ़कर 2.07 प्रतिशत पर रही। खाद्य मुद्रास्फीति जहां एक बार फिर शून्य से नीचे रही, वहीं गैर-खाद्य मुद्रास्फीति भी नियंत्रण में है। इससे बाजार में निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। निवेशकों की नजर अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता पर भी रहेगी। बीते सप्ताह शेयर बाजार में प्रमुख सूचकांक पांचों दिन बढ़त के साथ बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1,193.94 अंक (1.48 प्रतिशत) की साप्ताहिक तेजी के साथ शुक्रवार को 81,904.70 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 373 अंक यानी 1.51 प्रतिशत चढ़कर 25,114 अंक पर पहुंच गया। मझौली और छोटी कंपनियां भी दिग्गज कंपनियों की राह पर रहीं। सप्ताह के दौरान निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 2.10 प्रतिशत और स्मॉलकैप 1.90 प्रतिशत मजबूत हुए। सप्ताह के दौरान निफ्टी आईटी सूचकांक में चार प्रतिशत के अधिक की तेजी रही। सार्वजनिक बैंकों का सूचकांक करीब तीन प्रतिशत बढ़त में रहा। ऑटो और धातु सूचकांक दो प्रतिशत के अधिक चढ़े। निफ्टी फार्मा में करीब दो प्रतिशत की तेजी रही।

टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूह का सूचकांक एक प्रतिशत टूट गया। सेंसेक्स की 30 में से 25 कंपनियों के शेयर हरे निशान में रहे। बीईएल में 7.63 प्रतिशत की साप्ताहिक तेजी रही। बजाज ऑटो का शेयर 6.99 प्रतिशत, इंफोसिस का 5.62 प्रतिशत और अडानी पोर्ट्स का 5.36 प्रतिशत चढ़ा। एक्सिस बैंक का शेयर 4.65 प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त में रहा। बजाज फिनसर्व, टाटा मोटर्स, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और टेक महिंद्रा के शेयर तीन प्रतिशत से अधिक मजबूत हुए। मारुति सुजुकी, टीसीएस और भारतीय स्टेट बैंक में दो प्रतिशत के अधिक की साप्ताहिक तेजी रही। ट्रेंट का शेयर 7.15 प्रतिशत टूट गया। टाइटन में 2.57 फीसदी, इटरनल में 2.35 फीसदी और हिंदुस्तान यूनिलिवर में 2.01 प्रतिशत की गिरावट रही।

रुपए में रही 17 पैसे की साप्ताहिक गिरावट

मुंबई। रुपया बीते सप्ताह दबाव में रहा और ऐतिहासिक निचले स्तर तक लुढ़कने के बाद 16.75 पैसे की साप्ताहिक गिरावट में शुक्रवार को 88.26 रुपए प्रति डॉलर पर बंद हुआ। भारतीय मुद्रा गत सप्ताह गुरुवार को 88.35 रुपए प्रति डॉलर तक फिसल गयी थी। उसी दिन बीच कारोबार में यह 88.49 रुपए प्रति डॉलर तक भी लुढ़की थी। निजी और सार्वजनिक बैंकों की डॉलर लिवाली से रुपए पर दबाव रहा, हालांकि घरेलू शेयर बाजारों में तेजी और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के बाजार से पैसा निकालने से रुपए को कुछ समर्थन मिला और यह सप्ताहांत पर 88.26 रुपए प्रति डॉलर रहा।

चावल नरम, गेहूं-चीनी मजबूत, खाद्य तेलों में घटत-बढ़त, दालों के दाम बढ़े

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव गिर गए, जबकि गेहूं में तेजी रही। खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया, जबकि दालों के दाम बढ़ गए।

घरेलू थोक जिस बाजारों में सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 18 रुपए कम होकर सप्ताहांत पर 3,759 रुपए प्रति क्विंटल पर रही। गेहूं 10 रुपए महंगा होकर 2,859.13 रुपए प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटे की कीमत भी 24 रुपए बढ़ गयी और सप्ताहांत पर यह 3,334.63 रुपए प्रति क्विंटल पर रहा। सरसों तेल की औसत कीमत 68 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ गई। मूंगफली तेल में 288 रुपए और वनस्पति में 112 रुपए प्रति क्विंटल की साप्ताहिक बढ़त दर्ज की गयी। सूरजमखी तेल 70 रुपए और पाम ऑयल 140 रुपए प्रति क्विंटल महंगा हुआ। वहीं सोयाबीन तेल 30 रुपए प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। बीते सप्ताह दाल-दलहनों के दाम बढ़ गए। उड़द दाल में 42 रुपए और दाल मूंग में 38 रुपए प्रति क्विंटल की तेजी देखी गयी। तुअर दाल भी आठ रुपए महंगी हुई। मसूर दाल की कीमत 23 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ गई। चना दाल के भाव कमोबेश स्थिर रहे। गुड़-चीनी: मीठे के बाजार में लगातार दो सप्ताह की नरमी के बाद फिर तेजी लौट आयी। गुड़ के औसत भाव करीब 54 रुपए प्रति क्विंटल और चीनी के 29 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ गए। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के औसत थोक भाव शनिवार को इस प्रकार रहे: दाल-दलहन: दाल चना 7892.79 रुपए, मसूर काली 8115.39 रुपए, मूंग दाल 10089.95 रुपए, उड़द दाल 10446.72 रुपए, अरहर दाल 10571.89 रुपए प्रति क्विंटल। अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2859.13 रुपए और चावल 3759 रुपए प्रति क्विंटल। चीनी-गुड़: चीनी एस 4329.01 रुपए और गुड़ 4980.74 रुपए प्रति क्विंटल बोले गए।

कीमत बढ़ने से कम सोना खरीद रहे लोग, कैरेट पर भी कर रहे समझौता

नई दिल्ली। सोने की कीमत आसमान पर होने के कारण लोगों ने गहने-जेवरात की खरीद कम कर दी है, यहां तक कि कैरेट पर भी समझौता कर रहे हैं, इसके बावजूद सर्राफा व्यापारियों की चांदी है। दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,13,000 रुपये प्रति दस ग्राम से ऊपर है, जो पहले कभी नहीं देखा गया था। यह इस साल 30 प्रतिशत से ज्यादा महंगा हुआ है।

यहां भारत मंडपम में 13 से 15 सितम्बर तक जारी तीन दिवसीय दिल्ली ज्वेलरी एंड जेम्स फेयर 2025 में मीडिया से बात करते हुए इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की महिला शाखा की राष्ट्रीय अध्यक्ष हेतल वकील वालिया ने कहा कि ऊंची कीमत के अलावा एक और तथ्य है जो लोगों की पसंद को प्रभावित कर रही है। अब महिलाएं भारी जेवर की बजाय हल्के जेवर ज्यादा पसंद करती हैं जिन्हें वे ऑफिस या घरों में भी रोजाना पहन सकें, न कि सिर्फ खास मौकों पर। इसलिए, लोग शादियों में भी हल्के जेवर दे रहे हैं। यह जेब के लिए किफायती भी है और फैशन पसंद युवा वर्ग के लिए बिल्कुल सही है। यही कारण है कि अब बड़े सेट ज्यादा नहीं बिक रहे हैं। ज्वेलरी डिजाइनर वालिया ने कहा कि हमारे देश में कुछ भी हो जाए, लोग शादी-विवाह में गहने जरूर देते हैं। लेकिन बजट को देखते हुए अब वे कैरेट पर समझौता कर रहे हैं। दक्षिण भारत में पहले 22 कैरेट से कम का सोना बिकता ही नहीं था, अब वहां भी 18 कैरेट का सोना बिकने लगा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में नौ केरेट के सोने को भी हॉलमार्क देने का फैसला करते हुए सरकार ने अब उसकी बिक्री को भी मान्यता दे दी है। द बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (टीबीजेए) के चेयरमैन रामअवतार वर्मा ने भी स्वीकार किया कि लोग अब पहले के मुकाबले कम सोना खरीद रहे हैं, लेकिन दाम इतने ऊंचे हैं कि व्यापारियों की आय बिल्कुल भी प्रभावित नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि सोने की कीमत अभी और बढ़ेगी, क्योंकि पहले भी दाम में कितनी ही तेज उछाल के बाद भी इसने कभी वापस मुड़कर नहीं देखा। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) के आंकड़े भी इस बात की पुष्टि करते हैं। उसका कहना है कि इस साल देश में सोने की खपत पांच साल के निचले स्तर पर 600 से 700 टन के बीच रह सकती है। पिछले साल यह 802.8 टन रही थी। अप्रैल-जून तिमाही में खपत 10 प्रतिशत कम होकर 134.9 टन रही थी।

बॉर्डर खुला, चार दिन बाद दिखी चहल-पहल

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। नेपाल में अंतरिम सरकार के गठन के बाद भारत-नेपाल सीमा पर हालात धीरे-धीरे सामान्य होने लगे हैं। सील रुपईडीहा बॉर्डर सुबह 10 बजे खोल दिया गया। इससे दोनों देशों के नागरिकों व मालवाहक वाहनों का आवागमन शुरू हो गया।

कड़ी जांच के बाद ही सभी को आगे भेजा जा रहा है। सीसीटीवी कैमरों से भी निगरानी की जा रही है। इस बीच आईसीपी के पास लैंड पोर्ट में लगी ट्रकों की कतार भी करीब समाप्त हो गई। नेपाल में उपद्रव और बॉर्डर सील होने के कारण भारत-नेपाल व्यापार पांच दिन तक ठप रहा। इस दौरान भारत के निर्यातकों का करीब 22 करोड़

खत्म हुई ट्रकों की कतार, दोनों देशों के नागरिकों व मालवाहक वाहनों का आवागमन शुरू

रुपए का टर्नओवर प्रभावित हुआ है। वहीं, लैंड पोर्ट प्रशासन को भी 12 लाख रुपए से अधिक का नुकसान उठाना पड़ा। राहत की बात यह रही कि नेपाल के हालात को देखते हुए ट्रकों से सामान्य शुल्क ही लिया गया। इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट (आईसीपी) में प्रतिदिन रुकने पर लगने वाला जुर्माना माफ कर दिया गया। आवागमन शुरू होने से शनिवार सुबह बॉर्डर पर रौनक लौटी। करीब 10 हजार लोग नेपाल से भारत आए। एसएसबी के अनुसार करीब पांच हजार नेपाली नागरिक भी यहां से नेपाल गए। साप्ताहिक अवकाश के कारण नेपाल में सरकारी कार्यालय बंद रहे। रविवार से सरकारी कार्यालयों के भी खुलने की उम्मीद है, जिससे हालात और भी सामान्य होंगे। बॉर्डर खुलने से स्थानीय व्यापारियों ने भी राहत की सांस ली। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष बलराम मिश्रा, संरक्षक विजय मित्तल और रतन अग्रवाल ने बताया कि धीरे-धीरे व्यापार पटरी पर लौटने की उम्मीद है। व्यापारी नेताओं के अनुसार शनिवार को नेपाल से बड़ी संख्या में खरीदार रुपईडीहा बाजार आए। इससे एक दिन में करीब 50 लाख रुपए के कारोबार की उम्मीद है। नेपाली नागरिकों ने सबसे ज्यादा खाद्य पदार्थों की खरीद की।

शाह टाइम्स क्लासीफाईड्स Sale

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहजमी, जॉन्डिस, फैटी लीवर, एल्कोहलिक लिवर डिजीज आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहे फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

वैधानिक सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल कर लें तथा उचित सलाह ले लें। कोई भी अभिदाता जो इस अखबार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संदर्भ में कोई राशि भेजता है, किसी चिकित्सीय सलाह पर कोई कार्यवाही या खर्च करता है या कोई वचन देता है, तो ऐसा वह स्वविवेक, बुद्धि तथा जोखिम पर करेंगे। कम्पनी, प्रकाशक या उसका कोई कर्मचारी विज्ञापनदाता या उसके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देते तथा ऐसे विज्ञापनों विश्वास करके किसी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

25 Years Anniversary

नई दिल्ली, सोमवार 15 सितम्बर 2025 राष्ट्रीय संस्करण: वर्ष 23 अंक 164 पृष्ठ 12+12 मूल्य रुपये 5.00

शाह टाइम्स रजत जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं

shahtimes2015@gmail.com आश्विन कृष्ण पक्ष 6 विक्रमी सम्वत् 2082 22 रबी उल अव्वल 1447 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

सूचना

सभी सम्मानित पाठकों और विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि **दैनिक शाह टाइम्स** के रजत जयंती विशेषांक के क्रम में आज का अंक 12 + 12 = 24 पृष्ठ का है।

-व्यवस्थापक

असम में 5.8 तीव्रता का भूकंप, मकानों में दरारें आईं

नई दिल्ली। असम में रविवार शाम 4:41 बजे 5.8 तीव्रता का भूकंप आया। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक,भूकंप का केंद्र असम के उदलगुरी में 5 किलोमीटर की गहराई पर था। इसके झटके पश्चिम बंगाल और पड़ोसी देश भूटान तक महसूस किए गए। भूकंप के बाद गुवाहाटी में लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। अब तक कहीं से जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। हालांकि, कई मकानों में दरारें आ गई हैं। भूकंप के बाद असम के कई जिलों में मकानों में दरार आ गई है। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने सोशल मीडिया पर लिखा कि असम में बड़ा भूकंप आया। सभी की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करता हूं, सभी सतर्क रहें।

अमृतसर मंदिर में ग्रेनेड हमले के आरोपियों के विरुद्ध आरोप पत्रपेश

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अमृतसर के एक मंदिर में ग्रेनेड हमला करने के मामले में तीन आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। एनआईए की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार एनआईए ने शुक्रवार को मोहाली (पंजाब) की विशेष अदालत में दाखिल आरोपपत्र में विशाल गिल , भगवंत सिंह उर्फ मन्ना भट्टी और दीवान सिंह उर्फ सनी पर अमृतसर के छेहरटा स्थित ठाकुरद्वारा सनातन मंदिर पर हमले की साजिश रचने और उसे अंजाम देने का आरोप लगाया है। एनआईए के अनुसार विशाल गिल उन दो बाइक सवार हमलावरों में से एक था, जिन्होंने 15 मार्च, 2025 तड़के ग्रेनेड फेंका था।

आयकर रिटर्न भरने की आखिरी तारीख आज

नई दिल्ली। आकलन वर्ष 2025-26 के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने की सोमवार को आखिरी तारीख है और ऐसे में आयकर विभाग ने लोगों को अंतिम समय में संभावित परेशानी से बचने के लिए रविवार को ही अपना रिटर्न भरने की सलाह दी। विभाग ने सोशल मीडिया के माध्यम से रविवार को बताया कि अपना आयकर रिटर्न आज ही दाखिल करें। अक्सर देखा जाता है कि जब बड़ी संख्या में लोग अंतिम समय में लॉगइन करते हैं, तो सर्वर हैंग होने या प्रक्रिया धीमी होने की शिकायत आती है। उल्लेखनीय है कि आयकर रिटर्न भरने की आखिरी तारीख फिलहाल 15 सितम्बर है।

जनगणना की मॉकड्रिल अक्टूबर से शुरू होगी

नई दिल्ली। दुनिया की सबसे बड़ी प्रशासनिक कवायद जनगणना-2027 की शुरुआत से पहले पूरे तंत्र की जांच-परख के लिए एक अक्टूबर से मॉकड्रिल शुरू होगी। सूत्रों ने बताया कि मॉक ड्रिल 60 दिन चलेगी। इस दौरान, जनगणना की तमाम गतिविधियां जांची जाएंगी।

भारत की सात और संपत्तियां यूनेस्को विरासत बनीं

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ सात स्थलों के जुड़ने के बाद भारत की कुल धरोहरों की संख्या 69 हुई

नई दिल्ली। भारत की सात नई प्राकृतिक धरोहरों को यूनेस्को की विश्व धरोहर की टेंटेटिव लिस्ट (अस्थायी सूची) में शामिल किया गया है। इनमें महाराष्ट्र के पंचगनी और महाबलेश्वर के डेक्कन ट्रैप्स तथा आंध्र प्रदेश की तिरुमला पहाड़ियां प्रमुख हैं। इन सात स्थलों के जुड़ने के बाद भारत की कुल धरोहरों की संख्या 69 हो जाएगी।

इनमें 49 सांस्कृतिक, 3 मिश्रित और 17 प्राकृतिक श्रेणी की धरोहरें शामिल हैं। यूनेस्को के स्थायी प्रतिनिधिमंडल भारत की इन जगहों के चयन पर बताया कि इन धरोहरों को सूची में शामिल किया जाना देश की समृद्ध सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत के संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सूची में शामिल सात नए स्थलों पर एक नजर-डेक्कन ट्रैप्स (पंचगनी और महाबलेश्वर, महाराष्ट्र), सेंट मैरी आइलैंड क्लस्टर का भूवैज्ञानिक धरोहर (उडुपी, कर्नाटक), मेघालयन एज गुफाएं (ईस्ट खासी हिल्स, मेघालय), नगा हिल ओफियोलाइट (किफाइरे, नगालैंड), एर्रा मट्टी डिब्बालु (विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश), तिरुमला हिल्स का प्राकृतिक धरोहर (तिरुपति, आंध्र प्रदेश), वरकला का प्राकृतिक धरोहर (केरल)। विगत 12 सितम्बर को किए गए औपचारिक ऐलान में कहा गया कि कुल सात प्राकृतिक धरोहरें सूची में जोड़ी गई हैं। यूनेस्को की प्रक्रिया के अनुसार, किसी भी धरोहर को विश्व धरोहर सूची में शामिल करने से पहले उसका टेंटेटिव लिस्ट (अस्थायी सूची) में होना अनिवार्य है। यूनेस्को में भारत के प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को उनके इस कार्य के लिए धन्यवाद दिया है।

भारत ने पाकिस्तान को सात विकेट से हराया

■ सूर्यकुमार ने छक्का लगाकर जिताया, कुलदीप ने तीन विकेट लिए

दुबई। भारत ने एशिया कप के छठे मैच में पाकिस्तान को 7 विकेट से हरा दिया। टीम ने 128 रन का टारगेट 16वें ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया।

पाक ने दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में टॉस जीत बल्लेबाजी चुनी और 9 विकेट खोकर 127 रन बनाए साहिबजादा फरहान (40) और शाहीन अफरीदी (33) के अलावा कोई बल्लेबाज खास प्रदर्शन नहीं कर सका। कुलदीप यादव ने 3 विकेट झटके। बुमराह और अक्षर पटेल को 2-2 विकेट मिले। एक-एक विकेट पंड्या और वरुण चक्रवर्ती को मिला। भारत के ओपनर अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा ने 31-31 रन की पारियां खेलीं। सूर्यकुमार यादव ने नाबाद 47 रन बनाए।

मैं शिव भक्त, जहर निगल लेता हूं

असम में पीएम बोले- कांग्रेस ने घुसपैठियों को दिया बढ़ावा, गरीबों को ठुकराया

गुवाहाटी, वार्ता

हमारे लिए जनता भगवान

■ मोदी ने 18,500 करोड़ के इन्फ्रास्ट्रक्चर व इंडस्ट्रियल प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के असम दौरे का रविवार को दूसरा दिन था। उन्होंने दरांग और गोलाघाट के नुमालीगढ़ में 18,500 करोड़ के इन्फ्रास्ट्रक्चर और इंडस्ट्रियल प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

पीएम ने दोनों जगहों पर जनसभाएं भी कीं। प्रधानमंत्री ने दरांग में कहा कि जब हमने भूपेन हजारिका को भारत रत्न दिया था, तो कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा था कि मोदी, नाचने-गाने वालों को भारत रत्न दे रहा है। मुझे कितनी ही गालियां दें, मैं भगवान शिव का भक्त हूं, सारा जहर निकाल लेता हूं। लेकिन जब किसी और का अपमान होता है, तो मुझसे रहा नहीं जाता। नुमालीगढ़ में पीएम ने कहा कि कांग्रेस के कार्यकाल में गरीबों को ठुकराया गया। आदिवासियों के साथ अन्याय हुआ। हमारा मंत्र नागरिक देवो भव: है। हमारे लिए जनता भगवान है। देश के नागरिकों को असुविधा न हो, भाजपा सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री शनिवार शाम गुवाहाटी पहुंचे थे। वे एयरपोर्ट से सीधा लोकगायक भूपेन हजारिका की विशेष श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए। इसके बाद रात में स्टेट गेस्ट हाउस में ठहरे थे। असम से पहले पीएम ने मिजोरम और मणिपुर में कई विकास परियोजनाओं की शुरुआत की थी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारी योजनाओं का लाभ यहां चाय बागानों में काम करने वाले भाई और बहनों को भी हो रहा है। उनका हित हमारी प्राथमिकता है। सरकार टी गार्डन में काम करने वाली महिलाओं को मदद दे रही है। उनके स्वास्थ्य, बच्चों की शिक्षा पर हमारा बहुत जोर है। यहां माता और शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए भी योजनाएं चला रही है। कांग्रेस के समय इन श्रमिकों को टी कंपनी के भरोसे छोड़ दिया गया था। लेकिन हम उनके घर, बिजली, पानी और स्वास्थ्य की चिंता कर रहे हैं। असम के विकास का दौर शुरू हो चुका है। असम ट्रेड और टूरिज्म का बड़ा सेंटर बनेगा। हम मिलकर नया असम बनाएंगे।

अब असम में बांस से बनेगा एथेनॉल

■ पीएम ने असम बायो एथेनॉल संयंत्र का किया उद्घाटन

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को असम में नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) में असम बायो एथेनॉल संयंत्र का उद्घाटन किया और नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) में पालीप्रोपाइलीन संयंत्र की आधारशिला भी रखी। पीएम मोदी ने कहा कि आज यहां बांस से एथेनॉल बनाने की शुरुआत हुई है। इसका असम के लोगों को फायदा होगा। सरकार यहां के किसानों को बांस की खेती करने में मदद करेगी और खरीदी भी करेगी। असम और पूर्वोत्तर आत्मनिर्भर भारत अभियान का केंद्र है। पीएम मोदी ने कहा कि असम को 12 हजार करोड़ की सौगात दी गई है। ये उद्यम असम के विकास को गति देंगे। मैं सभी को प्रोजेक्ट्स के लिए बधाई देता हूं। भारत दुनिया का सबसे तेजी से विकसित होने वाला देश है। जैसे-जैसे भारत विकसित हो रहा है, वैसे-वैसे बिजली, ईंधन की जरूरतें बढ़ रही हैं।

नासिक में सीबीआई ने दो फर्जी कॉल सेंटरों का किया भंडाफोड़

नई दिल्ली। सीबीआई ने महाराष्ट्र के नासिक में दो अवैध कॉल सेंटरों का भंडाफोड़ किया है, जो स्वगन बिजनेस सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के नाम से चलाए जा रहे थे। सीबीआई के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि 11 सितम्बर को चार व्यक्तियों और कुछ अज्ञात सरकारी अधिकारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई थी कि नामजद लोग नासिक में स्वगन बिजनेस सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के नाम से दो अवैध कॉल सेंटर चला रहे हैं और ब्रिटिश नागरिकों से बीमा एजेंट या सरकारी अधिकारी बन कर ठगी कर रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि इन अवैध सेंटरों को चलाने वाले आरोपियों की पहचान गणेश और श्याम कामनकर के रूप में हुई है। उन्होंने कहा कि इन सेंटरों पर लगभग 60 लोग काम कर रहे थे। ये लोग इंटरनेट के माध्यम से कॉल करते थे, जाली नंबरों और दस्तावेजों का उपयोग करके नकली बीमा पॉलिसी बेचने के नाम पर पीड़ितों से क्रेडिट या डेबिट कार्ड की जानकारियां हासिल कर ठगी करते थे। सीबीआई ने नासिक और कल्याण में विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर आठ कम्प्यूटर, आठ फोन, फर्जी बीमा पॉलिसी, पांच लाख रुपये नकद और कुछ आपत्तिजनक डिजिटल साक्ष्य बरामद किए हैं।

लखनऊ में बड़ा विमान हादसा टला

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ उड़ान भरने से ठीक पहले रोकी गई फ्लाइट

■ सांसद डिंपल यादव समेत 151 यात्री थे सवार

लखनऊ। अमौसी एयरपोर्ट से दिल्ली जा रही इंडिगो की फ्लाइट में शनिवार सुबह उस वक्त दहशत का माहौल पैदा हो गया, जब इंजन में तकनीकी गड़बड़ी से विमान को अचानक रोक दिया गया। यात्रियों की जान सांसत में आ गई। विमान को रनवे से वापस लौटाया गया।

यात्रियों को दूसरे विमान से दिल्ली रवाना किया गया। वहीं इंजीनियरों की टीम देर तक विमान में गड़बड़ी का पता लगाती रही। मामला शनिवार सुबह का है। इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट संख्या 6ई-2111 चौधरी चरण सिंह अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट से सुबह 10.30 बजे के आसपास उड़ान भरकर 12.30 बजे तक दिल्ली पहुंच जाती है। सुबह विमान उड़ान के लिए तैयार था। यात्रियों की बोर्डिंग हो चुकी थी। विमान रनवे पर पहुंचा। उसके इंजनों ने रफ्तार पकड़नी शुरू की। उड़ान से ठीक पहले इंजन थ्रस्ट लेते हैं, जिससे एक झटके में विमान जमीन छोड़कर हवा में आ जाता है। लेकिन, दिल्ली जाने वाली यह उड़ान रनवे से उड़ान ही नहीं भर पाई। समाजवादी पार्टी से सांसद डिंपल यादव और गोंडा के सपा नेता सूरज सिंह विमान में सवार थे। सूरज सिंह ने सोशल मीडिया पर मामले को साझा किया। उन्होंने बताया कि वह लखनऊ से दिल्ली जा रहे थे। उन्हें 2बी सीट मिली थी। वह विमान में सवार हुए। विमान के रनवे पर पहुंचने के बाद इंजनों को थ्रस्ट नहीं मिला। तकनीकी गड़बड़ी के चलते ऐसा हुआ। लिहाजा इंडिगो के विमान को वापस लौटा लिया गया, लेकिन तेज रफ्तार विमान को अचानक रोक देने से यात्रियों में दहशत पैदा हो गई। यात्रियों को शांत करवाकर दूसरे विमान से दिल्ली भेजा गया। वहीं इंडिगो एयरलाइंस से जुड़े सूत्रों का कहना है कि रनवे पर विमान आगे नहीं बढ़ पा रहा था। इसके चलते विमान की जांच करवाई गई। इंडिगो एयरलाइंस से जुड़े सूत्रों ने बताया कि रनवे से विमान को लौटाने के बाद इंजीनियरों की टीम ने खराबी तलाशी।

बसपा में बड़ा संगठनात्मक बदलाव

मायावती ने अशोक सिद्धार्थ को सौंपा अहम दायित्व

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ सिद्धार्थ अब छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर व गुजरात में संगठन को करेंगे मजबूत

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने पार्टी संगठन में व्यापक फेरबदल करते हुए अपने समधी और वरिष्ठ नेता अशोक सिद्धार्थ को केंद्रीय कोऑर्डिनेटर नियुक्त कर उन्हें चार अहम राज्यों की जिम्मेदारी सौंपी है।

हाल ही में पार्टी में वापसी करने वाले अशोक सिद्धार्थ अब छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और गुजरात में संगठन को मजबूत करेंगे। इससे पहले इन राज्यों की जिम्मेदारी रणधीर सिंह बेनीवाल के पास थी। अब बेनीवाल को सेक्टर-चार का कोऑर्डिनेटर बना दिया गया है, जिसकी जिम्मेदारी अभी तक डा. लालजी मेधांकर संभाल रहे थे। श्री मेधांकर को नए फेरबदल के तहत सेक्टर-पांच का प्रभारी बनाया गया है। वहीं, सेक्टर-छह अब पूर्व विधायक अतर सिंह राव संभालेंगे। यह जिम्मेदारी अब तक पूर्व विधायक धर्मवीर सिंह के पास थी। सेक्टर-एक और सेक्टर-दो में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सेक्टर-एक पूर्व सांसद रामजी गौतम के पास रहेगा, जबकि सेक्टर-दो की जिम्मेदारी पूर्व सांसद राजाराम के पास बनी रहेगी। मायावती ने संगठनात्मक ढांचे को बेहतर बनाने के लिए देश को छह सेक्टरों में विभाजित किया है।

हर सेक्टर में तीन से चार राज्यों को शामिल किया गया है। इन सेक्टरों के कार्यों की समीक्षा पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद करेंगे।

हैदराबाद के स्कूल में ड्रग्स फैक्ट्री का खुलासा

हैदराबाद। तेलंगाना के हैदराबाद में पुलिस ने एक प्राइवेट स्कूल के अंदर ड्रग्स फैक्ट्री का खुलासा किया। मेधा स्कूल नाम के स्कूल के डायरेक्टर मालेला जया प्रकाश गौड़ सहित 3 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों ने स्कूल के क्लास रूम और रस्ट्रिकटेड एरिया को अल्प्राजोलम का प्रोडक्शन फैक्ट्री बना दिया था। अल्प्राजोलम का इस्तेमाल ताड़ी बनाने में किया जाता है। यह एक नशीला पदार्थ है, जो तेलंगाना में बैन है। पुलिस ने बताया कि बिल्डिंग के सेकेंड फ्लोर पर लगभग छह महीने से फैक्ट्री चल रही थी। ग्राउंड और फर्स्ट फ्लोर पर क्लास चलती थी। फैक्ट्री में छह दिन ड्रग्स बनती थी।

राजनीतिक दलों के जरिये मनी लॉन्ड्रिंग गंभीर मामला: सुप्रीम कोर्ट

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ कहा: ठोस कानून क्यों नहीं, चुनाव आयोग और केंद्र से तीन नवम्बर तक जवाब मांगा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि ऐसे राजनीतिक दल जो इनएक्टिव हैं, उनके जरिए टैक्स चोरी और मनी लॉन्ड्रिंग गंभीर मुद्दा है। यह सीधे लोकतंत्र और चुनाव प्रक्रिया की पवित्रता से जुड़ा है।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग, विधि आयोग और केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर 3 नवम्बर तक जवाब मांगा है। पूछा है कि दलों के पंजीकरण और नियमन के लिए अब तक ठोस कानून क्यों नहीं बनाया गया। एडवोकेट अश्विनी उपाध्याय ने जनहित याचिका दाखिल की है। याचिका में कहा गया है कि आयकर विभाग की छापामारी में दो दलों इंडियन सोशल पार्टी और युवा भारत आत्म निर्भर दल के जरिये 500 करोड़ के फर्जी चंदे का मामला सामने आया था। नेशनल सर्व समाज पार्टी के जरिये 271 करोड़ का लेन-देन पकड़ा गया था। आरोप है कि हवाला और कमीशनखोरी के जरिये मनी लॉन्ड्रिंग के लिए ही ये दल बनाए गए थे। इनका चुनाव से कोई लेना-देना नहीं। याचिकाकर्ता की दलील में कहा गया है कि करीब 90 प्रतिशत दल कभी चुनाव नहीं लड़ते।

पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लो का दावा

ऑपरेशन सिंदूर के वक्त बंकर में छिपे थे आसिम मुनीर

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ बोले- पाक एयर डिफेंस हमारी एक मिसाइल भी नहीं रोक पाया

नई दिल्ली। भारतीय सेना से रिटायर लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लो ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के वक्त पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर एक बंकर में छिप गए थे।

जंग खत्म होने के बाद जनता की नजरों से बचने के लिए खुद को फील्ड मार्शल के पद पर प्रमोट कर लिया। ढिल्लो ने आगे कहा कि भारत ने 7 मई को 11 पाकिस्तानी एयरबेस पर सटीकता से हमला किया। पाकिस्तान का एयर डिफेंस इतना कमजोर था कि हमारी एक भी मिसाइल को रोक नहीं सका। 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों के मारे जाने के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओके) में आतंकी ढांचे तबाह किए थे। साथ ही पाकिस्तान के एयरबेस को भी नुकसान पहुंचाया था। 10 मई को दोनों देशों के बीच युद्ध खत्म हुआ था। केजेएस ढिल्लो ने कहा कि जब पाकिस्तान के डीजीएमओ 10 मई को दोपहर 3:35 बजे हमारे डीजीएमओ को फोन करते हैं और युद्धविराम की भीख मांगते हैं, तो हमारे लिए यह जीत है।

बारिश के चलते वैष्णो देवी यात्रा फिर से रोकी गई

■ यूपी में चार, हिमाचल में 133% ज्यादा बारिश

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में खराब मौसम के चलते वैष्णो देवी यात्रा को फिर से रोका गया।

19 दिन स्थगित रहने के बाद यात्रा रविवार से शुरू होनी थी, लेकिन तेज बारिश के चलते इसे अगले आदेश तक स्थगित किया गया। 26 अगस्त को मंदिर के ट्रैक पर लैंडस्लाइड में 34 तीर्थयात्रियों की मौत हुई थी। उप्र में बारिश के बाद गंगा, यमुना समेत नदियों का जलस्तर अब भी बढ़ा हुआ है। बलिया में चक्की नौरंगा गांव में 5 मकान और 5 दुकानें नदी में समा गईं। इस मानसून सीजन राज्य में 654.2एमएम बारिश हुई जो औसत 679.3एमएम बारिश से 4 फीसदी कम है। हिमाचल के मंडी जिले के धर्मपुर में सपड़ी रोह गांव में लैंडस्लाइड हुई। कई घरों तक मलबा पहुंच गया। राज्य में 12 सितम्बर तक 133फीसदी ज्यादा बारिश रिकॉर्ड हुई है।

शालीमार गार्डन में किया गया विकास कार्यों का शुभारंभ

महापौर सुनीता दयाल ने नारियल फोड़कर किया उद्घाटन, जनता का भरोसा बनाए रखने का दिया संदेश

शाह टाइम्स संवाददाता

साहिबाबाद। वार्ड 37 शालीमार गार्डन की छावड़ा कॉलोनी में लगभग 1 करोड़ 95 लाख की लागत से सड़क और नालियों के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। महापौर सुनीता दयाल के द्वारा नारियल फोड़कर विकास कार्यों की शुरुआत की गई। इस अवसर पर महापौर ने कहा कि गाजियाबाद का कोई भी वार्ड विकास से अछूता नहीं रहेगा। उन्होंने स्पष्ट संदेश देते हुए कहाकि जनता अपने कीमती वोट से हमें चुनती है, इसलिए जनता के विश्वास को कभी टूटने नहीं दिया जाएगा। पूर्व डिप्टी मेयर सरदार सिंह भाटी ने कहा कि महापौर सुनीता दयाल के नेतृत्व और भाजपा सरकार की प्राथमिकता के चलते विकास कार्यों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न उठानी पड़े। वार्ड 37 के पार्षद रवि भाटी ने बताया कि इस निर्माण कार्य में छावड़ा कॉलोनी के A, B और C ब्लॉक हाउसिंग कॉम्प्लेक्स शामिल होंगे। इसमें सड़क के दोनों तरफ आरसीसी नालियां, बीच में आरसीसी सड़क और दोनों ओर इंटरलॉकिंग टाइलें लगाई जाएंगी। इस मौके पर पूर्व डिप्टी मेयर सरदार सिंह भाटी, पार्षद रवि भाटी,पार्षद कालीचरण पहलवान, पूर्व पार्षद राजकुमारी, एसपी सिंह, योगेश माथुर, खुशनूर, कुसुम, सोनू श्रीवास्तव, सोमदत्त गुरु, आसिफ खान, बबली सिंह, वीरपाल कटारिया, नीलिमा माथुर, गिरिजा कंडपाल, उमा उनियाल, देवेंद्र सैन सोम भगत, देवेंद्र, रवींद्र, राज खान, पाल साहब, बबलू, नरेंद्र बघेल, मुकेश यादव, डॉक्टर गुलशाद, सुमित अधिवक्ता, सुदीप शर्मा, प्रमोद चौधरी, अनूप दारोगा, अन्नू, डॉक्टर कुसुम, अल्का, पूजा माथुर, बबली चौहान, सोनाली, रीना, डॉक्टर सतबीर, छुट्टन तोमर, मास्टर जी, मावी जी, माथुर, अरुण चौधरी, सोमनाथ चौहान, दीपक मिश्रा, सोनू चौधरी, कैलाश भट्ट, रामवीर कश्यप, रामबीर यादव, रामपाल, राज खान, नीतू ठाकुर, अशोक झा पंडित, शुक्ला जी , मुकेश, रोहि. हत, धर्मपाल चौधरी, रविन्द्र इत्यादि सड़कों लोग उपस्थित रहे।

एसआरएम में 'शिक्षक सम्मान समारोह-2025' का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

मोदीनगर। एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, दिल्ली-एनसीआर कैंपस, गाजियाबाद में 13 सितंबर 2025 को "शिक्षक सम्मान समारोह-2025" का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ। समारोह में निदेशक डॉ. एस. विश्वनाथन ने स्वागत भाषण देते हुए सभी अतिथियों एवं उपस्थित शिक्षकों का हार्दिक अभिनंदन किया। इसके पश्चात डीन डॉ. आर. पी. महापात्रा ने अपने विचार व्यक्त किए। विशिष्ट अतिथि प्रो. एस. के. सिंह, कुलपति, राजस्थान टेक्निकल यूनिवर्सिटी, कोटा ने अपने संबोधन में शिक्षा के बदलते स्वरूप और तकनीकी शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि डॉ. सुहास देशमुख, निदेशक, राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद, भारत सरकार ने अध्यक्षीय भाषण देते हुए शिक्षा क्षेत्र में नवीन पहल एवं भविष्य की संभावनाओं को साझा किया। इसके बाद "बेस्ट टीचर अवॉर्ड 2025" प्रदान किए गए, जिनके अंतर्गत उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के समापन पर डॉ. धौम्या भट्ट, डीन ख आईक्यूएसी ने धन्यवाद ज्ञापित किया तथा अंत में राष्ट्रगान प्रस्तुत किया गया। सभी पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं ने निदेशक डॉ. एस. विश्वनाथन, डीन ख आर. पी. महापात्रा, डीन ख आईक्यूएसी डॉ. धौम्या भट्ट, डीन ख विज्ञान एवं मानविकी डॉ. नवीन अहलावत, डीन ख एफएमएस डॉ. विजयलक्ष्मी अयंगर एवं डीन ख रिसर्च डॉ. ए. गीता भवानी के प्रति हार्दिक आभार प्रकट किया।

मोदीनगर तहसील में 15 सितम्बर से 14 अक्टूबर तक लगेगा अंश त्रुटि सुधार कैम्प

मोदीनगर। जिलाधिकारी गाजियाबाद के निर्देशन में तहसील मोदीनगर में अंश त्रुटि सुधार व राजस्व अभिलेखों में नाम सही कराने तथा मृतक खातेदार के स्थान पर विरासत दर्ज कराने हेतु दिनांक 15-09-2025 से 14-10-2025 तक कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि उक्त के सम्बन्ध में कृषक अपने अंश सही कराने के लिए ऑनलाईन आवेदन कर सकता है तथा राजस्व अभिलेखों में नाम सही कराने हेतु (साक्ष्यों सहित) यथा खतौनी की नकल व बैनामा की छायाप्रति इत्यादि एवं खतौनी में मृतक खातेदार के स्थान पर विरासत दर्ज कराने हेतु मृतक खातेदार का मृत्युप्रमाण पत्र, वारिसों के आधार कार्ड की छायाप्रति व खतौनी नकल आवेदन पत्र के साथ प्रस्तुत कर सकता है। जिसका प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जायेगा। उक्त कैम्प का आयोजन तहसील मोदीनगर के सभागार कक्ष में किया जायेगा।

आईएमए मोदीनगर व अपोलो हॉस्पिटल ने किया गोष्ठी का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

मोदीनगर। आईएमए मोदीनगर व अपोलो हॉस्पिटल, इंद्रप्रस्थ, दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमे डॉ निखिल मोदी (सीनियर कंसलटेंट रेस्पिरेटरी एंड क्रिटिकल केयर, अपोलो हॉस्पिटल) द्वारा आज कल चल रहे विभिन प्रकार के बुखार , उनके विभिन रूप, उनसे होने वाली गंभीर समस्या और रोकथाम पर प्रकाश डाला , खघस बात यह रही के टेस्ट द्वारा पता लगाया गया है के इन दिनों अलग अलग किस्म के वायरस से बुखार आ रहा है और इस वायरस का स्वरूप भी तेजी से बदल रहा है , साथ ही अगर सही समय पर सही इलाज ना मिले तो ये बीमारी बैक्टीरियल इंफेक्शन में बदल सकती है। क्रम को आगे बढ़ाते हुए डॉ पाखी अग्रवालने आजकल रोबोटिक सर्जरी में हो रहे तकनीकी बदलावों और विकास के बारे में जानकारी साझा की , उन्होंने उनके द्वारा किए गए भिन्न प्रकार की रोबोटिक सर्जरी के अनुभव स्लाइड्स और वीडियो द्वारा प्रदान की, किस तरह से मरीज को बिना हाथ लगाए और कम से कम चीरा लगा कर बिना मरीज को दर्द दिए यह ऑपरेशन किया जा सकता है यह भी बताया, मरीज को ऑपरेशन के कुछ समय बाद ही छुट्टी दी जा सकती है।

कार्यक्रम की शुरुआत इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ योगेश सिंघल व सचिव डॉ सौरभ गुप्ता को स्मृति चिह्न व गुलदस्ता से सम्मानित कर के की गई। कार्यक्रम में मोदीनगर से डॉ प्राची अवस्थी सिंघल, डॉ मीनू चौधरी, डॉ अपेक्षा मित्तल, डॉ जसकरण, डॉ प्रमिला शर्मा, डॉ नीतू गुप्ता, डॉ विकास गुप्ता, डॉ देवेंद्र शर्मा, डॉ अजय गुप्ता, डॉ संतोष मिश्रा, डॉ संजीव गुप्ता, डॉ राजेश तेवटिया, डॉ विजय तोमर, डॉ अजय तोमर, डॉ अखिल शर्मा, डॉ अनिल, डॉ विकास बंसल, डॉ संदीप परमार, डॉ विकास गोयल, डॉ विपिन अग्रवाल, डॉ अभिषेक, डॉ अखिल शर्मा, डॉ अमित कुमार, डॉ नरेश राघव, डॉ योगेन्द्र मित्तल, डॉ नीहार मित्तल, डॉ रवि नेहरा आदि उपस्थित रहे।

श्री ठाकुर द्वारा बालिका विद्यालय में हिंदी दिवस का आयोजन

गाजियाबाद। श्री ठाकुर द्वारा बालिका विद्यालय में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में हिंदी क्रियाकलापों का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की छात्राओं ने हिंदी की विभिन्न विधाओं - निबंध लेखन, भाषण, कविता वाचन, श्लोक वाचन, चौपाई वाचन एवं नुक्कड़ नाटक आदि में उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रधानाचार्या पूनम शर्मा ने सभी प्रतिभागी छात्राओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए तथा अपने उद्बोधन में कहा कि हमें अपनी मातृभाषा का सम्मान करना चाहिए क्योंकि भाषा हमारी संस्कृति की पहचान होती है। शुद्ध वाचन और लेखन के माध्यम से हम अपनी भाषा का गौरव बढ़ा सकते हैं।

रालोद ने चलाया सदस्यता अभियान

शाह टाइम्स संवाददाता

मोदीनगर। रालोद ने सिवाल खास विधानसभा क्षेत्र के गांवो में चलाया सदस्यता अभियान। जिसमें काफी संख्या लोग राष्ट्रीय लोकदल से जुड़े। राष्ट्रीय लोक दल के प्रदेश महासचिव एवं सिवाल खास विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी रणवीर दहिया के नेतृत्व में ग्राम नेक व सलाहपुर व नया मे जनसंपर्क कर सदस्यता अभियान चलाया। सदस्यता अभियान में रणवीर सिंह दहिया व आरूषि चौधरी व सचिन चौधरी युवा प्रदेश महामंत्री व मोनू ढिडाला व रोहित कल्याण पुर वसुबोध सलाहपुर व जयबीर सिंह व इमरान अली व मंजूर अहमद व शहनवाज व नूर हसन प्रधान पूनियाँ व रूपेश चौधरी व उज्जवल चौधरी व उम्मेद अली व खुर्शीद सनी चौधरी व मनोज शर्मा आदि उपस्थित रहे।

सुल्लामल रामलीला इस बार होगी ऐतिहासिक

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक एवं केशव प्रसाद मौर्य से मुलाकात कर विशेष रूप से किया आमंत्रित

शाह टाइम्स संवाददाता

गाजियाबाद। सबसे पुरानी और ऐतिहासिक घंटाघर सुल्लामल रामलीला इस बार अपने 125 वर्ष पूरे कर रही है। 1900-1901 के आसपास उस्ताद सुल्लामल द्वारा शुरू की गई यह रामलीला आज भी शहर की धार्मिक और सांस्कृतिक धड़कन बनी हुई है। अंग्रेजों के दौर से लेकर आज तक इसकी गूंज न केवल गाजियाबाद बल्कि समूचे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सुनाई देती रही है। रामलीला की 125वीं वर्षगांठ पर इसे भव्य स्वरूप देने की तैयारी की जा रही है। समिति पदाधिकारियों ने इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक एवं केशव प्रसाद मौर्य से मुलाकात कर विशेष रूप से आमंत्रित किया। समिति के स्वागत अध्यक्ष सुभाष चन्द गुप्ता (लोहे वाले), मंत्री प्रतिनिधि सौरभ जायसवाल, सुल्लामल रामलीला कमेटी कोषाध्यक्ष सुधीर गोयल (मोनू) और आलोक गुप्ता ने स्वयं निमंत्रण पत्र सौंपते हुए यह भरोसा जताया कि इस वर्ष की रामलीला ऐतिहा. सिक स्तर पर यादगार बनेगी। सुल्लामल रामलीला की विशेषता यह है कि इसमें कथा और भक्ति तो वैसी ही रहती है जैसी परंपरा से चली आ रही है, लेकिन मंचन को आकर्षक बनाने के लिए आधुनिक तकनीकों का सहारा लिया जाता है। यही कारण है कि आज भी यह आयोजन नवरात्रों में शहर का सबसे बड़ा आकर्षण केंद्र है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तथा उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य ने निमंत्रण मिलन पर सुल्लामल रामलीला के 125 वर्ष पूरे होने पर संयुक्त बयान जारी करते हुए कहा कि 125 वर्षों तक लगातार आयोजित होना अपने आप में किसी भी परंपरा के लिए गौरव की बात है। घंटाघर सुल्लामल रामलीला न केवल गाजियाबाद बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश और देश की सांस्कृतिक धरोहर है। इस आयोजन ने समाज को आस्था, मर्यादा और आदर्शों से जोड़े रखा है।

दिवाकर मॉडल स्कूल के निदेशक, प्रधानाचार्या व शिक्षकों को किया गया सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता

साहिबाबाद। दिवाकर मॉडल स्कूल के निदेशक रुद्राक्ष त्यागी, प्रधानाचार्या डॉ. शिल्पा त्यागी, उपप्रधानाचार्य आर.पी.शर्मा व स्कूल की शिक्षिका पूजा यादव को महाराजा अग्रसेन यूनिवर्सिटी ऑफ देल्ही में राष्ट्रीय शिक्षण संस्थान की ओर से राष्ट्रीय प्रेरणा सम्मान समारोह में उत्कृष्ट निद. ेशकों, प्रधानाचार्यों, शिक्षकों और छात्रों को उनके असाधारण योगदान और उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के निदेशक ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने वाले निर्देशकों, प्रधानाचार्य, शिक्षकों और छात्रों को सम्मानित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान न केवल उनकी मेहनत का परिणाम है, बल्कि यह भविष्य के लिए भी एक प्रेरणा का स्रोत होगा। कार्यक्रम में विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले निर्देशकों प्रधानाचार्य, शिक्षकों और छात्रों को दिल्ली के कैबिनेट जल मंत्री प्रवेश वर्मा के द्वारा पुरस्कार और प्रमाण पत्र द्वारा सम्मानित किया गया । इस अवसर पर संस्थान के वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षक और छात्र उपस्थित रहे।

एसओआरटी परियोजना के अंतर्गत तीन-तीन एरोबिन किए स्थापित

■ मनीषा और उनकी टीम ने नुक्कड़ नाटक के आयोजन से कूड़े के इस्तेमाल के बारे में और उसको कूड़ेदान में डालने के बारे में बताया

शाह टाइम्स संवाददाता

साहिबाबाद। शिवालिक अपार्टमेंट, कौशांबी में एसओआरटी परियोजना के अंतर्गत इंडियन पॉल्यूशन कंट्रोल एसोसिएशन ने तीन एरोबिन स्थापित किए। इंडियन पॉल्यूशन कंट्रोल एसोसिएशन ने स्वर्णलता मथरसन ट्रस्ट के सहयोग से अपने प्रमुख Segregation Of waste for Recycling and Treatment (S.O.R.T.) प्रोजेक्ट के माध्यम से सतत अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा देने की पहल जारी रखी है। वर्ष 2018 में शुरू हुई इस पहल ने अब तक छह चरण पूरे किए हैं और दिल्ली - एनसीआर, मुंबई, पुणे और बेंगलुरु में 500 से अधिक स्थानों को कवर किया है।

इसी प्रयास के तहत शिवा. लिक अपार्टमेंट आरडब्ल्यूए सहयोग से कौशांबी में तीन पेटेंटेड एरोबिन का उद्घाटन भाजपा नेता एवं पूर्व डॉ मनोज गोयल द्वारा किया गया। ये आधुनिक कम्पोस्टर सोसाइटी में उत्पन्न गीले कचरे का स्थल पर ही निस्तारण करेंगे और उसे हरे-भरे क्षेत्रों के लिए जैविक खाद में परिवर्तित करेंगे। यह पहल लैंडफिल पर बोझ कम करने के साथ-साथ गंध-रहित, रसायन-रहित, बिजली-रहित प्रक्रिया के माध्यम से शून्य ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन सुनिश्चित करती है। इस अवसर पर IPCA की ओर से साहिब गम्भीर (प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर) और मुकेश कुमार (सीनियर फील्ड एग्जीक्यूटिव) उपस्थित रहे।

मनीषा और उनकी टीम द्वारा नुक्कड़ नाटक के आयोजन से कूड़े के इस्तेमाल के बारे में और उसको कूड़ेदान में डालने के बारे में बताया गया कौशांबी के निवा. सियों द्वारा इस कार्यक्रम में बढ़कर भाग लिया जिसने प्रमुख रूप से शिवालिक टावर की अध्यक्ष लता सिंगल उपाध्यक्ष ललित गुप्ता सचिव शिवराम गीता महेश्वरी राजेश मल्होत्रा अर्चना शर्मा दीपक गुलाटी अंजू झा एन के खुराना सौरभ आनंद मलकानी गुरुनामी कैलाश टावर से केवल सेठी संजय माहेश्वरी समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय लोकदल की समीक्षा बैठक सम्पन

शाह टाइम्स संवाददाता

गाजियाबाद। जिला कार्यालय पर राष्ट्रीय लोकदल की समीक्षा बैठक जिला अध्यक्ष रामपाल चौधरी की अध्यक्षता मे आयोजित की गई। जिला गाजियाबाद के प्रभारी नवनियुक्त ओमबीर सिंह पूर्व प्रधानाचार्य, डॉ विक्रांत जावला, अशोक चौधरी ने जिला राष्ट्रीय लोकदल जिला कमेटी की समीक्षा की। इस मौके पर प्रभारी विक्रांत ज्वाला, ओमवीर सिंह व अशोक चौधरी ने बताया कि राष्ट्रीय लो. कदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी के आदेश पर पूरे प्रदेश में सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। जयंत चौधरी पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ अपने मंत्रालय में देश की उन्नति के लिए कार्य कर रहे है तो अब हम लोगों का ये दायित्व बनता है कि हम ज्यादा से ज्यादा लोगों को पार्टी से जोड़ने का कार्य करे। इस मौके पर जिला अध्यक्ष रामपाल चौधरी ने सभी जिला कमेटी के पदाधिकारियों को हिदायत दी कि पार्टी के सभी कार्यकर्ता अपने अपने छेत्र में सदस्यता अभियान चलाए और पार्टी के सभी कार्यक्रमों में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाए। जो कार्यकर्ता पार्टी के लिए कार्य नहीं करेगा उनकी सूची तैयार कर शीर्ष नेताओं को अवगत कराया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन विनोद गौतम जिला उपाध्यक्ष ने किया! उपस्थित जयदीप सिंह, सुमन चौधरी महिला अध्यक्ष, नरेंद्र कुमार, अभय बालियान, अजित सिंह खंजरपुर, सुरेन्द्र तेवतिया, जयवीर सिंह नेहरा, पप्पन पूर्व जिला सदस्य, रवि वाल्मीकि जिला पंचायत सदस्य, इस्तखार पूर्व जिला पंचायत सदस्य एवं सभी विधानसभा अध्यक्ष मुरादनगर पंडित अरुण शर्मा, मुनींद्र बिल्ला जिला महासचिव, दीपू शर्मा जिला महासचिव, लो. केश कटारिया, मोदीनगर से विधानसभा अध्यक्ष अलोक सिंह, लोनी से विधानसभा अध्यक्ष इंद्रपाल कसाना, राजू गौतम, सभी शहरों के महिला प्रकोष्ठ की महानगर अध्यक्ष राखी सिंधु, नगर अध्यक्ष मोदीनगर शहर अध्यक्ष मनोज त्यागी, मुरादनगर शहर अध्यक्ष जुनैद चौधरी, लोनी शहर अध्यक्ष मोबिन अल्वी, पतला से मनीष जागड़, फरीदनगर से फहीम कुरैशी उपस्थित रहे।

वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतकर किया जिले का नाम रोशन

शाह टाइम्स संवाददाता

गाजियाबाद। विद्या भारती द्वारा आयोजित 37वीं क्षेत्रीय वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता सूरजभान सरस्वती विद्या मंदिर शिकारपुर बुलंदशह में आयोजित की गई। जिसमें दुर्गावती हेमराज टाह सरस्वती विद्या मंदिर के 4 बहिन और 3 भाइयों ने प्रतिभाग किया। जिसमें अंडर-17 बहिन कीर्ति शर्मा 44 किग्रा में गोल्ड मेडल बहिन मनीषा शर्मा 53 किग्रा में गोल्ड मेडल बहिन रेनू 58 किग्रा में गोल्ड मेडल बहिन एंजेल चौहान 63 किग्रा में गोल्ड मेडल और अंडर-17 भैया अनमोल तेवतिया 56 किग्रा में गोल्ड मेडल भैया अर्जुन सिंह रावत 60 किग्रा में गोल्ड मेडल अंडर-19 भैया जतिन गिरी 60 ाह में गोल्ड मैडल जीतकर राष्ट्रीय खेलकूद 4 से 6 अक्टूबर जो भोपाल मध्य प्रदेश में आयोजित होगी उसमें अपना स्थान पक्का किया।

आईटीएस स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में एलुमनाई मीट का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

गाजियाबाद। आईटीएस स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में अपने सभी पीजीडीएम पासआउट सत्रों के लिए एक रोमांचक और अविस्मरणीय एलुमनाई मीट का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पूर्व छात्रों, स्टाफ और गणमान्य व्यक्तियों को पुन: एकत्रित करने का माध्यम बना, जिससे संस्थान के प्रति गौरव, अपनापन और पुरानी यादों की भावना को बढ़ावा मिला। इस आयोजन ने न केवल व्यावसायिक और शैक्षणिक उपलब्धियों को सम्मानित किया गया, बल्कि पूर्व छात्रों और संस्थान के बीच के मजबूत और स्थायी संबंधों को और अधिक प्रगाढ़ बनाया गया। सत्र की शुरुआत सभी गणमान्य अतिथियों के गर्मजोशी भरे स्वागत से की गई। जिनमें निद. ेशक प्रो डॉ अजय कुमार, सम्मानित फैकल्टी सदस्य और उत्साहित पूर्व छात्र शामिल थे। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना और पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसे पायनियर बैच के एलुमनी, वरिष्ठ फैकल्टी, आईटीएस एस -द एजुकेशन ग्रुप के निदेशक सुरेंद्र सूद एवं संस्थान के निदेशक डॉ अजय कुमार द्वारा संपन्न किया गया। इसके बाद निदेशक(पी आर) सुरिंदर सूद ने भी अपनी प्रभावशाली और प्रेरणादायक बातों से माहौल को ऊर्जावान बना दिया। सबसे पहले पीजीडीएम 1997-1999 बैच के पायनियर एलुमनी को सम्मानित किया गया। इसके बाद 2022-2024 तक के सभी बैचों के एलुमनी को क्रमश: सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में हास्य और मनोरंजन का तड़का लगाने के लिए स्टैंड-अप कॉमेडियन पीयूष दुबे ने बीच-बीच में प्रस्तुति दी। शाम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था जनरल बॉडी मीटिंग, जिसका संचालन डॉ डीके पांडे द्वारा किया गया। इस सत्र में एलुमनाई इंगेजमेंट, नेटवर्किंग अवसरों और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की गई। आईटीएस स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के कुल 350 से ज्यादा एलुमनाई इस सम्मेलन में भाग लिए। इस अवसर पर आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर पी चड्ढा ने अपनी प्रसन्नता व्यक्त की और सभी एलुमनाई के प्रति शुभकामना दी। आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने सभी एलुमनाई, शिक्षक एवं स्टाफ को इस कार्य क्रम के आयोजन हेतु बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मवाना पुलिस ने पकड़ा फर्जी टेलीफोन एक्सचेंज

नगर में अटौरा रोड पर चल रहा था एक्सचेंज, तीन गिरफ्तार, आरोपियों से कई जांच एजेंसियों ने की पूछताछ

शाह टाइम्स संवाददाता

मवाना। मवाना पुलिस और सर्विलांस टीम ने संयुक्त कार्रवाई कर अटौरा रोड पर एक मकान में चल रहे फर्जी टेलीफोन एक्सचेंज का खुलासा किया। पुलिस ने मौके दो सगे भाइयों सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया और बड़ी संख्या में प्री एक्टिवेटिड सिम और उपकरण बरामद किए हैं। फर्जी टेलीफोन एक्सचेंज की सूचना पर केंद्रीय और राज्य की कई जांच एजेंसियों के अधिकारियों ने आरोपियों से पूछताछ की। पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

अटौरा रोड पर हो रहा था खेल

सर्विलांस टीम से इनपुट मिलने के बाद मवाना पुलिस अलर्ट हो गई और लोकेशन ट्रेस करने के बाद दोनों टीमों ने संयुक्त रूप से नगर की अटौरा रोड पर छापेमारी की। मकान में पूरा टेलीफोन एक्सचेंज संचालित किया जा रहा था। पुलिस ने मौके से गिरोह के मुखिया गुफरान और दो सगे भाइयों आशिक व इस्लाम निवासीगण मोहल्ला कल्याण सिंह को दबोच लिया। उनके पास से एक मोबाइल फोन, चार सिम बॉक्स, 220 से ज्यादा प्री एक्टिवेटिड सिम कार्ड, एक लैपटॉप, एक वाईफाई राउटर बरामद किया गया।

गिरोह का मुखिया गुफरान है एमसीए: पकड़े गए आरोपियों में आशिक व इस्लाम पांचवी और सातवीं कक्षा पास हैं, जबकि गुफरान एमसीए है और वह सउदी अरब में आईटी सेक्टर में नौकरी करता था। उसकी तनख्वाह एक लाख रुपए प्रतिमाह थी। जिसे छोड़कर उसने अपराध का रास्ता चुन लिया। उसी ने यू ट्यूब पर वीडियो दिखा-दिखाकर आशिक व इस्लाम को ट्रेंड किया।

कॉलर की पहचान छिपाकर करते थे खेल

पकड़े गए आरोपियों ने पुलिस को बताया कि इस काम के लिए उन्होंने सिमबॉक्स ऑनलाइन खरीदे और फर्जी आईडी पर सैकड़ों सिम एक्टिवेट कराए। जुटाए गए सामान का प्रयोग कर आरोपी इंटरनेशल कॉल को लोकल मोबाइल कॉल में परिवर्तित कर वास्तविक कॉलर की आईडी छिपाते थे। इस तरह से फर्जी कॉल्स कराकर आरोपी पैसा कमाते थे। इससे भारतीय टेलीकाम कंपनियों को आर्थिक नुकसान हो रहा था।

राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा पैदा?

अब इसके दूसरे पहलू पर गौर करें तो आरोपियों का यह कारनामा राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा पैदा करने वाला था। इन कॉल्स का प्रयोग देशविरोधी गतिविधियों में हो रहा था या नहीं, इसकी जांच की जा रही है। देर रात तक कई जांच एजेंसियों ने आरोपियों से पूछताछ की। पूरी जांच पड़ताल के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

हिंदी सप्ताह दिवस का समापन

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। वेस्ट एण्ड रोड स्थित गुरू तेग बहादुर पब्लिक स्कूल में हिंदी सप्ताह दिवस के समापन समारोह में विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इसमें बच्चों ने कविता, कहानी, सुविचारों व प्रश्नोत्तरी के माध्यम से हिंदी भाषा के विषय में अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए। स्कूल प्रधानाचार्य डॉ. कर्मेन्द्र सिंह ने सभी को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा हिंदी हमारी पहचान है। और यह गर्व का विषय है कि हिंदी हमारी मातृ व राजभाषा है। हिंदी विभाग की ओर से पूनम नागर एवं नीलम पंत ने भी हिंदी की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए दोहा अंताक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन किया। नन्हे-मुन्ने बच्चों की सुनो कहानी, मेरी कविता तथा क्लासवाईस राइटिंग काम्पीटिशन, भाषा प्रतियोगिता, स्वचरित कविताएं प्रश्नमंच तत्काल भाषण तथा कवि सम्मेलन लघु नाटिका को खूब सराहा गया।

कस्बा फलावदा में प्रोजेक्टर पर्दे पर होगा रामलीला का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

फलावदा। कस्बे में स्थित श्री बूढ़ा शिव मंदिर के परिसर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी रामलीला का आयोजन किया जा रहा है। श्री आदर्श रामलीला कमेटी के प्रधान शरद चौधरी ने बताया कि 18 सितंबर को सर्वप्रथम भगवान शिव बारात शोभा यात्रा के साथ देर शाम को श्री रामलीला का आयोजन प्रोजेक्टर पर्दे पर शुभारंभ किया जाएगा। 21 सितंबर को भगवान श्री राम बारात की शोभा यात्रा धूमधाम से निकाली जाएगी। जिसमें नगर के अलावा क्षेत्र के कई गांव के लोग रामलीला को देखने के लिए आते हैं। इसके शुभारंभ के लिए कस्बे के लोगों द्वारा श्री आदर्श रामलीला का प्रधान बनाकर कमेटी का गठन किया जाता है। उसके उपरांत श्री आदर्श रामलीला कमेटी के तत्वाधान में कई दिनों तक रामलीला के मंचन का कार्यक्रम प्रोजेक्टर पर्दे पर भव्य आयोजन किया जाएगा। इस दौरान संरक्षक सहकारी समिति के चेयरमैन तनजैब चौधरी, उपप्रधान धीरज चौधरी, महामंत्री चौधरी लोकेंद्र, सलाहकार विकास पाल, प्रमोद सैनी आर्य, भोपाल चौधरी महेंद्र चौधरी, बंटी भारद्वाज, मनजीत जाटव, सागर वाल्मीकि, बिट्टू कश्यप, धन सिंह प्रजापति, प्रिंस आर्य, छात्र नेता अश्वनी चौधरी, ज्ञानेंद्र धीमान आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अवैध खनन में लगे वाहनों को रोक कर ग्रामीणों ने किया हंगामा

शाह टाइम्स संवाददाता

फलावदा। यमदूत बनकर सड़कों पर अनियंत्रित गति से दौड़ रहे खनन में लगे मिट्टी के भारी वाहनों से बवाल होते होते बच गया। नगर पंचायत की सफाई कर्मी को कुचलने के प्रयास तथा कार को टक्कर मारने की कोशिश से उत्तेजित ग्रामीणों ने खनन के वाहन रोक लिए। काफी देर बाद क्षमा याचना किए जाने पर ट्रकों को चेतावनी देकर छोड़ दिया गया।

हुआ यूं कि ग्राम गुडंब के जंगल में चल रहे मिट्टी के अवैध खनन में लगे भारी वाहन आवाम के लिए जान का खतरा बन रहे हैं। सवेरे एक वाहन चालक ने सड़क पर सफाई कार्य कर रही सावित्री नगर पंचायत की कर्मचारी को कुचलने का प्रयास किया। सफाई कर्मियों ने एक ट्रक को रोक लिया। ट्रक चालक दूसरे ट्रक चालक के सिर ठीकरा फोड़कर रफू चक्कर हो गया। दूसरी घटना दोपहर को ग्राम गुडंब के समीप हुई। यहां कार में सवार कालूराम प्रधान परिवार के साथ लौट रहे थे। परिवार का मौत से सामना हो गया। खनन में हाई स्पीड से फर्राटा भर रहे ट्रक के चालक की लापरवाही से गांव गुडंब निवासी कालू का परिवार हादसे का शिकार होने से बच गया। सूचना मिलने पर ग्रामीणों ने मौके पर पहुंच कर ट्रकों को रोक लिया। कालू का आरोप है कि चालक ने खनन में लगे व्यक्ति से फोन पर बात कराई तो उसने स्पष्ट कहा कि उसक कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता, उसने सब को खरीद रखा है। पुलिस को भी सूचना दी गई लेकिन पुलिस ने मामले में दखल देने से हाथ खड़े कर दिए। आखिरकार चालक द्वारा क्षमा याचना किए जाने के बाद ग्रामीणों ने ट्रैकों को छोड़ दिया। ग्रामीणों का कहना है कि खनन में लगे भारी वाहन यमदूत बनकर सड़कों पर दौड़ रहे बिना नंबर वाले वाहनों से हादसा हो सकता है।

पुलिस ने जल्दबाजी में किया अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज

भैंसा गांव निवासी व्यक्ति की सड़क हादसे में हुई थी मौत, शनिवार रात हुआ था हादसा

शाह टाइम्स संवाददाता

मवाना। मवाना से भैंसा जाने वाले मार्ग पर देर रात सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। जिसमें परिजनों ने मवाना पुलिस पर अज्ञात में मुकदमा दर्ज करने का आरोप लगाया है। पीड़ित परिजनों ने आरोप लगाया कि तहरीर देने के कुछ देर बाद ही उन्होंने पुलिस को वाहन और चालक के बारे में जानकारी दे दी थी, लेकिन पुलिस ने अज्ञात में ही मुकदमा दर्ज कर लिया।

फाइल फोटो अरविंद।

दर्ज कराई रिपोर्ट में सुनील कुमार पुत्र धारा सिंह निवासी ग्राम भैंसा ने बताया कि उसका भाई अरविंद व भांजा सुमित शनिवार रात को बाइक से मवाना से भैंसा आ रहे थे। रात करीब साढ़े नौ बजे सीमेंट फैक्टरी के पास अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी, जिससे दोनों घायल हो गए। अस्पताल ले जाते समय अरविंद की मौत हो गई। रविवार को पुलिस ने मोर्चरी में ही शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम कराया।

उधर, रविवार को समाजसेवी एवं शिक्षाविद सुशील चौधरी भोला के नेतृत्व में परिजन थाने पहुंचे और आरोप लगाया कि समय से बताने के बावजूद पुलिस ने अज्ञात की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया। जबकि उन्होंने वाहन और चलाने वाले की जानकारी पुलिस को समय से दे दी थी। उन्होंने कहा कि पुलिस ने जानबूझकर खेल करते हुए अज्ञात में ही मुकदमा दर्ज कर लिया। जबकि मृतक उस समय बाइक चला रहा था। इस मामले में पुलिस ने कहा कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

थाना मवाना में पहुंचे परिजन।

अमेजन.इन ने अर्ली डील्स को किया शुरु

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। अमेजन.इन ने रविवार को अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल 2025 से पहले अर्ली डील्स को शुरु किया है, जो ग्राहकों को 13 सितंबर से शुरू होने वाले शानदार प्री-फेस्टिवल ऑफर कर रहा है। मुख्य फेस्टिवल 23 सितंबर से शुरू होगा, जिसमें प्राइम मेंबर्स को 24 घंटे की विशेष अर्ली एक्सेस का लाभ मिलेगा। इस साल का शॉपिंग फेस्टिवल विशाल डिलीवरी नेटवर्क, एआइ-संचालित शॉपिंग टूल्स और त्योहारों के जश्न को और भी खास बनाने के लिए विशेष मनोरंजन विकल्पों द्वारा खरीदारी का अनुभव को शानदार बनाने का वादा करता है। प्राइम मेंबर्स पूरे ग्रेट इंडियन फेस्टिवल के दौरान बेहतरीन मूल्य का आनंद ले सकेंगे। 24 घंटे की अर्ली एक्सेस के लाभ के अलावा, प्राइम मेंबर्स विशेष प्राइम धमाका ऑफर प्राप्त कर सकते हैं।

शहीद वीर अब्दुल हमीद के 60वें शहीद दिवस पर संगोष्ठी व सम्मान समारोह

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। यूनाइटेड एजुकेशन ट्रस्ट के तत्वावधान में शहीद वीर अब्दुल हमीद के 60वें शहीद दिवस के अवसर पर चैम्बर भवन, बोम्बे बाजार, मेरठ कैंट में संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने 'मेरा देश मेरा कर्तव्य' विषय पर विचार प्रकट किए। मुख्य अतिथि डॉ. उजमा सिद्दीकी ने कहा कि शहीद वीर अब्दुल हमीद की कुर्बानियों को हमेशा याद किया जाता रहेगा। सरकारी सतह पर उनको परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया लेकिन अवामी सतह पर उनको जो सम्मान मिलना चाहिए वह नहीं मिला है उनको सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम देश को प्रगति के पथ पर आगे ले जाएं अध्यक्षता भाषण में पूर्व संयुक्त सेक्रेट्री मिनिस्ट्री ऑफ भारत सरकार मंत्रालय हसीब अहमद ने कहा कि शहीद वीर अब्दुल हमीद एक सच्चे देशभक्त थे। देश पर कुर्बान होने वाले शहीदों को याद करना भी देश प्रेम कहलाता है। उन्होंने कार्यक्रम की सफलता के लिए आयोजकों को मुबारकबाद देते हुए कहा की पेसों के अभाव में जो बच्चे पढ़ाई छोड़ रहे हैं उनकी मदद करते हुए दोबारा पढ़ाई से जोड़ना हम सब की जिम्मेदारी है।

रिटायर्ड लेफ्टिनेंट कर्नल मुल्तानी ने कहा हमें एकजुट होकर देश को आगे बढ़ाना है। पूर्व कर्नल अब्दुल हमीद ने कहा कि शहीद वीर अब्दुल हमीद ने वीरता दिखाते हुए शहादत को गले लगाया। वह चाहते थे पूरा कश्मीर भारत का हिस्सा बने। पूर्व मेजर हमांशु ने कहा कि हमें बुनियादी मुद्दों पर काम करना है पानी पर्यावरण को बचाना है, एकजुट होकर काम करें, राजनीति का शिकार ना बनें। विशिष्ट अतिथि मेजर अतीक ने कहा नौजवानों को चाहिए कि वह देश के लिए अपनी जान कुर्बान करने वाले शहीदों को याद करें जिस क्षेत्र में भी ईश्वर ने उनका कार्य करने का अफसर प्रदान किया है उसमें निष्ठा से अपना योगदान दें मोहब्बतों का पैगाम दें देश को इतना मजबूत बना दें की कोई बुरी नजर हमारी ओर ना डाल सके। प्रोग्राम संयोजक एडवोकेट रियासत अली, डॉ. नौशाद, डॉ. अब्दुल मजीद, डॉ. शोएब अहमद, मोहम्मद मुस्तकीम इदरीसी, साजिद अली, मतीन असारी, सुल्तान अहमद सद्दीकी, मुफ्ती जुनैद आदि ने विचार प्रकट किए। डॉक्टर तबिश फरीद व साबिर खान ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर डॉक्टर शमसुद्दीन, डॉ. नासिर अली, डॉ. हाशिम रजा, शायर अजहर इकबाल, मिसबाहुद्दीन एडवोकेट, नबील अनवर, डॉ. फजलुर रहमान, इकबाल इदरीसी, सुधा भड़ाना, मो. इनुद्दीन अंसारी, परवीन भारती एडवोकेट, मुंजीरा तबस्सुम, करार हुसैन, अनवार उल हक शादां फरीदी, जुनैद फारूकी, दिलशाद अली, मोहम्मद शाहरुख, रईस उद्दीन, फलाह ए आम सोसायटी, मोहम्मद नौशाद इदरीसी, डॉक्टर सैयद वसीम अहमद, शौकीन अहमद, मोहम्मद सलीम खान को देकर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। अतिथियों का धन्यवाद साबिर खान ने किया राष्ट्रगान पर कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर डॉ. अबूबकर, कारी मोहम्मद सलमान, मोहम्मद उस्मान, हकीम हाशिम अजीम, मुफ्ती मुरसलीन, डॉक्टर इरशाद अली, काजी जैनुर राशीदीन, सैयद अनस अनस सब्जवारी, सैयद बदरुल हसन, जीशान खान, प्यारेलाल अस्पताल से डॉक्टर अनीस अहमद, साजिद अनवर आदि उपस्थित रहे।

गृह क्लेश में महिला ने लगाई फांसी, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

कंकरखेड़ा। चार साल पहले सना पुत्री लियाकत की शादी मुस्लिम रीति रिवाज के साथ पावली खास सलमान पुत्र असलम के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही सना का परिवार जनों के साथ व्यवहार ठीक नहीं था, आए दिन घर में क्लेश होता था। इसकी शिकायत कई बार सलमान ने सना के परिजनों से की थी लेकिन परिजन समझाने की बजाय उल्टा सना को बढ़ावा देते थे। गृह कलेश के कारण शनिवार की सुबह सना ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या की सूचना सना के परिजनों को दी। परिजनों ने थाने पहुंचकर बेटी की हत्या आरोप लगा थाने में तहरीर दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम को भेज दिया। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्यवाही की जाएगी।

सरधना विधायक अतुल प्रधान ने ठगी की रकम उपभोक्ताओं को कराई वापस

शाह टाइम्स संवाददाता

फलावदा। कस्बे में लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर के दौरान लोड कम करने का झांसा देकर की गई अवैध वसूली के मामले में विधायक अतुल प्रधान ने नाराजगी जाहिर करते हुए उपभोक्ताओं को उनकी रकम वापस दिलवा दी।

बताया गया है कि कस्बे में स्मार्ट मीटर लगाए जाने के दौरान उपभोक्ताओं को उनका लोड कम करने का झांसा देकर अवैध वसूली की जा रही है। इस संबंध में कुछ उपभोक्ताओं ने सूची बनाकर सरधना विधायक अतुल प्रधान को दी थी। अतुल प्रधान ने इस संबंध में ऊर्जा निगम के अधिकारियों से शिकायत करते हुए नाराजगी जताई। उन्होंने मीटर लगाने वाले कर्मचारियों द्वारा वसूली गई रकम उपभोक्ताओं को वापस करा दी। विधायक ने कहा है कि किसी भी उपभोक्ता से अवैध वसूली नहीं होने दी जाएगी और न ही किसी के घर जबरन स्मार्ट मीटर लगाया जाएगा।

मीटर लगाने वाले कर्मचारियों ने इन लोगों से की थी अवैध वसूली: बबलू, फूल सिंह, शौराज, आकाश, सोनू, अमर सिंह, जितेंद्र, सुखदेव, सूरज, महावीर, भननी, संतराम, संजय, ओम प्रकाश, मंजू, संजना, अशोक, चरण सिंह, ज्ञान सिंह, जगदीश, रिपेश, मोती, कमल सिंह, आदि लोगों के पैसे सरधना विधायक अतुल प्रधान के हड़काने पर वापस किए गए।

संत दुर्बल नाथ का जीवन सभी के लिए मार्गदर्शक है: विनोद खटीक

शाह टाइम्स संवाददाता

गंगानगर। अखिल भारतीय खटीक समाज के तत्वावधान में संत दुर्बल नाथ महाराज की 164वीं जयंती रविवार को विनोद खटीक के कैंप कार्यालय प्रांगण में बड़े ही हर्षोल्लास, और भक्ति-भाव के साथ मनाई गई। मुख्य अतिथि अश्वनी त्यागी एमएलसी रहें। राष्ट्रीय सचिव मनोज कुमार सोनकर ने कहा कि पार्कों व चौराहों पर संत दुर्बल नाथ व गोपाल पाठा खटीक की प्रतिमाएं लगाई जाए। विधाायक अमित अग्रवाल, जिलाध्यक्ष शिवकुमार राणा, महानगर अध्यक्ष विवेक रस्तौगी आदि शामिल रहे। समारोह की अध्यक्षता अखिल भारतीय खटीक समाज के प्रदेश अध्यक्ष विनोद खटीक ने की साथ ही सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए समाज की एकता और संत के आदर्शों पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि अश्वनी त्यागी एमएलसी ने कहा कि संत दुर्बल नाथ महाराज ने समाज को प्रेम, त्याग और एकता का संदेश दिया था। उनका जीवन आदर्श हमें यह प्रेरणा देता है कि समाज तभी प्रगति कर सकता है जब वह एकजुट होकर कार्य करे।

हरिकांत आहलुवालिया ने कहा कि संतों की जयंती केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को जीवन में उतारने का अवसर है। अखिल भारतीय खटीक समाज उत्तर प्रदेश द्वारा वानिका को दक्षिण कोरिया एशियन कुराश चौंपियनशिप 2025 में जूनियर गर्ल्स 36 किलोग्राम वर्ग में सिल्वर मेडल प्राप्त करने पर व शिखर मोघा को आई ए एस बैच 2024, रैंक 171 प्राप्त करने पर सम्मान प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

सुभारती में सांस्कृतिक, सामाजिक और शैक्षिक कार्यक्रमों की धूम

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय परिसर पिछले कुछ दिनों में विविध गतिविधियों का केंद्र रहा, जहाँ कला, सामाजिक जागरूकता, भाषा के प्रति सम्मान और सामुदायिक सेवा का अनूठा संगम देखने को मिला। एक ओर जहां संगीत नाटक अकादमी की प्रतियोगिता में युवा कलाकारों ने अपनी प्रतिभा से मंच पर धूम मचाई, वहीं हिंदी दिवस की पूर्व संध्या पर शैक्षिक गतिविधियों के माध्यम से भाषा के महत्व को रेखांकित किया गया। इसके साथ ही, मानसिक स्वास्थ्य जैसे गंभीर विषय पर जागरूकता कार्यक्रम और पुरातन छात्रों द्वारा समाज सेवा का अनुकरणीय कार्य भी संपन्न हुआ। इन आयोजनों ने विश्वविद्यालय की अकादमिक उत्कृष्टता के साथ-साथ उसकी गहरी सामाजिक और सांस्ख्रतिक प्रतिबद्धता को भी प्रदर्शित किया। शनिवार को विश्वविद्यालय परिसर, उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ और सुभारती विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित शास्त्रीय एवं सुगम संगीत प्रतियोगिता 2025-26 की स्वर लहरियों से गूँज उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) प्रमोद कुमार शर्मा, मुख्य कार्यकारिणी अधिकारी प्रोफेसर (डॉ.) शल्या राज, कला संकाय के प्रमुख प्रोफेसर (डॉ.) पिंटू मिश्रा एवं प्रोफेसर भावना ग्रोवर द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कुलपति ने कला को जीवन का अनुशासन बताया, जबकि सीईओ ने युवाओं को भारतीय संस्कृति का ध्वजवाहक कहा। लखनऊ से आए प्रतिष्ठित निर्णायक मंडल में कथक साधिका डॉ. सुरभि शुक्ला, गायन विशेषज्ञ जलज श्रीवास्तव, पंडित मनमोहन नायक एवं डॉ. पवन कुमार शामिल थे। प्रतियोगिता में सुभारती के विद्यार्थियों का दबदबा रहा। कथक में पीहू सिंघल व आरुषि ने प्रथम, बांसुरी वादन में पीहू सिंघल ने प्रथम, गजल में ज्योति कुमार अग्रवाल ने प्रथम, ठुमरी-दादरा में आलिया खान ने प्रथम, ख्याल-तराना में ज्योति कृष्ण अग्रवाल ने प्रथम और भजन में अध्या ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. श्वेता चौधरी ने किया। इसी कड़ी में शिक्षा संकाय के शिक्षा विभाग द्वारा हिंदी दिवस की पूर्व संध्या पर स्कूल प्रशिक्षण के अंतर्गत एक प्रसार गतिविधि का आयोजन किया गया। आदर्श इंटर कॉलेज, फजलपुर और बालकल्याण शिव शिक्षा सदन इंटर कॉलेज, घाट में स्लोगन लेखन एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिसका उद्देश्य छात्रों में हिंदी भाषा के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 109-110, प्रताप भवन, 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित।

सम्पादक:
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎011-41509401-2
फैक्स: 011-41509403
मुख्यालय मोबाइल 9720007290
R.N.I. NoDEL.HIN./2002/8501
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

पुलिस मुठभेड़ में हत्या व लूटपाट के आरोपी पकड़े

शाह टाइम्स संवाददाता

परीक्षितगढ़। भावनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम स्याल में 9 दिन पूर्व घर में घुसकर एक व्यक्ति की हत्या कर लूटपाट करने के दो आरोपियों को थाना पुलिस ने मुठभेड़ के बाद पकड़ लिया है जिसमें एक बदमाश के पैर में गोली लगने से घायल होने पर उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। थाना प्रभारी विजय कुमार राय ने बताया कि 6 सितंबर की रात को ग्राम स्याल निवासी तेजपाल वर्मा के हाथ पांव बांधकर हत्या करने के बाद घर से बदमाश लाखों रुपए के गहने व नगदी लूट कर ले गए थे इस मामले को लेकर थाना भानपुर क्राइम ब्रांच के साथ एसएसपी डॉक्टर विपिन ताड़ा ने परीक्षितगढ़ पुलिस को भी इस मामले में लगा रखा था रविवार सुबह करीब पांच बजे कुछ बदमाश

भानपुर में पुलिस से मुठभेड़ के बाद परीक्षितगढ़ की तरफ भागने की सूचना पर थाना प्रभारी विजय कुमार राय पुलिस बल के साथ बदमाशों की तलाश में जुट गए तभी ग्राम सोना के जंगल से दो बदमाश भागते हुए नजर आए उन्हें रोकने का प्रयास किया तो उन्होंने पुलिस पर गोली चला दी जिसमें दरोगा प्रमोद कुमार बाल बाल बच गए इसके बाद पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक बदमाश सैफुल्ला पुत्र शेरअली उम्र 19 साल निवासी नाहल थाना मसूरी के पैर में गोली लग गई। वहीं दूसरा बदमाश अजीम पुत्र अब्दुल सलाम निवासी नाहल को ईख के खेत में घेराबंदी कर पकड़ लिया। पूछताछ में दोनों बदमाशों ने बताया कि उन्हें पता चला कि तेजपाल समान गिरवी रखकर पैसे दिया करता था आरोपियों को इस विषय में पता था तथा घर से नगदी व जेवर लूट कर ले गए तथा भावनपुर पुलिस से मुठभेड़ के बाद दो साथी पकड़ लिए गए हैं हम जान बचाकर इधर भाग आए थे वहीं पुलिस ने लूटे गए 15000 व पीली धातु ज्वैलरी व मृतक तेजपाल की वोटर आईडी बरामद की है वही बदमाश सैफुल्ला के कब्जे से एक 315 बोर तमंचा कारतूस व खोखा बरामद किया है घायल बदमाश को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है तथा एक बदमाश को कोर्ट में पेश किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के मेरठ शहर से महानगर उपाध्यक्ष बने डॉ. इदरीस

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के जिला अध्यक्ष कालू प्रधान के नेतृत्व में डॉक्टर इदरीस को महानगर उपाध्यक्ष मनोनित किया। रविवार को लिसाड़ी गेट क्षेत्र के विकास पुरी में डॉक्टर इदरीश के आवास पर भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक की एक सभा का आयोजन किया गया, जिसमें भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के जिलाध्यक्ष कालू प्रधान ने डॉक्टर इदरीश को मेरठ शहर की जिम्मेदारी दी। वहीं भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के जिला अध्यक्ष कालू प्रधान ने डॉक्टर साहब को बड़ी जिम्मेदारी देते हुए बताया कि हमारे बड़े भाई डॉक्टर इदरीस काफी समय से संगठन को समय दे रहे थे और संगठन की विचारधारा लोगों तक

पहुंचाएंगे। इस संगठन का मुख्य उद्देश्य किसानों के आर्थिक, सामाजिक और कानूनी हितों की रक्षा करना और सामाजिक व गरीब जनता की आवाज उठाना।

डॉक्टर इदरीश का कहना है कि भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के साथ खड़ा होगा सभी मुद्दों पर चर्चा करके संगठन का नाम रोशन करना है जिसमें संगठन के विचारधारा संगठन संबंधित बातें बताई संचालन किया चौधरी अमित छाबड़िया जिला संगठन मंत्री ने किया। चौधरी अभिलाष हुड्डा, श्रीपाल भाई, सनी चौधरी, जावेद, सरधना नगर अध्यक्ष शाहरुख, सागर, अतुल त्यागी व कार्यकर्ता आदि कार्यक्रम में मौजूद रहे।

फहीम रंगरेज बने आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के जिला महासचिव

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष भाई चन्द्रशेखर एडवोकेट के निर्देश पर फहीम रंगरेज को मेरठ जिले का जिला महासचिव नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर और मान्यवर कांशीराम की विचारधारा 'बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय' को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से की गई है। फहीम रंगरेज पुत्र अख्तर निवासी मेरठ शहर को जिम्मेदारी सौंपी गई है। पार्टी पदाधिकारियों ने उनसे अपेक्षा जताई है कि वे पूर्ण ईमानदारी और निष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे तथा संगठन के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए बहुजन समाज के हित में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर वरणातेह चरण सिंह (एडवोकेट) ने कहा कि नई जिम्मेदारी मिलने से संगठन को और मजबूती मिलेगी तथा जिले में पार्टी की गतिविधियाँ तेज होंगी।

प्रधानमंत्री के खिलाफ कांग्रेस का निंदा प्रस्ताव

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। महानगर कांग्रेस कमेटी कि मासिक बैठक कांग्रेस कार्यालय बुढ़ाना गेट पर महानगर अध्यक्ष रंजन शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में पहलगाव हमले के दोषी पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच खेलने पर भाजपा व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पास किया गया। वक्ताओं ने कहा कि एक और तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पाकिस्तान को आतंकवादी बताते हैं, दूसरी तरफ भारत के बेगुनाह लोगों के कातिल पाकिस्तान के खिलाफ क्रिकेट खिलाकर क्या संदेश देना चाहते हैं। बैठक में विभिन्न राजनी. तिक दलों के नेताओं ने राहुल गांधी की नीतियों से प्रभावित होकर कांग्रेस के सदस्यता ग्रहण की। बैठक को संबोधित करते हुए महानगर अध्यक्ष रंजन शर्मा ने कहा कि पूरे देश में आज

जननायक राहुल गांधी जिस प्रकार जनता की उम्मीद पर खड़ा उतारते हुए भाजपा कि जन विरोधी नीतियों के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं उससे आम आदमी आज कांग्रेस की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रहा है। उपाध्यक्ष सलीम पठान ने कहा कि आज देश में अपराध चरम सीमा पर है और भ्रष्टाचार का बोलबाला है।

गोल्ड मेडल से सम्मानित होंगे मवाना के एम. बिलाल मंसूरी

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ में आयोजित होने वाले दीक्षांत समारोह में मवाना निवासी एम. बिलाल मंसूरी को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान उन्हें 16 सितम्बर 2025 को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता व सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के आयुक्त दिव्यांगजन एस. गोविंदराज की उपस्थिति में प्रदान किया जाएगा। एम. बिलाल मंसूरी ने विश्वविद्यालय से मास्टर ऑफ सोशल वर्क एमएसडब्लू की पढ़ाई की है। इस बार विश्वविद्यालय में पहली बार दिव्यांग और गैर-दिव्यांग विद्यार्थियों की अलग-अलग मेडल सूची बनाई गई है। एम. बिलाल को दिव्यांग श्रेणी में सर्वाधिक सीजीपीए

7.62 प्राप्त करने पर गोल्ड मेडल से नवाजा जाएगा। मल्टीपल स्क्लेरोसिस से पीड़ित बिलाल को चलने-फिरने में कठिनाई होती है, लेकिन सामाजिक कार्य के प्रति उनकी लगन और समर्पण ने उन्हें यह उपलब्धि दिलाई। उन्होंने बताया कि उन्हें शुरू से ही सामाजिक सेवा का शौक रहा है और इसी कारण उन्होंने यह कोर्स चुना ताकि वह पेशेवर ढंग से समाजसेवा कर सकें।

हिंदी हमारी पहचान : डी मोंटफोर्ट एकेडमी के विद्यार्थीयों का संदेश

शाह टाइम्स संवाददाता

बहसूमा। क्षेत्र के गांव मौडखुर्द के पास डीमोन्टफोर्ट एकेडमी के परिसर में बड़े उत्साह और गरिमा के साथ हिंदी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर नन्हे-मुन्ने बच्चों ने वीडियो के माध्यम से कविताएं सुनाकर और छोटे-छोटे संदेश प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। उनकी प्रस्तुति ने वातावरण को जीवत बना दिया।

वरिष्ठ वर्ग के विद्यार्थियों ने भाषण, निबंध, और कविताओं के माध्यम से हिंदी भाषा की गरिमा, महत्ता और उसके संवर्धन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। छात्रों ने स्पष्ट संदेश दिया कि हिंदी हमारी संस्कृति की आत्मा है, और इसका

संरक्षण हर भारतीय का दायित्व है। प्रधानाचार्य डा. समीर वर्मा व विद्यालय की निर्देशिका डा. गरिमा वर्मा ने बच्चों को संबोधित कर हिंदी भाषा के महत्व पर अपने प्रेरणादायी विचार सांझा किये। उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन किया और कहा कि हिंदी दिवस जैसे आयोजन बच्चों में भाषा और संस्कृति के प्रति प्रेम जगाने का उत्तम माध्यम है। विद्यालय के निर्देशक डा. के.के. शर्मा ने भी बच्चों की रचनात्मकता की सराहना की और बच्चों का उत्साहवर्धान किया।

पवन शर्मा बने ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। शनिवार को ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र नाथ के निर्देश पर प्रदेश महासचिव संगठन डॉ. नरेश पाल सिंह ने पत्रकार पवन शर्मा को मेरठ जिले का जिला अधयक्ष मनोनीत किया है।

पवन शर्मा मेरठ के कई पत्रकार संगठनों में महत्वपूर्ण पदों पर काम कर चुके हैं, पवन शर्मा के जिला अध्यक्ष मनोनीत होने पर उनके समर्थकों ने उन्हें फोन और सोशल मीडिया के माध्यम से बधााई दी। साथ ही उनके उज्जवल भविष्य की कामना भी की है। वही संगठन के प्रदेश महासचिव डॉ. नरेश पाल सिंह ने कहा है कि पवन शर्मा के जिला अध्यक्ष बनने से संगठन को और अधिक बल मिलेगा

और ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन मेरठ में अपना कुनबा बढ़ाने में सफल होगा। इस दौरान उन्हें बधााई देने वालो में दीपक वर्मा, राजन सोनकर, अनिल यादव, अभिलाष भारती, विरपाल सुरानिया, राजेश शर्मा, समीर राणा, संतोष शर्मा, ललित गोस्वामी, शकिल सैफी, नवनीत बैसला आदि मौजूद रहे।

बहसूमा से बटावली रोड पर अधूरा पड़ा काम, लोगों को हो रही परेशानी

शाह टाइम्स संवाददाता

बहसूमा। नगर से बटावली रोड पर पीडब्ल्यूडी द्वारा सड़क का चौड़ीकरण एवं रिपेयरिंग कार्य पूर्ण न होने से आमजन लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ठेकेदार द्वारा सड़क पर रोडी बिछा तो दी, लेकिन उस पर लेपन का कार्य नहीं कराया गया। जिससे पथरीली रोड़ी पर वाहन चालक गिरकर घायल हो रहे हैं। इन पथरीली रोडियो से उड़ने वाली धूल, मिट्टी दुक. ानदारों के प्रतिष्ठान में घुस रही है। स्थानीय नागरिकों एवं दुकानदारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर पड़ी बजरी व रोड़ी के कारण लगातार फिसल कर कई वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं। व्यापारी दिलावर सिंह, मुन्ना, विनीत कुमार, अमित कुमार, प्रताप सिंह, भारतवीर, सतेन्द्र कुमार, सुमित कुमार, दानिश, पिपेन्द्र कुमार, नकुल कुमार आदि ने बताया कि पीडब्ल्यूडी द्वारा नगर से लेकर तुल्हेडी गांव तक सड़क का चौड़ीकरण एवं उसकी रिपेयरिंग का कार्य का शुभारंभ हस्तिनापुर विधायक एवं राज्यमंत्री दिनेश खटीक द्वारा किया गया था। उसके बाद ठेकेदार ने सड़क पर शुभारंभ के बाद सड़क पर रोड़ी मिट्टी तो डलवा दी, लेकिन उस पर अभी तक लेपन का कार्य नहीं कराया गया। जिससे आने-जाने वाले राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं दूसरी और सड़क पर उठने वाली धूल दुकानदारों के प्रतिष्ठानों में घुस रही है। जिससे उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड रहा है। व्यापारियो एवं नगरवासियों ने कहा कि यदि पीडब्ल्यूडी के द्वारा सड़क पर लेपन का कार्य नहीं कराया गया तो वह एकत्र होकर जिलाधिकारी एवं मेरठ मंडलायुक्त के समक्ष जाकर समस्या का समाधान कराएंगे। **एसडीएम मवाना संतोष कुमार का कहना है कि उन्हें इस मामले की कोई जानकारी नहीं है यदि इस मामले में कोई शिकायत आती है तो समस्या का समाधान कराएंगे।**

अलेक्जेंडर क्लब चुनाव में टीम परिवर्तन की धमाकेदार जीत

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। प्रतिष्ठित अलेक्जेंडर क्लब के चुनाव में इस बार टीम परिवर्तन ने बड़ी जीत दर्ज की है। लंबे समय से चल रही चुनावी गहमागहमी और कड़े प्रचार-प्रसार के बाद हुए मतदान में टीम परिवर्तन ने अपनी ताकत और लोकप्रियता का एहसास करा दिया। टीम परिवर्तन ने चुनाव से पहले कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की थीं, जिनके आधार पर उन्होंने क्लब सदस्यों को अपनी ओर आकर्षित किया। मतदान के दौरान से ही साफ संकेत मिलने लगे थे कि इस बार परिवर्तन की लहर चल रही है। उपाध्यक्ष पद पर जे.पी. अग्रवाल, सचिव पद पर संजय सिंह और कोषाध्यक्ष पद पर राहुल दास विजयी हुए। अपनी जीत के बाद उन्होंने सभी क्लब सदस्यों का आभार जताते हुए कहा कि यह

■ जे.पी. अग्रवाल उपाध्यक्ष, संजय सिंह सचिव व राहुल दास बने कोषाध्यक्ष

जीत केवल उनकी नहीं बल्कि पूरे क्लब परिवार की है। समाचार लिखे जाने तक अन्य पदों के परिणाम आना बाकी थे। चुनाव के दौरान सुबह वोटिंग के समय एक बैनर को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया था, लेकिन मौके पर पहुंचे सीओ सिविल लाईन ने समझा- बुझाकर हालात को शांत करा दिया। अलेक्जेंडर क्लब के चुनाव हमेशा मेरठ के व्यापारिक और सामाजिक जगत में विशेष महत्व रखते हैं। टीम परिवर्तन की जीत से अब सभी की निगाहें इस ओर हैं कि वह अपनी चुनावी घोषणाओं को कितनी जल्दी और प्रभावी ढंग से अमल में लाती है।

कसेरूखेड़ा में लगेगा 80 फीट का रावण

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। श्री रामलीला दशहरा कमेटी कसेरूखेड़ा की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को सैनी फार्म हाउस पर आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी आनंद भाई ने की जबकि संचालन विनोद सोनकर ने किया। कमेटी अध्यक्ष विनोद सोनकर ने

बताया कि इस वर्ष दशहरा पर्व 2 अक्टूबर को धूमधाम से मनाया जाएगा। मेले की तैयारियां चल रही हैं। मैदान की साफ-सफाई का कार्य शुरू कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि आयोजन के लिए जिला प्रशासन और सेना से अनुमति लेने हेतु आवेदन भेजा गया है। कमेटी सदस्य कन्हैयालाल ने जानकारी दी कि रावण के पुतले का निर्माण कार्य आरंभ हो चुका है। इस वर्ष भी रावण का पुतला 80 फीट ऊंचा होगा। जिसे कमेटी से जुड़े सदस्य ही तैयार कर रहे हैं। नंदकिशोर ने बताया कि रावण का रोबदार चेहरा और दहगती आंखें इस बार आकर्षण का केंद्र रहेंगी। बैठक के दौरान पूर्व पार्षद सुशील सैनी और विनोद सोनकर ने समिति के वरिष्ठ सदस्यों को शॉल और माला पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर विनोद सोनकर ने कहा कि सभी सदस्य एकजुट होकर दशहरा मेले को सफल बनाएंगे। बैठक में जयप्रकाश, जियालाल, संजय कुमार, अनुराग समी, जीतू राघव समेत समिति सदस्य उपस्थित रहे।

पुलिस मुठभेड़ में लूट आरोपी गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

जानी खुर्द। मेरठ के थाना भावनपुर क्षेत्र में हुई डकैती का पुलिस ने खुलासा कर दिया है जिसमें पुलिस ने बदमाशों को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया देर रात एक बदमाश मेरठ से फरार हो गया था जो देर रात जानी थाना पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया और उसके पास से कीमती गहने तमंचा कारतूस बरामद हुए। थाना भावनपुर क्षेत्र से एक बदमाश फरार हो गया था और उस बदमाश की तलाश में पुलिस टीम लगा दी और सभी थाना प्रभारी को निर्देश दिए शनिवार की देर रात को जानी थाना प्रभारी निरीक्षक महेश सिंह राठौर व सिवालखास चौकी इंचार्ज नितिन कुमार भोला रोड नहर पटरी पर चेकिंग कर रहे थे तभी एक व्यक्ति आता दिखाई दिया और पुलिस को देखकर भागने लगा। थाना प्रभारी निरीक्षक ने उसका पीछा किया तो आरोपी ने पुलिस पर फायर

झोंक दिया। पुलिस ने आत्म सुरक्षा करते हुए जवाबी फायरिंग की और आरोपी के दाहिने पैर में घुटने में गोली जा लगी। उसकी तलाशी ली तो उसके पास से थाना भावनपुर से लूटे हुए जेवरात बरामद हुए और एक तमंचा दो कारतूस आरोपी के पास मिले। आरोपी की पहचान कैफ उर्फ नन्हे पुत्र अयुब निवासी नहाल थाना मसूरी जनपद गाजियाबाद के रूप में हुई। आरोपी को उपचार के बाद चालान कर जेल भेज दिया।

कंपनियों में चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

शाह टाइम्स ब्यूरो

नोएडा। फेज-2 थाने की पुलिस ने कंपनियों और फैक्टरियों के अंदर और बाहर से तार और सामान चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर सरगना समेत तीन आरोपियों को रविवार को गिरफ्तार कर लिया। वे रेकी करने के बाद वारदात को अंजाम देते थे। एसीपी वर्णिका सिंह ने बताया कि बीते दिनों एक व्यक्ति ने फेज-2 थाने में शिकायत दी थी कि उसकी कंपनी के बाहर लाखों रुपये के तार रखे थे। रात में मौका पाकर चोरों ने तार चुरा लिया। इसे ले जाने में हाइड्रा या ट्रक का इस्तेमाल किया गया। पुलिस को इसी प्रकार की कई अन्य शिकायतें भी मिलीं।

इसके बाद एसीपी के निर्देश पर ही थाना प्रभारी की अगुवाई में कंपनियों के अंदर और बाहर से तार समेत अन्य सामान चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करने के लिए एक टीम गठित की गई। टीम गिरोह के सदस्यों की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी। मुखबिर ने रविवार सुबह पुलिस टीम को सूचना दी कि सेक्टर-83 मेट्रो स्टेशन के पास कुछ लोग एकत्र हुए हैं जो क्षेत्र में कहीं पर चोरी करने की साजिश रच रहे हैं। इसके बाद टीम मौके पर पहुंची और करीब पांच

मिनट तक मुखबिर द्वारा बताए गए ठिकाने पर दिख रहे तीन लोगों की गतिविधियों पर नजर रखी। संदिग्ध लगने पर टीम ने तीनों को दबोच लिया और पूछताछ करनी शुरू कर दी। पहले तो आरोपियों ने कुछ नहीं कबूला, लेकिन जब कड़ाई से पूछताछ हुई तो तीनों ने बता दिया वे कंपनियों से तार समेत अन्य सामान चुराते हैं। इसके बाद तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों की पहचान दिल्ली के सवापुर निवासी गुफरान और राकेश, होजरी कॉम्प्लेक्स निवासी दिनेश के रूप में हुई। दिनेश गिरोह का सरगना और चालक है। गुफरान कबाड़ी है। गुफरान मूलरूप से सिद्धार्थनगर के डोमरियागंज का निवासी है। वहीं, राकेश प्रतापगढ़ के झारा और दिनेश मैनपुरी के भौगांव का रहने वाला है। राकेश गिरोह का सबसे उम्रदराज सदस्य है। उसकी उम्र 40 साल है। गुफरान 28, जबकि दिनेश 38 साल का है। कबाड़ी गुफरान ने 12वीं, राकेश ने नौंवी और दिनेश ने दसवीं तक की पढ़ाई की है। आरोपियों के पास से वारदात में इस्तेमाल होने वाला हाइड्रा और चोरी का माल बेचकर अर्जित की गई दो लाख 90 हजार रुपये की नगदी बरामद हुई। बिना सुरक्षाकर्मी वाली फैक्टरी निशाने पर थीं पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि वे ऐसी कंपनियों और फैक्टरियों को निशाना बनाते थे, जहां पर कम सुरक्षाकर्मी होते थे या होते ही नहीं थे। राकेश का काम रेकी करने का है। वह अलग-अलग थाना क्षेत्र स्थित कंपनियों और फैक्टरियों के पास घूमता है और यह जानकारी जुटाता है कि कहां पर सुरक्षाकर्मी रात में नहीं रहते। इसके बाद वह गिरोह के सरगना दिनेश को इसकी जानकारी देता है। दिनेश हाइड्रा लेकर मौके पर पहुंचता है और कंपनी के अंदर और बाहर जो भी भारी सामान मिलता है, उसे चोरी कर लेता। कबाड़ी गुफरान भी घटनास्थल पर ही मौजूद रहता है। वह चारों ओर नजर रखता है ताकि अगर कोई उधर आए तो वह अपने साथियों को मोबाइल से सूचना देकर सचेत कर दे।

दिल्ली में बेचा चोरी का सामान: गुफरान की मदद से गिरोह का सरगना चोरी के सामान को दिल्ली के विभिन्न बाजारों में बेहद कम दाम में बेच देता। इसके अलावा कई बार आरोपी मजबूरी बताकर सस्ते दामों में चोरी के सामान को लोगों को बेच देते। चोरी के सामान को बेचकर जो रुपये मिलते, उसे तीनों आरोपी आपस में बांट लेते। बीते कई सालों से गिरोह के सदस्य चोरी की वारदात कर रहे थे। गिरोह में दो अन्य लोगों के भी शामिल होने की जानकारी मिली है। पुलिस शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए भी संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। आरोपी चोरी के दौरान विरोध करने पर लोगों को डराने के लिए अपने पास तमंचा और चाकू भी रखते। हालांकि जिस समय दोनों की गिरफ्तारी हुई, उनके पास चाकू और तमंचा नहीं मिला। आरोपियों के पास से जो रकम बरामद हुई, उसे उन्होंने चोरी का सामान बेचकर अर्जित की थी। चोरी का सामान किसे और कब बेचना है, इसका निर्णय कबाड़ी गुफरान करता।

इधर-उधर कूड़ा फेंकने पर ब्लिंकिट पर 10 हजार रुपये का जुर्माना

शाह टाइम्स संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की टीम साफ-सफाई को लेकर लगातार अभियान चला रही है। टीम की तरफ से इधर-उधर कूड़ा फेंक कर गंदगी फैलाने वालों पर कार्रवाई के साथ ही निवासियों को जागरुक भी किया जा रहा है।

रविवार को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के स्वास्थ्य विभाग के सहायक प्रबंधक कुलदीप शर्मा के नेतृत्व में टीम ने ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित ग्राम छोटी मिलक में साफ-सफाई का निरीक्षण किया।कूड़ा इधर उधर न फेंकने व साफ सफाई बेहतर करने के प्रति लोगों को जागरूक किया। ग्राम छोटी मिलक में कूड़ा इधर उधर फेकने पर ब्लिंकिट कॉमर्स प्राइवेट लिमिटेड पर 10,500 का जुर्माना लगाया गया। वहीं, स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मौके पर 130 मीटर रोड की सर्विस रोड पर (सेक्टर -इकोटेक 12 के पास) अवैध रूप से गार्बेज फेंकने पर एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को पकड़ा। इसे जब्त करते हुए ग्रेटर नोएडा वेस्ट कार्यालय परिसर में खड़ा कर दिया गया है। जुर्माने की रकम जमा करने के बाद ही

इसको छोड़ा जाएगा। इसके बाद सहायक प्रबंधक कुलदीप शर्मा के नेतृत्व में टीम ने रविवार को ही सेक्टर-बीटा-1 और गामा-1 साफ सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। घरों में पूछा गया कि कूड़ा कलेक्शन करने वाली गाड़ी प्रतिदिन आ रही है या नहीं। निवासियों के सुझाव पर संबंधित स्टाफ को अमल करने के निर्देश दिए गए। वहीं स्वास्थ्य विभाग के सहायक प्रबंधक गौरव बघेल और उनकी टीम ने सेक्टर-36 में गीला और सूखा कूड़ा अलग-अलग करने वाले निवासियों को फूल माला पहनाकर सम्मानित किया। स्वास्थ्य विभाग की टीम की तरफ से सेक्टर पी-3, सिग्मा-1, सिग्मा -2, सिग्मा- 3, सिग्मा- 4, सेक्टर- 36 और सेक्टर- 37 में इस तरह का अभियान लगातार चलाए जा रहा है। सेक्टरवासियों ने प्राधिकरण के इस प्रयास की सराहना की है। सेक्टरवासियों ने सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए हर तरह से सहयोग का आश्वासन दिया। फीडबैक फाउंडेशन की टीम ने लोगों को जागरूक भी किया।

एसीईओ का बयान: ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने निवासियों से कूड़े को सेग्रिगेट करने और कूड़े को इधर-उधर न फेंककर कूड़ा कलेक्शन वाहान आने पर ही कूड़ा देने की अपील की है। साथ ही ग्रेटर नोएडा को साफ-सुथरा बनाने में सहयोग करने की भी अपील की है।

दो दुकानों का ताला तोड़कर चोरी

शाह टाइम्स संवाददाता

नोएडा। गढ़ी चौखंडी गांव में बदमाशों ने शनिवार रात किराने की दो दुकानों के ताले तोड़कर एक लाख रुपये का सामान और नगदी चोरी कर ली। दुकानदार रविवार को दुकान पर पहुंचे तो उन्हें घटना का पता चला। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। गढ़ी चौखंडी गांव निवासी प्रमोद और जोगेंद्र किराना की अलग-अलग दुकान करते हैं। शनिवार रात दस बजे के करीब दोनों ने अपनी दुकान बंद की और घर चले गए। दोनों रविवार सुबह दुकान पर पहुंचे तो शटर टूटे मिले। दुकान के अंदर रखा सामान और गल्ले से नगदी गायब मिली।

जोगेंद्र का दावा है कि चोर दुकान से 20 हजार रुपये से ज्यादा की नगदी, दस हजार से ज्यादा की सिगरेट और चाकलेट आदि सामान ले गए। प्रमोद की दुकान से भी चोरों ने काफी सामान चोरी किया। दोनों पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बीते एक माह में गांव में तीन दुकानों में चोरी हो चुकी है।

आशंका जताई जा रही है कि क्षेत्र में कोई गिरोह सक्रिय है, जो रेकी करने के बाद दुकानों को निशाना बनाता है। पुलिस ने इस संबंध में स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की। लोगों ने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं और क्षेत्र में गश्त बढ़ाने की मांग की है।गढ़ी चौखंडी गांव में बदमाशों ने शनिवार रात किराने की दो दुकानों के ताले तोड़कर एक लाख रुपये का सामान और नगदी चोरी कर ली। दुकानदार रविवार को दुकान पर पहुंचे तो उन्हें घटना का पता चला। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। गढ़ी चौखंडी गांव निवासी प्रमोद और जोगेंद्र किराना की अलग-अलग दुकान करते हैं। शनिवार रात दस बजे के करीब दोनों ने अपनी दुकान बंद की और घर चले गए। दोनों रविवार सुबह दुकान पर पहुंचे तो शटर टूटे मिले। दुकान के अंदर रखा सामान और गल्ले से नगदी गायब मिली।

जोगेंद्र का दावा है कि चोर दुकान से 20 हजार रुपये से ज्यादा की नगदी, दस हजार से ज्यादा की सिगरेट और चाकलेट आदि सामान ले गए। प्रमोद की दुकान से भी चोरों ने काफी सामान चोरी किया।

दोनों पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बीते एक माह में गांव में तीन दुकानों में चोरी हो चुकी है। आशंका जताई जा रही है कि क्षेत्र में कोई गिरोह सक्रिय है, जो रेकी करने के बाद दुकानों को निशाना बनाता है। पुलिस ने इस संबंध में स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की। लोगों ने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं और क्षेत्र में गश्त बढ़ाने की मांग की है।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई : अपहृत किशोर सकुशल बरामद, मुठभेड़ में दो बदमाश घायल, तीन गिरफ्तार

शाह टाइम्स ब्यूरो

नोएडा। गाजियाबाद से अपहृत किशोर को गौतमबुद्धनगर पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाकर रविवार को सकुशल बरामद कर लिया। थाना जेवर क्षेत्र में हुई इस कार्रवाई के दौरान पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ भी हुई, जिसमें दो अपहर्ता गोली लगने से घायल हो गए। वहीं तीन अन्य आरोपियों को पुलिस ने कॉम्बिंग कर दबोच लिया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त कार और अवैध असलहे भी बरामद किए हैं।

मामला 9 सितंबर का है। गाजियाबाद निवासी एक व्यक्ति ने थाना दनकौर में तहरीर दी थी कि उसका पोता किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाया गया है। अपहृत की बलेनो कार (यूपी14डीसी8484) को लावारिस हालत में यमुना एक्सप्रेस-वे पर छोड़ दिया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना दनकौर में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने स्वाट व कई थानों की टीमों का गठन किया। 14 सितंबर को पुलिस ने जेवर क्षेत्र में अपहर्ताओं की घेराबंदी की। इस दौरान अपहृत किशोर को सकुशल बरामद कर लिया गया। बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग की, जिस पर जवाबी कार्रवाई में दो आरोपी मोहित गुप्ता निवासी फर्रुखाबाद और आलोक यादव निवासी कन्नौज गोली लगने से घायल हो गए। उन्हें उपचार हेतु

अस्पताल भेजा गया है।

गिरफ्तार आरोपी: पुलिस ने मौके से तीन अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया। इनमें नियम शर्मा, निवासी सेक्टर-16सी, बिसरख। श्याम सुंदर, निवासी कन्नौज और सुमित कुमार, निवासी फर्रुखाबाद भी हैं। इनके पास से पुलिस ने अपहरण में प्रयुक्त XUV 300 कार, दो तमंचे .315 बोर, दो खोखा कारतूस व चार जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

पुलिस टीम की भूमिका: इस पूरी कार्रवाई में थाना दनकौर, थाना जेवर, थाना इकोटेक-1, थाना बीटा-2, स्वाट टीम और सर्विलांस सेल ग्रेटर नोएडा की अहम भूमिका रही। पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर ने बताया कि अपहृत किशोर पूरी तरह सुरक्षित है और मामले में आगे की जांच जारी है।

एक नजर

किसान को आवंटित आबादी भूखंड से हटाया अतिक्रमण

ग्रेटर नोएडा (शाह टाइम्स)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने उच्च न्यायालय के आदेश पर साकी पुर में रविवार को अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई कर जमीन को खाली करा लिया है। इस जमीन पर किसान को 6 फीसदी आबादी भूखंड आवंटित है। महाप्रबंधक एके सिंह और विशेष कार्याधिकारी (भूलेख) रामनयन सिंह के नेतृत्व में परियोजना और भूलेख विभाग की टीम ने यह कार्रवाई की। एके सिंह ने बताया कि साकीपुर के खसरा संख्या-583 की लगभग 5000 वर्ग मीटर जमीन पर कुछ लोग बाउंड्री बनाकर कब्जा करने की कोशिश कर रहे थे। यह जमीन किसान को 6% आबादी भूखंड के रूप में आवंटित है, लेकिन उनको कब्जा नहीं मिल पा रहा था। हाईकोर्ट के आदेश पर रविवार को सुबह प्राधिकरण की टीम मौके पर पहुंची और अतिक्रमण को ध्वस्त कर दिया। प्राधिकरण ने जमीन को अपने कब्जे में ले लिया है। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में वरिष्ठ प्रबंधक रतिक और वरिष्ठ प्रबंधक प्रभात शंकर सहित अन्य वर्क सर्कल के मैनेजर और सहायक प्रबंधक आदि मौजूद रहे।

फेसबुक पर पोस्ट देख पुलिस बनी फरिश्ता, बचा ली जान

नोएडा (शाह टाइम्स)। फेसबुक पोस्ट का संज्ञान लेकर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर चिकित्सक और उसके परिवार की जान बचाई है। मामला थाना सूरजपुर क्षेत्र का है। जहां 50 वर्षीय चिकित्सक ने अपनी और दो बच्चों की फोटो फेसबुक पर पोस्ट कर लिखा कि "मैं अपने बच्चों के साथ आत्महत्या कर रहा हूं। सभी को आखिरी प्रणाम।" यह पोस्ट शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय लखनऊ स्थित सोशल मीडिया सेंटर को प्राप्त हुई।

डीजीपी उत्तर प्रदेश राजीव कृष्ण ने तत्काल संज्ञान लेकर गौतमबुद्धनगर पुलिस को कार्रवाई के निर्देश दिए। सेंटर ने पीड़ित के फेसबुक अकाउंट और पोस्ट पर आए कमेंट्स की जांच की। जिसमें उसके नोएडा स्थित घर का पता मिला। सूचना मिलते पुलिस टीम महज 10 मिनट में चिकित्सक के घर पहुंच गई। मौके पर पुलिस को रस्सी मिली। जिसका इस्तेमाल कर आत्महत्या की तैयारी की जा रही थी। उप निरीक्षक और साथ आए पुलिसकर्मियों ने तत्काल चिकित्सक को ऐसा कदम उठाने से रोका और सुरक्षित किया।

पूछताछ में सामने आया कि चिकित्सक का पत्नी से विवाद चल रहा था। पत्नी मायके चली गई थी और बच्चे घर पर पिता के साथ ही रह रहे थे। पारिवारिक कलह और अवसाद में शराब पीने के बाद चिकित्सक ने आत्महत्या का मन बना लिया था। पुलिस ने मौके पर ही उनकी काउंसलिंग की। जिसके बाद उन्होंने भविष्य में ऐसा कदम न उठाने का आश्वासन दिया। परिजनों ने पुलिस की तत्परता और संवेदनशीलता के लिए आभार जताया।

1,365 लोगों की जान बचा चुकी है पुलिस: उत्तर प्रदेश पुलिस सोशल मीडिया पर अवसाद से जुड़ी पोस्ट्स पर वह 24 घंटे नजर रखती है। जनवरी 2023 से 10 सितंबर-2025 तक ऐसे मामलों में 1,365 लोगों की जान बचाई जा चुकी है।

आग के मुहाने पर सोसाइटी, बेसमेंट में लीकेज से कमजोर हो रही इमारत

नोएडा (शाह टाइम्स)। राधा स्काई गार्डन सोसाइटी में अग्निशमन उपायों की कमी है। निवासियों के मुताबिक हाल ही में सोसाइटी के एक टावर में आग लग गई थी। तब आग बुझाने के उपकरण काम नहीं आए थे। निवासियों ने अपने घरों से पानी लाकर आग पर काबू पाया था।

रविवार को सोसाइटी में आयोजित अमर उजाला संवाद में निवासियों ने ऐसे ही तमाम समस्याओं की जानकरी दी। उन्होंने कहा कि सोसाइटी में एसटीपी काम नहीं करता। कूड़े का निस्तारण सही ढंग से नहीं होता साथ ही पानी की बर्बादी भी होती है। निवासियों का कहना है कि बेसमेंट में लीकेज और सीपेज के कारण सरिया गलने लगी है। इससे इमारत की मजबूती को खतरा उत्पन्न हो गया है। मामले में कई बार जिम्मेदारों को अवगत कराया गया लेकिन कोई सुनने को तैयार नहीं है। निवासियों को प्रतिदिन अपने साथ कोई न कोई अनहोनी का खतरा सताता रहता है। निवासियों ने बताया कि बिजली के बिल के नाम पर दोहरी मार पड़ रही है। वीकैम चार्ज एनपीसीएल की ओर से वसूला जा रहा है। जबकि मेंटेनेंस के रूप में भी बिजली का बिल लिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पानी की टंकियों में बाल्व नहीं लगाए गए हैं।

नई कंपनी करेगी गोल्फ कोर्स का निर्माण

- **40 करोड़ का बचा हुआ है काम, पहली कंपनी हो चुकी ब्लैक लिस्ट, एनआईटी को मिली मंजूरी**

शाह टाइम्स संवाददाता

नोएडा। सेक्टर-151ए में नोएडा इंटरनेशनल गोल्फ कोर्स का निर्माण कर रही कंपनी को दो साल के लिए ब्लैक लिस्ट किया गया है। साथ ही उसकी जमा की गई धरोहर राशि को भी जमा कर लिया गया है। अब बचे 40 करोड़ के काम के लिए प्राधिकरण टेंडर जारी करने जा रहा है। इसका अप्रूवल प्राधिकरण के सीईओ ने दिया है। कंपनी का चयन होते ही निर्माण शुरू करा दिया जाएगा।

प्राधिकरण ने बताया कि इंटरनेशनल गोल्फ कोर्स के निर्माण के लिए 1 जुलाई 2021 को कंपनी कश्यपि इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के साथ एग्रीमेंट किया गया। जिसका काम 30 जून 2022 तक पूरा होना था। कार्यस्थल पर कई बाधाओं के कारण समय-समय पर सक्षम स्तर से निर्माण कार्य पूरा करने के लिए टाइम एक्सटेंशन दिया गया। साथ ही 30 जून 2025 तक काम पूरा करने की नई डेड लाइन तय की गई।

इस डेट को भी निर्माण कार्य पूरा नहीं किया जा सका। यही नहीं इस बीच 18 नवंबर 2024 और 24 जून 2025 को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया। आपके द्वारा दिया गया उत्तर संतोषजनक नहीं मिला। ऐसे में एग्रीमेंट की शर्तों का उल्लंघन करने के एवज में जमा की गई धरोहर राशि को जमा किया गया और दो साल के लिए कंपनी को ब्लैक लिस्ट किया गया।

80 करोड़ में बन रहा गोल्फ कोर्स: बता दे परियोजना जुलाई 2021 में शुरू की गई। इसका 68 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। 40 करोड़ का काम अभी बचा है। जिसे पूरा करने के लिए नई कंपनी को काम अवॉर्ड किया जाएगा। सिविल कार्य में करीब 80 करोड़, इंटीरियर से लेकर हॉर्टिकल्चर का काम होना है। योजना का कुल एरिया करीब 113.87 एकड़ है।

लावारिस कुत्ते ने डिलीवरी ब्वॉय को काटा

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के टेकजोन-4 की मार्केट में लावारिस कुत्ते ने डिलीवरी ब्वॉय को काट लिया। वह दुकान पर तैयार सामना लेने गया था। घटना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वायरल वीडियो में डिलीवरी ब्वॉय बता रहा है कि वह दुकान पर तैयार ऑर्डर लेने के लिए आया था। वह ऑर्डर लेकर वापस चला तो अचानक कुत्ता उसके पास आया। उसने एकदम से युवक के पैर पर काट लिया और वहां से भाग गया। पास की सोसाइटी में रहने वाले आशीष ने बताया कि मार्केट और सड़कों पर कुत्तों की संख्या बढ़ रही है। वे आए दिन लोगों पर हमला कर देते हैं।

ऐसे में लोगों का बाहर अकेला जाना भी मुश्किल हो गया है। प्राधिकरण से शिकायत की गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

टीईटी अनिवार्यता ने शिक्षकों को दुविधा में डाला

शाह टाइम्स संवाददाता

नोएडा। कक्षा एक से आठ तक के शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) उत्तीर्ण करना अनिवार्य होने के बाद हजारों शिक्षकों को गहरी दुविधा में डाल दिया है। शिक्षक विरोध प्रदर्शन की तैयारी के साथ-साथ परीक्षा की तैयारी भी शुरू कर दी है। जिले के 1800 से अधिक शिक्षकों को यह परीक्षा देनी होगी। वर्तमान समय में शिक्षकों के व्हाट्सएप समूह टीईटी पाठ्यक्रम की सामग्री, सामान्य ज्ञान के प्रश्नों और विषयवार नोट्स से भरे पड़े हैं। कई शिक्षक दिन-रात पढ़ाई में जुट गए हैं, तो कई अब भी इस अनिवार्यता को लेकर तनावग्रस्त हैं।

जिन शिक्षकों की सेवा अवधि पांच साल से अधिक है, उन्हें हर हाल में परीक्षा देनी होगी, अन्यथा नौकरी संकट में पड़ सकती है। यही डर शिक्षकों के बीच तनाव और असमंजस को और बढ़ा रहा है। एक वर्ग मानता है कि इतने वर्षों तक पढ़ाने के बाद भी पात्रता पर सवाल खड़ा होना अपमानजनक है। जबकि, दूसरा वर्ग यह मान रहा है कि परिस्थिति को स्वीकार कर तैयारी ही एकमात्र रास्ता है। कई शिक्षक कहते हैं कि न तो विरोध से राहत मिलती दिख रही है और न ही तैयारी से तनाव कम हो रहा है। शासन ने 29 और 30 जनवरी को शिक्षक पात्रता परीक्षा आयोजित करने का प्रस्ताव दिया है और आवेदन प्रक्रिया जल्द शुरू होने वाली है। ऐसे में शिक्षकों के पास ज्यादा समय भी नहीं है। वहीं, शिक्षक संगठन के जरिये विरोध की रणनीति के साथ भी खड़े हैं। बता दे कि पिछले दिनों सर्वोच्च न्यायालय ने बिना टीईटी उत्तीर्ण किए शिक्षकों को परिषदीय विद्यालयों में नहीं पढ़ाने के आदेश दिए हैं। हालांकि, जिन शिक्षकों की सेवा पांच वर्ष से कम बची है, उन्हें इससे दूर रखा गया है।

निर्माणाधीन मकान की छत से ईंट गिरी, भाई-बहन घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

नोएडा। नॉलेज पार्क कोतवाली क्षेत्र के तुगलपुर गांव में रविवार दोपहर निर्माणाधीन मकान की ऊपरी मंजिल से ईंट गिरने से भाई-बहन घायल हो गए। दोनों भाई-बहन हैं। बच्चे के सिर और बच्ची के पैर पर चोट लगी। दोनों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। जानकारी के मुताबिक तुगलपुर गांव में फहीम परिवार के साथ किराये पर रहता है। बगल में ही एक व्यक्ति नए मकान का निर्माण कार्य चल रहा है। पहली मंजिल का लेंटर गिरने के बाद दूसरी मंजिल का निर्माण कार्य चल रहा है। रविवार को दोपहर दो बजे के करीब श्रमिक ऊपरी मंजिल के निर्माण के लिए ईंट चढ़ा रहा था।

जैसे ही श्रमिक ने ऊपर पहुंचकर सिर से ईंट डाली, एक ईंट नीचे गिर गई। जिस समय ईंट गिरी, उस समय फहीम का बेटा अहाद और बेटी आयत नीचे से गुजर रहे थे। ईंट बेटे के सिर पर लगने के बाद बेटी के पैर पर जाकर गिरी। लहूलुहान हालत में दोनों को कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां दोनों का उपचार चल रहा है। हालांकि, मामले में अभी तक पुलिस को तहरीर नहीं दी गई है।

अपहरण के मामले में कैब चालक की जमानत खारिज

शाह टाइम्स संवाददाता

नोएडा। अपर सत्र न्यायाधीश की अदालत ने उबर कैब के जरिए परिवार को बंधक बनाने और फर्जी आधार कार्ड के प्रयोग के मामले में आरोपी नाजिम की जमानत याचिका खारिज कर दी। न्यायाधीश ने आदेश में कहा कि आरोपी के खिलाफ लगे आरोप गंभीर प्रकृति के हैं और विवेचना अभी प्रचलित है। ऐसे में जमानत देने का कोई आधार नहीं बनता। मामला थाना फेस-3 नोएडा का है।

अभियोजन के अनुसार 14 अगस्त 2025 को पीड़ित संजय मोहन ने आम्रपाली सेक्टर-119 से परिवार संग कनॉट प्लेस के लिए उबर कैब बुक की थी। बुकिंग में चालक का नाम सोनू दर्शाया गया था। कैब चालक ने अचानक गलत रास्ता पकड़ लिया और विरोध करने पर भी गाड़ी नहीं रोकी।

परिवार की चीख-पुकार सुनकर लोगों का ध्यान आकर्षित हुआ, लेकिन आरोपी गाड़ी को तेज गति से भगाता रहा। गढ़ी गोल चक्कर के पास परिवार को छोड़कर चालक फरार हो गया था। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ जिसके आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की थी। अदालत ने कहा मामला अपहरण से जुड़ा है।

जिससे समाज में गंभीर असर पड़ सकता है। ऐसे में आरोपी को जमानत नहीं दी जा सकती।

करंट की चपेट में आकर युवक की मौत

- **परिजनों में मचा कोहराम**

शाह टाइम्स संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में विद्युत विभाग की लापरवाही के चलते आछेपुर गांव में एक मकान के ऊपर से होकर गुजर रही हाई टेंशन लाइन से करंट की चपेट में आकर एक युवक की मौत हो गई। घटना के बाद से परिजन का रो रोकर हाल बेहाल है। ग्रामीणों का आरोप है कि पिछले करीब 1 वर्ष से आबादी के बीच हाइटेंशन लाइन को हटाए जाने की मांग को लेकर बिजली विभाग के अधिकारियों के चक्कर लगाए जा रहे हैं। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

आरोप है कि क्षेत्र में अब तक विद्युत विभाग की लापरवाही के

चलते दर्जन भर जाने जा चुकी हैं। बावजूद इसके भी विद्युत विभाग चौन की नींद सोया हुआ है। उधर उपखंड अधिकारी ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और जल्द ही समस्याओं की समाधान का आश्वासन दिया गया। पुलिस का कहना है कि मामला जानकारी में नहीं है, अगर शिकायत मिलती है तो जांच उपरांत कार्रवाई की जाएगी।

आछेपुर गांव निवासी सुंदर का 20 वर्षीय बेटा मनीष शनिवार देर शाम अपने मकान की छत पर टहल रहा था। बताया जाता है कि इसी दौरान वह मकान के ऊपर से होकर गुजर रही हाई टेंशन लाइन की चपेट में आकर झुलस गया। आनन-फानन में परिजनों ने उसे ग्रेटर नोएडा के निजी अस्पताल में ले जाया गया जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद से गांव में शोक का माहौल है। युवक की मौत के बाद से ग्रामीणों में रोष है। घटना की सूचना पाकर विद्युत विभाग के उपखंड अधिकारी अजय कुमार ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और हाई टेंशन लाइनों को जल्द ही हटवाए जाने का आश्वासन दिया गया। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में घनी आबादी के बीच हाई टेंशन लाइन कई मकानों के ऊपर से होकर गुजर रही है। जिसको हटवाए जाने की मांग के लिए कई बार संबंधित अधिकारियों को प्रार्थना पत्र दिए जा चुके हैं। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई है। आरोप है कि अगर समय रहते कार्रवाई होती तो युवक की जान नहीं जाती।

शाह टाइम्स

आपके लोकप्रिय अखबार दैनिक शाह टाइम्स में विज्ञापन एवं समाचारों के लिए संपर्क करें।

प्रवेश सिंह दतानियां

जिला प्रभारी गौतमबुध नगर/खोड़ा

ए-37, सेक्टर-10, नोएडा, जनपद गौतमबुध नगर

9810967541, 8920145356

Email : parveshnoida@gmail.com

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

नलकूप के पास मिला युवक का शव, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। नगर कोतवाली क्षेत्र के गांव बदनौली में एक ईट भट्टे के पीछे स्थित नलकूप के पास संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने घटना की सूचना पुलिस को दी जिसके बाद सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। तो वहीं मृतक कालू के परिजनों ने गांव के ही कुछ लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है।

मिली जानकारी के अनुसार रविवार की सुबह करीब 8 बजे गांव बदनौली में ईट भट्टे के पीछे एक नलकूप के पास कुछ ग्रामीणों ने एक युवक का शव देखा। मृतक की पहचान गांव बदनोली की माडया निवासी 30 वर्षीय कालू पुत्र रविंद्र के रूप में हुई, जो पिछले तीन दिनों से लापता था। उसके परिजनों ने शनिवार की रात डायल 112 पर उसकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। ग्रामीणों ने जब मृतक कालू का शव नलकूप पर देखा तो उनके होश उड़ गए। शव मिलने की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही सीओ सिटी वरुण मिश्रा और थाना प्रभारी निरीक्षक मुनीष प्रताप सिंह पुलिस टीम और फॉरेंसिक दल के साथ मौके पर पहुंचे और साक्ष्य इकट्टा कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। सीओ वरुण मिश्रा ने बताया कि शव के आसपास कीटनाशक मिलने से शुरुआती जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। हालांकि सही कारण जानने के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मृतक कालू को शराब की लत थी और वह नशा

मुक्ति केंद्र में भी रह चुका था। पुलिस को संदेह है कि उसकी शराब की लत और हाल के हालात ने उसे आत्महत्या जैसा कदम उठाने पर मजबूर किया होगा। उन्होंने बताया कि मृतक कालू के परिजनों का आरोप है कि मृतक कालू ने गांव की ही कुछ लोगों को अपनी जमीन बेची थी। उनका आरोप है कि उन्होंने ही कालू की हत्या की है। सीओ वरुण मिश्रा ने बताया कि पुलिस द्वारा इस मामले की गहनता से जांच शुरू कर दी गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता चल पाएगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

देवताओं पर अमर्यादित टिप्पणी करने वाला गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। थाना धौलाना पुलिस ने त्वरित कार्यवाही कर हिन्दू देवी-देवताओ पर अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना अध्यक्ष नीरज कुमार ने बताया कि आरोपी के खिलाफ हिन्दू देवी-देवताओ पर अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने का मामला दर्ज कराया गया था। संबंधित मामले में मुकदमा दर्ज कर पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गई थी। रविवार को पुलिस ने पुलिस ने त्वरित कार्यवाही कर हिन्दू देवी-देवताओ पर अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने वाले आरोपी सद्दाम पुत्र यासीन निवासी तेली वाला मौहल्ला कस्बा व थाना धौलाना जनपद हापुड़ को पैठ का चबूतरा से गिरफ्तार किया गया है एवं अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। थाना प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार ने बताया कि पुलिस द्वारा सोशल मीडिया पर भी नजर

रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र का माहौल बिगड़ता वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

पंजाब के बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आया मुस्लिम समाज

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। मुस्लिम समाज द्वारा पंजाब के बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद के लिए एक सराहनीय पहल की गई है। नगर क्षेत्र के बुलंदशहर रोड पर स्थित मोहल्ला रफीक नगर और नूरबाफान गंज के लोगो ने मिलकर पंजाब बाढ़ पीड़ितों के लिए 1,06,500 रुपये की राशि दान की है। यह दान पंजाब के शाही इमाम हजरत मौलाना मोहम्मद उस्मान लुधियानवी की अपील पर दिया गया, जिसका उद्देश्य बाढ़ पीड़ितों को राहत पहुंचाना है।

मोहल्ला रफीक नगर और नूरबाफान गंज के लोगो ने 1,06,500 रुपये की राशि पंजाब के बाढ़ पीड़ितों के लिए जुटाई है। जिसका उद्देश्य पंजाब में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित परिवारों और व्यक्तियों को आर्थिक मदद देना है। यह राशि उत्तर प्रदेश सिख मिशन के प्रभारी ब्रजपाल सिंह को सौंपी गई है ब्रजपाल सिंह ने दानदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह राशि जल्द ही बाढ़ पीड़ितों तक पहुंचाई जाएगी। इस अवसर पर कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे, जिनमें शहर काजी मुफ्ती मकसूद आलम, ईदगाह कमेटी के सचिव डा. नजमुद्दीन हवारी, और वरिष्ठ पत्रकार

मोहम्मद शाहीद शामिल थे। इस दान से यह साबित होता है कि आपदा के समय लोग एक-दूसरे की मदद के लिए एकजुट होते हैं। यह पहल न केवल पंजाब के बाढ़ पीड़ितों के लिए एक महत्वपूर्ण आर्थिक मदद है, बल्कि यह विभिन्न समुदायों के बीच एकता और भाईचारे का भी प्रतीक है। हापुड़ के इन निवासियों ने मानवता और आपसी सद्भाव की एक शानदार मिसाल पेश की है।

बाढ़ प्रभावित किसानों की समस्याओं को लेकर भाकियू ने आयोजित की पंचायत

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। रविवार को गांव नियामतपुर रामपुर में भारतीय किसान यूनियन की एक पंचायत का आयोजन किया गया। जिसमे बाढ़ से प्रभावित किसानों की समस्याओं पर चर्चा की गई। इस पंचायत की अध्यक्षता गुरुदोर सिंह सरदार ने की और इसका संचालन मेरठ मंडल अध्यक्ष जीते चौहान ने किया।

पंचायत में सुरेंद्र टिकैत जो राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत के छोटे भाई हैं, खुद बाढ़ पीड़ितों के लिए खाद्य सामग्री लेकर पहुंचे। इस दौरान सुरेंद्र टिकैत ने प्रशासन से जल्द से जल्द बाढ़ से नष्ट हुई फसलों का सर्वे कराकर किसानों को मुआवजा देने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो एक बड़ा आंदोलन

शुरू किया जाएगा। तो वही दिनेश त्यागी ने मांग की कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में तुरंत चिकित्सा कैंप लगाए जाएं, क्योंकि पानी भरे होने के कारण जानवरों और बच्चों में मलेरिया और डेंगू जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। नवदीप सिंह ने मांग की कि क्षेत्र के कच्चे बांध को पक्का किया जाए, क्योंकि इसी की वजह से पूरे क्षेत्र की फसलें बर्बाद हो गईं। ज्ञानेश्वर त्यागी ने प्रशासन से जल्द ही किसानों के पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था करने की भी मांग की। इस पंचायत में बिट्टू प्रधान, अमरदीप सिंह, मनोज प्रधान और सुनील चौहान सहित हजारों की संख्या में किसान और पदाधिकारी मौजूद थे। सुखराज सिंह सरदार ने सभी को एकजुट होकर संगठन और किसानों के साथ खड़े रहने की बात कही।

देवेंद्र बिष्ट ने संभाला नए थाना प्रभारी का चार्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। नगर कोतवाली के नए थाना प्रभारी के रूप में थाना प्रभारी देवेंद्र बिष्ट ने रविवार को कार्यभार संभाल लिया है। उन्होंने कानून व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त बनाए रखने की बात कही। पुलिस विभाग में हुए फेरबदल के तहत पूर्व थाना अध्यक्ष मुनीश प्रताप का स्थानांतरण बाबूगढ़ थाने में किया गया है।

नए थाना प्रभारी देवेंद्र बिष्ट ने पदभार ग्रहण करने के बाद थाना स्टाफ से परिचय कर अपनी कार्य योजना साझा की। उन्होंने कहा कि उच्च अधिकारियों के निर्देशों का पालन करते हुए कोतवाली क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए रात्रि गश्त को बढ़ाया जाएगा। थाना प्रभारी ने बताया कि उनका मुख्य लक्ष्य आम जनता में विश्वास और अपराधियों में भय का माहौल बनाना है। कोतवाली थाने में आने वाले फरियादियों की समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुनकर उनका समय पर समाधान किया जाएगा। उन्होंने आमजन से अपील की है कि शहर में कहीं भी कोई अपराध होने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें। पुलिस मौके पर पहुंचकर तुरंत कार्रवाई करेगी। थाना प्रभारी ने कहा कि जनता को शासन की मंशा के अनुरूप समय से उचित न्याय दिलाना व अपराधियों पर अंकुश लगाना है ये हमारी पहली प्राथमिकता है। गलत कार्य करने

वाले अपराधियों को चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसे लोगों की जगह जेल में होगी उन्होंने आम जनमानस से अपील की कि यदि क्षेत्र में कोई संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु की जानक. ारी मिले तो आप हमें अवगत कराएं पुलिस आपकी मदद के लिए हमेशा तत्पर है।

अनियंत्रित होकर हाइवे पर पलटा खाद से भरा ट्रक

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। शनिवार देर रात थाना हापुड़ देहात क्षेत्र के नेशनल हाईवे-9 पर एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। मेरठ से छिबरामऊ जा रहा खाद से भरा एक ट्रक ततारपुर गोलचक्कर के पास अनियंत्रित होकर पलट गया। जैसे ही ट्रक पलटने की सूचना पुलिस को मिली तुरंत थाना देहात प्रभारी विजय गुप्ता अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत राहत और बचाव का काम शुरू किया। सबसे पहले, उन्होंने ट्रक चालक सुखदेव कुमार निवासी नगला मऊ, इटावा को अस्पताल भिजवाया, जिसे मामूली चोटें आई थीं।

हादसे के कारण हाईवे पर लंबा जाम लग गया था और काफी अफरा-तफरी का माहौल था।

विजय गुप्ता ने खुद मोर्चा संभाला और ट्रैफिक को नियंत्रित किया। पुलिस टीम ने जेसीबी मशीन की मदद से पलटे हुए ट्रक और सड़क पर बिखरे सैकड़ों खाद के कट्टों को हटवाकर यातायात को सुचारु करवाया। पुलिस की इस सक्रियता की वजह से रात के अंधेरे में भी जल्द ही स्थिति सामान्य हो गई। थाना प्रभारी विजय गुप्ता ने बताया कि ड्राइवर सुरक्षित है और उसका इलाज चल रहा है। ट्रक को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

एक नजर

तीन युवकों पर जानलेवा हमला करने वाला गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। थाना पिलखुवा पुलिस ने रिलायन्स रोड पर तीन युवको पर जानलेवा हमला करने की घटना के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक पटनीश कुमार ने बताया कि थाना पिलखुवा पुलिस द्वारा बीएनएस में नामजद फरार आरोपी गौरव पुत्र श्रीचन्द निवासी ग्राम खेडा थाना पिलखुवा जनपद हापुड को रिलायंस रोड कट के पास से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर पुलिस द्वारा आगे की कार्यवाही की जा रही है। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार की कानून व्यवस्था बिगड़ने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

रील बनाने के शोक में घर से लापता हुई दो नाबालिग दिल्ली से बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। नगर कोतवाली क्षेत्र से लापता हुई दो नाबालिग छात्राओं को पुलिस ने दिल्ली रेलवे स्टेशन से सुरक्षित ढूंढ निकाला। ये छात्राएं 11 सितंबर को घर से स्कूल के लिए निकली थीं, लेकिन शाम तक वापस नहीं लौटीं, जिसके बाद उनके परेशान परिवार ने पुलिस को इसकी सूचना दी।

पुलिस को पता चला कि दोनों लड़कियां इंस्टाग्राम रील्स बनाने की शौकीन थीं और हाल ही में पढ़ाई पर ध्यान न देने के कारण उन्हें घरवालों से डांट पड़ी थी। इसी बात से नाराज़ होकर वे घर से चली गई थीं। जदीद चौकी प्रभारी प्रवीण कुमार के नेतृत्व में तुरंत एक टीम का गठन किया गया। तकनीकी सर्विलांस और स्थानीय जाँच के आधार पर दोनों छात्राओं को दिल्ली रेलवे स्टेशन से बरामद कर लिया गया और छात्राओं को उनके परिवार को सौंप दिया गया है, जिन्होंने पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई के लिए उनका धन्यवाद किया। पुलिस ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखें और उनसे सोशल मीडिया के इस्तेमाल को लेकर लगातार बात करते रहें ताकि इस तरह की घटनाएँ दोबारा न हों।

किशोरी को बंधक बनाकर छेड़छाड़ करने का आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

गढ़मुक्तेश्वर। बहादुरगढ़ क्षेत्र के गांव निवासी युवक ने पड़ोसी युवक पर बेटी को बहला फुसला कर अपने घर में बंधक बनाकर छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी ने विरोध करने पर परिजन के साथ भी अभद्रता की। पुलिस ने तहरीर मिलने पर कार्रवाई करने की बात कहीं है।

गांव निवासी युवक ने बताया कि उसका पड़ोसी युवक उसकी नाबलिक बेटी को घर से बहला फुसला कर अपने घर ले गया और कमरे में बंधक बना लिया। उसने बेटी के लापता होने पर खोजबीन करते हुए पड़ोसी से पूछताछ की तो आरोपी ने बेटी के बारे में जानकारी होने से इंकार कर दिया। पीड़ित ने बताया कि जब उसकी बेटी आरोपी के घर से निकली तो आरोपी ने उनके साथ अभद्रता की। थाना पुलिस का कहना है कि अभी कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर प्राप्त होने पर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

एटीएम बूथ में आग लगने से मचा हड़कंप

शाह टाइम्स संवाददाता

गढ़मुक्तेश्वर। सिंभावली चीनी मिल गेट के बराबर में स्थित एटीएम में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई। आग लगने से मौके पर मौजूद लोगों में भगदड़ मच गई। सूचना पर पहुंची दमकल विभाग की गाड़ी ने आग पर काबू पाया गया है। आग से कितना नुकसान हुआ है इसको लेकर आकलंन किया जा रहा है।

रविवार की दोपहर को चीनी मिल गेट के बराबर में स्थित एसबीआई बैंक के एटीएम बूथ में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई। आग की जानकारी धुंआ निकलने के बाद हो सकी। आस पास से गुजर रहे लोगों ने धुंआ देखकर पुलिस को मामले की जानकारी दी। सूचना पर पुलिस ने बैंक अधिकारियों को मामले की जानकारी दी। इसके बाद दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। हालांकि आग से कितना नुकसान है इसका आकलंन किया जा रहा है।

अवैध हथियार के साथ शातिर बदमाश गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। ऑपरेशन शस्त्र अभियान के अन्तर्गत थाना धौलाना पुलिस ने चैकिंग के दौरान एक बदमाश को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध हथियार बरामद किया है।

धौलाना थाना प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार ने बताया कि थाना पुलिस टीम द्वारा ककराना बम्बे से जाधोपुर की ओर जाने वाली पटरी के पास गश्त के दौरान एक संदिग्ध दिखाई दिया। पुलिस ने जब संदिग्ध की तलाशी ली तो उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा 315 बोर बरामद हुआ। पुलिस ने तुरंत उसे हिरासत में ले लिया और थाने ले आई। पुलिस पूछताछ में बदमाश की पहचान चाँद उर्फ समर पुत्र मौ. उमर निवासी मौ. यासीन गढी कस्बा डासना थाना मसूरी जनपद गाजियाबाद हाल पता मौहल्ला मुगल गार्डन कस्बा व थाना मसूरी जनपद गाजियाबाद के रूप में हुई। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार किया गया बदमाश शातिर किस्म का अपराधी है जिसके खिलाफ आधा दर्जन से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। फिलहाल पुलिस ने बदमाश को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया है।

कव्वाली के साथ धूमधाम से मनाई गई ईद-ए-मिलादुन्नबी

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। मुस्लिम समुदाय के प्रमुख पर्व ईद-ए-मिलादुन्नबी को जिले में बड़े ही धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। यह पर्व इस्लामिक कैलेंडर के तीसरे महीने रबी-उल-अव्वल की 12वीं तारीख को मनाया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इसी दिन आखिरी नबी और पैगंबर हज़रत मोहम्मद साहब का जन्म हुआ था। इसी खुशी में मुस्लिम समाज के लोग विशेष प्रार्थना, जुलूस और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करते हैं।

सुबह से ही मुस्लिम बहुल इलाकों में रौनक देखने को मिली। जगह-जगह सजावट की गई, मिठाइयां बांटी गईं और जुलूस निक. ाले गए। छोटे-बड़े सभी ने नए कपड़े पहनकर एक-दूसरे को मुबा. रकबाद दी। बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। इस मौके पर सैयद माजिद शाह चिश्ती साबरि की ओर से विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कव्वाली का आयोजन सबसे आकर्षण का केंद्र रहा। कव्वालों ने नात-ए-पाक और धार्मिक कलाम पेश किए, जिन्हें सुनकर माहौल आध्यात्मिक और खुशनुमा बन गया। सैकड़ों की संख्या में लोग इस आयोजन में मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान सौहार्द और भाईचारे की मिसाल पेश करते हुए पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। हापुड़ थाना प्रभारी मुनीष प्रताप सिंह, जदीद चौकी प्रभारी प्रवीण कुमार, सिकंदरगढ़ चौकी प्रभारी विवेक चौहान, गढ़ गेट चौकी प्रभारी चेतन कुमार, रेलवे

रोड चौकी प्रभारी सहित अन्य पुलिस कर्मियों को मूर्ति भेंट कर व पटखा और पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया। आयोजन में हर तबके के लोग मौजूद रहे। मुस्लिम समाज के साथ-साथ अन्य धर्मों के लोगों ने भी कार्यक्रम में पहुंचकर ईद-ए-मिलादुन्नबी की खुशियों में साझेदारी की। इस दौरान कार्यक्रम संयोजक सज्जाद, नसीम, साईद, सहसंयोजक जुबेर खान साबरी, सरपरस्त मोनिश कुरैशी साबरी, सहयोगी आमिर मीर चिश्ती साबरी, सज्जाद नसीम सदा सुहागन दरगाह हापुड़, मोहम्मद आमिर कलियर दरगाह हापुड़, नफीस अहमद साबरी, सज्जाद नसीम नौ गजा पीर दादरी मौजूद रहे।

टीईटी की अनिवार्यता के विरोध में डीएम को सौपेंगे ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। प्राथमिक शिक्षक टीईटी की अनिवार्यता के विरोध में 16 सितंबर को एक ज्ञापन सौंपने जा रहे हैं। यह विरोध प्रदर्शन उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय नेतृत्व के आहवान पर आयोजित किया जा रहा है, जिसका नेतृत्व हापुड़ के जिलाध्यक्ष देवेंद्र शिशौदिया कर रहे हैं।

यह प्रदर्शन सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले के विरोध में है, जिसमें कार्यरत प्राथमिक शिक्षकों को दो साल के भीतर टीईटी पास करना अनिवार्य कर दिया गया है। शिक्षकों का मानना है कि यह फैसला उन लोगों के साथ अन्याय है जो आरटीई एक्ट 2010 के लागू होने से पहले नियुक्त हुए थे। शिक्षकों का आरोप है कि जब इन शिक्षकों की नियुक्ति हुई थी, तब वे सभी

निर्धारित योग्यताएं पूरी करते थे। टीईटी की अनिवार्यता बाद में, 2017 में, गुपचुप तरीके से लागू की गई। शिक्षकों का आरोप है कि सरकार ने संशोधित कानून की जानकारी न तो शिक्षकों को दी और न ही राज्य सरकारों से कोई पत्राचार किया। यह संशोधन सीधे सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका के दौरान पेश किया गया था। इस फैसले से हापुड़ के लगभग 1200 और पूरे उत्तर प्रदेश के लगभग दो लाख शिक्षकों की नौकरी खतरे में है। शिक्षक संघ का कहना है कि अगर ऐसा होता है, तो यह एक गलत मिसाल कायम करेगा। भविष्य में सरकारें आईएएस, पीसीएस, डाक्टर, इंजी. नियर और अन्य कर्मचारियों से भी दोबारा परीक्षा पास करने के लिए कह सकती हैं। शिक्षक संघ ने सभी शिक्षकों से अपील की है कि वे 16 सितंबर को दोपहर 3 बजे कलेक्ट्रेट परिसर में पहुंचकर इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हों।

भारत व पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच शहीदों का अपमान

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। ऑल इंडिया हिंदुस्तान कांग्रेस पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई के प्रदेश अध्यक्ष पंडित गोपाल शर्मा ने दुबई में होने वाले भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इस मैच को भारत के अमर शहीदों और देश की जनता की भावनाओं का अपमान बताया।

दुबई में क्रिकेट मैच का विरोध जताते हुए पंडित गोपाल शर्मा ने दुबई में भारत-पाकिस्तान के बीच खेले जा रहे क्रिकेट मैच का पुरजोर विरोध किया। उनका कहना है कि यह मैच उन अमर शहीदों का अपमान है, जिन्होंने देश के लिए अपनी जान कुर्बान की। उन्होंने जम्मू के पहलगाम हमले का जिक्र किया, जिसमें आतंकवादियों ने जाति और धर्म पूछकर 26 हिंदुओं

की गोली मारकर हत्या कर दी थी। पंडित गोपाल शर्मा ने कहा कि इस तरह की दुखद घटना के कुछ महीनों बाद पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना भारत के लोगों की भावनाओं को आहत करता है। पंडित गोपाल शर्मा ने केंद्र सरकार पर आंखें मूंदकर काम करने का आरोप लगाया और भाजपा पर दो. हरा चरित्र दिखाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी आतंकवादियों ने लगातार भारत की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा पर सेंध लगाकर भारतीय जवानों और निर्दोष नागरिकों की हत्याएं की हैं, जिसे कोई भी भारतीय नहीं भूल सकता। इस बयान में ऑल इंडिया हिंदुस्तान कांग्रेस पार्टी यूपी

मुर्गी फार्म के अंदर चल रहा थी पटाखा फैक्ट्री

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। गत दिवस क्षेत्र के गांव कुड़ाना स्थित मुर्गी फार्म हाउस में अवैध रूप से संचालित की गई पटाखा फैक्ट्री में आग लगने की घटना के बाद कोतवाली पुलिस ने मुर्गी फार्म मालिक सहित तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने अवैध रूप से पटाखा फैक्ट्री संचालित करने वाले लोगों की तलाश शुरू कर दी है।

गत शनिवार दोपहर करीब तीन बजे शहर कोतवाली क्षेत्र के गांव कुडाना रोड स्थित मुर्गी फार्म हाउस में अवैध रूप से संचालित पटाखा फैक्ट्री में भीषण आग लग गई थी। सूचना पर कोतवाली के वरिष्ठ उप निरीक्षक नीरज कुमार मौके पर

आग लगने के बाद पुलिस ने किया मुकदमा दर्ज

पहुंची थे। हादसे में किसी भी जनमानस की कोई हानि नहीं हुई है और मौके पर उक्त फैक्ट्री को संचा. लित करने वाला कोई भी व्यक्ति मौजूद नहीं था। बाद समाप्त आग मुर्गी फार्म का अन्दर जाकर निरीक्षण किया गया तो जले हुए पटाखों में से शेष 12 काटन कोरसेर लेपर्ड किंग ओरजिनल कम्पनी के स्टिक बम प्रत्एक काटन में 48 डिब्बे हैं व सफेद रंग की पन्नी में करीब 3 किलो पीले रंग का पदार्थ व एक सफदे पन्नी में काले रंग का करीब 2 किलो दानेदार पदार्थ, एक सफेद पन्नी में करीब 1.5 किलो सफेद रंग का पदार्थ, 3 अदद सैलो टेप कटर बरामद हुए थ। वरिष्ठ उप निरीक्षक नीरज कुमार ने मुर्गी फार्म के मालिक दुष्यन्त मलिक पुत्र स्व बलवीर सिंह निवासी ग्राम कुड़ाना, सहयोगी भूरा पुत्र आसकीन निवासी तिलपनी बागपत व काला उर्फ आमिर के खिलाफ अवैध रूप पटाखा फैक्ट्री को चलाने तथा कोई लाईसेंस न पाए जाने पर मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए तलाश शुरू कर दी है।

शव पोस्टमार्टम से आने के बाद गमगीन माहौल में किया सुपुर्द-ए-खाक

शाह टाइम्स संवाददाता

कांधला। कस्बे के मोहल्ला खेल में तीन दिन पूर्व हुई विविधता की संदिग्ध मौत के बाद शव पीएम से आने के बाद परिजन शव अपने साथ ले गए। शव गमगीन माहौल में सुपुर्द ए खाक कर दिया है। कस्बा झिंझाना के मोहल्ला चंदनपुरी निवासी रियाजुद्दीन की पुत्री गुलशना की शादी नो वर्ष पूर्व कस्बे के मोहल्ला खेल निवासी जावेद के साथ हुई थी।

विगत शनिवार को विवाहिता की घर पर ही संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। विवाहिता की मौत की खबर सुनते ही विवाहिता के मायके पक्ष के लोग मौके पर पहुंच गए थे और पति सहित ससुराल वालों पर गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाया था। पुलिस में मृतक महिला के शव का पंचनामा भरकर कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। रविवार को शव पोस्टमार्टम से आने के बाद मायके पक्ष के लोग शव अपने साथ ले गए और गमगीन माहौल में शव को ले जाकर सपुर्द ए खाक कर दिया है। घटना के तीन दिन बीत जाने के बाद भी परिजनों ने थाने पर तहरीर नहीं दी पुलिस पीएम रिपोर्ट आने का इंतजार कर रही है पीएम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई करने की बात कह रही है।

पड़ोसी पर पुत्र के साथ मारपीट का लगाया आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। शहर कोतवाली क्षेत्र के मौहल्ला सरवरपीर कालोनी निवासी इनाम पुत्र इकराम ने पुलिस का तहरीर देकर बताया कि गत 12 सिंतबर को शाम करीब 7 बजे 15 वर्षीय पुत्र अनस मौहल्ले की मस्जिद में नवाज पढ़ने के लिए गया था। जैसे ही नवाज पढकर बाहर आया तो मौहल्ले के ही अनस पुत्र नानू कबाडी ने किसी बात को लेकर कहासुनी की और गाली गलौच करते हुए मारपीट की। उसके कुछ समय बाद अनस का पिता नानू वहां पर आया और आते ही पुत्र के साथ लाठी डंडो से मारपीट की और धक्का देकर नीचे गिरा दिया। जिससे पुत्र के बाए हाथ की हड्डी टूट गई। पुत्र ने वहीं से भागकर जान बचाई। घटना के बाद उक्त लोगों ने घर पर आकर भी जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

52वें विशाल नेत्र जांच कैंप का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। आज समर्पण सेवा ट्रस्ट एवं जगत बन्धु सेवा ट्रस्ट शामली के तत्वाधान में 52 वे विशाल फी नेत्र जांच कैम्प का आयोजन शामली जनपद के ग्राम कुड़ाना में कन्या इंटर कॉलेज पर किया गया, कैम्प में वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक डॉ योगेन्द्र मालिक जी के द्वारा 326 मरीजों की फी जॉच की गई साथ ही सभी मरीजों को आंखों से संबंधित रोगों की दवाईयां भी फ्री वितरित की गई, जांच में 28 व्यक्तियों को सफेद मोतियाबिंद पाया गया। सभी चयनित मरीजों के ऑपरेशन संस्था के द्वारा फी कराए जाएंगे। संस्था के संस्थापक अमन नामदेव द्वारा बताया गया कि संस्था बढ़ चढ़ कर सामाजिक कार्यों में भाग लेती है। उन्होंने बताया की गांव में अनेकों मरीज ऐसे है, जिनको अच्छे से नहीं दिखाई देता है, परंतु पैसे का अभाव होने के कारण वो अपनी जांच एवं ऑपरेशन करने में सक्षम नहीं है। उन्होंने बताया कि इस कैम्प के आयोजन में रालोद छात्र सभा के जिला अध्यक्ष आर्यन राणा जी बहुत सहयोग रहा। संस्था के माध्यम से संस्था सभी मरीजों का ऑपरेशन फी कराएगी। इस अवसर पर अमन नामदेव, संदीप उपाध्याय विशाल उपाध्याय, प्रशांत शर्मा, पुनीत कुमार लक्ष्य बालियान, क्षीतीज चौधरी, निखिल, राहुल बेदी , विशाल उपाध्याय, रेणु नामदेव, सचिन कुमार, उपस्थित रहे।

साइबर ठगों ने युवक के खाते से उड़ाए सवा लाख रुपये

शामली। शहर कोतवाली क्षेत्र के मौहल्ला काजीवाड़ा निवासी मुनीर बेंग पुत्र खालिद बेग ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया कि पीडित के केडिट कार्ड से एक जुलाई 2025 को रात्रि करीब 10 बजे दो ट्रजक्शनो में 116300.29 रूपये काट लिए गए थे।

उसके बाद पीडित ने बैंक में प्रार्थनापत्र दिया और टोलफी नम्बर पर बात कर अपना खाता ब्लोक करा दिया था। उसके बाद खाते में 75 हजार रूपये रिफन्ड दिखा दिए, लेकिन बैंक ने खाते में कोई पैसा नहीं दिखाया। उसके बाद अपने खाते की स्टेटमेन्ट भी बैंक से निकलवा ली, लेकिन अब तक कोई पैसा बैंक में नहीं आया है। पीडित ने बैंक से हुई 1.16 लाख की ठगी के मामले में मुकदमा दर्ज कराते हुए कार्यवाही की मांग की है।

एक नजर

नि:शुल्क चश्मा कैंप का आयोजन कर, 96 जरूरमद को चश्मा वितरण किया

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। शहर के अस्पताल रोड़ स्थित कुलदीप मेडिकल स्टोर पर रविवार को 91वे निशुल्क चश्मा वितरण कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें अनुभवी आई चिकित्सक द्वारा 149 मरीजों की जांच कर 96 मरीजों को निशुल्क चश्मों का वितरण किया गया। रविवार को लोक स्वास्थ्य सेवा समिति शामली द्वारा अस्पताल रोड स्थित कुलदीप मेडिकल स्टोर पर 91वे निशुल्क आंखों की जांच एव चश्मे वितरण कैम्प का आयोजन किया गया। कैंप का शुभारंभ शहर के प्रसिद्ध हडडी रोग विशेषज्ञ डा। कुंवर महबूब ने फीता काटकर किया। इस दौरान उन्होने कहा कि ऐसे कैंपों से जरूरतमंदों की सेवा होती है और जो लोग चश्मे नही खरीद पाते है उनको आसानी से चश्मे मिल जाते है। कैंप में आई चिकित्सक डा। अब्दुल बासिद ने करीब 149 मरीजों की आंखों की जांच की, जिसमें 96 मरीजों को चश्मों का वितरण किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष कुलदीप गोयल, नवीन, मुकेश, रवि संगल, उस्मान, नबील आदि मौजूद रहे।

पति पर लगाया मारपीट का आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

कांधला। कस्बे के मोहल्ला खेल निवासी एक महिला ने अपने पति पर मारपीट करते हुए घर से निकलने का आरोप लगाते हुए आरोपी पति के विरुद्ध थाने पर तैयारी दी है पुलिस जांच में जुटी हुई है। कस्बे के मोहल्ला खैल निवासी महिला फरजाना पत्नी इमरान ने बताया कि उसका पति आए दिन पीड़िता के साथ मारपीट करता है पीड़िता पर अवैध संबंधों का शक करता है। पीडित महिला ने अपने पति पर आरोप लगाया कि उसने उसके साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट की और उसे घर से निकाल दिया। पति की प्रतडना से तंग महिला ने थाने पहुंचकर आरोपी पति के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने जांच करने के बाद कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

ईको गाड़ी की टक्कर से बाइक सवार व्यक्ति घायल, गंभीर हालत मे रेफर

शाह टाइम्स संवाददाता

कांधला। मुजफ्फरनगर जनपद के थाना खतौली क्षेत्र के गांव सरधन निवासी नवीन पुत्र कृष्णचंद्र पानीपत जिले के कस्बा सिभांलखा की एक चीनी फैक्ट्री में मुनीम की नौकरी करता है। पीड़ित के अनुसार वह कई दिन पूर्व छुट्टी लेकर अपने गांव में आया था रविवार को छुट्टी पूर्ण होने के बाद बाइक पर सवार होकर वापस फैक्ट्री में नौकरी करने के लिए जा रहा था। बाइक सवार जैसे ही थाना क्षेत्र के बुढ़ाना मार्ग पेट्रोल पंप के समीप पहुंचा तो विपरीत दिशा से आ रहे एक ईको गाड़ी के चालक ने लापरवाही से बाइक में टक्कर मार दी। कार की बाइक में टक्कर लगने के बाद बाइक सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया।आसपास के लोगों ने सूचना 108 एंबुलेंस को दी। 108 एंबुलेंस के कर्मचारियों ने उपचार के लिए नगर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ईको गाड़ी को अपना कब्जा में लेकर चालक को हिरासत में लिया है।

चाचा के साथ खेत पर गए युवक पर जानलेवा हमला, गम्भीर

शाह टाइम्स संवाददाता

कैराना। कस्बे के मोहल्ला आलकलां निवासी इसरान ने कोतवाली पुलिस को शिकायती-पत्र दिया है। बताया कि रविवार सुबह करीब सात बजे वह बाइक पर सवार होकर अपने चाचा महफूज के साथ में कस्बे के जहानपुरा मार्ग पर स्थित खेत पर गया था। जहां पर उसे साजिद उर्फ भूरा व उसके पुत्र जैद व आरिश निवासीगण मोहल्ला खैलकलां रामड़ा रोड तथा अहसान निवासी गांव मोहम्मदपुर राई अपने खेत में पानी चलाते हुए मिले। उन्होंने कई जगह उसके खेत में पानी तोड़ रखा था। आरोप है कि जब उसने खेत में टूटे हुए पानी को बंद करने को कहा तो आरोपी आग. बबूला हो गए। आरोपियों ने उसके साथ में गाली-गलौच करते हुए मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने जान से मारने की नीयत से धारदार हथियार से उसके सिर पर प्रहार किया, जिसमें वह गम्भीर रूप से घायल होकर नीचे जा गिरा। चींख-पुकार सुनकर रिठान पर मौजूद उसका चाचा मौके पर पहुंचा। आरोपियों ने उसके ऊपर भी देशी तमंचे से फायर झोंक दिया, जिसमें वह बाल-बाल बच गया। फायर की आवाज सुनकर आसपास खेतों में काम कर रहे लोग मौके पर आ गए, जिस पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। वहीं, आरोपियों के हमले में घायल युवक इसरान को खेत पर मौजूद लोगो की सहायता से उपचार के लिए कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया। जहां पर चिकित्सकों ने उसे गम्भीर हालत के चलते हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। उधर, पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

थानाभवन सीओ ने किया थाने का निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

थाना भवन। थाना भवन क्षेत्राधिकारी जितेंद्र सिंह यादव ने रविवार को थाना भवन थाने का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने असलाह, रजिस्टर, अभिलेखों सहित मालखाना आदि का गहनता से अवलोकन किया। इस दौरान सीओ ने थाने में साफ-सफाई व्यवस्था पर भी ध्यान दिया और पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।सीओ ने डडूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों से बारी-बारी से जानकारी ली और थाने में आने वाले फरियादियों की समस्याओं के निस्तारण में लापरवाही न बरतने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की पहली प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सैनी समाज ने किया प्रतिभाओं का सम्मान

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। रविवार को शहर के कैराना रोड़ स्थित एक बारातघर में सैनी समाज सेवा समिति द्वारा प्रतिभा अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राज्यमंत्री जसवंत सैनी, कार्यक्रम अध्यक्ष नरेश कुमार सैनी, विशिष्ठ अतिथि साहब सिंह सैनी, राजपाल सैनी, धर्म सिंह सैनी व अध्यक्ष बाबूराम सैनी ने संयुक्त रूप से महाराजा भगीरथ के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि सैनी समाज में अनेकों प्रतिभाऐं छिपी है, जिनको सामने लाने की आवश्यकता है। समाज को एकजुट करने के लिए भी को आगे आना होगा। समाज में फैली बुराईयों को दूर करे और राजनीति के क्षेत्र में भी समाज को आगे बढाने का प्रयास करे। जिससे समाज का उत्थान हो सके। इस दौरान समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं को ट्राफी व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पूरनचंद सैनी, सुनील कुमार सैनी, रविन्द्र सैनी, वतन सिंह सैनी, सुभाषचंद सैनी, बिजेन्द्र सैनी, दीपक सैनी, रामकुमार सैनी, इन्द्रवीर सैनी, राजकुमार सैनी, जनेश्वर सैनी, सुरेश सैनी, कृपाल सैनी, मनोज सैनी, अमर सिंह सैनी, श्यामकुमार सैनी, नितिन सैनी, पप्पू सैनी, अशोक सैनी, नीरज सैनी, बोबी सैनी, नंदकिशोर सैनी, रामनिवास सैनी, प्रवीन सैनी आदि मौजूद रहे।

ट्रैक्टर व जेसीबी की बैटरियां चुराई

झिंझाना। गांव पावटी खुर्द निवासी नीरज कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका ट्रैक्टर और जेसीबी मशीन ग्राम जमालपुर स्थित प्राइमरी स्कूल के पास घेर में खड़ी थी।

बताया गया कि 10 सितंबर की रात अज्ञात चोर मशीनों की बैटरियां निकालकर ले गए। सुबह घटना का पता चलने पर क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पीड़ित नीरज कुमार ने खुद अपने स्तर से आसपास के इलाके में काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग हाथ नहीं लगा। बैटरियां चोरी होने से उसे आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा है। सूचना पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

समय के सदुपयोग पर मुनि ने रखे विचार

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। शहर के जैन धर्मशाला में आयोजित प्रवचन में 108 विवृत सागर मुनिराज ने कहा कि इंसान जीवन में सबसे अधिक समय को महत्व देता है, फिर भी धन कमाने के लिए उसी समय को नष्ट करता है। अंत समय में वही इंसान कुछ दिन और जीने के लिए करोड़ों-अरबों रूपए खर्च करने को तैयार हो जाता है।

मुनिराज ने कहा कि लोग प्राय: कहते हैं समय ही धन है, परंतु आध्यात्मिक .ष्टिकोण से यह समय ही आत्मा है। आचार्य कुंदकुंद स्वामी ने भी समय को आत्मा का दूसरा नाम बताया है। 'समयसार' का अर्थ ही आत्मा का सार है। जीव इस संसार चक्र में फंसकर अपने समय को नष्ट करता है, जो वास्तव में आत्मा का ह्रास है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे विवाह के अवसर पर बाराती केवल शादी तक के साथी होते हैं, वैसे ही सांसारिक संबंध भी आध्यात्मिक कल्याण में साथ नहीं देते। भगवान महावीर के विवाह का उदाहरण देते हुए मुनिराज ने कहा कि मोक्ष मार्ग में कोई भी रिश्तेदार या मित्र साथ नहीं जाता, केवल आत्मा ही अपना साथी है। प्रवचन के उपरांत चित्र अनावरण का कार्यक्रम हुआ। इसमें कुमुद जैन, मंजू जैन, ममलेश जैन ने सामूहिक रूप से चित्र का अनावरण किया। पाद प्रक्षालन का कार्य अमित जैन, आशीष जैन, दिनेश जैन और पाल जैन ने किया। शास्त्र भेंट का सौभाग्य रेशू जैन व सविता जैन को प्राप्त हुआ।

जसाला सचिवालय में दिखा सांप

शाह टाइम्स संवाददाता

कांधला। विकासखंड क्षेत्र के गांव जसाला सचिवालय परिसर में एक जहरीला सांप नजर आने से सचिवालय में काम कर रहे कर्मचारियों में हड़कंप की स्थिति बन गई। सचिवालय में सांप निकालने की खबर से मौके पर दर्जनों ग्रामीण इकठा हो गए ग्राम प्रधान व कर्मचारियों ने सांप को सकुशल पकड़कर पास के जंगल में छोड़ दिया तब जाकर कर्मचारियों ने राहत की सांस ली। सांप निकालने की सूचना पर ग्राम प्रधान शिवकुमार चौहान सचिवालय पर पहुंचे और ग्रामीणों के साथ मिलकर घंटो प्रयास के बाद डंडे के सहारे सांप को पकड़ लिया। ग्राम प्रधान और ग्रामीणों ने सावधानी और समझदारी से काम लेते हुए जहरीले सांप को बिना किसी नुकसान के पकड़कर सुरक्षित रूप से पास के खेत में छोड़ दिया गया।ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान की तत्परता और साहसिक पहल की जमकर प्रशंसा की। घटना के बाद ग्राम सचिवालय में तैनात कर्मचारी एवं स्थानीय लोगों ने राहत महसूस की।ग्राम प्रधान शिवकुमार चौहान ने बताया,ऐसी परिस्थितियों में घबराना नहीं चाहिए। समझदारी और संयम से काम लें। हमने पूरी सतर्कता बरतते हुए सांप को जंगल में सुरक्षित छोड़ दिया है। गौरतलब है कि सांप काटने से गांव नन्नूपुरी निवासी महिला गुड्डी, एवं गंगेरू निवासी महिला साबरा को भी सांप ने डस लिया था जिसके बाद उसकी मौत हो गई थी।

हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन

धामपुर। सात बार सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। उसके बाद भजनों के माध्यम से बजरंगबली बाबा का गुणगान किया गया। नगीना रोड स्थित साकेत विहार कॉलोनी में सुनील चौहान के आवास पर श्रीमद् हनुमत भक्ति प्रचार मंडल द्वारा सात बार सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया।

एसपी ने ली यूपी 112 कर्मियों की बैठक

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। शनिवार देर रात पुलिस लाइन स्थित सभागार में पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह ने यूपी-112 पुलिस कर्मियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने सबसे पहले कर्मियों की व्यक्तिगत समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिका. रियों को उनके निस्तारण के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक ने कर्मियों को आमजन से सदैव मृदुभाषी व्यवहार करने और किसी प्रकार के दुर्व्यवहार से बचने की हिदायत दी। उन्होंने बताया कि जनपद में तीन पीआरवी पर महिला कर्मियों की नियुक्ति की गई है। विशेषकर रात में किसी महिला द्वारा सहायता मांगे जाने पर तत्काल मदद पहुंचाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि दिन और रात दोनों समय पीआरवी की लोकेशन . श्य स्थान पर रखी जाए ताकि जनता को सुरक्षा का एहसास हो। रात में पीआरवी वाहनों की लाइट व हूटर का प्रयोग करने के भी निर्देश दिए। साथ ही जनपद के सभी ब्लैक स्पॉट को चिन्हित कर वहां घटना की स्थिति में न्यूनतम समय में पहुंचने पर जोर दिया गया। पीआरवी पर नियुक्त अधिकारी एवं कर्मचारियों को रेस्पॉन्स समय में सुधार के निर्देश दिए गए। बैठक में एएसपी संतोष कुमार सिंह, सीओ सिटी अमरदीप मौर्य, प्रभारी यूपी-112 शामली प्रहलाद सिंह मौजूद रहे।

तहसीन हसन दे रहे हिन्दू-मुस्लिम एकता को पहचान

शाह टाइम्स संवाददाता

चौसाना। पठानपुरा में शनिवार की रात सुलोचना सती की लीला का भव्य मंचन किया गया, जिसने आस्था और परंपरा के साथ-साथ हिंदू-मुस्लिम भाईचारे की अनोखी मिसाल भी पेश की। सहारनपुर जिले के इस्माइलपुर माजरा इस्लामनगर निवासी मुस्लिम युवक ताहसीन हसन ने लगातार सातवें वर्ष सुलोचना सती की भूमिका निभाकर दर्शकों को भावुक कर दिया। लीला के भावुक प्रसंग में दिखाया गया कि घनघोर युद्ध के बाद लक्ष्मण मेघनाद का वध कर देते हैं। इसके बाद सुलोचना अपने पति का शीश मांगकर सतीत्व का प्रमाण देती है और चिता में सती हो जाती है। यह दृश्य देख उपस्थित दर्शकों की आंखें नम हो गईं और पूरे मैदान में सन्नाटा छा गया।

ताहसीन हसन की प्रभावशाली और जीवंत प्रस्तुति को सभी ने सराहा और उनकी भूमिका को आपसी सौहार्द और गंगा-जमुनी तहजीब का प्रतीक बताया। मंचन में अन्य भूमिकाएं मनीष कुमार (मंदोदरी), सन्नी सैनी (रावण), सतपाल सैनी (मेघनाद), प्रशांत सैनी (राम), अनिकेत सैनी (लक्ष्मण), बादल प्रजापत (सीता), विशाल सैनी (सुग्रीव) और मोनू प्रजापत (हनुमान) ने निभाई। समस्त कमेटी की मौजूदगी में हुए इस मंचन में भारी संख्या में जुटे दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से कलाकारों का उत्साह बढ़ाया और इसे हिंदू-मुस्लिम एकता का जीवंत उदाहरण करार दिया।

गन्ना विकास समिति की बैठक में 58 प्रस्ताव दिए

शाह टाइम्स संवाददाता

ऊन। सहकारी गन्ना विकास समिति की वार्षिक निकाय की बैठक आयोजित की गई जिसमें कुल 58 प्रस्ताव दिए गए समिति के सभापति ने सभी प्रस्ताव लखनऊ गन्ना विभाग को भेजने का आश्वासन दिया।

सहकारी गन्ना विकास समिति के प्रांगण में वार्षिक निकाय बैठक आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता सभापति सुनील चौधरी उर्फ नीटू भंभेडी ने की। बैठक मे डेली गेटों से प्रस्ताव मांगे गए जिसमें भारी संख्या में आए डेलीगेट व क्षेत्र के किसानों ने अपने-अपने प्रस्ताव दिए कुल 58 प्रस्ताव दिए गए समिति के सभापति सुनील चौधरी ने सभी प्रस्ताव का अनुमोदन कर लखनऊ गन्ना विभाग को भेजने का आश्वासन दिया उन्होंने किसानो की शिकायत पर ऊन चीनी

मिल के गन्ना महाप्रबंधक को गन्ना भुगतान तथा किसानों के साथ मिल गेट पर व्यवहार में सुधार लाने को कहा जिस पर मिल के गन्ना महाप्र. बंधक कुलदीप पिलानिया ने बताया कि चीनी मिल द्वारा 88 प्रतिशत गन्ना भुगतान कर दिया गया है तथा दिवाली से पहले संपूर्ण भुगतान कर दिया जाएगा उन्होंने चीनी मिल की ओर से किसानों को हुई परेशानी पर क्षमा मांगी तथा आगे सहयोग करने का वादा किया। बैठक में किसानों ने चीनी मिल को जाने वाले मार्ग की खस्ता हालत को ठीक करने, किसानों को खाद व दवाई समय पर उपलब्ध कराने, बाहर रह रहे किसानों के लिए भी खाद लेने में हो रही परेशानी को उठाया। समिति के सचिव अजीत कुमार सिंह ने बताया कि समिति पर खाद व दवाई उपलब्ध है किसानो की समस्याओं से उच्च अधिकारियों को अवगत कराकर हल कराया जाएगा। चौसाना,केरटू के किसानों ने शेरमऊ चीनी मिल का क्रय केंद्र लगाने की मांग की।

शेरमऊ चीनी मिल के गन्ना महाप्रबंधक परविंदर राठी ने बताया कि उन्होंने शत प्रतिशत भुगतान कर दिया है तथा चीनी मिल की ओर से किसानों को दवाई व उन्नत किस्म के बीज की जानकारी दी जा रही है। बैठक का संचालन सचिव अजीत कुमार सिंह ने किया।बैठक में ज्एष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक धीरेंद्र नाथ, आदेश कुमार, उपसभापति सतेंद्र सिंह, डायरेक्टर सतीश कुमार, धर्मपाल, अनिल कुमार, देवेंद्र सिंह,विनोद कुमार समेत क्षेत्र के सैकड़ो किसान मौजूद रहे।

सामान्य निकाय बैठक में तीखी नोकझोंक

शाह टाइम्स संवाददाता

ऊन। सामान्य निकाय बैठक में चीनी मिल द्वारा किसानों को अपने-अपने पक्ष में करने की होड़ मची रही जिससे किसान दो भागों में बटे नजर आए तथा बैठक में तीखी नोक-झोंक भी हुई जिस पर सभापति सुनील चौधरी ने दोनों पक्षों को अपनी बात रखने तथा अपने प्रस्ताव देने की बात कहकर शांत किया तथा मिल के कर्मचारियों को हडकाया। उन्होने किसानों द्वारा दिए प्रस्ताव ही उच्च अधिकारियों को भेजने का आश्वासन दिया।

तीन लुटेरों ने तमंचे दिखा दादा-पोते से जेवर लूटे

■ दोनो को बंधक बनाकर ईख के खेत में डाला

शाह टाइम्स संवाददाता

बुढ़ाना। मोटर साइकिल पर सवार होकर अपने घर जा रहे दादा व पोत्र को 3 तमंचेधारी लुटेरों ने उनकी बाइक रुकवाकर उनके पास से सोने चांदी के जेवरात, 4 हजार रूपये और मोबाइल लूट लिया। घटना के बाद बदमाशों ने दोनों को ईख के खेत में बंधक बनाकर डाल दिया और जंगल के रास्ते फरार हो गये। लूट की घटना की सूचना मिलने पर बुढाना पुलिस में हड़कंप मच गया और तुरंत घटनास्थल की और दौड़ पडी। शिवम पुत्र किरणपाल वर्मा निवासी बुढ़ाना ने गांव हबीबपुर सीकरी में ज्वैलरी की दुकान की हुई है। आज रविवार की प्रात

करीब 9 बजे वह अपने घर से गांव मंदवाडा के एक ग्राहक का 70 ग्राम सोना, ढाई किलोग्राम चांदी लेकर अपने दादा नेमचंद पुत्र रामनिवास के संग बाइक पर जा रहा था। जब वे सीओ आवास से कुछ ही दूरी पर मंदवाडा रोड की तरफ गये तो धीमी रफ्तार से चल रही उनकी बाइक को अचानक से ईख के खेत से निकले 3 अज्ञात लुटेरों ने धक्का देकर गिरा दिया और दोनों दादा पोत्रो को ईख के खेत में ले जाकर अपने साथ लाई रस्सी से बांधकर उनके पास से 70 ग्राम सोना, ढाई किलोग्राम चांदी, 4 हजार रुपये व मोबाइल लूटकर ईख के रास्ते फरार हो गये। लुटेरों के जाने के बाद शिवम ने किसी तरह खुद को व दादा को बंधन मुक्त किया और ईख से बाहर निकलकर शोर मचा दिया।

शोर शराबा सुनकर मौके पर आए लोगों की भीड़ जमा हो गयी। किसी ने घटना की सूचना पुलिस को दी तो पुलिस ने घटनास्थल की और दौड़ लगा दी। कोतवाल सुभाष अत्री ने घटना के संबंध में शिवम से जानकारी लेकर काम्बिंग की लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। पुलिस ने मामला दर्ज कर लुटेरों की तलाश शुरु कर दी है।

एसपी क्राइम ने भी किया घटनास्थल का दौरा

बुढ़ाना। दादा पोत्र से हुई लूट की घटना की खबर मिलते ही एसपी क्राइम इंदु सिवकर्मा सीओ गजेंद्र पाल सिंह के साथ घटनास्थल पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर कोतवाली पहुंचकर दादा पौत्र से भी बात की। घटनास्थल पर फोरेंसिक व सायबर टीम भी पहुंची। उधर स्वर्णकार समाज बुढ़ाना के अध्यक्ष संजीव वर्मा ने घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पहुंचकर एसपी क्राइम से बात कर घटना के खुलासे की मांग की। जिस पर उन्होंने एक दो दिन में ही घटना का सही खुलासा करने का आश्वासन दिया। वहीं फरार अज्ञात लुटेरों को पकड़ने को दो टीमें भी गठित की गयी हैं।

सांसद विधायक को भी दी घटना की जानकारी

बुढ़ाना। स्वर्णकार समाज के अध्यक्ष संजीव वर्मा ने फोन पर लूट की घटना के संबंध में मुजफ्फरनगर लोकसभा के सपा सांसद हरेंद्र मलिक और बुढ़ाना विधानसभा क्षेत्र के रालोद विधायक राजपाल बालियान को भी अवगत कराया। जिस पर उन्होंने बुढ़ाना आने की बात कही।

सरफिरे युवक का दुस्साहस तो देखिए........

फिल्मी स्टाइल में किशोरी के घर किया हाई वोल्टेज ड्रामा

शाह टाइम्स संवाददाता

बुढ़ाना। एक सरफिरा युवक फिल्मी स्टाइल में दिन दहाडे दुस्साहस कर एक किशोरी के घर में घुस गया। उसने परिजनों के सामने किशोरी का हाथ पकड़ा और उसे जबरदस्ती अपने साथ ले जाने लगा। शोर सुनकर मौके पर आए परिजनों ने अपनी पुत्री को युवक के चंगुल से छुड़ाना चाहा मगर युवक ने परिजनों को धक्का दे दिया। लोगों को भी युवक ने खूब छकाया तो कुछ देर बाद युवक कोघ पकडकर पुलिस को सौंप दिया। बुढ़ाना पुलिस को बीते 29 अगस्त को बुढ़ाना निवासी एक व्यक्ति ने बताया था कि उसकी नाबालिग पुत्री को शाहपुर निवासी सावेज तंग कर रहा है। 27 अगस्त को सफीपुर पटी का एक युवक उसकी पुत्री को मोबाईल देकर ये कह गया कि या तो सावेज से बात कर ले नही तो वो तेरे घर आकर तुझे मार देगा। मुझे पुत्री की जान का खतरा है। सावेज कोई भी घटना कर सकता है। मेरी पुत्री अकेली रहती है। मैं रेहडे पर कुकडी बेंचता हूं। तहरीर के बाद भी पुलिस ने कोई एक्शन नहीं लिया तो युवक का दुस्साहस इतना बढ़ा कि वह आज रविवार को उक्त व्यक्ति के घर में घुस गया और उसकी पुत्री का हाथ पकड़कर जबरदस्ती उसे अपने संग ले जाने लगा। विरोध करने पर परिजनों को उसने धक्का दे दिया। लोगों ने उसे पकडकर पुलिस को सौंप दिया। जैसे ही पुलिस युवक को चौकी पर लाई तो युवक लघुशंका के बहाने भाग गया लेकिन तेज तर्रार हैड कांस्टेबल हरीशपाल सिंह ने बड़ी फुर्ती से भागदौड़ कर युवक को पकड़ लिया।

दी एसडी में हिंदी सप्ताह का भव्य आयोजन

■ हम सबका अभिमान है हिंदी। भारत देश की शान है हिंदी।

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर। द एसडी पब्लिक स्कूल में हिंदी सप्ताह का आयोजन बड़े उत्साह के साथ किया गया। इसके अंतर्गत पूरे सप्ताह हिंदी भाषा की विविधता और महत्ता को दर्शाने हेतु विद्यालय की प्रार्थना सभा में हिंदी की विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों का साहित्यिक ज्ञान परखने के लिए प्रश्नोत्तरी, टंग ट्विस्टर अर्थात बिना रुके हिंदी के कठिन शब्दों का शुद्ध व स्पष्ट पुनर्वाचन, कविता वाचन, नृत्य आदि रोमांचक गतिविधियों ने सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। कक्षाओं में भी अनेक गतिविधियों- शब्द भंडार प्रश्नोत्तरी, मुहावरों पर आधारित

रचनात्मक गतिविधि, संवाद कौशल, अलंकार बोध आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों ने न केवल बच्चों के ज्ञान को समृद्ध किया अपितु उनकी कल्पना शक्ति, अभिव्यक्ति क्षमता और सामूहिक कार्य कौशल को भी प्रखर बनाया। विद्यालय प्रधानाचार्या मती नीलम महाना जी ने विद्यार्थियों की सुंदर प्रस्तुति एवं गतिविधियों के लिए उनका उत्साहवर्धन किया और बच्चों को हिंदी मातृभाषा के महत्त्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि हमें अपनी मातृभाषा हिंदी का सम्मान करना चाहिए क्योंकि यह केवल भाषा नहीं अपितु हमारी आत्मा, संस्कृति और राष्ट्र का मान है। यह देश की एकता और पहचान का प्रतीक है।

खतौली में युवती से छेड़छाड़, घर में घुसकर मनचले ने किया हंगामा

शाह टाइम्स सवांददाता

खतौली। कस्बे में कोतवाली के पीछे कॉलोनी में शनिवार देर रात एक गंभीर घटना ने हड़कंप मचा दिया। एक मनचले युवक ने अकेली युवती को निशाना बनाते हुए उसके घर में जबरन प्रवेश किया और उससे अभद्र व्यवहार करते हुए छेड़छाड़ की। युवती के विरोध करने पर आरोपी ने गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी भी दी। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और आरोपी को पकड़ पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है।बताया गया कि पंजाबी कॉलोनी निवासी युवती रात में अपने घर में अकेली थी, जबकि परिजन बाहर गए हुए थे। इसी दौरान थाना दौराला क्षेत्र का युवक देर रात उसके घर के बाहर पहुँचा। बंद दरवाजे पर लात मारकर अंदर घुसा और विरोध करने पर गाली-गलौज के साथ छेड़छाड़ की।

युवती ने तत्काल अपने भाई को फोन कर घटना की जानकारी दी। कुछ ही समय में परिजन और मोहल्ले के लोग पहुँचे और आरोपी को पकड़ लिया। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर छेड़खानी, घर में जबरन प्रवेश, धमकी देने समेत अन्य गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता ने बताया कि आरोपी पहले भी परेशान कर चुका है और इस संबंध में महिला हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई थी।

घटना के समय आरोपी के कुछ साथी भी मौके पर पहुँचे थे, लेकिन भीड़ देख फरार हो गए। इस घटना से युवती और उसका परिवार दहशत में है। पुलिस का कहना है कि दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और कानून के तहत उसे जेल भेजा जाएगा।

मुठभेड़ में फरार एक और आरोपी दबोचा

बुढ़ाना। लगभग तीन सप्ताह पहले जिस मुठभेड को फर्जी बताकर सैंकडों भाजपाईयों ने तत्कालीन बुढाना कोतवाल आनंद देव मिश्र के खिलाफ पंचायत की थी उसी मुठभेड़ में फरार हुए दो आरोपियों में से एक और आरोपी को आज रविवार के दिन बुढ़ाना पुलिस ने उसके घर से मुखबिर की सूचना पर पकड़कर जेल भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार बीती 26 अगस्त को बुढ़ाना कोतवाली क्षेत्र में परासौली नहर के समीप 3 लुटेरों ने बाइक सवार युवक को रोककर उसकी बाइक लूट ली थी और फरार हो गये थे। बाइक लूट की सूचना पीड़ित ने बुढाना पुलिस को दी तो पुलिस विभाग में जबरदस्त हड़कंप मच गया था। तब बुढ़ाना के तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक आनंद देव मिश्रा ने भागदौड़ कर रोबिन नाम के एक लुटेरे को मुठभेड़ में घायल कर दिया था जबकि उसके दो साथी भाग जाने में सफल रहे थे। उधर इस मुठभेड़ को फर्जी बताते हुए भाजपाईयों ने तीन दिन तक जमकर हंगामा काटा था। तब बुढाना कोतवाल आनंद देव मिश्र को भाजपाईयों के दबाव में यहां से हटा दिया था। आज कोतवाल सुभाष अत्री को मुखबिर से सूचना मिली कि बाइक लूट में फरार चल रहा दूसरा आरोपी लखन पुत्र कंवर पाल सिंह निवासी ग्राम कुरथल फिलहाल अपने घर पर मौजूद है तो कोतवाल सुभाष अत्री के नेतृत्व में बायवाला चौकी प्रभारी किशन पाल सिंह यादव ने आरोपी लखन को उसके घर के बाहर से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। आरोपी ने खुद को बाइक लूट की घटना में शामिल होना बताया है। उधर तीसरा आरोपी कालू अभी तक फरार बताया है। पुलिस ने उसकी भी तलाश शुरु कर दी है।

संक्षिप्त समाचार

दुकान से चोरी में दो महिला गिरफ्तार

खतौली। नगर के बड़ा बाजार में करीब 20 दिन पहले एक ज्वेलरी शोरूम से डेढ़ लाख रुपये के सोने-चांदी के आभूषण चोरी करने वाली दो महिलाओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपित महिलाओं से चोरी किए गए आभूषण और नकदी भी बरामद कर लिए हैं। दोनों महिलाओं से कड़ी पूछताछ के बाद उनका चालान कर दिया गया है। 21 अगस्त को नर्गिस पत्नी नाजिम और आशिया पत्नी शमशुदीन निवासी विजय नगर, जनपद गाजियाबाद, खतौली के बड़ा बाजार स्थित ज्वेलरी शोरूम में खरीदारी का बहाना बनाकर पहुंचीं। उन्होंने दो सोने की चेन और दो चांदी की पाजेब चुराकर फरार हो गईं। दुकान मालिक पंकज जैन ने शनिवार को गहनों की गिनती के दौरान चोरी का पता लगाया। दोनों महिलाओं को रविवार को रोडवेज बस स्टैंड से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आभूषण और नकदी बरामद कर आरोपित महिलाओं से पूछताछ की। वहीं, पीड़ित सर्राफ समेत अन्य व्यापारी थाने पहुंचे और महिलाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। एसपी सिटी सत्यनारायण प्रजापत ने मामले में त्वरित कार्रवाई का भरोसा दिलाया। इंस्पेक्टर दिनेश कुमार बघेल ने बताया कि महिलाओं का आपरा. धिक इतिहास खंगाला जा रहा है। पुलिस ने उनका चालान कर न्यायालय भेज दिया है।

तीन शातिर चोर गिरफ्तार, सामान बरामद

खतौली। खतौली पुलिस ने रविवार को बड़ी सफलता हासिल करते हुए तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी का सामान एवं नकद रुपये बरामद किए। इन चोरों ने हाईवे स्थित होटल रामरत्ना में चोरी की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस की कड़ी पूछताछ के बाद तीनों का चालान कर जेल भेज दिया गया। सराय थाना क्षेत्र के लाडो निवासी सन्नी सेजवाल ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया था कि उनके होटल रामरत्ना से चोरी हुई है। तहरीर लेने के बाद कोतवाल दिनेश चंद बघेल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने छानबीन शुरू की। सव इंस्पेक्टर नंदकिशोर, हेड कांस्टेबल अरुण, कांस्टेबल विकास, हेड कांस्टेबल मनीष शर्मा, शीतल देवी, उमेश मावी, कांस्टेबल विवेक, सौवीर और प्रदीप की टीम ने रोडवेज बस स्टैंड के पास चेकिंग के दौरान तीनों चोरों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान अलीमुद्दीन पुत्र सलीम, इमरान पुत्र सलाउद्दीन और शहजाद पुत्र शाहिद निवासी मेरठ के रूप में हुई। पूछताछ में आरोपियों ने होटल से चोरी की घटना कबूल करते हुए चोरी का सामान बरामद कराया। पुलिस ने उनके पास से एक डीप फ्जि, एक ओवन, तीन पंखे, एक इन्वर्टर, दो बैटरियां, तांबे का तार और 25 हजार रुपये नकद बरामद किए। इसके अलावा आरोपियों ने छपार क्षेत्र में भी तांबे के तार चोरी की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। कोतवाल दिनेश चंद बघेल ने बताया कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और क्षेत्र में गश्त बढ़ाई जाएगी ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

निकासी न होने पर नदी के पानी ने मच्छर किए पैदा

बुढाना। विगत दिवस लगातार कई दिनों तक भयंकर बारिश होने के चलते उफान पर आई हिंडन नदी का गंदा पानी पुलपार सफीपुर पटी में घुस गया तो अब वह निकलने का नाम नहीं ले रहा है। वजह पानी की निकासी का नाम होना।

जिसके चलते पूरी बस्ती में जगह जगह जल भराव हो गया है और मच्छरों की संख्या में भी बेतहाशा इजाफा हो गया है। इस बस्ती में कई लोग बीमार हैं लेकिन इसकी सुध लेने वाला ना तो ग्राम प्रधान हैं और ना ही कोई भी प्रशासनिक अधिकारी जिसके चलते यहां के लोगों का जीना दुश्वार सा हो गया है। जन प्रतिनिधि तो यहां झांकते ही नहीं बस वे तो वोट लेने के लिए ही चुनाव के समय यहां का चक्कर लगाएंगे और वोट पाने की खातिर यहां की भोली भाली जनता से चुनाव बाद सुध लेने का जबरदस्त आश्वासन देंगे। इस बस्ती के गुलफाम कस्सार ने बताया कि हिंडन नदी का पानी यहां भर तो गया लेकिन निकलेगा कैसे इसे लेकर चिंता है क्योंकि इस रुके गंदे पानी ने यहां मच्छर पैदा कर कई लोगों को बीमार कर दिया है। अब अपनी व्यथा हम किससे कहें ये भी समझ से परे हैं।

हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने की उठी मांग

खतौली। आर्य समाज शिवपुरी में शनिवार को हिंदी दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर हिंदी को राष्ट्रभाषा घोषित करने की मांग जोरशोर से उठाई गई। कार्यक्रम में आर्य समाज के जिला अध्यक्ष सत्येंद्र आर्य ने कहा कि 14 सितंबर 1949 को हिंदी को राजभाषा का दर्जा तो दिया गया था, लेकिन आज तक पूरे देश में इसे सरकारी कामकाज की भाषा नहीं बनाया जा सका है। उन्होंने कहा कि कई प्रदेशों में हिंदी के विरोध की घटनाएं भी सामने आती हैं। उन्होंने सवाल उठाया, अगर हिंदी नहीं तो क्या चीनी या अंग्रेजी भाषा को स्थान दिया जाएगा? सत्येंद्र आर्य ने कहा कि हिंदी भारत की एकता का सूत्रधार है। प्रत्येक प्रदेश में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग होना चाहिए।

कार्यक्रम में भगवान सिंह ने कहा कि आज हिंदी में अंग्रेजी और अरबी शब्दों का जबरन प्रयोग बढ़ गया है, जिससे भाषा के अस्तित्व पर संकट मंडराने लगा है। इस अवसर पर छात्राओं देवांशी आर्य, वेदांशी आर्य और डी. डी. आर्य दीक्षा धीमान ने काव्य पाठ कर उपस्थित जनों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में चरण सिंह आर्य, शोभाराम आर्य, सेवानिवृत्त तहसीलदार चुन्नीलाल आर्य, सुशील आर्य, विकास आर्य, राजकुमार आर्य, प्रधान जगदीश सिंह, मास्टर जयपाल सिंह, राजेंद्र सिंह खारी, शशिपाल, धीरेंद्र आर्य, करण सिंह आर्य, देवदत्त आर्य, अमरीश आर्य, प्रवीण आर्य, पुरुआर्य, पंडित रामदेव शास्त्री, विना. द फोटोग्राफर सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अव्यवस्थाओं के बीच बच्चों ने सांस्कृतिक संध्या से जीता दिल

■ गर्मी में पानी न मिलने से परेशान रहे बच्चे, शिक्षक और अभिभावक

शाह टाइम्स संवाददाता

खतौली। नगर पालिका परिषद द्वारा आयोजित बाल सांस्कृतिक संध्या में बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। ऐतिहासिक श्रावणी मेला छड़ियान के तहत शनिवार को पालिका प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति, धार्मिक, पारंपरिक नृत्य, नाटक और फिल्मी गीतों पर शानदार प्रस्तुतियाँ दीं। कार्यक्रम का शुभारंभ रालोद प्रदेश महासचिव तासीर हसन द्वारा फीता काटकर तथा खंड शिक्षा अधिकारी पंकज अग्रवाल द्वारा माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। पालिका अध्यक्ष

शाहनवाज अली की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम का संचालन अखिलेश पंडित ने किया। मुख्य अतिथि उप जिलाधिकारी राजकुमार भारती और विशिष्ट अतिथि रालोद संगठन महामंत्री अजित राठी ने बच्चों के उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों की प्रतिभा निखरती है और समाज में सांस्कृतिक चेतना को बल मिलता है। शिशु शिक्षा निकेतन जूनियर हाई स्कूल द्वारा सरस्वती वंदना से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इसके बाद रेड रोज जूनियर हाई स्कूल ने देशभक्ति नृत्य, कल्याणी विद्या मंदिर ने पारंपरिक नृत्य, एकता पब्लिक स्कूल ने 'परीक्षा' पर आधारित नाटक और लार्ड कृष्णा पब्लिक स्कूल ने 'मेड इन इंडिया' पर प्रस्तुति दी। वहीं, प्यारी बच्ची आयजा नाज ने हसबसे प्यार हिंदुस्तान लिखूंह कविता सुनाकर सबका दिल जीत लिया। कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले बच्चों को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित भी किया गया। हालाँकि, कार्यक्रम के दौरान अव्यवस्था देखने को मिली। पालिका प्रांगण में क्षतिग्रस्त पानी की टंकी से गिरते मलबे के कारण बच्चों, शिक्षकों और अभिभावकों को पानी तक नहीं मिल सका। तेज गर्मी में पानी न मिलने से कई लोग परेशान दिखे। इसके साथ ही, व्यवस्थाओं की कमी के चलते दर्शकों की संख्या भी अपेक्षाकृत कम रही। अंततः अव्यवस्थाओं के कारण कार्यक्रम को रात 10:30 बजे ही समाप्त कर दिया गया। कार्यक्रम संयोजक असमा परवीन ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों और सहयोगियों का आभार जताया। सह-संयोजक सुमन वाल्मीकि, सभासद डॉ. आशीष कुमार, मौ. दानिश सिद्दीकी, प्रभारी सिराज फातिमा, सह-प्रभारी रंजीत कुमार सहित पालिका अधिकारियों व कर्मचारियों ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में विशेष योगदान दिया। इस दौरान अखिलेश पंडित, कांता स्वरूप सिंघल, जसवीर राणा, चिराग सिंघल, मास्टर अब्दुल मालिक, नदीम अंजुम, अमित त्यागी, विशाल तोमर, दानिश मुल्तानी, वकील मंसूरी, नौशाद पालि. का, जावेद पठान, नबील कुरैशी, अभिषेक गोयल एडवोकेट, शादाब जाट, आदिल मोहसिन, समद मिर्ज़ा सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कार्यक्रम के अंत में कहा कि ऐसे मंच बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने नियमित रूप से सांस्कृतिक आयोजनों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया।

मेजिक डांस एकेडमी ने दिया प्रशिक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर। श्री राधाकृष्ण वेल्फेयर ट्रस्ट के बैनर पर आयोजित मेजिक डांस एकेडमी ने मध्य प्रदेश, ग्वालियर से आए लोगों को डांस का प्रशिक्षण दिया। एकेडमी संस्थापक मोहन अरोरा ने बताया कि कार्यक्रम में इंजिनियर क्लब के सचिव बंसत कुमार गोयल, राकेश अरोरा, अंजू अरोरा, शगुन, रोनक, अनन्या, कायरा, सुहानी, निशा चौधरी, भूमि, गुंजन, कामाख्या, विधि अरोरा, रिंकु वादवा, सुरभी, अंजली शर्मा, सिद्धी शुक्ला का सहयोग रहा।

जौला में धूमधाम से मना 168वां शहीदी दिवस

शाह टाइम्स संवाददाता

बुढ़ाना। बीते सन 1857 की क्रांति में गांव जौला और आसपास के गांवों के करीब 200 लोग शहीद हुए थे। उनकी याद में गांव में स्मारक बनाया हुआ है। रविवार को सैंकड़ों लोगों ने यहां एकत्रित होकर देश के उपर अपने प्राण न्यौछावर करने वाले इन सब शहीदों को याद कर खिराजे अकीदत पेश की। यहां सबने शहीद मीर खां जौला व नवाब खां खैराती परासोली समेत कई शहीदों के कार्यो को याद किया। यहां सपा नेता वसीम राणा, प्रधान हाजी जमशेद, बाबा मोम. ीन हसन, गुलरेज राणा एडवोकेट, महबूब हसन, इकबाल राणा, शाहिद राणा, कासिम मलिक, मुनव्वर, शाबान व नाजिम आदि ने स्मारक स्थल पर तिरंगा फहराया। बताया जाता

है कि प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में बुढ़ाना क्षेत्र के लोग पीछे नही रहे। बुढ़ाना ब्लाक क्षेत्र के गांव परासौली में जमीदार नवाब खां खैराती ने अंग्रेजों का विरोध कर टैक्स व मालगुजारी देने से मना कर अंग्रेजों को खदेडा था। इसका असर ये हुआ कि खैराती खां व जौला गांव के मीर पठान के नेतृत्व में क्षेत्रीय लोगों ने तहसील पर कब्जा कर लिया था तो गोरे पीठ दिखाकर भाग गये थे। मेरठ में 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का आगाज होने के बाद आसपास के जिलों में तेजी से क्रांति का सूत्रपात हुआ। क्षेत्र के गांव परासौली में जमींदार नवाब खां खैराती के नेतृत्व में लोगों ने विद्रोह किया और सरकारी देय व मालगुजारी देने से मना कर दिया। गांव परासौली में विद्रोह की खबर सुनकर अंग्रेज अधिकारियों ने पुलिस व घुड़सवार सैनिकों को विद्रोह का दमन करने के लिए भेजा। इस दौरान भयंकर युद्ध हुआ और क्षेत्र के लोगों ने अंग्रेज सैनिकों के घोड़े तक छीन लिए और उन्हें पीट पीटकर भगा दिया।

255 वीरांगनाएं पकड़ी गयी तो उन्हें फांसी दी गई। थानाभवन की काजी खानदान की असगरी बेगम को अंग्रेजों ने जिंदा जलाया। कुल मिलाकर बुढ़ाना क्षेत्र के करीब 200 लोग इस संग्राम में देश के लिए शहीद हुए थे।

आम लोगों की सेवा इंसानियत की मिसाल: चौधरी

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर। परमवीर चक्र विजेता शहीद वीर अब्दुल हमीद की स्मृति में एमआरडी पब्लिक स्कूल सांझक में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सामाजिक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरिष्ठ समा. जसेवी मनीष चौधरी और विशिष्ट अतिथि तहसीन अली असरवी रहे। शिविर में सैकड़ों लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण और नि:शुल्क नेत्र जांच का लाभ लिया। शिविर की अध्यक्षता असद फ़ारूकी ने की।

कार्यक्रम के संयोजक हकीम अत्ता-उर-रहमान अजमली और तनसीर चौधरी ने अतिथियों का पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान वरिष्ठ समाजसेवी मनीष चौधरी ने विद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ ही उन ग्रामीणों को भी सम्मानित किया, जिन्होंने पंजाब में आई बाढ़ के दौरान राहत सामग्री भेजकर मानवीय संवे.

दनाओं का परिचय दिया। बच्चों को साम्प्रदायिक सौहार्द्र और श्रमदान की सीख देना गर्व की अनुभूति कराता है। आज का यह कार्यक्रम उन लोगों को भी संदेश देने वाला है, जो हिंदू-मुस्लिम के नाम पर समाज को बांटने का प्रयास करते हैं। शिविर में अल नासिर चेरिटेबल हैल्थ सेंटर तावली, मौलाना रोजोदीन कासमी चेरिटेबल हैल्थ सेंटर सांझक, खैर ए खिदमत ट्रस्ट और ए एंड एस फार्मेसी का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में हकीम अत्ता-उर-रहमान अजमली, चौधरी अमन तावली, मास्टर मुहम्मद तनसीर (प्रधानाचार्य एमआरडी मेमो. रियल पब्लिक स्कूल), मुफ्ती मुहम्मद मुनव्वर और कारी मुहम्मद अफ्फान विशेष रूप से मौजूद रहे।

किशोरी को ले जाने वाला धरा गया

बुढ़ाना। एक नाबालिग किशोरी को बहला फुसलाकर भगाने वाले एक फरार आरोपी को पुलिस ने मात्र 24 घंटे में ही अरेस्ट कर जेल भेज दिया।

बताया जाता है कि बीती शाम बुढ़ाना निवासी एक महिला ने बुढ़ाना पुलिस को एक तहरीर देते हुए बताया था कि उसकी नाबालिग पुत्री को एक युवक बहला फुसलाकर कहीं ले गया है। तब बुढ़ाना कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक सुभाष अत्री ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सीसीटीवी कैमरों की फुटेजों और मोबाइल की लोकेशन्स के आधार पर उक्त फरार आरोपी को आज रविवार के दिन भसाना शुगर मिल के पास से अरेस्ट कर जेल भेज दिया। बुढ़ाना पुलिस ने युवक से पूछताछ की तो आरोपी ने अपना नाम अरबाज उर्फ बिट्टू पुत्र गुलफाम निवासी जामियानगर गेट छप्पर वाली मस्जिद खालापार मुजफ्फरनगर बताया।

भीम आर्मी के सम्मेलन में नशा उन्मूलन पर जोर

शाह टाइम्स संवाददाता

छपार। आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ता सम्मेलन में भीम आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि भारत की उन्नति जब तक नहीं होगी जबतक किसान मजदूर की उन्नति न हो। राजनीतिक ताकते सत्ता धर्म से बाहर नहीं निकलने दे रही है। जिन लोगों को खड़ा होना चाहिए था। वे धर्म की अफीम खाये हुए हैं उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने की नसीहत दी। गांव घुमावटी में अभिषेक त्यागी के आवास पर आजाद समाज पार्टी का कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में कार्यकर्ताओं से भीम आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि देश में बिना रिश्वत के कोई काम नहीं हो रहा है अगर देश में एक दिन की रिश्वत रोक दी जाये तो सभी सडके रबड़ की बन सकती है। देश की तरक्की किसान मजदूर की तरक्की पर निर्भर है।दिल्ली के किसान आंदोलन में हजारों किसान मारे गए। जिन स्कूलों में गरीब किसान मजदूर के बच्चे पढ़ते हैं। उन्हें सरकार बंद कर रही है। किसानों को सरकार से जो मदद मिलनी चाहिए थी वह नहीं मिल रही है। व्यवस्था खराब है। युवा खड़े होंगे तो व्यवस्था ठीक होगी। देश में एक जैसे स्कूल होने चाहिए जिससे डीएम सीएम व गरीब के बच्चे एक साथ पढ़ेंगे तब पता चलेगा

ताकतवर कौन है। बच्चों को संविधान पढ़ाना जरुरी है। रजत निठारिया जिलाध्यक्ष, अक्षु त्यागी राष्ट्रीय अध्यक्ष त्यागी ब्राह्मण महासभा, उस्मान अंसारी, मयंक त्यागी, रितिक त्यागी, अंकुर त्यागी, विवेक त्यागी, ओम लम्बदार, मोनू, रिषभ, प्रमोद त्यागी, रघुनंदन आदि मौजूद रहे।

मीनाक्षी-जैस्मीन ने मुक्केबाज में जीते स्वर्ण पदक

लिवरपूल, वार्ता। जैस्मीन (57 किग्रा) और मीनाक्षी (48 किग्रा) ने लिवरपूल में विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025 में स्वर्ण पदक जीत लिए। जैस्मीन ने पोलैंड की स्ज़ेरमेटा जूलिया (पेरिस ओलंपिक रजत पदक विजेता) को 4:1 से हराकर स्वर्ण जीता और यह उपलब्धि हासिल करने वाली वह वाली पहली भारतीय बन गईं। मीनाक्षी (48 किग्रा) ने कजाकिस्तान की नाजिम काइज़ेबे (पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता) के खिलाफ 4:1 से जीत हासिल की और चैंपियनशिप 2025 में स्वर्ण पदक जीतने वाली दूसरी भारतीय बन गईं। नुपुर (80 किग्रा) ने रजत पदक जीता जबकि पूजा रानी (80 किग्रा) ने कांस्य पदक के साथ समापन किया।

हांगकांग को हरा सुपर-4 में पहुंचना चाहेगी श्रीलंका

● **चरिथ असलंका की अगुवाई में श्रीलंका की टीम पहले मैच में बांग्लादेश को हराकर आत्मविश्वास से भरी हुई है**

दुबई, वार्ता। श्रीलंका एशिया कप 2025 के आठवें मैच में हांगकांग को हराकर सुपर फोर में पहुंचना चाहेगी। वही टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी हांगकांग सम्मान के साथ विदाई के लिए संघर्ष करेगी। चारिथ असलांका की अगुवाई श्रीलंका की टीम अपने पहले मैच में बांग्लादेश को छह विकेट से हराने के बाद आत्मविश्वास से भरी हुई है। उनकी बल्लेबाजी में टीम के रूप में लय में दिख रही है। 34 गेंदों पर 50 रनों की सहज पारी खेलने वाले पथुम निसांका एक अलग ही स्तर पर बल्लेबाजी करते दिख रहे हैं।

जबकि बांग्लादेश के खिलाफ कामिल मिशारा की नाबाद 46 रनों की पारी ने उनकी उम्र से कहीं अधिक संयम दिखाया। कुसल मेंडिस और कुसल परेरा शीर्ष क्रम में स्थिरता प्रदान करते हैं, और कप्तान असलांका के साथ कामिंदु मेंडिस अंतिम ओवरों में मजबूती प्रदान करते हैं।

वहीं गेंदबाजी की बात की जाये तो श्रीलंका के पास दुष्मंथा चमीरा और नुवान तुषारा ने गति और सटीकता का मिश्रण है। दुबई की पकड़ी पिचों पर वानिंदु हसरंगा की शानदार लेग स्पिन एक सिद्ध मैच-विजेता गेंदबाज बनी हुई है, और प्रबंधन परिस्थितियों के अनुसार, स्पिन आक्रमण में एक और परत जोड़ने के लिए महेश थीक्षाना को लाने पर विचार कर सकता है। हांगकांग की बात की जाये तो अफगानिस्तान और बांग्लादेश से हार के बाद अब तक उन्हें सफलता नहीं मिली है, लेकिन यासिम मुर्तजा की टीम एक चुनौतीपूर्ण प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। जीशान अली, अंशुमान रथ और बाबर हयात बल्लेबाजी की जिम्मेदारी का भार संभालेंगे, जबकि अतीक इकबाल ने शानदार इकॉनमी से तीन विकेट लेकर गेंद से उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन किया है। दुबई की पिच से तेज गेंदबाजो को शुरुआती मूवमेंट मिलने की उम्मीद है, जिसके बाद यह एक भरोसेमंद बल्लेबाजी ट्रैक बन जाएगी। अनुशासन के साथ खेलने वाले स्पिनर बीच के ओवरों में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। बाद में ओस की संभावना है। यहां टॉस मैच के फैसले को प्रभावित कर सकता है।

श्रीलंका की संभावित टीम : पथुम निसांका, कुसल मेंडिस (विकेटकीपर), कामिल मिशारा, कुसल परेरा, चैरिथ असलांका (कप्तान), कामिंदु मेंडिस, दासुन शनाका, वानिंदु हसरंगा, दुष्मंथा चमीरा, नुवान तुषारा, मथीशा पथिराना और महेश थीक्षाना।

पहली जीत दर्ज करने पर होंगी यूएई और ओमान की नजरें

पहली जीत दर्ज करने पर होंगी यूएई और ओमान की नजरें

अबु धाबी, वार्ता। एशिया कप के 7वें मैच में यूएई का सामना सोमवार को ओमान से होगा। यूएई को अपने पहले मैच में भारतीय टीम से 9 विकेट से करारी हार झेलनी पड़ी थी। इसी तरह ओमान को टूर्नामेंट के अपने पहले मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ 93 रन से बड़ी हार मिली थी। ऐसे में दोनों टीमें पहली जीत की तलाश में होंगी।

ओलंपिक मेडलिस्ट अमन सहरावत रेसलिंग विश्व चैंपियनशिप से डिस्क्वालिफाई

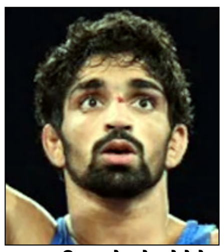

● **1.7 किग्रा ओवरवेट होने के कारण निकले अमन सहरावत**

नई दिल्ली, वार्ता। पेरिस ओलिंपिक में ब्रॉन्ज जीतने वाले भारतीय पहलवान अमन सहरावत जाग्रेब में चल रही वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप से डिस्क्वालिफाई हो गए हैं। वे रविवार को मुकाबले से पहले ओवरवेट पाए गए। अमन पुरुषों की फ्रीस्टाइल 57 किग्रा इवेंट में हिस्सा लेने वाले थे, लेकिन उनका वजन 1.7 किलोग्राम ज्यादा था। अमन से इस चैंपियनशिप में मेडल की उम्मीद थी। उनके पास वजन कम करने के लिए पर्याप्त समय था। वे भारतीय पहलवानों के साथ 25 अगस्त को तैयारी के लिए क्रोएशिया के जाग्रेब पहुंच गए थे। एक अधिकारी ने नाम उजागर न करने की शर्त पर कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण और आश्चर्यजनक है कि अमन अपना वजन कंट्रोल नहीं कर पाए। जब वे वजन मापने के लिए खड़ा हुआ तो उसका वजन 1700 ग्राम ज्यादा था। यह स्वीकार्य नहीं है। उसका वजन इतना ज्यादा कैसे हो गया, यह हमारी समझ से परे है।

सात्विक-चिराग फाइनल में हारे

हांगकांग, वार्ता। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी आज हांगकांग में जीत के करीब पहुंच गए थे, लेकिन यहां पुरुष युगल के खिताबी मुकाबले में चीन के लियांग वेइकेंग और वांग चांग से 62 मिनट में 21-19, 14-21, 17-21 से हार गए। शुरुआत से ही, भारतीय जोड़ी में एक उद्देश्यपूर्ण भावना थी।

उन्होंने स्पष्ट सर्विस और रिटर्न किया, समझदारी से रैलियां बनाईं और गेम पॉइंट पर एक शांत हॉकआई चैलेंज की मदद से पहला गेम 21-19 से अपने नाम कर लिया। यह इस बात का संकेत था कि उन्होंने अपनी ताकत और स्थिर निर्णय को कितनी अच्छी तरह से संयोजित करना सीख लिया है। हालांकि, चीनी जोड़ी ने दूसरे गेम में अपनी लय हासिल कर ली। लियांग के तीखे स्मैश और वांग के तेज इंटरसेप्शन ने भारतीयों को बार-बार बचाव करने पर मजबूर कर दिया। 21-14 का स्कोरलाइन न केवल दूसरी टीम के दबाव को दर्शाता है, बल्कि सात्विक-चिराग की लंबाई और रोटेशन की

● **पुरुष युगल के खिताबी मुकाबले में चीन के लियांग वेइकेंग और वांग चांग से 62 मिनट में हार गए**

गुणवत्ता में भी थोड़ी गिरावट दर्शाता है। जैसा कि अक्सर उच्चतम स्तर पर होता है, निर्णायक गेम शुरुआती कुछ आदान-प्रदानों पर निर्भर था।

लियांग और वांग ने शुरुआत में ही हमला बोला और भारतीयों के संभलने से पहले ही स्कोर 6-0 कर दिया। हालांकि सात्विक और चिराग ने बीच में ही अपनी लय पकड़नी शुरू कर दी और साहसिक खेल और तेज पूर्वानुमान के साथ 10-18 से 17-20 पर पहुंच गए, लेकिन अंतर बहुत ज्यादा साबित हुआ। तीसरे मैच पॉइंट पर लियांग के क्लीन विनर ने एक घंटे से ज्यादा चले मुकाबले को पक्का कर दिया। भारतीय टीम तीसरे गेम को थोड़े अफसोस के साथ, लेकिन साथ ही उत्साह के साथ भी देखेगी। वे कभी भी किसी से कमतर नहीं रहे, बस कुछ जगहों पर उनसे आगे निकल गए। उनका आक्रामक इरादा, खासकर सात्विक के फ्लैट स्मैश और चिराग का नेट पर नियंत्रण, हर शीर्ष जोड़ी को परेशान करता रहा। उन्हें निर्णायक मुकाबलों में शुरुआती झटकों का सामना करने के लिए स्थिरता की जरूरत है, यह एक ऐसा सबक है जो हाल के महीनों में एक से ज्यादा बार सामने आया है। थाईलैंड में जीत के बाद से भले ही वे खिताबों से दूर रहे हों, लेकिन इस अभियान ने यह स्पष्ट कर दिया कि वे विश्व युगल में शीर्ष पर क्यों हैं।

गैरस्टीड 2025-26 घरेलू सत्र के लिए आंध्र प्रदेश नियुक्त

हैदराबाद, वार्ता। न्यूजीलैंड को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब दिलाने वाले गैरी स्टीड को 2025-26 घरेलू सत्र के लिए आंध्र प्रदेश की टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। वह टीनू योहानन की जगह लेंगे।

गैरी स्टीड को टीम का कोच बनाए जाने पर आंध्र क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) ने सोशल मीडिया पर लिखा कि आंध्र क्रिकेट उनके मार्गदर्शन में एक नए युग में प्रवेश कर रहा है, और इस सत्र में बड़ी उपलब्धियां हासिल करने और शीर्ष स्तर का प्रदर्शन करने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। 53 वर्षीय स्टीड, न्यूजीलैंड के सबसे सफल कोच हैं। उन्होंने तीन वैश्विक सीमित ओवरों के फाइनल (2019 एकदिवसीय विश्व कप, 2021 टी-20 विश्व कप और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी) में टीम को पहुंचाया और भारत में 3-0 से ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज जीत हासिल की है। इससे पहले, उन्होंने न्यूजीलैंड महिला टीम को 2009 एकदिवसीय विश्व कप और 2010 टी-20 विश्व कप के फाइनल में पहुंचाया था। उन्होंने 2013 से 2017 तक कैंटरबरी को तीन खिताब और न्यूजीलैंड की घरेलू रेड-बॉल प्रतियोगिता प्लंकेट शील्ड के फाइनल में भी कोचिंग दी थी। बतौर खिलाड़ी स्टीड न्यूजीलैंड के लिए पांच टेस्ट मैच खेले और 34-75 की औसत से 278 रन बनाए। उन्होंने 101 प्रथम श्रेणी और 103 लिस्ट ए मैच भी खेले, जहां उन्होंने क्रमशः 4984 और 2173 रन बनाए। आंध्र 2024-25 रणजी ट्रॉफी में सात मैचों में से केवल एक जीत के साथ अपने ग्रुप में छठे स्थान पर रहा था।

संक्षिप्त खेल समाचार

हांगकांग को हराकर सुपर फोर में पहुंचना चाहेगी श्रीलंका

दुबई, वार्ता। श्रीलंका एशिया कप 2025 के आठवें मैच में हांगकांग को हराकर सुपर फोर में पहुंचना चाहेगी। वही टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी हांगकांग सम्मान के साथ विदाई के लिए संघर्ष करेगी। चारिथ असलांका की अगुवाई श्रीलंका की टीम अपने पहले मैच में बांग्लादेश को छह विकेट से हराने के बाद आत्मविश्वास से भरी हुई है। उनकी बल्लेबाजी में टीम के रूप में लय में दिख रही है। 34 गेंदों पर 50 रनों की सहज पारी खेलने वाले पथुम निसांका एक अलग ही स्तर पर बल्लेबाजी करते दिख रहे हैं, जबकि बांग्लादेश के खिलाफ कामिल मिशारा की नाबाद 46 रनों की पारी ने उनकी उम्र से कहीं अधिक संयम दिखाया। कुसल और कुसल परेरा शीर्ष क्रम में स्थिरता प्रदान करते हैं, व कप्तान असलांका के साथ कामिंदु अंतिम ओवरों में मजबूती प्रदान करते हैं।

रयान क्राउसर की गोला फेंक में खिताबी हैट्रिक

टोक्यो, वार्ता। संयुक्त राज्य अमेरिका के रयान क्राउसर ने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोला फेंक में 22.34 मीटर की थ्रो के साथ लगातार तीसरा विश्व खिताब जीता। विश्व रिकॉर्ड धारक और तीन बार के ओलंपिक चैंपियन ने मेक्सिको के उज़एिल मुनोज को 37 सेंटीमीटर से पीछे छोड़ा। मुनोज ने 21.97 मीटर के साथ रजत पदक जीता और इटली के लियोनार्डो फैब्री ने 21.94 मीटर की थ्रो के साथ कांस्य पदक जीता। संयुक्त राज्य अमेरिका ने मिश्रित 4x400 मीटर रिले में भी जीत हासिल करने के बाद पहले दिन दो स्वर्ण पदकों के साथ समापन किया। सुबह के सत्र में, स्पेन की पेरेज ने 35 किमी रेस वॉक में अपना खिताब बरकरार रखा, जबकि कनाडा के इवान ने पुरुषों की स्पर्धा में अपना पहला विश्व खिताब जीतने के लिए देर से बढ़त हासिल की।

सौरव गांगुली-हरभजन सिंह सहित कई खिलाड़ी वार्षिक आम बैठक में शामिल होंगे

● **हरभजन वार्षिक आम बैठक में पंजाब क्रिकेट संघ का प्रतिनिधित्व करेंगे**

नई दिल्ली, वार्ता। सौरव गांगुली (सीएबी), जयदेव शाह (सौराष्ट्र), अरुण सिंह धूमल (एचपीसीए) और राजीव शुक्ला (यूपीसीए) जैसे नियमित नामों के अलावा, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में भाग लेने वाले अधिकांश अन्य सदस्य भी आम तौर पर संदिग्ध होते हैं।

हरभजन सिंह, निश्चित रूप से, आम सभा की बैठक के लिए राज्य प्रतिनिधियों की विशिष्ट सूची में एक अलग नाम के रूप में उभरे हैं। जैसा कि पहले बताया गया था, वह वार्षिक आम बैठक में पंजाब क्रिकेट संघ (पीसीए) का प्रतिनिधित्व करेंगे, जिससे बीसीसीआइ के शीर्ष पद के लिए उनके संभावित उम्मीदवार के रूप में उनकी संभावनाओं को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। 103 टेस्ट मैच खेल चुके पूर्व भारतीय स्पिनर ने अपनी योजनाओं के बारे में चुप्पी साध रखी है, लेकिन उनके करीबी लोगों का कहना है कि उनका नामांकन पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से उनकी नजदीकी से जुड़ा है और इसके ज्यादा मायने नहीं निकाले जा सकते। लेकिन यह संभावना नहीं है कि यह मामला सिर्फ़ पंजाब के मुख्यमंत्री के साथ उनकी दोस्ती तक ही सीमित रहेगा। यह तय है कि इसमें और भी कुछ है।

हरभजन और उनके पूर्व भारतीय कप्तान गांगुली के अलावा, राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय खेल का अनुभव रखने वाले अन्य प्रतिनिधियों में जयदेव शाह, रघुराम भट्ट (कर्नाटक) और मिथुन मिन्हास (जेकेसीए) शामिल हैं। पूर्व बीसीसीआई दिग्गज और दिल्ली क्रिकेट के कद्दावर नेता दिवंगत अरुण जेटली के बेटे रोहन जेटली को दिल्ली ज़िला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) ने नामित किया है। उन्हें बीसीसीआई में एक प्रभावशाली व्यक्ति माना जाता है। बीसीसीआई के पूर्व कोषाध्यक्ष अनिरुद्ध चौधरी हरियाणा क्रिकेट संघ (एचसीए) का प्रतिनिधित्व करेंगे। संबंधित राज्य संघों द्वारा नामांकित होना महत्वपूर्ण है क्योंकि केवल वही प्रतिनिधि 28 सितम्बर को होने वाले चुनाव में भाग ले सकते हैं। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव और कोषाध्यक्ष के पदों के लिए चुनाव होंगे और यह लगभग तय है कि सचिव देवजीत सैकिया (असम), कोषाध्यक्ष प्रभतेज सिंह भाटिया (छत्तीसगढ़) और संयुक्त सचिव रोहन देस्सा (गोवा) अपने पदों पर बने रहेंगे।

मेघरा ने एयर राइफल में जीता कांस्य

● **फाइनल में मेघना सज्जनार ने 230-0 का स्कोर किया जबकि नॉर्वे की दिग्गज जेनेट हेग डुएस्टाड ने रजत जीता**

निंगबो, वार्ता। एक ऐसे फाइनल में जहां चीन की नई सनसनी पेंग शिनलु ने विश्व रिकॉर्ड तोड़ा, भारत की मेघना सज्जनार ने आठ साल बाद अपना पहला विश्व फाइनल खेलते हुए महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में कांस्य पदक जीता।

यह उनका पहला वर्ल्ड कप पदक है। इस पदक की मदद से भारत ने निंगबो, चीन में आयोजित सीजन-एंड्गि इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) वर्ल्ड कप राइफल/पिस्टल को एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक के साथ पांचवें स्थान पर समाप्त किया। फाइनल में मेघना ने 230-0 का स्कोर किया जबकि नॉर्वे की दिग्गज जेनेट हेग डुएस्टाड ने रजत जीता और पेंग ने 255-3 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया। यह स्कोर उनकी साथी वांग ज़ीफेई के पूर्व विश्व रिकॉर्ड 254-8 से बेहतर था। ईशा सिंह ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में स्वर्ण पदक जीतकर भारत को निंगबो वर्ल्ड कप का पहला पदक दिलाया था। घरेलू रैंकिंग में चौथे से छठे स्थान के खिलाड़ियों से बनी भारतीय टीम ने विश्व स्तरीय प्रतिस्पर्धा में सराहनीय प्रदर्शन किया। चीन तीन स्वर्ण पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर रहा जबकि नॉर्वे दो स्वर्ण पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। कुल 10 स्वर्ण पदकों के लिए मुकाबला हुआ। रविवार सुबह दूसरे क्वालिफिकेशन राउंड में शूटिंग करते हुए मेघना ने 632-7 का मजबूत स्कोर बनाकर सातवां स्थान हासिल किया। पेंग 637-4 के शानदार स्कोर के साथ शीर्ष पर रही। चीन की खिलाड़ी ने फाइनल की 24 शॉट्स की सीरीज की शुरुआत ही परफेक्ट 10-9 के साथ की। पहले पांच शॉट्स की सीरीज के बाद मेघना आठ महिला खिलाड़ियों में सबसे पीछे थीं। दूसरी सीरीज में 52-3 के स्कोर ने उन्हें छठे स्थान पर पहुंचा दिया। अगले 10 शॉट्स में उन्होंने 10-2 से कम स्कोर नहीं किया, जिसमें 12वें शॉट में एक अहम 10-9 भी शामिल था। इस तरह लगभग एक दशक की मेहनत के बाद उन्होंने इस स्तर पर पहला पदक पक्का कर लिया। 19वें शॉट से पहले व्यक्तिगत न्यूट्रल एथलीट मारिया वासिलेवा उनसे सिर्फ 0-3 अंक आगे थीं। लेकिन मेघना के लगातार दो 10-4 स्कोर ने मारिया की उम्मीदों को खत्म कर दिया। भारत ने दिन का दूसरा फाइनल भी हासिल किया, जो निंगबो में चौथा फाइनल था। किरण अंकुश जाधव ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन क्वालिफिकेशन राउंड में 590 का स्कोर कर चौथा स्थान प्राप्त किया। हालांकि फाइनल में पहले नीलिंग (घुटने) और फिर प्रोन पोजीशन (लेटकर) में खराब शुरुआत के कारण वे आठवें स्थान पर रहे।

सुमित के दम पर भारत ने स्विट्जरलैंड को हराया

बील, वार्ता। भारतीय पुरुष टेनिस टीम ने डेविस कप 2025 विश्व ग्रुप आई मुक.ाबले में स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराकर

● **32 साल में पहली बार किसी यूरोपीय देश के खिलाफ भारत की पहली डेविस कप जीत**

बील में इतिहास रच दिया। यह 32 वर्षों में किसी यूरोपीय देश के खिलाफ भारत की पहली डेविस कप जीत थी, आखिरी बार 1993 में फ्रांस के खिलाफ आई थी। सुमित नागल ने निर्णायक उलट एकल मुकाबले में स्विट्जरलैंड के हेनरी बर्नेट पर 6-1, 6-3 से शानदार जीत के साथ जीत सुनिश्चित की। डेविस कप स्टैंड्गि में 37वें स्थान पर काबिज भारत ने नौवीं वरीयता प्राप्त स्विट्जरलैंड (24वें स्थान) को हराकर 2026 विश्व ग्रुप क्वालीफायर के पहले दौर में जगह बनाई। पहले दिन भारत ने स्विस टेनिस एरेना में मुकाबले पर नियंत्रण कर लिया था। डेविस कप में पदार्पण करते हुए दक्षिणेश्वर सुरेश ने शुरुआती एकल मुक.ाबले में घरेलू पसंदीदा जेरोम किम को 7-6(4), 6-3 से हराया। 626वीं रैंकिंग के सुरेश ने उल्लेखनीय धैर्य दिखाया और सीधे सेटों में मैच जीतने से पहले कई ब्रेक प्वाइंट बचाए। बाद में, भारत के अगुआ सुमित नागल ने दो बार के ओलंपियन मार्क-एंड्रिया ह्यूस्लर को 6-3, 7-6(4) से हराया। नागल ने पहले सेट में दो बार ह्यूस्लर की सर्विस तोड़ी और दूसरे सेट के टाईब्रेक में अपना धैर्य बनाए रखा, जिससे भारत को पहले दिन के बाद 2-0 की बढ़त मिल गई। जैकब पॉल और हेनरी बर्नेट की स्विस जोड़ी ने वापसी करते हुए एन श्रीराम बालाजी और रित्विक बोल्लीपल्ली को युगल मुकाबले में हराया। पहले उलट एकल में 18 वर्षीय बर्नेट का सामना करते हुए, भारत के नंबर एक खिलाड़ी नागल ने शुरुआत में ही ब्रेक लिया और बेसलाइन से दबदबा बनाया। यह जीत 1993 के बाद से किसी यूरोपीय देश पर भारत की पहली डेविस कप जीत है, एक ऐसा परिणाम जो टीम के लचीलेपन और गहराई को दर्शाता है।

यह 2019 में शुरू किए गए नए डेविस कप प्रारूप के तहत भारत की पहली विदेशी सफलता भी है। यह जीत भारत की 2026 विश्व ग्रुप क्वालीफायर के पहले दौर में प्रगति सुनिश्चित करती है, जबकि स्विट्जरलैंड को 2026 विश्व ग्रुप प प्ले-ऑफ में भाग लेना होगा। तीन बार का डेविस कप उपविजेता (1966, 1974, 1987) भारत अब प्रतियोगिता के एलीट चरणों में वापसी की अपनी खोज में इस गति को बनाए रखने की कोशिश करेगा।

केन्या की चेबेट ने विश्व एथलेटिक्स में 10000 मी. दोड़ में जीता पहला खिताब

● **दौड़ में बीट्राइस चेबेट के साथ हमवतन एग्नेस चेबेट एथियोपिया की गुडाफ और फोटियन व इटली की नादिया भी थी**

टोक्यो, वार्ता। केन्या की बीट्राइस चेबेट ने यहां 2025 विश्व चैंपियनशिप में महिलाओं की 10,000 मीटर दौड़ का स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 30 मिनट 37:61 सेकंड में अपना पहला विश्व खिताब जीता। 25 वर्षीय विश्व रिकॉर्ड धारक चेबेट ने 4,000 मीटर स्प्लिट के बाद बढ़त बना ली, उनके साथ हमवतन एग्नेस जेबेट नेगेटिच, इथियोपिया की गुडाफ त्सेगे और फोटियन टेस्फे, और इटली की नादिया बट्टोक्लेट्टी भी थीं। हालांकि गत चैंपियन त्सेगे 9,200 मीटर स्प्लिट के बाद आगे निकल गईं, लेकिन दो बार की ओलंपिक चैंपियन चेबेट ने निर्णायक अंतिम दौड़ में 30 मिनट और 37:61 सेकंड में स्वर्ण पदक हासिल किया। पेरिस ओलंपिक की रजत पदक विजेता बैटोक्लेट्टी 30:38:23 सेकंड में दूसरे स्थान पर रहीं और उन्होंने एक नया इतालवी राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। त्सेगे 30:39:65 सेकंड में तीसरे स्थान पर रहीं, जो इथियोपियाई खिलाड़ी का इस सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। चेबेट ने कहा कि यह एक कठिन, बहुत ही रणनीतिक दौड़ थी, लेकिन मैंने आखिरी 800 मीटर बहुत मेहनत से दौड़ा। त्सेगे ने बहुत ज़ोर लगाया और मुझे लगातार दौड़ते रहना था। मैं उस स्वर्ण पदक को बहुत चाहती थी। मैंने विश्व चैंपियनशिप में कभी स्वर्ण पदक नहीं जीता था, इसलिए मुझे यकीन था कि मुझे इसे हासिल करना ही होगा। दौड़ के दौरान यही बात मेरे दिमाग में चल रही थी। शायद, लॉस एंजे. लिस (2028 ओलंपिक) के बाद, मैं मैराथन में भाग लूंगी। लेकिन अभी के लिए, मैं ट्रैक पर ही रहूंगी।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

सोमवार, 15 सितम्बर 2025

मणिपुर को सौगात

मणिपुर में 2023 में हिंसा भड़कने के बाद पहली बार पीएम मोदी मणिपुर की राजधानी इम्फाल पहुंचे। वहां उन्होंने जहां कुकी बाहुल चूड़ा चांदपुर जिले में जनसभा को संबोधित किया, वहीं इम्फाल में 1200 करोड़ की 17 परियोजनाओं का उद्घाटन किया। उन्होंने वहां लोगों से शांति स्थापित करने की अपील की, वहीं साथ ही कहा कि यहां के लोग विकास को प्राथमिकता देते हैं और राज्य में हिंसा का कोई स्थान नहीं है। उनका कहना था कि कहीं भी विकास के लिए शांति जरूरत है। पिछले 11 सालों में पूर्वोत्तर में कई संघर्ष और विवाद सुलझ गए हैं, लोगों ने शांति का रास्ता चुना है और विकास को प्राथमिकता दी है। शांति प्रयासों से लेकर उन्होंने कहा कि केंद्र ने जो प्रयास किए हैं वह राज्य में साफ दिखाई दे रहे हैं।

उन्होंने हाल ही में पहाड़ी और घाटी में विभिन्न समझौतों के साथ समूहों में बातचीत को प्राथमिकता दी। जहां तक बात विपक्ष की है, विशेष रूप से कांग्रेस पीएम मोदी की मणिपुर की यात्रा को इस समय गैर जरूरी बता रही है। उसकी नजर में अब मणिपुर जाने का कोई मतलब नहीं है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने साफ कहा है कि पीएम मणिपुर जाकर घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं। उनका मकसद लोगों के दुख में शामिल होना नहीं बल्कि बड़ी परियोजनाओं का उद्घाटन करना मकसद है ताकि उनको प्रचार मिल सके। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने हालांकि उनकी मणिपुर की यात्रा का स्वागत किया, लेकिन यह बेहद देर से उठाया गया कदम भी बताया। उनका कहना था कि पीएम मोदी को बहुत पहले यहां आना चाहिए था। वैसे विपक्ष के तमाम नेता समय-समय पर पीएम मोदी से वहां का दौरा करने की मांग करते रहे हैं, लेकिन वह तमाम मांगों को अनसुना कर मणिपुर नहीं गए।

जैसाकि खड़गे ने कहा कि जब से मणिपुर में हिंसा हुई है तब से पीएम मोदी दर्जनों विदेश यात्रा कर चुके हैं, लेकिन उन्होंने मणिपुर की कभी सुध नहीं ली। विपक्ष का यह आरोप अतार्किक भी नहीं कहा जा सकता। पीएम होने के नाते मोदी को वहां बहुत पहले जाना चाहिए था। निश्चित रूप से मणिपुर के दंगे बेहद सिरहन पैदा करने वाले हैं, क्योंकि कुकी और मेतेई समुदाय के बीच जिस तरह की दुश्मनी देखने मे आई, वह राज्य व देश के लिए बेहद खतरनाक है और वर्तमान में भी हम देख रहे हैं कि वहां हिंसा में कमी आई है। मेतेई और कुकी नेता आपस में बातचीत भी कर रहे हैं, लेकिन अभी पूरी तरह शांति नहीं कही जा सकती। निसंदेह महिलाओं के साथ जिस तरह दुराचार की खबरें आई हैं, उसने पूरे देश को ही एक तरह से हिलाकर रख दिया। बात यहीं खत्म नहीं होती, मणिपुर को लेकर पीएम मोदी ने कोई बड़ा बयान दिया हो ऐसा भी याद नहीं आता, लेकिन देर से ही सही, अगर पीएम मोदी इस समय मणिपुर गए हैं, तो उसका भी स्वागत किया जाना चाहिए और जिन बड़ी परियोजनाओं की उन्होंने घोषणा की है वह भी राज्य के लिए बड़ी बात है। हर चीज को राजनीति के चश्मे से देखना ठीक नहीं है। विपक्ष को भी समझना होगा कि अगर पीएम मोदी मणिपुर को बड़ा पैकेज दे रहे हैं, तो इससे राज्य के लोगों का ही भला होगा।

पीडीए के कारण नेपाल में हो गया तख्तापलट

भाजपा सरकार में लगातार पीडीए का अपमान और उपेक्षा हो रही है, पीडीए के कारण ही नेपाल में आग लगी और तख्तापलट हो गया। इसे ध्यान में रखना चाहिए, भाजपा ने लोकतंत्र और संविधान को बहुत नुकसान पहुंचाया है विधानसभा चुनाव में भाजपा को हटाना ही लोकतंत्र और जनता के हित में है, पीडीए एकजुट हो रहा है, सपा बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर और डॉ. राममनोहर लोहिया की विचारधारा और नेताजी के संघर्ष के रास्ते पर चलकर गैरबराबरी, आर्थिक और सामाजिक असमानता के खिलाफ लड़ाई लड़ रही है, भाजपा सरकार में आर्थिक और सामाजिक असमानता बढ़ती जा रही है। गरीबी-अमीरी के बीच खाई गहरी हो गई है। भाजपा सरकार में हर स्तर पर पीडीए की उपेक्षा हुई है, पीडीए को हिस्सेदारी नहीं मिली। **-अखिलेश यादव, अध्यक्ष, समाजवादी पार्टी**

क्यों कूटा गया नेपाल में भारतीय मीडिया

पवन सिंह

प्यार तो होना ही था। प्यार तो होना ही था। बेशक गाने की ये लाइनें फिल्मी हैं लेकिन कभी यह गाना भारतीय मीडिया के संदर्भ में खांचे में फिट होता था। अखबारों में छपी खबर को जनता इस हद तक सच मानती थी और विश्वास करती थी जितना कि सुबह फिर से सूरज उगेगा का सच। भारतीय मीडिया के लिए वह प्यार व सम्मान हम जैसों ने देखा है। 1980 के दशक के हमारे जर्नलिज्म के जो साथी हैं और हम लोगों के दौर से पहले के जो वरिष्ठ पत्रकार जीवित हैं, जर्नलिज्म से जुड़ी इस पीढ़ी को जाकर उनसे पूछना चाहिए कि ऐसा क्या हुआ कि सब बदल गया।

अब प्यार तो होना ही था गाने को अगर बदल दें तो यह ऐसे गाया जाएगा पिटना ही था। पिटना ही था। ये आखिर हुआ क्यों? भारतीय पत्रकार थपड़ियाए क्यों गए। बेहतर होता अगर इसकी पड़ताल और समीक्षा की जाती। घटना पर भारतीय पत्रकारों का गुस्सा बेशक जायज है, लेकिन सवाल फिर वहीं आकर खड़ा होता है कि आखिरकार भारतीय मीडियाकर्मियों को नेपाली जनता ने थपड़ियाया क्यों? अकारण और बेवजह ऐसी घटना का होना स्वाभाविक नहीं है?

नेपाल में मेरा काफी दिन रहना हुआ। उस दौरान मैं दैनिक हिन्दुस्तान में संवाददाता था। फैलोशिप पर मारीशस अध्ययन के बाद भारत लौटा तो नेपाल जाने का मौका मिला। यहां मुझे पर्यटन अध्ययन संस्थान, लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से भेजा गया था। वर्ष, 2000 में पर्यटन अध्ययन संस्थान लखनऊ विश्वविद्यालय के लिए पुस्तक लिखी। चूंकि आने-जाने और अध्ययन का खर्चा लखनऊ विश्वविद्यालय से ही दिया गया था लिहाजा विश्वविद्यालय ने ही किताब प्रकाशित करवाई। नेपाल को जितना मैं समझ पाया मैं वह लगातार भारत से दूर हुआ है। भारत से लगी नेपाली सीमाओं में रह रहा मधेशी जितना भारत के करीब है, उतना ही नेपाली राजनीति में मजबूत पकड़ रखने वाला पहाड़ क्षेत्र का नेपाली भारत को पसंद नहीं करता है। इस वर्ग में ताकतवर नेपाली ब्राह्मण व क्षत्रिय लॉबी है। यह ठीक वैसे ही है जैसे पाकिस्तान की सत्ता व सेना में केवल पंजाबियों का जबरदस्त वर्चस्व है और शेष हाशिए पर हैं।

मूल विषय यह है भारतीय मीडिया पिटा क्यों? भारतीय मीडिया इसलिए पिटा क्योंकि जैसे भारत में यह चैनलीय रिपोर्टर सत्ता को खुश करने के हथकंड़े अपनाते हैं, इन्होंने यही हरकत काठमांडू में करने की कोशिश की। वहां भी हिन्दू राष्ट्र और मोदी जैसा पीएम चाहिए की लंतरानी लेकर नैरेटिव सेट करने लग गए। कुछ नेपाली नागरिक पकड़े, बताते हैं उनको पैसे दिए और कहा कि बाइट दे दें कि नेपाल में भी चाहिए मोदी जैसा पीएम। चूंकि नेपाल के ऊपरी क्षेत्र में पहले से ही भारत विरोधी माहौल चल रहा है, यह दांव दूसरे देश में उल्टा पड़ गया और लाइन लगा कर भारतीय पत्रकार कूटे गए। यह अपनी करनी से कूटे गए। विशुद्ध पत्रकारिता कर रहे होते तो न कुटते जैसे अन्य देश के मीडियाकर्मी रिपोर्टिंग कर रहे थे, लेकिन विदेशी धरती पर भी जब चरण चूरन फांकने लगे तो नेपाली जनता ने भी चरणरज का प्रसाद वितरित किया।

आप कौन होते हैं दूसरे देश में जाकर, वहीं की जनता के बिहाफ पर यह कहने वाले कि किस देश को किस तरह का प्रधानमंत्री चाहिए? आप किसी दूसरे देश कि राजनीति की दिशा तय करने वाले कौन होते हैं? कौन सा देश हिन्दू राष्ट्र बनेगा या मुस्लिम या इसाई देश। आप कौन होते हैं? उस देश की जनता और उस देश के राजनीतिक नेतृत्व को तय करने दीजिए। आप खामखां कौन? और जब आप जबरिया किसी देश के आंतरिक मामलों में घुसेंगे तो पिटेंगे और वही हुआ। आप पिटे भी। नमस्ते ड्रंप और अबकी बार ट्रंप सरकार टाइप्स की हरकतें जब करेंगे तो रिश्ते दरकेंगे। क्योंकि यह सीधे-सीधे किसी भी संप्रभु राष्ट्र राजनीति में हस्तक्षेप का मामला बनता है। साहेब को लगा कि ट्रंप दोबारा आएगा लेकिन आए जो. बाइडेन अब मामला गले में फंसी हड्डी जैसा हो गया। उधर साहेब पहुंचे अमेरिका, अमेरिकी मीडिया ने छापा कि साहेब अपने पुराने दोस्त से जरूर मिलेंगे और ट्रंप ने भी बयान जारी किया कि उनका दोस्त मिलने आएगा, लेकिन दोस्त गायब हो गया। अमे. रिकी मीडिया में ट्रंप का जबरदस्त मजाक बना। लेकिन घूमकर ट्रंप फिर आ गया और इस बार आप देख ही रहे हैं। रिश्ते दरक गए और आज जग-हंसाई अलग से हो रही है। भारतीय मीडिया का मजाक और उस पर मीम्स अंतर्राष्ट्रीय मीडिया में जाए हुए हैं, क्योंकि आपने कलम को लिपिस्टिक बना लिया है और पत्रकारिता को कोठा, जहां पत्रकारिता आज मुजरा कर रही है। नेपाल में भारतीय मीडिया रिपोर्टिंग करने नहीं एजेंडा सेट करने गया था और जब आप पत्रकारिता से इतर एजेंडा सेट करने दूसरे देश में जाएंगे तो पिटेंगे ही और आप ठीक-ठाक बेइज्जत हुए और थपड़ियाए भी गए।

आइए समझते हैं नेपाल की नाराजगी- नेपाली अब यह मानने लगा कि भारत उसका शोषण करता है। भारत अकारण नेपाल की राजनीति में हस्तक्षेप करता है। एक नेपाली पत्रकार साथी बताते हैं कि 26 मई, 2006 को बीजेपी के तत्कालीन अध्यक्ष राजनाथ सिंह ने नेपाल के संदर्भ में टिप्पणी की कि नेपाल की मूल पहचान एक हिंदू राष्ट्र की है और इसे मिटने नहीं देना चाहिए और बीजेपी को इससे प्रसन्नता नहीं होगी कि नेपाल अपनी मूल पहचान माओवादियों के दबाव में खो दे। यहीं से माओवादियों और चीन प्रभावित नेपाली लॉबी खुलकर चीन की ओर आ गई। नेपालियों ने माना कि यह सीधा-सीधा हस्तक्षेप है।

> **भारतीय मीडिया इसलिए पिटा क्योंकि जैसे भारत में यह चैनलीय रिपोर्टर सत्ता को खुश करने के हथकंड़े अपनाते हैं, इन्होंने यही हरकत काठमांडू में करने की कोशिश की। वहां भी हिन्दू राष्ट्र और मोदी जैसा पीएम चाहिए की लंतरानी लेकर नैरेटिव सेट करने लग गए। कुछ नेपाली नागरिक पकड़े, बताते हैं उनको पैसे दिए और कहा कि बाइट दे दें कि नेपाल में भी चाहिए मोदी जैसा पीएम। चूंकि नेपाल के ऊपरी क्षेत्र में पहले से ही भारत विरोधी माहौल चल रहा है, यह दांव दूसरे देश में उल्टा पड़ गया और लाइन लगा कर भारतीय पत्रकार कूटे गए। यह अपनी करनी से कूटे गए। विशुद्ध पत्रकारिता कर रहे होते तो न कुटते जैसे अन्य देश के मीडियाकर्मी रिपोर्टिंग कर रहे थे, लेकिन विदेशी धरती पर भी जब चरण चूरन फांकने लगे तो नेपाली जनता ने भी चरणरज का प्रसाद वितरित किया।**

इसके बाद रॉ प्रमुख सामंत कुमार गोयल, पीएम ओली से मिले और भारत के सेना प्रमुख जनरल नरवणे ओली से मिलने पहुंच गए। फिर विदेश सचिव आए। इसके तुरंत बाद बीजेपी के विदेशी मामलों के प्रभारी विजय चौथाई भी ओली से मिले। ये सारी मुलाकातें गोपनीय हुई लेकिन नेपाली मीडिया खबरें करता रहा। जनता को आधिकारिक रूप से कोई भी जानकारी नहीं दी गई। अचानक पीएम ओली ने संसद को भंग कर दिया जबकि ओली के पास बहुमत भी नहीं था। नेपाली मीडिया और राजनीतिक दलों ने यह कह कर तूल दिया कि भारत नेपाल में अस्थिरता फैलाना चाहता है। ओली यह सब भारत की शह पर कर रहे हैं। समय बीता और वर्ष, 2015 में भारत के विदेश सचिव एस जयशंकर नेपाली नेतृत्व के सामने अजीब से कड़े तेवर में नजर आए। यह नेपाल की राजनीतिक पार्टियों को बुरा लगा और यह सब तब हो रहा था जब नेपाल इतिहास में पहली बार लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में अपना संविधान लागू कर रहा था। हां नया संविधान था और इस बात की संभावनाएं थीं कि इसमें कुछ कमियां हो सकती हैं लेकिन समय के साथ यह संवैधानिक कमियां दूर हो जातीं। भारत की मधेसियों को लेकर जो चिंता थी वह सही थी लेकिन कोई दूसरा देश, किसी दूसरे संप्रभु देश को यह कैसे कह सकता है कि संविधान को लागू करने से रोक दीजिए। एस जयशंकर के इसी रवैये के बाद नेपाल के सभी राजनीतिक दल एक हुए और भारत के दबाव को दरकिनार कर संविधान को लेकर आम सहमति बनाई। नाराज भारत ने नाकेबंदी कर दी और इससे नेपाल में मानवीय संकट खड़ा हो गया और यही वह भारत विरोधी माहौल था जब चीन ने सीधे-सीधे इसे अपने पक्ष में किया। नेपाल के लोग आज भी उस नाकेबंदी को याद करते हैं जब वर्ष 2015 में नेपाल को पूरी तरह से तोड़ दिया गया था। पेट्रोल व डीजल की मीलों लंबी लाइनें थीं। नमक के पैकेट तक की मारा-मारी थी। सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहता था। रसोईयों के चूल्हे बंद हो चुके थे, क्योंकि गैस सप्लाई तक बंद थी। यहीं से नेपाल ने उस रास्ते को तलाशना शुरू कर दिया कि चीन से ट्रांजिट रूट को कैसे मजबूत हो। बस सब कुछ पलटता चला गया। नेपाल के एक पत्रकार साथी कहते हैं कि भारत के लद्दाख और अरुणाचल में सेना घुसी हुई है, भारत को पहले अपने आंतरिक मामले देखने चाहिए, नेपाल में हस्तक्षेप करने से बचना चाहिए।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

मातृभाषा का राष्ट्र भ्रमण

व्यंग्य

हिन्दी सप्ताह पर मौलिक प्रस्तुति

अज़ीम राजा

> **हिन्दी ने निश्चय किया कि अपनी इस संतान से भेंट करने संसद जाना चाहिए। अगली सुबह की गाड़ी पकड़कर हिन्दी संसद पहुंच गई और राष्ट्रपिता की तस्वीर को सलामी देकर एक दीवार पर हिन्दी भाषा राजभाषा की तख्ती बनकर लटक गई। संसद की कार्यवाही शुरू हो गई। एक सांसद ने मराठी में मंत्री जी से कोई सवाल किया। हिन्दी मुस्कराई।**

स्टेशन पर लगी दो फुट की तख्ती पर मोटा-मोटा लिखा देख हिन्दी खुश हो गई। उसके दिल में देशवा. सियों के प्रति ममता हिलौरे लेने लगी। प्रेम के वशीभूत हिन्दी इधर-उधर नजरें घुमाने लगी। आनन्द आ रहा था, अपनी सन्तान को देखकर। प्लेटफार्म के एक कोने पर दिखा। एक कागज बोतल चुगने वाला बालक कोट-पैंट धारी थुलथुले साहब की आधी पीकर फेंकी हुई फ्रूटी पी रहा था।

हिन्दी माता खुश हो गई। दिल से निकला वाह क्या भाईचारा है। मेरी संतान मिल बांटकर खाती-पीती है। बालक फ्रूटी पीकर खड़ा हुआ तो एक सज्जन से टकरा गया। सज्जन को गुस्सा आ गया और बोला हराम खोर देखकर नहीं चल सकता, कपड़े खराब कर दिए और बालक को थप्पड़ जड़ दिया। हिन्दी एक दम सकते में आ गई। फिर दिल को दिलासा दिया कि एकाध संतान तो चलो बिगड़ भी जाती है। पर हिन्दी का मन अब स्टेशन पर नहीं लगा वह बाहर आ गई। चलते-चलते एक कार्यक्रम स्थल पर पहुंची। वहां कोई पुरस्कार वितरण कार्यक्रम चल रहा था। मंच की पीछे की दीवार पर एक बड़ा सा बैनर लगा था। जिस पर लिखा था जिला स्तर पर हिन्दी सेवियों का सम्मान। हिन्दी माता के चेहरे की मुस्कान बढ़ गई। चुपके से जाकर दूसरी पंक्ति में खाली पड़ी एक कुर्सी पर बैठ गई। मंच पर संचालक ने माइक से बोलना शुरू किया। Ladies and gentlemen our next prise goes to mr RED MOON

देखिए इनका नाम तो लालचंद है, लेकिन नए दौर को देखते हुए इन्होंने अपना नाम अंग्रेजी में ट्रांसलेट करके रेडमून कर लिया है। इनकी उपलब्धियों में डाकू चमेली फिल्म का गाना अपने होठों की खिला दे रसमलाई जैसे हिन्दी गीत हैं। संचालक आगे भी कुछ-कुछ बोलता जा रहा था, लेकिन हिन्दी के कानों से सिर्फ इतना ही सुनकर खून बहने लगा। आगे सुनने की शक्ति समाप्त होने लगी। उबकाई आने लगी तो समारोह छोड़कर बाहर आ गई और लम्बे-लम्बे सांस भरने लगी। सड़क पर एक चाय की दुकान पर रखे टीवी में एक नेताजी का इंटरव्यू चल रहा था। नेताजी कह रहे थे हम चाहते हैं कि स्कूलों में केवल हिन्दी ही पढ़ाई जाए। विदेशी फिल्में पूरी तरह प्रतिबंधित कर दी जाएं। अगर हम सत्ता में आते हैं तो हम इसको पूरे देश में लागू कराएंगे। हिन्दी ने सोचा चलो कोई तो है स्वभाषा प्रेमी। जो भी हो नेताओं में अभी हिन्दी प्रेम सबसे ज्यादा है।

हिन्दी ने निश्चय किया कि अपनी इस संतान से भेंट करने संसद जाना चाहिए। अगली सुबह की गाड़ी पकड़कर हिन्दी संसद पहुंच गई और राष्ट्रपिता की तस्वीर को सलामी देकर एक दीवार पर हिन्दी भाषा राजभाषा की तख्ती बनकर लटक गई। संसद की कार्यवाही शुरू हो गई। एक सांसद ने मराठी में मंत्री जी से कोई सवाल किया। हिन्दी मुस्कराई। अपनी छोटी बहन को सुनकर। मंत्री जी दक्षिण से थे। जवाब देने के लिए खड़े हो गए। मन उत्साहित हो उठा। वाह-वाह। अब दूसरी बहन से भी भेंट होगी, लेकिन मंत्री जी ने तो अंग्रेजी में बोलना शुरू कर दिया। हिन्दी की मुस्कराहट कुछ कम हो गई। मंत्री जी जवाब दे ही रहे थे कि एक दूसरे सदस्य खड़े हो गए और बोले मंत्री जी आप अंग्रेजी में जवाब क्यों दे रहे हैं। हिन्दी माता ने सर सम्मान से उठाकर देखा। मंत्री जी बोले फिर कैसे जवाब दूं। टोकने वाले एमपी साहब बोले अजी मलयालम में दीजिए। यह सुनकर सदन में ठहाका गूंजा। हिन्दी को लगा जैसे उसकी छोटी बहन का मजाक उड़ाने के लिए यह बात कही गई है। देखिए आप जानते हैं मुझे यह भाषा नहीं आती मंत्री जी ने जवाब दिया। कुछ सांसदों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। एक ने कहा मंत्री जी बात केवल हिन्दी में कीजिए। मंत्री जी बोले लगता है आपको हिन्दी की बीमारी लग गई है। यह शब्द सुनकर हिन्दी रोने लगी। संसद में हंगामा खड़ा हो गया। एक तरफ से आवाज आई। रास्कल, बास्टर्ड। दूसरी तरफ कोई चीखा। हरामी कुत्ते। पहली बार संसद पहुंचे एक नौजवान सांसद ने एक पुराने नेता से पूछा यह क्या हो रहा है जी?? क्या ये लोग भाषा के सम्मान के लिए लड़ रहे हैं। जवाब मिला नहीं आज हमारा काम करने का मूड नहीं था। इसलिए हंगामा खड़ा किया है। इतने में संसद में जूते-माइक हवा में चलने लगे। एक सनसनाता माइक आया और दीवार पर टंगे हिन्दी भाषा राजभाषा के बोर्ड पर लगा। हिन्दी नीचे गिरकर बेहोश हो गई और कोमा में पहुंच गई।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

उत्तराखंडी पकवान, व्यंजन स्वास्थ्य का खजाना

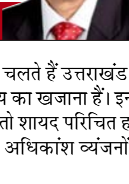

डा. जयंती प्रसाद नौटियाल

उत्तराखंड की संस्कृति भारत की प्राचीनतम संस्कृतियों में से एक है। उत्तराखंड में ज्ञान, विज्ञान, कला, संस्कृति तथा खानपान का एक समृद्ध इतिहास रहा है, लेकिन गढ़वाल से निरंतर हो रहे पलायन और आधुनिकता के परिणाम स्वरूप नई पीढ़ी अपनी संस्कृति को भुलाती जा रही है और आज अपनी मूल संस्कृति से दूर होती जा रही है। यहां तक कि हमारे सामान्य रीति-रिवाज और परम्पराएं भी धीरे-धीरे लुप्त होती जा रही हैं। इसलिए आज आवश्यक का इस बात की है कि हम अपनी इस प्राचीन ज्ञान परंपरा को सहेज कर रखें ताकि आने वाले समय में यह ज्ञान का लुप्त होने से बच जाए। इस प्राचीन ज्ञान को समेटते हुए ज्ञान का एक संचित कोष तैयार करना होगा ताकि हम अपने नई पीढ़ी को बता सकें की हमारी प्राचीन ज्ञान परंपरा और विरासत कितनी समृद्ध थी। यद्यपि यह संतोष का विषय है कि उत्तराखंड के साहित्यिक, सांस्कृतिक विषयों पर काफी कुछ लिखा जा रहा है लेकिन उत्तराखंड कि समृद्ध खान-पान कि परंपरा प्रायः लुप्त होने के कगार पर है। इस लुप्त होती ज्ञान परंपरा को सहेजने की एक श्रंखला के रूप में आज हम आपको उत्तराखंड के खान-पांच संबंधी पकवानों एवं व्यंजनों के बारे में बताने जा रहे हैं। उत्तराखंड के यह पकवान जहां स्वास्थ्य के लिए हितकर हैं वहीं स्वाद से भरपूर हैं। ये व्यंजन हमारे आयुर्वेद के सिद्धांतों के अनुरूप भी हैं। आपने यह देखा होगा की पहाड़ों में जो बुजुर्ग पुरुष या महिलाएं आपको दिखाई देंगी वे जीवन के अंतिम समय तक सुंदर एवं कर्मठ रहते रहती हैं। उनके चेहरे पर लालिमा भरी आभा दिखाई देती है वृद्धावस्था में भी वे शक्ति की पुंज दिखाई देते हैं। इस स्वस्थ शरीर के पीछे उत्तराखंड के खान-पान का महत्व सर्वाधिक है साथ ही उत्तराखंड वासियों का प्रदूषण रहित पर्वत श्रंखलाओं में रहना, स्वछ जल और उनके संघर्षमय जीवन को और भी अधिक सक्रिय बना देता है। मैंने देखा है कि उत्तराखंड का भोजन परा. ेसने वाले होटलों में भी बहुत ही सीमित प्रकार के उत्तराखंडी व्यंजन मिलते हैं। यद्यपि उनका यह प्रयास सराहनीय है, लेकिन इन होटेलों में भी केवल प्रचलित किस्म के ही पकवान परोसे जाते हैं। इसका कारण ही यह है कि उत्तराखंड के व्यंजनों के बारे में जन सामान्य की जानकारी बहुत कम होती जा रही है।

जहां तक उत्तरखंडी भोजन का स्वस्थ्य से संबंध है तो इस विषय मे आपको एक सच्ची घटना बताना छहता हूं। उत्तराखंड में उफल्डा नाम की सब्जी होती है। यह छोटी-छोटी पत्तियों की सब्जी होती है। यह भी उत्तराखंड के जंगलों में घास की तरह उगती है। यह बहुत ही स्वादिष्ट और आंखों के लिए इतनी कारगर होती है कि यदि एक माह इसका सेवन कर लिया जाए तो आंखों की ज्योति इतनी बढ़ जाएगी की आपको कभी जीवन में चश्मा लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके बारे में एक छोटी सी कहानी आपको बताना चाहूंगा एक बार एक अंग्रेज इस उफल्डा की पत्तियों की सब्जी अपने रसोइए से बनवाता था और रोज खाता था उसका खानसामा सब्जी बनाने से पहले जब पत्तियां निकाल लेता था तो उन डंठल अलग रख लेता था और बाद में उन डंठलों की सब्जी अपने लिए बना लेता था।

एक बार वह अंग्रेज के साथ शिकार पर गया अंग्रेज ने बहुत दूर सड़क में पड़े हुए एक मरे हुए हिरण को देखा। सामान्य लोगों उतनी दूर नहीं दिखाई दे सकता है, चूंकि अंग्रेजउफल्डा की सब्जी खाता था इसलिए वह इतनी दूर देख पाया।

इस अंग्रेज में अपने खानसामा से कहा जरा देखो तो सही मुझे काफी दूरी पर एक हिरण मारा हुआ दिख रहा है, क्या तुम्हें भी दिखाई दे रहा है? तब खानसामा (रसोइए) ने कहा वह मरा हुआ तो है ही साथ ही वह सड़ चुका है, क्योंकि उसके ऊपर मक्खियां और कीड़े रेंग रहे हैं। अंग्रेजी या सुनकर आश्चर्यचकित हुआ और इस तथ्य की सच्चाई जानने के लिए उसने कहा चलो वहां चलकर देखते हैं।

जब भी वहां पहुंचे तो देखते हैं की हिरण मरा हुआ है उस से दुर्गंध निकल रही है और छोटे-छोटे कीड़े और मक्खियां उसके ऊपर रेंग रहे हैं। उस अंग्रेज ने खानसामा से कहा कि तुम यह बताओ कि तुम्हारी नजर इतनी तेज कैसे हैं जो मैं नहीं देख पाया वह तुम कैसे देख पाए तब उस रसोइए ने कहा हुजूर जो सब्जी आप खाते हैं मैं उसके डंठल अपने लिए रख लेता हूं और उन डंठलों की सब्जी में खा लेता हूं क्योंकि मुझे मालूम था कि इस सब्जी में आंखों कि ज्योति को बढ़ाने कि क्षमता है। आइए हम आपको ले चलते हैं उत्तराखंड के उन व्यंजनों की ओर जो स्वास्थ्य का खजाना हैं। इनसे प्रौढ़ एवं बुजर्ग उत्तराखंड वासी तो शायद परिचित होंगे परंतु नई पीढ़ी इन व्यंजनो मे से अधिकांश व्यंजनों से परिचित नहीं होगी।

उत्तरखंडी मुख्य भोजन

उत्तराखंड में दाल, रोटी, सब्जी, पराठा, जैसे सामान्य व्यंजन तो खाए ही जाते हैं, साथ ही पंजाबी, गुजराती, दक्षिण भारतीय, बंगाली पकवान भी उत्तराखंड में प्रचलित हैं, लेकिन इसके अतिरिक्त कुछ ऐसे विशिष्ट व्यंजन भी होते हैं जो आपको केवल उत्तराखंड में ही खाने को मिलेंगे। इनके बारे में संक्षिप्त जानकारी निम्नवत है-

नाश्ता

उत्तराखंड में नाश्ते में आधुनिक नाश्ते के सभी व्यंजन खाए जाते हैं। उत्तराखंड की विशेषता यह है की यहां के निवासी चाय के साथ परांठा या रोटी भी खा सकते है। चाय की मात्रा गिलास भर कर होती है। आजकल आचार, दही के साथ नाश्ते का प्रचलन है। पारंपरिक रूप में चाय, रोटी, सब्जी, परोठा, आचार और दही के साथ हरी मिर्च या भूट्वा मिर्च प्रचलित है इन आधुनिक पकवानो के अलावा उत्तराखंड में नाश्ते में निम्नलिखित विशिष्ट भोजन बनाए जाते हैं इनकी जानकारी अगले अंक में देंगे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

नेपाल हिंसा में मरने वालों को मिलेगा शहीद का दर्जा

अंतरिम पीएम बोलीं: पीड़ितों को 10 लाख का मुआवजा देंगे, मृतकों का आंकड़ा 72 हुआ

■ कार्की ने भ्रष्टाचार को खत्म करने का भी संकल्प लिया, नेपाल में पहली बार 27 घंटे तक लगातार आंदोलन हुआ

काठमांडू। नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने कार्यभार संभालने के बाद कहा कि जेईएन-आंदोलन में मारे गए लोगों को शहीद घोषित किया जाएगा। पीड़ितों के परिजनों को 10-10 लाख नेपाली रुपये का मुआवजा भी दिया जाएगा। नेपाल हिंसा में मरने वालों की संख्या 72 हो गई है, इनमें 1 भारतीय महिला भी शामिल है।

कार्की ने भ्रष्टाचार को खत्म करने का भी संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि नेपाल में पहली बार 27 घंटे तक लगातार आंदोलन हुआ। कार्की बोलीं, श्मैं 6 महीने से ज्यादा समय तक सत्ता में नहीं रहूंगी और नवनिर्वाचित संसद को अधिकार सौंप दूंगी। 12 सितम्बर को पीएम पद संभालने के बाद कार्की को नेपाल में 5 मार्च 2026 को आम चुनाव कराने की जिम्मेदारी दी गई थी। हिंसा के बाद नेपाल के तीन पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली, शेर बहादुर देउबा और पुष्प कमल दहल प्रचंड बेघर हो गए हैं। जेईएन-प्रदर्शनकारियों ने 9 सितम्बर को इनके घरों को फूंक डाला था। फिलहाल ये सभी आर्मी के कैंपों में रह रहे हैं। इनके समर्थक अपने नेताओं के लिए किराए के मकान ढूंढने में जुटे हुए हैं। ये नेता कुछ दिन काठमांडू से बकिग्रार के किग्रारों जैसे पोखरा में रहना चकिग्राते हैं, ताकि फिर से जेईएन-के गुस्से का सामना नहीं करना पड़े। प्रदर्शनकारियों ने 9 सितम्बर को प्रधानमंत्री ओली के घर में आग लगा दी थी। वहीं, पीएम बनने के बाद सुशीला कार्की मंत्रिमंडल बनाने पर काम कर रही हैं। काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, कार्की 15 से ज्यादा मंत्रियों के साथ एक मंत्रिमंडल बना सकती हैं। मंत्री पदों के लिए जिन नामों पर विचार किया जा रहा है उनमें कानूनी विशेषज्ञ ओम प्रकाश आर्यल, पूर्व सेना अधिकारी बालानंद शर्मा, सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति आनंद मोहन भट्टराई, माधव सुंदर खड़का, अशीम मान सिंह बसन्यात और ऊर्जा विशेषज्ञ कुलमान घीसिंग शामिल हैं। साथ ही डा. भगवान कोइराला, डा. संदुक रुइत, डा. जगदीश अग्रवाल और डा. पुकार चंद्र श्रेष्ठ जैसे लोगों के नामों पर विचार चल रहा है। जेन- के सदस्य भी इस फैसले में शामिल हो रहे हैं। इसके लिए वे ऑनलाइन वोटिंग का सहारा ले रहे हैं। अगर इन नामों पर आम सहमति बन जाती है तो मंत्रिमंडल रविवार शाम तक शपथ ले सकता है। हालांकि इसे सोमवार तक के लिए टाला भी जा सकता है।

नेपाल के प्रमुख दलों को कार्की का नेतृत्व स्वीकार

काठमांडू। नेपाल में सुशीला कार्की के नेतृत्व में अंतरिम सरकार के गठन के बाद राजनीतिक स्थिरता के साथ शांति और सामान्य जनजीवन बहाल होने लगा है। पूरे देश से कर्फ्यू हटा दिया गया है। सोमवार से सभी शिक्षण संस्थान भी खुल जाएंगे। नेपाली कांग्रेस समेत सभी प्रमुख दल कार्की सरकार को स्वीकार करते दिख रहे हैं, पर संसद भंग करने के फैसले का दलों ने कड़ा विरोध किया है। इसे असंविधानिक, मनमाना और लोकतंत्र के लिए गंभीर झटका बताया है। नेपाली कांग्रेस, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी-एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी सेंटर), राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी, जनता समाजवादी पार्टी, जनमत पार्टी और लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी समेत आठ दलों ने साझा बयान में संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा को भंग करने की आलोचना की है। उन्होंने इसे संविधान की भावना और सर्वोच्च न्यायालय की व्याख्या के विरुद्ध करार दिया। नेपाली कांग्रेस ने कहा कि इससे लोकतांत्रिक उपलब्धियां खतरे में पड़ जाएंगी। बयान में सभी दलों ने संसद का सत्र तत्काल बुलाने की मांग की है, ताकि लोगों एवं आंदोलनकारी समूहों की मांगों को पूरा किया जा सके।

मुंबई। भारत-पाकिस्तान एशिया कप क्रिकेट मैच के विरोध में शिवसेना (यूबीटी) कार्यकर्ता अपने सिंदूर लगे हाथ दिखाते हुए।

जापान में एक लाख बुजुर्गों की आयु 100 से अधिक

■ 55वीं बार बनाया रिकॉर्ड, दुनिया की सबसे ज्यादा बुजुर्ग आबादी वाला देश बना, बुजुर्ग दिवस आज

टोक्यो। जापान में करीब 1 लाख लोगों ने 100 साल से ज्यादा की उम्र पूरी कर ली है। जापान के स्वास्थ्य मंत्री ताकामारो फुकोका ने शुक्रवार को बताया कि 87784 महिलाओं और 11979 पुरुषों की उम्र 100 साल से ज्यादा है। महिला और पुरुष को मिलाकर कुल 99763 बुजुर्ग 100 साल की उम्र पूरी कर चुके हैं, जिसमें 88 प्रतिशत महिलाएं हैं। यह देश की कुल आबादी 12.4 करोड़ का 0.81 प्रतिशत है। जापान ने लगातार 55वें साल यह रिकॉर्ड बनाया है। जापान में 15 सितम्बर को बुजुर्ग दिवस मनाया जाता है। इस दिन जापानी पीएम 100 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को बधाई पत्र और चांदी का गिलास देते है। इस बार 52310 बुजुर्गों को यह सम्मान दिया जाएगा। देश की सबसे बुजुर्ग महिला 114 साल की शिगेको कागावा हैं और सबसे बुजुर्ग पुरुष 111 साल के कियोताका मिजुनो हैं।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो इजरायल पहुंचे

वाशिंगटन/यरूशेलम। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो शनिवार को एक आधिकारिक यात्रा पर इज़रायल पहुंचे। रुबियो की यह यात्रा इजरायल के कतर की राजधानी दोहा में हमास नेताओं पर हवाई हमले के एक हफ्ते से भी कम समय के बाद हो रही है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय के अनुसार वह और रुबियो रविवार को यरूशलेम में एक साथ वेस्टर्न वॉल का दौरा करेंगे। इजरायल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार प्रधानमंत्री के कार्यालय ने दोनों नेताओं के लिए औपचारिक कार्य बैठक के लिए योजना की घोषणा नहीं की। दोनों नेता गाजा में इज़रायल के अभियान के भविष्य पर तथा साथ ही वेस्ट बैंक को पूरी तरह से कब्जे की प्रस्तावित योजना पर भी चर्चा करेंगे।

इक्वाडोर: गोलीबारी में सात लोगों की मौत, तीन घायल

क्विटो। इक्वाडोर के सैंटो डोमिगो डे लॉस त्साचिलास स्थित एक पूल हॉल में गोलीबारी में कम से कम सात लोग मारे गये और तीन अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया ने शनिवार को यह जानकारी दी। स्थानीय समाचार पत्र प्रिमिसियास की रिपोर्ट के अनुसार सैनिकों के वेश में एक वाहन में आए हमलावरों ने शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार रात लगभग 10:30 बजे नुएवो अमानेसर इलाके में स्थित पूल हॉल में ग्राहकों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। गौरतलब है कि सैंटो डोमिगो डे लॉस त्साचिलास प्रांत के एक पूल हॉल में एक महीने से भी कम समय में यह दूसरी सामूहिक गोलीबारी थी। पुलिस ने बताया कि 17 अगस्त को इसी तरह के एक हमले में सात लोग मारे गए थे।

इक्वाडोर ने सरकारी मुख्यालय को लाताकुंगा स्थानांतरित किया

क्विटो। इक्वाडोर के राष्ट्रपति डैनियल नोबोआ ने शनिवार को कार्यकारी शाखा के मुख्यालय को अस्थाई रूप से कोटोपैक्सी प्रांत की राजधानी लाताकुंगा शहर में स्थानांतरित करने का आदेश दिया। सरकारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है। नोबोआ ने एक आदेश में कहा कि इस कदम का उद्देश्य लोगों के करीब पहुंचना और ज़मीनी स्तर पर उनकी ज़रूरतों को पूरा करना है। आदेश में उप राष्ट्रपति मारिया जोस पिटो को अस्थाई रूप से उत्तरी इम्बाबुरा प्रांत के ओटावालो शहर से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का निर्देश दिया गया है।

श्रीलंका में प्रांतीय चुनाव में अभी और देर

परिसीमन रिपोर्ट को संसद से मंजूरी के बाद ही होगी तैयारी

■ चुनाव के लिए बजट में पहले से धन भी सुरक्षित रखा गया है
■ श्रीलंका में1988 से अब तक प्रांतीय चुनाव आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के तहत होते आए हैं

कोलंबो। श्रीलंका के नौ प्रांतों की परिषदों के लंबे समय से टलते आ रहे चुनाव जल्द होने की उम्मीद नहीं हैं। रविवार को श्रीलंका के चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने बताया कि ये चुनाव तभी कराए जा सकते हैं, जब संसद 2018 की परिसीमन रिपोर्ट को अपनाए।

पिछले हफ्ते जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद की बैठक के दौरान इन चुनावों को जल्द कराने की अपील की गई थी। चुनाव आयोग के महानिदेशक समन रत्नायके ने रविवार को मीडिया से कहा कि जब तक संसद 2018 की परिसीमन रिपोर्ट को स्वीकार नहीं करती, तब तक चुनाव नहीं कराए जा सकते। उन्होंने कहा कि जैसे ही संसद जरूरी बदलावों को मंजूरी देगी, आयोग चुनाव कराने की प्रक्रिया शुरू कर देगा। चुनाव के लिए बजट में पहले से धन भी सुरक्षित रखा गया है। 2017 में एक नया कानून लाया गया था, जिसमें आनुपातिक प्रतिनिधित्व और फर्स्ट पास्ट द पोस्ट दोनों प्रणाली अपनाई गई। लेकिन उस कानून के तहत परिसीमन समिति की रिपोर्ट को कभी संसद में पेश नहीं किया गया। जब तक इस रिपोर्ट को संसद से मंजूरी नहीं मिलती, तब तक चुनाव नहीं हो सके। श्रीलंका में1988 से अब तक प्रांतीय चुनाव आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के तहत होते आए हैं। लेकिन अब कई राजनीतिक दल बिना परिसीमन के पुराने तरीके में लौटने की मांग कर रहे हैं।

यूएनएचआरसी की बैठक में भारत ने भी अपना पक्ष दोहराया और कहा कि श्रीलंका को जल्द प्रांतीय चुनाव कराने चाहिए। भारत की प्रतिनिधि अनुपमा सिंह ने जिनेवा में कहा, भारत लगातार यह कहता आया है कि श्रीलंका को अपने संविधान को पूरी तरह और प्रभावी तरीके से लागू करना चाहिए और प्रांत की परिषदों के चुनाव जल्द से जल्द कराने चाहिए और राजनीतिक शक्ति का अर्थपूर्ण विकेंद्रीकरण किया जाना चाहिए।

इमरान की गिरफ्तारी का मामला यूएन पहुंचा

मानवाधिकार उल्लंघनों के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र (यूएन) से हस्तक्षेप की मांग की

पाक की मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह अपील पर्सियस स्ट्रैटेजीज ने इमरान खान की ओर से दायर की है

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की कानूनी टीम ने उनकी हिरासत में हो रहे कथित मानवाधिकार उल्लंघनों के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र (यूएन) से हस्तक्षेप की मांग की है। टीम ने यूएन के टॉर्चर पर विशेष प्रतिवेदक के समक्ष अपील दाखिल की है।

इसमें दावा किया गया है कि खान को जिस तरह कैद में रखा जा रहा है, वह न केवल अमानवीय है, बल्कि पाकिस्तान की अंतर्राष्ट्रीय संधियों का उल्लंघन भी है। पाकिस्तान की मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, यह अपील पर्सियस स्ट्रैटेजीज ने इमरान खान की ओर से दायर की है। इसमें कहा गया है कि खान के साथ व्यवस्थित तरीके से बुरा व्यवहार किया जा रहा है। अपील में एक पैटर्न का जिक्र है, जिसमें लंबे समय तक एकांत कारावास, चिकित्सा सुविधाओं से वंचित करना, दूषित भोजन देना और वकीलों व परिवार से मिलने पर पाबंदी शामिल है। खान की कानूनी टीम ने कहा कि इन हालातों से पाकिस्तान ने जिस 'कन्वेंशन अगेंस्ट टॉर्चर' (कैट) और 'इंटरनेशनल कॉवेनेंट ऑन सिविल एंड पॉलिटिकल राइट्स' (आईसीसीपीआर) पर हस्ताक्षर किए हैं, उनका उल्लंघन होता है। टीम का कहना है कि यह सीधा-सीधा अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार कानून की धज्जियां उड़ाने जैसा है। इस अपील में शामिल बयान में इमरान खान के बेटे सुलेमान खान ने कहा कि उनके पिता को जिन परिस्थितियों में रखा गया है, वे किसी भी इंसान के लिए असहनीय हैं। उन्होंने इसे सीधा-सीधा यातना करार दिया। वहीं, उनके दूसरे बेटे कासिम खान ने कहा कि यूएन पहले ही मान चुका है कि इमरान खान की गिरफ्तारी अवैध है। अब उन्हें जिस तरह से तोड़ने की कोशिश हो रही है, वह उनकी हिम्मत नहीं तोड़ पाएगी। इमरान खान के अंतर्राष्ट्रीय मामलों के सलाहकार जुल्फी बुखारी ने कहा कि यह अपील खान की दृढ़ता को रेखांकित करती है। उन्होंने कहा कि खान अवैध कैद और अपमानजनक बर्ताव झेल रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद वे साहस और शांतिपूर्ण प्रतिरोध का प्रतीक बने हुए हैं। खान की टीम ने संयुक्त राष्ट्र से अपील की है कि वह पाकिस्तान सरकार पर दबाव बनाए ताकि इमरान खान की शारीरिक और मानसिक स्थिति सुरक्षित रहे।

मैड्रिड वार्ता से पहले चीन का बड़ा एक्शन

अमेरिका की चिप कंपनियों पर शुरू की जांच, बढ़ा दोनों के बीच व्यापारिक तनाव

■ इससे पहले दोनों देश मई में जेनेवा, जून में लंदन और जुलाई में स्टाकहोम में बातचीत कर चुके हैं
■ बेसेन्ट ने पिछली बातचीत को बहुत गहन और सकारात्मक बताया था

बीजिंग। चीन ने अमेरिका के साथ टैरिफ, व्यापार और सुरक्षा को लेकर चल रहे तनाव की बीच एक बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत चीन ने अमेरिका की सेमीकंडक्टर (चिप) कंपनियों के खिलाफ दो बड़ी जांचें शुरू कर दी हैं। ये कदम स्पेन के मैड्रिड में होने वाली अहम बातचीत से ठीक पहले उठाया गया है। मामले में चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने बताया कि अमेरिका से आयात की जाने वाली कुछ एनालाग चिप्स (जैसे कि इंटरफेस और गेट ड्राइवर चिप्स) पर एंटी-डंपिंग जांच शुरू की गई है।

ये चिप्स टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स और ऑन सेमीकंडक्टर जैसी अमेरिकी कंपनियां बनाती हैं। इसके साथ ही चीन ने अमेरिका द्वारा चीन की चिप इंडस्ट्री के खिलाफ भेदभावपूर्ण रवैये की भी जांच शुरू की है। बता दें कि यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है जब अमेरिका ने शुक्रवार को 23 चीनी कंपनियों को एंटिटी लिस्ट में शामिल कर लिया है, जिन पर अमेरिका के सुरक्षा और विदेश नीति हितों के खिलाफ काम करने का आरोप है। इस सूची में चीन की प्रमुख चिप कंपनी (एसएमआईसी) के लिए उपकरण खरीदने वाली दो कंपनियां भी शामिल हैं। मैड्रिड में रविवार से बुधवार के बीच अमेरिका के वित्त मंत्री स्काट बेसेन्ट और चीन के उप-प्रधानमंत्री हे लिफेंग के बीच बातचीत होगी। यह मुलाकात दोनों देशों के बीच चल रही चर्चाओं की एक कड़ी है, जिनका मकसद ट्रेड वार को टालना और आपसी संतुलन बनाना है। इससे पहले दोनों देश मई में जेनेवा, जून में लंदन और जुलाई में स्टाकहोम में बातचीत कर चुके हैं। हालांकि अब तक कई बार 90 दिनों के लिए नई टैरिफ (आयात शुल्क) रोकने पर सहमति बनी है। वहीं बेसेन्ट ने पिछली बातचीत को बहुत गहन और सकारात्मक बताया था। उन्होंने कहा था कि हमें सिर्फ कुछ रणनीतिक इंडस्ट्रीज जैसे रेयर अर्थ, सेमीकंडक्टर और दवाओं में जोखिम कम करने की जरूरत है। हम दोनों देश इस दिशा में साथ मिलकर काम कर सकते हैं। गौरतलब है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन दोनों ने चीन की उन्नत चिप टेक्नोलाजी पर कड़ी पाबंदियां लगाई हैं, जिसमें चिप बनाने वाले उपकरणों की बिक्री पर रोक भी शामिल है।

खैबर पख्तूनख्वा में 19 सैनिकों की मौत, 45 आतंकी मार गिराए

इस्लामाबाद/पेशावर। पाकिस्तान के अशांत उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच झड़पों में कम से कम 19 सैनिक और 45 आतंकी मारे गए हैं। प्रधानमंत्री किग्राबाज शरीफ ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई पूरी ताकत से जारी रहेगी। पाकिस्तानी सेना के मुताबिक, 10 से 13 सितम्बर के बीच खैबर पख्तूनख्वा के तीन अलग-अलग हिस्सों में हुई झड़पों में कम से कम 45 आतंकियों को ढेर किया गया। प्रधानमंत्री शकिग्राबाज शरीफ ने सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के साथ बन्नू का दौरा किया और आतंकवाद-रोधी कार्रवाइयों पर एक उच्च स्तरीय बैठक में भाग लिया। रेडियो पाकिस्तान के अनुसार, शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद का पूरी ताकत से जवाब देना जारी रखेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी तरह की अस्पष्टता या समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पीएम शरीफ ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान में हो रहे हमलों के पीछे बैठे आतंकी सरगना और उनके मददगार अफगानिस्तान की जमीन से काम कर रहे हैं। शरीफ ने दावा किया कि कई आतंकी वारदातों में अफगान नागरिकों की संलिप्तता पाई गई है।

डोनाल्ड ट्रम्प की टैरिफ चेतावनी पर भड़का ड्रैगन

कहा: चीन किसी युद्ध का हिस्सा नहीं, जंग से समस्याएं नहीं सुलझतीं और प्रतिबंधों से हालात और बिगड़ते हैं

स्लोवेनिया। अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ को लेकर विवाद बढ़ता ही जा रहा है। कारण है कि बीते दिनों राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चीन पर 50 प्रतिशत से 100 प्रतिशत टैरिफ करने की चेतावनी दी थी।

ऐसे में अब ड्रैगन ने भी ट्रम्प की चेतावनी पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। चीन के विदेश मंत्री वांग ई ने कहा कि जंग से समस्याएं नहीं सुलझतीं और प्रतिबंधों से हालात और बिगड़ते हैं। बता दें कि डोनाल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रूथ सोशल पर लिखा कि नाटो को चीन पर 50-100 प्रतिशत टैक्स लगाना चाहिए और यह टैक्स रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म होने तक जारी रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि चीन का रूस पर मजबूत नियंत्रण है, और ये ताकतवर टैक्स उस पकड़ को तोड़ सकते हैं। स्लोवेनिया में वहां की डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री तान्या फयोन से मुलाकात के बाद प्रेस कान्फ्रेंस में वांग ई ने अमेरिकी चेतावनी का जवाब दिया।

उन्होंने कहा कि चीन किसी भी युद्ध में भाग नहीं लेता और न ही उसकी कोई योजना है। चीन हमेशा शांति वार्ता और राजनीतिक समाधान को बढ़ावा देता है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रतिबंध और टैरिफ से हालात नहीं सुधरते, बल्कि और उलझते हैं। इसके साथ ही वांग ई ने कहा कि चीन और यूरोप को प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि सहयोगी बनना चाहिए। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों को साथ मिलकर सुरक्षित रखने की बात कही।

यूक्रेन का रूस की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी पर ड्रोन हमला

मास्को। यूक्रेन के ड्रोन हमलों ने रूस की एक सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया, जिससे वहां आग लग गई। रूसी अधिकारियों और यूक्रेनी सेना ने यह जानकारी दी। यह हमला रूस के उत्तर-पश्चिमी लेनिनग्राद क्षेत्र में स्थित कीरीशी रिफाइनरी पर किया गया। यह वही रिफाइनरी है, जिसे पिछले कई हफ्तों से यूक्रेन रूसी तेल ढांचे पर हो रहे हमलों की कड़ी में देख रहा है। यूक्रेन का कहना है कि तेल आपूर्ति से रूस की युद्ध क्षमता को ताकत मिल रही है, इसलिए ऐसे ठिकानों को निशाना बनाया जा रहा है। यह रिफाइनरी हर साल करीब 1.77 करोड़ मीट्रिक टन या करीब 3.55 लाख बैरल कच्चे तेल का उत्पादन करती है। यूक्रेन के जनरल स्टाफ के मुताबिक, वहां कई धमाकों और आग की सूचना मिली। उन्होंने एक तस्वीर भी साझा की, जिसमें रात के अंधेरे में आग की लपटें और धुएं के गुबार दिखाई दे रहे हैं। लेनिनग्राद क्षेत्र के गवर्नर अलेक्जेंडर डोजडेनको ने कहा कि कीरीशी इलाके में तीन ड्रोन को मार गिराया गया, लेकिन उनके गिरने से रिफाइनरी में आग लग गई।

लंदन में अवैध प्रवासी मुद्दे पर प्रदर्शन, 1 लाख लोग जुटे

मस्क भी जुड़े, कहा: लड़ो या मरो, प्रोटेस्ट के समय पीएम कीर स्टार्मर फुटबॉल मैच देख रहे थे

लंदन। ब्रिटेन में अवैध अप्रवासियों की बढ़ती आबादी के खिलाफ लंदन में प्रदर्शन हुआ। इसमें 1 लाख से ज्यादा लोग शामिल हुए।

इस प्रोटेस्ट को 'यूनाइट द किंगडम' नाम दिया गया, जिसे एंटी-इमिग्रेशन नेता टामी राबिन्सन ने लीड किया। इसे देश की सबसे बड़ी दक्षिणपंथी रैली माना जा रहा है। इस प्रदर्शन में टेस्ला मालिक इलान मस्क वीडियो के जरिए शामिल हुए। मीडिया चैनल 'द इंडिपेंडेंट' के मुताबिक उन्होंने टामी राबिन्सन से बात की। मस्क ने कहा कि हिंसा तुम्हारे पास आ रही है। या तो लड़ो या मरो। मस्क ने ब्रिटेन में संसद भंग करने की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकार बदलनी होगी। वही, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर उस वक्त फुटबाल मैच देख रहे थे। वे अपने बेटे के साथ लंदन के एमिरेट्स स्टेडियम में थे, जब किग्रार में हिंसा हो रही थी। इस प्रदर्शन का मकसद ब्रिटेन में अवैध अप्रवासन (इलीगल इमीग्रेशन) के खिलाफ आवाज उठाना था। प्रदर्शनकारी मांग कर रहे थे कि अवैध प्रवासियों को देश से बकिग्रार किया जाए। इस साल 28 हजार से ज्यादा प्रवासी इंग्लिश चैनल के रास्ते नावों में ब्रिटेन पहुंचे थ इसी दिन 'स्टैंड अप टू रेसिज्म' नामक एक विरोधी प्रदर्शन भी हुआ, जिसमें लगभग 5000 लोग शामिल थे। दोनों समूहों के बीच टकराव रोकने के लिए पुलिस ने घेराबंदी कर रखी थी। मेट्रोपालिटन पुलिस ने मीडिया को बताया कि 'यूनाइट द किंगडम' मार्च के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुलिस का घेरा तोड़ने की कोशिश की और विरोधी समूह की ओर बढ़ने का प्रयास किया। इस दौरान कई पुलिसकर्मियों पर हमला हुआ। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए 1600 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया, जिनमें 500 अन्य क्षेत्रों से बुलाए गए थे।

यौन समस्याएं
यौन समस्याओं के विशेषज्ञ

पुराने से पुराने यौन रोग के मरीज एक बार अवश्य मिलें
डा. सम्राट
नशामुक्ति, शराब, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा तम्बाकू, प्रोक्सीवॉन कैप्सूल अफीम, चरस, डोडे पोस्त इंजेक्शन व अन्य नशा छुड़ाने का स्थायी ईलाज।
नावल्टी सिनेमा चौक
मुजफ्फरनगर (यू.पी.)
M-9412211108

धामी बने सबसे लंबे कार्यकाल वाले भाजपाई मुख्यमंत्री

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, राज्य के सबसे युवा मुख्यमंत्री हैं, और दोबारा निर्वाचित होने वाले पहले मुख्यमंत्री भी। पुष्कर सिंह धामी उत्तराखंड राज्य के अब तक के बीजेपी के सभी मुख्यमंत्रियों में सबसे लंबा कार्यकाल पूरा करने वाले मुख्यमंत्री भी बन गए हैं। वे पहली बार 04 जुलाई 2021 को मुख्यमंत्री बने थे और तब से लगातार दूसरी बार 2022 में चुनाव जीतकर मुख्यमंत्री पद पर रहकर राज्य के लिए काम कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में उत्तराखंड एक निर्णायक मोड़ पर है, जहाँ तेज गति से निर्णय, डिजिटल परिवर्तन और जनता से सीधा संवाद प्राथमिकता में हैं।

धामी के कार्यकाल की प्रमुख उपलब्धियां:

विकास योजनाएं: उत्तराखंड वैश्विक निवेश सम्मेलन (2023): जिसमें रु. 3 लाख करोड़ से अधिक निवेश प्रस्ताव आए। जिसमें एक लाख करोड़ रुपये की निवेश की ग्राउंडिंग करने की उपलब्धि भी हासिल कर ली है। विकासनगर-यमुनोत्री टनल, घनानंद-मसूरी सुरंग, और चारधाम कनेक्टिविटी जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स भी अहम उपलब्धी है।

कानून-व्यवस्था सुधार: यूनिफॉर्म सिविल कोड (UCC) को लागू करने वाला पहला भाजपा-शासित राज्य बनने की दिशा में अग्रसर। महिला सुरक्षा, नशा मुक्ति और युवाओं में अपराध नियंत्रण को लेकर कई ठोस कदम। अवैध धर्मांतरण रोकने वाला कानून, सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा के लिए कानून, भू-कानून जैसी कई उपलब्धियां हासिल की।

नेतृत्व में विश्वास और विकास का समर्पण

युवाओं के लिए रोजगार: पारदर्शी नौकरी चयन प्रक्रिया सुनिश्चित की गई। प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक की घटनाओं पर कठोर कार्रवाई और नकल विरोधी नया कानून। 24 हजार से ज्यादा युवाओं को नौकरियां प्रदान की जा चुकी हैं।

डिजिटल उत्तराखंड: e-Governance को बढ़ावा, डिजिटल हेल्थ कार्ड, ऑनलाइन भूमि रजिस्ट्रेशन, e-FIR सुविधा का विस्तार। **आपदा प्रबंधन:** जोशीमठ भू-धसाव, मानसून आपदाओं जैसे मामलों में तुरंत प्रतिक्रिया, पुनर्वास और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाया गया। आपदा बचाव एवं राहत कार्यों में तीव्रता के लिए प्रबंधन तंत्र को मजबूती प्रदान करने का कार्य।

एकजुट होकर आगे बढ़ें

उत्तराखंड की यह रजत जयंती यात्रा संघर्ष, संकल्प और सफलता का प्रतीक है। यह राज्य हिमालय की ऊंचाइयों जैसा अडिग, गंगा की धारा जैसा प्रवाही और अपनी सांस्कृतिक विरासत जैसा गहराई लिए हुए है। इसी तरह शाह टाइम्स भी इन 25 वर्षों में न केवल समाचार जगत का स्तंभ बना रहा, बल्कि राज्य के विकास में जन-जागरूकता, पारदर्शिता और पत्रकारिता की भूमिका को सशक्त बनाता रहा। रजत जयंती के इस विशेष अवसर पर यह आवश्यक है कि हम अतीत की उपलब्धियों से प्रेरणा एवं सी लें, वर्तमान में पूरी शक्ति लगाएं, और भविष्य को सशक्त बनाने के लिए एकजुट होकर आगे बढ़ें।

भविष्य की दिशा: हरित विकास मॉडल: जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए सतत विकास की रणनीति पर कार्य। ग्राम्य विकास: स्वरोजगार, ग्रामीण पर्यटन, कुटीर उद्योग और महिला स्वयं सहायता समूहों को और अधिक सशक्त बनाना। शिक्षा और तकनीकी कौशल: युवाओं को हाई-टेक स्किल्स के लिए तैयार करना।

उत्तराखंड @25 yrs पहाड़ों से प्रगति तक की एक रजत यात्रा

मौ. फहीम 'तन्हा'

देहरादून। उत्तराखंड, भारत का 27वां राज्य, 9 नवंबर 2000 को उत्तर प्रदेश से अलग होकर अस्तित्व में आया। हिमालय की गोद में बसे इस राज्य का जन्म एक जन आंदोलन से हुआ था, जिसमें पहाड़ी क्षेत्र की भौगोलिक, सामा. जिक और आर्थिक विशिष्टताओं को ध्यान में रखते हुए पृथक राज्य की मांग की गई थी। 25 वर्षों में उत्तराखंड ने खुद को एक प्रगतिशील, पर्यावरण-संवेदनशील और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राज्य के रूप में स्थापित किया है। इसी तरह, इस वर्ष दैनिक शाह टाइम्स भी अपनी रजत जयंती मना रहा है। जो उत्तराखंड के साथ-साथ बढ़ता रहा, राज्य के हर पड़ाव का साक्षी बना। उत्तराखंड ने अपने गठन के बाद राजनीतिक अस्थिरता के कई दौर देखे। कई बार नेतृत्व में अस्थिरता आई, परन्तु हर मुख्यमंत्री ने अपनी समझ और दृष्टिकोण के अनुसार राज्य के विकास में योगदान देने का प्रयास किया।

अवसंरचना विकास

राज्य गठन के बाद सबसे बड़ी चुनौती थी। दुर्गम भौगोलिक क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाएं पहुंचाना। सड़कों, पुलों, जल-विद्युत परियोजनाओं, और ग्रामीण संपर्क मार्गों में निरंतर विकास हुआ है। आज लगभग हर ब्लॉक मोटर सड़कों से जुड़ा है।

शिक्षा और स्वास्थ्य

राज्य बनने के बाद स्कूल, इंटरमीडियट कॉलेज और तकनीकी संस्थानों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। चिकित्सा के क्षेत्र में एम्स ऋषिकेश, कई मेडिकल कॉलेज और टेलीमेडिसिन सेवाओं की शुरुआत की गई।

पर्यटन और तीर्थाटन

उत्तराखंड का सबसे बड़ा प्राकृतिक संसाधन है। उसका आध्यात्मिक व प्राकृतिक पर्यटन। चारधाम यात्रा, हेमकुंड साहिब, फूलों की घाटी जैसे स्थलों को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ने का कार्य हुआ। चारधाम ऑल वेदर रोड और हेली सेवा जैसी योजनाएं राज्य के राजस्व और रोजगार को सशक्त बना रही हैं।

कृषि व पलायन पर नियंत्रण

कृषि विविधीकरण, जैविक खेती और बागवानी को बढ़ावा देने के प्रयास किए गए। "रिवर्स पलायन" को संभव बनाने के लिए होम स्टे नीति, वोकल फॉर लोकल जैसी योजनाएं लाई गईं।

अब तक 11 मुख्यमंत्रियों ने संभाली बागडोर

नित्यानंद स्वामी
9 नवम्बर 2000 – 29 अक्टूबर 2001

भगत सिंह कोश्यारी
30 अक्टूबर 20011–मार्च 2002

नारायण दत्त तिवारी
2 मार्च 2002–7 मार्च 2007

भुवन चंद्र खंडूरी
7 मार्च 2007–26 जून 2009

रमेश पोखरियाल 'निशंक'
27 जून 2009 –10 सितम्बर 2011

भुवन चंद्र खंडूरी (द्वितीय)
11 सितम्बर 2011–12 मार्च 2012

विजय बहुगुणा
13 मार्च 2012 –31 जनवरी 2014

हरीश रावत
1 फरवरी 2014–18 मार्च 2017

त्रिवेन्द्र सिंह रावत
18 मार्च 2017–10 मार्च 2021

तीरथ सिंह रावत 10 मार्च 2021–4 जुलाई 2021

उत्तराखंड की आर्थिक यात्रा

@25 वर्षों में आत्मनिर्भरता की ओर

मौ. फहीम 'तन्हा'

देहरादून। वर्ष 2000 में जब उत्तराखंड राज्य अस्तित्व में आया था, तब न तो राज्य पास संसाधनों की भरमार थी, न ही आर्थिक शक्ति का कोई विस्तृत आधार। एक सीमांत राज्य के रूप में अपनी यात्रा शुरू करते हुए उत्तराखंड ने इन 25 वर्षों में जिस प्रकार आर्थिक, सामाजिक और प्रशासनिक मोर्चों पर तरक्की की है, वह न केवल प्रेरक है बल्कि देश के अन्य नवगठित राज्यों के लिए एक मिसाल भी बन चुकी है।

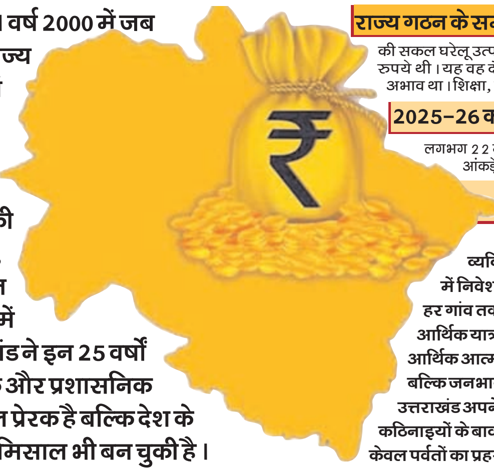

राज्य गठन के समय की आर्थिक स्थिति

उत्तराखंड राज्य के गठन के समय वार्षिक बजट लगभग 4,500 करोड़ रूपये के आसपास था। राज्य की सकल घरेलू उत्पाद (GSDP) मात्रा 14,501 करोड़ रूपये थी, और प्रति व्यक्ति आय लगभग 15,285 रुपये थी। यह वह दौर था जब बुनियादी ढांचे की कमी, सीमित औद्योगिक गतिविधियां और संसाधनों का अभाव था। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली जैसी मूलभूत सुविधाएं भी पहाड़ी इलाकों में सीमित पहुंच में थीं।

2025-26 का आर्थिक परिदृश्य

वर्तमान में उत्तराखंड का कुल वार्षिक बजट 1,01,175.33 करोड़ तक पहुंच चुका है। यह 25 वर्षों में राज्य के बजट में लगभग 22 गुना वृद्धि को दर्शाता है। राज्य की अनुमानित सकल घरेलू उत्पाद (GSDP) 4,29,308 करोड़ के आंकड़े को पार कर चुकी है। वहीं प्रति व्यक्ति आय भी बढ़कर लगभग 2,95,751 रुपये तक पहुंच गई है।

लक्ष्यः आत्मनिर्भर और समावेशी उत्तराखंड

उत्तराखंड सरकार ने 2027 तक राज्य की जीडीपी को दोगुना करने और प्रति व्यक्तिगत आय को 5 लाख तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए आधारभूत ढांचे में निवेश, पर्यटन को वैश्विक स्तर पर ले जाना, स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देना, और हर गांव तक आधुनिक सुविधाएं पहुंचाना प्रमुख प्राथमिकताएं हैं। उत्तराखंड की 25 वर्षों की आर्थिक यात्रा एक ऐसे राज्य की कहानी है जिसने सीमित संसाधनों से शुरुआत कर आज आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए हैं। यह न केवल आंकड़ों की सफलता है, बल्कि जनभागीदारी, दूरदर्शिता और सतत विकास की नीति का प्रतिफल है। आज जब उत्तराखंड अपने रजत जयंती वर्ष में प्रवेश कर चुका है, यह लेख उस आर्थिक यात्रा का साक्षी है जो कठिनाइयों के बावजूद निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर रही। यह वही उत्तराख्संड है जो आज ना केवल पर्वतों का प्रहरी है, बल्कि आर्थिक समृद्धि की चोटी की ओर भी अग्रसर है।

चुनौतियों के बीच संतुलित अर्थव्यवस्था

उत्तराखंड प्राकृतिक आपदाओं से जूझता रहा है- उत्तरकाशी एवं चमोली की आपदाएं हों, चाहे 2013 की केदारनाथ त्रासदी हो या बाद की वर्षा व भूस्खलन की अनगिनत घटनाएं, लेकिन इन सभी आपदाओं के बावजूद राज्य ने विकास की रफ्तार थमने नहीं दी है। वर्ष 2025-26 के बजट में राजस्व अधिशेष का होना यह दर्शाता है कि राज्य संतुलित वित्तीय अनुशासन के साथ आगे बढ़ रहा है। साथ ही, वित्तीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में नियंत्रित रखा गया है।

तुलनात्मक आर्थिक तालिकाः उत्तराखंड 2000 बनाम 2025

आर्थिक मानक	वर्ष 2000	वर्ष 2025-26 (अनुमानित)
वार्षिक बजट	4,500 करोड़	1,01,175.33 करोड़
राज्य की GSDP	14,501 करोड़	4,29,308 करोड़
प्रति व्यक्ति आय	15,285 रुपये	2,95,751 रुपये
वित्तीय घाटा		12,604.92 करोड़
राजस्व अधिशेष		2,585.89 करोड़

आर्थिक नीतियों व योजनाओं का योगदान

उत्तराखंड की सरकारों ने बीते दो दशकों में पर्यटन, ऊर्जा, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, ग्रामीण विकास और औद्योगिक निवेश के क्षेत्रों में विशेष योजनाएं लागू कीं। विशेषकर चारधाम यात्रा, हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स, ऑर्गेनिक खेती और महिला स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहित करने वाले कार्यक्रमों ने राज्य को आर्थिक मजबूती दी। राज्य की भौगोलिक विषमताओं के बावजूद, योजनाएं स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप ढाली गईं। यही कारण है कि पहाड़ों में अब सड़कें, बिजली, पेयजल और डिजिटल कनेक्टिविटी जैसे क्षेत्रों में सुधार स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

देवभूमि: पर्वतों की गोद से बहती शिक्षा की धारा

'ज्ञान की गंगा' बनकर भारत के भविष्य को सिंचित कर रहा उत्तराखण्ड

उत्तराखंड, जिसे देवभूमि के नाम से जाना जाता है, सदियों से आस्था, प्रकृति और संस्कृति का केंद्र रहा है। पिछले 25 वर्षों में इस पर्वतीय राज्य ने शिक्षा के क्षेत्र में जो योगदान दिया है, वह किसी भी प्रगतिशील राज्य के लिए प्रेरणास्पद है। ब्रिटिश काल में जहां मसूरी, नैनीताल, अल्मोड़ा, देहरादून और रुडकी जैसे शहर शिक्षा के केंद्र बने, वहीं उत्तराखंड राज्य के गठन के बाद उच्च शिक्षा, कोचिंग, अनुसंधान और सैन्य प्रशिक्षण जैसे क्षेत्रों में जबरदस्त विकास हुआ। आज उत्तराखंड भारत में शिक्षा के सबसे मजबूत केंद्रों में से एक बन चुका है, यहां के स्कूलों से लेकर विश्वविद्यालयों तक, देश के भविष्य को गढ़ने वाले छात्र तैयार हो रहे हैं। यहां के पारंपरिक बोर्डिंग स्कूलों से लेकर आधुनिक विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों और कोचिंग सेंटरों तक, यह राज्य अब भारत के युवाओं के लिए एक आशा की किरण बन चुका है। पर्वतों की गोद में पला-बढ़ा यह राज्य अब केवल पर्यटन या तीर्थाटन के लिए नहीं जाना जाता, बल्कि शिक्षा के नए तीर्थ के रूप में भी पहचान बना चुका है।

मौहम्मद शाह नजर

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में उत्तराखंड का उभार

पिछले दो दशक में उत्तराखंड के कई शहर खासकर देहरादून, हल्द्वानी, रुड़की, और हरिद्वार प्रतियोगी परीक्षाओं के मुख्य केंद्र के रूप् में स्थापित हुए है। यहा खुले कोचिंग संस्थान युवाओं के लिए एक आशा की किरण बनकर उभरे हैं। यह षहर कोचिंग का हब बन गये है, अब छात्र दिल्ली और कोटा के स्थान पर देहरादून, हल्द्वानी में रह कर कोचिंग करने को प्राथमिकता दे रहे हैं। आईएएस, पीसीएस, नीट, जेईई के लिए देशभर के छात्र यहां आकर तैयारी करते हैं। यही नही एनडीए, सीडीएस, और एएफसीएटी के लिए यहां विशेष संस्थान हैं जो छात्रों को फिजिकल से लेकर इंटरव्यू तक की तैयारी कराते हैं। आईएएस, पीसीएस और पीसीएस जे जैसी प्रशासनिक सेवाओं के लिए भी यहा प्रयाग आईएएस अकादमी जैसे विशेष कोचिंग सेंटर स्थापित हुए हैं। यहा आकाष, एलन, बलूनी कोचिंग सेंटर भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। इन शहरों में छात्रों के लिए छात्रावास, पुस्तकालय, कैफे, साइलेंट जोन, स्मार्ट क्लासरूम और साइंस लैब्स जैसे संसाधनों में तेजी से सुधार हुआ है।

ब्रिटिश काल से ही शिक्षा का केंद्र रहा दून

ब्रिटिश शासन के दौरान उत्तराखंड के शांत वातावरण और प्राकृतिक सौंदर्य ने अंग्रेजों को आकर्षित किया, जिससे यह क्षेत्र शिक्षा के लिए आदर्श माना गया। कई प्रमुख स्कूल इसी काल में स्थापित हुए, जिनमें आज भी गुणवत्ता की परंपरा कायम है। सतीश संजन दास की और से 1935 में स्थापित दून स्कूल भारत के जाने-माने निजी/स्वतंत्र विद्यालयों मे से एक है। इस विद्यालय का उद्देश्य युवा भारतीयों को एक उदारवादी शिक्षा प्रदान करना है, जिससे उनमें धर्मनिरपेक्षता, अनुशासन और समानता के सिद्धांतों के प्रति आदर भाव जागे। दून स्कूल केवल भारत ही नहीं, बल्कि एशिया के सर्वश्रेष्ठ बोर्डिंग स्कूलों में गिना जाता है। इसे 'भारत का ईटन' कहा जाता है। यहां से निकले छात्र देश-विदेश में राजनीति, साहित्य, सेना, व्यापार और प्रशासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। राजीव गांधी, रामचंद्र गुहा और विक्रम सेठ जैसे कई प्रसिद्ध नाम इस स्कूल से जुड़े हैं। वेल्हम बॉयज और गर्ल्स स्कूल, दून स्कूल के समान ही, वेल्हम स्कूल्स ने भी लड़कों और लड़कियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और जीवन मूल्य प्रदान किए हैं। ये स्कूल अनुशासन, सौम्यता और आधुनिकता का संगम हैं। शेरवुड कॉलेज, नैनीताल की स्थापना 1869 में हुई। नैनीताल स्थित यह स्कूल उत्तर भारत के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित बोर्डिंग स्कूलों में से है। इसकी स्थापत्य भव्यता, अनुशासन और पाठ्यक्रम का संतुलन इसे विशेष बनाता है। फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ और सुपर स्टार अभिनेता अमिताभ बच्चन जैसे व्यक्तित्व यहीं से निकले हैं। सैनिक स्कूल, घोड़ाखाल की स्थानप 1966 में हुई।यह स्कूल भारतीय सेना के लिए भविष्य के अधिकारी तैयार करता है। गरीब और ग्रामीण पृष्ठभूमि के छात्रों को अफसर बनने का सुनहरा अवसर देता है। यह स्कूल केवल एक संस्था नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की प्रयोगशाला है। इसके अलावा प्रदेष भर में स्कूली षिक्षा के हजारों केंद्र छात्रों का भविश्य संवार रहें हैं।

विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों का जाल

उत्तराखंड में उच्च शिक्षा का विस्तार उत्तराखंड राज्य गठन के बाद तेजी से हुआ। आज यहां दर्जनों नीजी विश्वविद्यालय और सैकड़ों कॉलेज हैं जो हर क्षेत्र में शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। वहीं,सरकारी शिक्षण केंद्र भी भविष्य संवार रहे हैं। आज उत्तराखंड में दर्जनों विश्वविद्यालय और सैकड़ों कॉलेज हैं। जीबी पंत विवि का मतलब गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय है, जो भारत का पहला कृषि विश्वविद्यालय है, इसकी स्थापना 1960 में उत्तर प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय के नाम से हुई थी, जिसका बाद में नाम बदलकर गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी विष्वविद्यालय कर दिया गया। इसे भारत में हरित क्रांति का अग्रदूत माना जाता है। भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने इसका उद्घाटन 17 नवंबर, 1960 में किया था। इसका नाम भारत के महान स्वतंत्रा सेनानी गोविन्द बल्लभ पंत के नाम पर रखा गया है। यह भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच सफल साझेदारी का प्रतीक है। कुमाऊं विष्वविद्यालय, नैनीताल, 1973 में स्थापित यह विष्वविद्यालय कुमाऊं क्षेत्र के छात्रों के लिए उच्च शिक्षा का बड़ा केंद्र है। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विष्वविद्यालय, श्रीनगर, एक केंद्रीय विष्वविद्यालय के रूप में मान्यता प्राप्त यह संस्थान गढ़वाल क्षेत्र के शैक्षणिक और शोध गतिविधियों का केंद्र है। उत्तराखंड तकनीकी विष्वविद्यालय (अब वीर माधो सिंह भंडारी टेक्निकल यूनिवर्सिटी) यह विष्वविद्यालय इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, फार्मेसी जैसे क्षेत्रों में तकनीकी शिक्षा उपलब्ध कराता है, जिससे सैंकड़ों कॉलेज संबंद्ध है। दून विष्वविद्यालय,देहरादून में स्थित यह राज्य सरकार का विष्वविद्यालय सामाजिक विज्ञान, भाषा, पर्यावरण और मीडिया जैसे क्षेत्रों में शिक्षा और शोध कार्य करता है। इसके अलावा श्री देव सुमन उत्तराखंड विष्वविद्यालय, उत्तराखण्ड आयुर्वेद विष्वविद्यालय, उत्तराखण्ड आवासीय विष्वविद्यालय, उत्तराखण्ड मुक्त विष्वविद्यालय, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, वीर चंद्र सिंह गढ़वाली उत्तराखंड बागवानी और वानिकी विष्वविद्यालय, सोबन सिंह जीना विष्वविद्यालय हेमवती नन्दन बहुगुणा उत्तराखण्ड चिकित्सा शिक्षा विष्वविद्यालय आदि उत्तराखण्ड का गौरव बढ़ा रहें है।

निजी विश्वविद्यालयों का भी अहम योगदान

उत्तराखण्ड में सरकारी षिक्षण संस्थानों के साथ-साथ नीजी षिक्षण संसथान भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। ग्राफिक एरा डीम्ड यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज (यूपीईएस), दून ग्रप ऑफ कालेजेज देहरादून, एमीटी यूनिवर्सिटी देहरादून, आईएमएस विश्वविद्यालय देहरादून, श्री गुरू राम राय विष्वविद्यालय देहरादून, ईकफाई विष्वविद्यालय देहरादून, स्वामी राम हिमालयन विष्वविद्यालय देहरादून, उत्तराँचल यूनिवर्सिटी देहरादून, सरदार भगवान सिंह विष्वविद्यालय देहरादून, हिमगिरि जी विश्वविद्यालय देहरादून, रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय देहराद. ून, हिमालयीय विश्वविद्यालय डोईवाला देहरादून, देवभूमि उत्तराखण्ड विष्वविद्यालय देहरादून, पतंजलि विष्वविद्यालय हरिद्वार, देव संस्कृति विष्वविद्यालय हरिद्वार, क्वांटम विष्वविद्यालय रूड़की, मदरहुड विष्वविद्यालय रूड़की, यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एडं टैक्नोलॉजी रूडकी,हिमालयन गढ़वाल विष्वविद्यालय पोखड़ा, भगवन्त ग्लोबल विष्वविद्यालय कोटद्वार, सूरजमल विश्वविद्यालय किच्छा, कोर विष्वविद्यालय रूड़की आदि शामिल है। ये विष्वविद्यालय आधुनिक शिक्षा, वैष्विक एक्सपोजर और प्लेसमेंट के लिहाज से अहम भूमिका निभा रहे हैं।

तकनीकी व उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां स्थापित कर रहा उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड स्कूली शिक्षा ही नही तकनीकी और उच्च षिक्षा के क्षेत्र में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। यहा आईआईटी, आईआईएम से लेकर विष्वविद्यालयों और कोचिंग संस्थानों की बड़ी तादात यह साबित करने के प्रयाप्त है कि प्रदेष अब उच्च षिक्षा के क्षेत्र में नये अयाम स्थापित करने की दिषा में अग्रसर है। आईआईटी रुड़की: आईआईटी रुड़की का इतिहास भारतीय इंजीनियरिंग शिक्षा के इतिहास से जुड़ा है। पहले थॉमसन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के नाम से जाना जाता था, यह एशिया का सबसे पुराना तकनीकी संस्थान है। स्वतंत्रता के बाद इसे यूनिवर्सिटी ऑफ रुड़की और फिर 2001 में आईआईटी का दर्जा मिला। यह संस्थान सिविल इंजीनियरिंग, जल संसाधन, कंप्यूटर साइंस, मैकेनिकल और बायोटेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में अग्रणी है। यहाँ से निकले अभियंता देश-विदेश की बड़ी कंपनियों और सरकारी संगठनों में नेतृत्व कर रहे हैं। इंडियन मिलिट्री अकादमी (आईएमए) देहरादून की स्थापना 1932 में हुई। आईएमए भारत की सेना के लिए अफसर तैयार करने वाला प्रमुख संस्थान है। इस अकादमी से अब तक हजारों सैन्य अधिकारी निकल चुके हैं जिन्होंने देश की सीमाओं की रक्षा की है। आईएमए केवल प्रशिक्षण नहीं देता, बल्कि यह नेतृत्व, साहस और समर्पण का प्रतीक हैं, यहा देष के साथ-साथ मित्र देषों के सैनिकों को भी प्रषिक्षण दिया जाता है। फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट (एफआरआइ), देहरादून वन अनुसंधान और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कार्यरत यह संस्थान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है। इसकी भव्य इमारत और परिसर इसे एक आकर्षक शैक्षणिक केंद्र बनाते हैं। वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया यह संस्थान वन्यजीव अनुसंधान, संरक्षण और जैव विविधता पर कार्य करता है। दुनियाभर के शोधार्थी यहां अध्ययन और फील्ड वर्क के लिए आते हैं। वहीं, भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर, भारत सरकार द्वारा 2011 में स्थापित दूसरी पीढ़ी का आईआईएम है। यह नवीन शिक्षण विधियों का उपयोग करके, उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान को बढ़ावा देकर और स्थायी नेतृत्व का अभ्यास करके प्रबंधन के क्षेत्र में नाम स्थापित कर रहा है, इन षिक्षण संस्थानों का लाभ उत्तराखण्ड ही नही देष-दुनिया के छात्र उठा रहे हैं।

उत्तराखंड : शिखर की ओर

निवेश संबंधी पहल से निखर रहा उत्तराखंड

"यह उत्सव केवल वित्तीय निवेश का प्रतीक नहीं है, बल्कि उत्तराखंड की संभावनाओं, उद्यमशीलता और समावेशी विकास का भी प्रतिबिंब है। 3.56 लाख करोड़ रुपये के एमओयू साइन हुए हैं, जिनमें से 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारा जा चुका है। उत्तराखंड निवेश, नवाचार और औद्योगिक विकास के नए आयाम छू रहा है। निवेशक हमारे ब्रांड एंबेसडर हैं। उनके सकारात्मक अनुभव उत्तराखंड की छवि को देश और दुनिया में सशक्त बना रहे हैं।"

— **पुष्कर सिंह धामी,** मुख्यमंत्री, उत्तराखंड

उत्तराखंड निवेश उत्सव 2025: निवेश और विकास का नया युग

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी विजन और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के सक्षम मार्गदर्शन में राज्य ने हाल ही में रुद्रपुर में भव्य निवेश उत्सव- 2025 का आयोजन कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। इस अवसर पर 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश को धरातल पर उतारने की सफलता का उत्सव मनाया गया, जो उत्तराखंड के औद्योगिक विकास और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा व सकारात्मक कदम है

PICS: DIPR, UTTARAKHAND GOVERNMENT

गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, विधानसभा अध्यक्ष रितु खंडूरी के साथ रुद्रपुर में निवेश उत्सव में बाबा रामदेव और अन्य गणमान्य व्यक्ति

उत्तराखंड के औद्योगिक परिदृश्य में ऐतिहासिक पल तब आया जब रुद्रपुर के स्पोर्ट्स स्टेडियम में भव्य 'उत्तराखंड निवेश उत्सव 2025' का आयोजन किया गया। यह आयोजन दिसंबर 2023 में आयोजित 'उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट' के बाद 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने की सफलता का प्रतीक बना।

इस अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

बुनियादी ढांचे को बढ़ावा

₹1.86 लाख करोड़

पिछले एक दशक में केंद्र सरकार द्वारा आवंटित राशि, जिसमें शामिल हैं

₹31,000 करोड़

सड़क के लिए

₹40,000 करोड़

रेल के लिए

₹100 करोड़

हवाई अड्डे के विकास के लिए

"1 लाख करोड़ रुपये के निवेश को धरातल पर उतारना सराहनीय उपलब्धि है। आमतौर पर 5 से 10 प्रतिशत एमओयू ही साकार हो पाते हैं, लेकिन उत्तराखंड ने 30 प्रतिशत सफलता हासिल की है। किसी पर्वतीय राज्य में निवेश लाना पहाड़ चढ़ने जितना कठिन है, लेकिन धामीजी ने इस सोच को गलत साबित कर दिया है। यह निवेश अब तक अधिकाधरोजगार सृजित कर चुका है और संबद्ध उद्योगों से 2.5 लाख और रोजगार सृजन की संभावना है। उत्तराखंड ने विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच बेहतरीन संतुलन किया है, जिसमें पारदर्शी नीतियां, त्वरित क्रियान्वयन और दूरदर्शी सोच की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।"

— **अमित शाह,** केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

गृहमंत्री ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने वादों को वास्तविकता में बदलकर दिखाया है। अमित शाह ने इस उपलब्धि को 'सच्चे पराक्रम का परिचायक' बताया और राज्य को मोदी सरकार की ओर से हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

'टीम धामी' को अमित शाह का समर्थन

गृहमंत्री अमित शाह ने दोहराया कि उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य में निवेश लाना शिखर पर चढ़ने जैसा कठिन काम है, लेकिन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस धारणा को पूरी तरह तोड़ दिया है। उन्होंने राज्य सरकार की इस बात के लिए सराहना की कि विकास और पर्यावरणीय संरक्षण के बीच संतुलन का विशिष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री की पारदर्शी नीतियों, त्वरित क्रियान्वयन और दूरदर्शी नेतृत्व की खुले मन से प्रशंसा की।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश का आधारभूत ढांचा मजबूत हुआ है। पिछले 10 वर्षों में नेशनल हाईवे की लंबाई में 60% की वृद्धि हुई है। 8 लाख किलोमीटर से अधिक ग्रामीण सड़कों का निर्माण हुआ है। 333 जिलों को वंदे भारत ट्रेनों से जोड़ा गया है और 88 नए हवाई अड्डों का उद्घाटन किया गया है।

उत्तराखंड से विकसित भारत का विजन

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत 2047' के संकल्प को साकार करने के लिए उत्तराखंड का विकास जरूरी है। उन्होंने कहा कि जब तक छोटे राज्यों और पूर्वोत्तर भारत का समग्र विकास नहीं होगा, तब तक विकसित भारत का लक्ष्य पूरा नहीं हो सकता है। उन्होंने उत्तराखंड की रणनीतिक और आध्यात्मिक महत्ता को ध्यान में रखते हुए कहा कि यह राज्य ज्योतिर्लिंगों, शक्तिपीठों, पंचकेदार और पंचप्रयागों की भूमि है, इसलिए भी इस पावन राज्य का विकास अनिवार्य हो जाता है। उन्होंने उत्तराखंड में चल रही कई मेगा परियोजनाओं का उल्लेख किया, जिनमें चारधाम ऑल वेदर रोड, केदारनाथ और हेमकुंड साहिब तक रोपवे, पर्यटन, एमएसएमई, स्टार्टअप्स और फिल्म नीति में निवेश शामिल है। निवेश से जुड़ी ये बातें इस बात का संकेत दे रही हैं कि उत्तराखंड निरंतर विकास की ओर अग्रसर है।

सरकारी प्रयासों की उद्योग जगत ने की सराहना

उत्तराखंड उद्योग संघ (IAU) ने राज्य में हुए इस विकास का स्वागत करते हुए 30% निवेश धरातलीकरण दर को 'असाधारण' बताया, जो कि राष्ट्रीय औसत 5–10% की तुलना में कहीं अधिक है। IAU के अध्यक्ष पंकज गुप्ता ने इसे सकारात्मक विकास बताया, जिसका प्रभाव दीर्घकालिक होगा। उन्होंने इसकी सफलता का श्रेय मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कुशल नेतृत्व को दिया, जिन्होंने राज्य को निवेश-अनुकूल बनाने में निर्णायक भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि सरकार की आर्थिक रणनीति केवल औद्योगिक क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि ऊर्जा, आवास और पर्यटन जैसे क्षेत्रों को भी समाहित करती है।

"मैं उत्तराखंड सरकार को पिछले कुछ वर्षों में हासिल की गई उपलब्धियों के लिए बधाई देता हूं। यह पर्यटन और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर निरंतर नीतिगत प्रोत्साहन और इस पर ध्यान देने से ही संभव हुआ है। साथ ही, राज्य ने बुनियादी ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण प्रगति की है, जो सतत विकास के लिए नए मानक स्थापित करता है। अपने प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग और पर्यटन को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता ने न केवल यहां की अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है, बल्कि वैश्विक मंच पर राज्य ने अपनी क्षमता को प्रदर्शित किया है। मैं समावेशी विकास के लिए राज्य के समर्पण की सराहना करता हूं और आने वाले वर्षों में इसकी निरंतर सफलता की आशा करता हूं।"

-**नरेन्द्र मोदी,** प्रधानमंत्री

एक आशाजनक राह की ओर

पिछले एक दशक में केंद्र सरकार ने उत्तराखंड को ₹1.86 लाख करोड़ से अधिक की राशि आवंटित की है, जिसमें ₹31,000 करोड़ सड़क विकास, 40,000 करोड़ रेलवे परियोजनाओं और ₹100 करोड़ हवाई अड्डा विकास के लिए शामिल है। गृहमंत्री अमित शाह ने आश्वासन दिया कि शेष निवेश लक्ष्यों को भी पूरा करने के लिए केंद्र हर स्तर पर उत्तराखंड सरकार के साथ भागीदारी के लिए तैयार है। हम हर कदम पर आपके साथ खड़े हैं।

मुख्यमंत्री धामी: निवेशक हमारे ब्रांड एंबेसडर हैं

मुख्यमंत्री धामी ने प्रमुख अधिकारियों के साथ निवेश की समीक्षा की

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि 'निवेश उत्सव' केवल पूंजी का उत्सव नहीं, बल्कि उत्तराखंड के समावेशी विकास मॉडल का प्रतीक है, जो उद्यमशीलता, जनसहभागिता और नवाचार पर आधारित है। इस अवसर पर उन्होंने ₹1,342 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 2023 में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान ₹3.56 लाख करोड़ के एमओयू साइन किए गए थे, जिनमें से ₹1 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव पहले ही धरातल पर उतर चुके हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड अब निवेश, नवाचार और औद्योगिक विकास के नए शिखर छू रहा है।

उन्होंने यह भी बताया कि वोकल फॉर लोकल, मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसी नीतियों के जरिए देश आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने उद्योग, लॉजिस्टिक्स, एमएसएमई और स्टार्टअप सहित 30 से अधिक नीतियों के क्रियान्वयन की जानकारी दी।

राज्य सरकार ने ₹200 करोड़ का स्टार्टअप वेंचर फंड स्थापित किया है और काशीपुर में एरोमा पार्क, सितारगंज में प्लास्टिक पार्क तथा खुरपिया में इंडस्ट्रियल स्मार्ट सिटी जैसी परियोजनाएं शुरू की हैं। अब राज्य में 260 से अधिक बिजनेस सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध हैं और उत्तराखंड 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' में अचीवर तथा 'स्टार्टअप रैंकिंग' में अग्रणी राज्य के रूप में मान्यता प्राप्त कर चुका है।

उत्तराखंड राज्य सौर नीति 2023: स्वच्छ ऊर्जा की ओर सशक्त कदम बढ़ाता हिमालयी राज्य

उत्तराखंड राज्य सौर नीति 2023 में वर्ष 2027 तक 2,500 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का महत्वाकांक्षी रोडमैप प्रस्तुत किया गया है, जिससे राज्य को हिमालयी क्षेत्र में स्वच्छ ऊर्जा के अग्रणी प्रदेश के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य है।

साल जून 2023 को मंजूर की गई उत्तराखंड राज्य सौर नीति 2023 राज्य सरकार की एक दूरदर्शी पहल है। इसका उद्देश्य सौर ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देकर पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता को कम करना है। यह नीति देश के व्यापक स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों के अनुरूप तैयार की गई है और 2027 तक 2,500 मेगावाट सौर क्षमता विकसित करने का स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करती है।

इस नीति का उद्देश्य:

इस नीति के अंतर्गत राज्य के पहाड़ी और मैदानी दोनों क्षेत्रों में उपलब्ध सौर क्षमता का प्रभावी उपयोग शामिल है। इसके माध्यम से ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना और निजी निवेश को आकर्षित करना है, ताकि स्थानीय रोजगार के अवसरों को बढ़ावा दिया जा सके। यह नीति सोलर पार्क, रूफटॉप सोलर सिस्टम, फ्लोटिंग सोलर प्लांट्स व हाइब्रिड परियोजनाओं को बढ़ावा देती है, जो सौर ऊर्जा को अन्य नवीकरणीय स्रोतों से जोड़ती है। विकेन्द्रित नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियों (डीआरई) को बढ़ावा देना नीति का प्रमुख फोकस है, जिससे दूर-दराज और वंचित क्षेत्रों तक ऊर्जा की पहुंच सुनिश्चित की जा सके। यह उत्तराखंड की भौगोलिक चुनौतियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

प्रोत्साहन और सुविधा

इस नीति के अंतर्गत निवेशकों और परियोजना डेवलपर्स के लिए कई वित्तीय और नियामक प्रोत्साहनों की व्यवस्था की गई है।

- बिजली शुल्क और क्रॉस-सब्सिडी अधिभार से छूट
- सौर परियोजनाओं के लिए प्रयुक्त भूमि पर स्टांप शुल्क से छूट
- त्वरित अनुमोदन के लिए सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम
- प्राथमिकता के आधार पर ग्रिड कनेक्टिविटी और भूमि बैंकिंग सहायता, जो उत्तराखंड अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (उरेडा) के माध्यम से प्रदान की जाएगी।

साथ ही, प्राथमिकता के आधार पर ग्रिड कनेक्टिविटी और लैंड बैंकिंग सहायता, जो उरेडा (उत्तराखंड अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी) के माध्यम से प्रदान की जाएगी। वहीं, यह नीति पीपीपी मॉडल, सरकारी भवनों पर रूफटॉप सोलर और निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देती है। साथ ही यह स्थानीय रोजगार सृजन और क्षमता निर्माण के लिए प्रशिक्षण को भी अनिवार्य बनाती है।

सतत विकास की ओर अग्रसर

उत्तराखंड राज्य सौर नीति 2023 एक असरदार रणनीति और सहायक बुनियादी ढांचे के साथ यह हिमालयी क्षेत्र में स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण छलांग है। यह नीति न केवल राज्य की जलवायु परिवर्तन के प्रति प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करती है, बल्कि उत्तराखंड को पर्वतीय क्षेत्रों में नवीकरणीय ऊर्जा अपनाने का एक आदर्श मॉडल भी बनाती है। यह नीति उत्तराखंड के भविष्य को ऊर्जा आत्मनिर्भरता और पर्यावरणीय संतुलन की दिशा में अग्रसर करती है।

उत्तराखंड पर्यटन नीति 2023: सतत विकास और निवेश को प्रोत्साहित करता सशक्त रोडमैप

उत्तराखंड पर्यटन नीति 2023 एक परिवर्तनकारी खाका प्रस्तुत करती है, जिसका उद्देश्य राज्य को एक प्रमुख सतत और निवेश-अनुकूल पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करना है। यह नीति नवाचार, बुनियादी ढांचे के विकास और समावेशी वृद्धि को बढ़ावा देने पर आधारित है।

उत्तराखंड पर्यटन नीति 2023 राज्य को वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक व्यापक और परिवर्तनकारी दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। यह नीति 31 मार्च 2030 तक प्रभावी रहेगी और पर्यटन आधारित विकास को गति देने के साथ आर्थिक समावेशन, पर्यावरणीय स्थिरता और निवेशक अनुकूलता सुनिश्चित करने के लिए तैयार की गई है।

इस नीति के अंतर्गत सभी अनुमोदन और प्रोत्साहन दावों को सिंगल विंडो क्लियरेंस सिस्टम के माध्यम से आगे बढ़ाया जाएगा। इसमें केवल उन्हीं परियोजनाओं को लाभ मिलेगा, जिनकी वाणिज्यिक परिचालन तिथि (सीओसी) नीति की अवधि के अंतर्गत होगी।

संस्थागत ढांचा और नीति की प्राथमिकताएं

यह नीति पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) को सक्षम बनाने और हॉस्पिटैलिटी, वेलनेस, एडवेंचर, हेरिटेज और ग्रामीण पर्यटन जैसी विविध क्षेत्रों में निवेश लाने पर केंद्रित है।

नीति के क्रियान्वयन के लिए उत्तराखंड पर्यटन विकास बोर्ड (यूटीडीबी) को नोडल एजेंसी बनाया गया है। इसमें 50 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं के लिए राज्य स्तरीय सशक्त समिति (एसएलईसी) का गठन किया गया है। साथ ही, 50 करोड़ रुपये तक की एमएसएमई परियोजनाओं के लिए जनपद स्तरीय सशक्त समितियां (डीएलईसी) बनाई गई हैं। वहीं, परियोजनाओं की भौतिक जांच और सत्यापन के लिए जनपद स्तरीय पर्यटन समितियां (डीएलटीसी) गठित की गई हैं।

योग्य परियोजनाएं और निवेश प्रोत्साहन

इस नीति के अंतर्गत विभिन्न प्रकार की पर्यटन इकाइयों को योग्य माना गया है। इसमें होटल, रिसॉर्ट, विरासत भवन, रोपवे, ईको-लॉज, योग एवं वेलनेस सेंटर, मनोरंजन पार्क, साहसिक पर्यटन सुविधाएं आदि शामिल हैं। इनमें से प्रत्येक श्रेणी के लिए न्यूनतम निवेश और बुनियादी ढांचे की शर्तें तय की गई हैं, जिससे गुणवत्ता और निवेश को बढ़ावा मिले। साथ ही, सभी इकाइयों को राष्ट्रीय सुरक्षा मानकों का पालन करना अनिवार्य होगा।

पूंजीगत और गैर-पूंजीगत प्रोत्साहन

इस नीति के तहत निवेशकों को दो श्रेणियों में प्रोत्साहन दिए जाएंगे। इसके अंतर्गत प्रोत्साहनों को पूंजी निवेश सब्सिडी और अतिरिक्त प्रतिपूर्ति में विभाजित किया गया है, जैसे कि-

- एसजीएसटी की वापसी (नेट आउटपुट लायबिलिटी पर)
- भूमि पट्टे और मॉर्गेज दस्तावेजों पर स्टांप शुल्क से छूट
- नई इकाइयों के लिए विद्युत शुल्क में छूट
- ब्याज अनुदान और विपणन सब्सिडी, व्यय के आधार पर
- प्रशिक्षण और कौशल विकास प्रोत्साहन
- देशी पर्यटकों, MICE कार्यक्रमों और ऑनलाइन बुकिंग के आधार पर प्रदर्शन-आधारित प्रोत्साहन

पिछड़े और दूरस्थ क्षेत्रों में स्थापित इकाइयों को पूंजीगत परिसंपत्तियों की लागत पर 50% तक की सब्सिडी दी जाएगी, जिससे क्षेत्रीय असंतुलन को दूर किया जा सके।

उत्तराखंड स्टार्टअप नीति 2023: नवाचार और समावेशी विकास की ओर सकारात्मक पहल

उत्तराखंड स्टार्टअप नीति 2023 एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य राज्यभर में रोजगार सृजन और स्टार्टअप्स को सशक्त बनाकर एक मजबूत उद्यमशील पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है।

उत्तराखंड स्टार्टअप नीति 2023 राज्य सरकार की एक दूरदर्शी पहल है, जिसका उद्देश्य हर साल 1,000 नए स्टार्टअप की शुरुआत कर सशक्त उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करना है। यह नीति नवाचार को प्रोत्साहित करने, रोजगार के अवसर बढ़ाने और स्थानीय प्रतिभा को आगे लाने का सशक्त माध्यम है।

इस नीति के माध्यम से वित्तीय सहायता और प्रोत्साहन प्रदान की जा रही है। नीति के तहत स्टार्टअप्स को विभिन्न चरणों में यह सहायता दी जाती है। इसमें प्रति माह 15,000 का भत्ता, विशेष श्रेणियों (SC/ST/दिव्यांग) के लिए 20,000 रुपये प्रति माह प्रदान की जाती है। वहीं 15 लाख रुपये तक का सीड फंड भी उपलब्ध कराया जाता है, जिससे शुरुआती दौर में स्टार्टअप के संचालन को स्थिरता मिलती है।

इसके साथ ही इस पॉलिसी के माध्यम से इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स के लिए भी सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इसके अंतर्गत राष्ट्रीय पेटेंट में आवेदन करने के लिए 1 लाख रुपये तक की सहायता, अंतरराष्ट्रीय पेटेंट कराने के लिए 5 लाख रुपये तक की सहायता, वहीं ट्रेडमार्क और इंडस्ट्रियल डिजाइन के लिए 10,000 रुपये तक की सहायता प्रदान की जाती है।

यह नीति उन्हीं स्टार्टअप्स को कवर करती है, जो 10 वर्षों की अवधि के अंदर स्थापित हुए हों और उत्पाद, सेवा या प्रक्रिया में नवाचार या सुधार ला रहे हों। इसके अलावा रोजगार और संपत्ति सृजन की मजबूत क्षमता रखते हों।

इस नीति के अंतर्गत राज्य सरकार हर जिले में इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित कर रही है, जो कई तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराती है। मेंटरशिप और नेटवर्किंग के अवसर, बुनियादी ढांचा और तकनीकी सहायता व प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम शामिल हैं। यह नीति उत्तराखंड को स्टार्टअप इंडिया अभियान में प्रमुख रूप से स्थापित करने की दिशा में एक प्रभावशाली कदम है।

उत्तराखंड लॉजिस्टिक्स नीति 2023: बेहतर और स्थिर लॉजिस्टिक्स तंत्र की नींव

इस नीति से व्यापार को मिलेगा बल, लागत घटेगी और तकनीक-संचालित भविष्य की ओर तेजी से बढ़ेंगे कदम

उत्तराखंड लॉजिस्टिक्स नीति 2023 का उद्देश्य राज्य में एक एकीकृत, पर्यावरण-अनुकूल और निवेश-उन्मुख लॉजिस्टिक्स तंत्र बनाना है। यह नीति लॉजिस्टिक्स की लागत घटाने, निर्यात बढ़ाने और राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स इंडेक्स में रैंकिंग सुधारने पर आधारित है।

यह नीति वित्तीय और गैर-वित्तीय प्रोत्साहनों के माध्यम से नए और मौजूदा दोनों प्रकार के लॉजिस्टिक्स उद्यमों का समर्थन करती है। इसमें विशेष रूप से रणनीतिक और उच्च घनत्व वाले औद्योगिक क्षेत्रों में लॉजिस्टिक्स पार्क, कोल्ड चेन, ट्रक टर्मिनल, एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स और अंतर्देशीय कंटेनर डिपो के विकास को शामिल किया गया है। यह नीति ग्रीन लॉजिस्टिक्स को बढ़ावा देती है, सार्वजनिक-निजी भागीदारी को प्रोत्साहित करती है और एआई, ब्लॉकचेन व स्मार्ट इंफोर्समेंट सिस्टम्स जैसी उन्नत तकनीकों को एकीकृत करती है।

यह नीति PPP मॉडल के तहत निजी निवेश को प्रोत्साहन देती है, जिसमें सिंगल विंडो क्लीयरेंस, पंतनगर जैसी मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क और औद्योगिक कॉरिडोर के माध्यम से राज्य को लैंडलॉक राज्यों के लिए आदर्श लॉजिस्टिक्स हब के रूप में स्थापित करने का प्रयास करती है।

Text by Taresh Dutta

उत्तराखंड मेगा इंडस्ट्रियल और इन्वेस्टमेंट नीति 2025 : बड़े निवेश और औद्योगिक विकास की नई दिशा

इस नीति का उद्देश्य हिमालयी राज्य को निवेशकों की पहली पसंद बनाने के लिए तैयार करना है

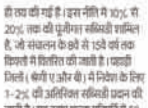

उत्तराखंड मेगा इंडस्ट्रियल और निवेश नीति 2025 का उद्देश्य राज्य को बड़े पैमाने पर निवेश के लिए पसंदीदा गंतव्य बनाना है। यह नीति सूचना की तारीख से पांच वर्षों तक प्रभावी रहेगी।

यह नीति सिंगल-विंडो सिस्टम के माध्यम से आवेदन करने वाली इकाइयों को वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करती है। इसमें उद्यमों को चार निवेश श्रेणियों में विभाजित किया गया है, जिसमें बड़े (50-200 करोड़ रुपये), अल्ट्रा लार्ज (200-500 करोड़ रुपये), मेगा (500-1000 करोड़ रुपये) और अल्ट्रा मेगा (1000 करोड़ रुपये से अधिक) को शामिल किया गया है। इसमें से हर एक के लिए रोजगार और निवेश सीमाएं पहले से ही तय की गई है। इस नीति में 10% से 20% तक की पूंजीगत सब्सिडी शामिल है, जो संचालन के 8वें से 15वें वर्ष तक किस्तों में वितरित की जाती है। पहाड़ी जिलों (श्रेणी ए और बी) में निवेश के लिए 1-2% की अतिरिक्त सब्सिडी प्रदान की जाती है। यह स्टांप शुल्क प्रतिपूर्ति में 50 लाख रुपये तक की पेशकश भी करता है।

#ExploreUttarakhand

@DIPR_UK

READER ENGAGEMENT INITIATIVE

'आंचल डेयरी' का कायाकल्पः तीन वर्षों में मिली नई पहचान

नवीन बधानी

देहरादून। उत्तराखंड की सहकारी दुग्ध विपणन संस्था आंचल डेयरी (UCDF & Uttarakhand Cooperative Dairy Federation) ने बीते तीन वर्षों (वर्ष 2022 से अगस्त 2025) के दौरान नवाचार, उत्पाद विविधता, ब्रांड विस्तार और किसानोन्मुखी नीतियों के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। दुग्ध विकास मंत्री सौरभ बहुगुणा की पहल और सक्रिय दिशा-निर्देशों के चलते आंचल ब्रांड ने खुद को सिर्फ दूध उत्पादक इकाई तक सीमित न रखते हुए उपभोक्ताओं के साथ सीधे जुड़ने का प्रयास किया है। विगत तीन से अधिक वर्षों के इस कालखंड में जहां 'आंचल' ब्रांड के अंतर्गत नए उत्पाद बाजार में उतारे गए, वहीं 'आंचल कैफे' जैसी अभिनव अवधारणाओं ने शहरी युवाओं और पर्यटकों के बीच इसे लोकप्रियता की नई ऊंचाई तक पहुंचाया है। आइए, जानते हैं कि आँचल डेयरी ने इस अवधि में कौन-कौन सी प्रमुख उपलब्धियां अर्जित की हैं।

दुग्ध उत्पादन मेलेः किसानोन्मुखी पहल

अक्टूबर 2024 में आंचल डेयरी द्वारा रानीपोखरी में एक दुग्ध उत्पादन मेला आयोजित किया गया, जिसमें दुग्ध उत्पादकों को सम्मानित किया गया और उन्हें प्रोत्साहन स्वरूप दो-दो हजार रुपये की राशि के चेक वितरित किए गए। इस मेले में मंत्रात्री सौरभ बहुगुणा ने कहा कि 'आंचल ब्रांड' अब केवल उत्तराखंड तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई जाएगी। उन्होंने यह भी घोषणा की कि आगामी वर्षों में इस प्रकार के मेले हर जिले में आयोजित किए जाएंगे, जिससे छोटे और सीमांत पशुपालकों को सीधा लाभ मिलेगा।

आंचल कैफेः एक नई पहल

दिसंबर 2022 में देहरादून के घंटाघर स्थित एमडीडीए परिसर में उत्तराखंड का पहला "आंचल मिल्क कैफे" उद्घाटित किया गया। यह पहल दुग्ध विकास मंत्री सौरभ बहुगुणा के नेतृत्व में शुरू की गई, जिसके अंतर्गत राज्य में 100 मिल्क कैफे खोलने का प्रारंभिक लक्ष्य तय किया गया। इस कैफे श्रृंखला का उद्देश्य केवल आंचल ब्रांड के दूध और दुग्ध उत्पादों को बेचना नहीं था, बल्कि युवाओं, महिलाओं, सैनिकों के परिजनों और दिव्यांग. जनों को स्वरोजगार उपलब्ध कराना भी था। कैफे के माध्यम से उपभोक्ता को फ्रेश दूध, छाछ, लस्सी, पनीर, घी, मिठाइयां और आंचल के अन्य उत्पाद सहजता से उपलब्ध कराए जा रहे हैं। वर्ष 2023 में इस पहल को और विस्तार देते हुए उधम सिंह नगर जिले के रुद्रपुर में दो नए आंचल कैफे खोले गए। वहीं, राज्य सरकार ने वर्ष 2025 तक 500 मिल्क कैफे खोलने का लक्ष्य निर्धारित किया है। जून 2023 में योजना के दूसरे चरण की शुरुआत हुई, जिसमें देहरादून, हरिद्वार, नैनीताल और उधमसिंह नगर जैसे जिलों को प्राथमिकता दी गई। वर्ष 2024 में बागेश्वर जिले में एक नया आंचल कैफे स्थापित किया गया, जिसे स्थानीय लोगों और पर्यटकों दोनों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली। इस प्रकार आंचल कैफे, एक नवा चार बनकर उभरा है, जो न केवल उत्पादों की बिक्री को बढ़ा रहा है, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार भी खोल रहा है।

नवा चार, विकास और भविष्य की राहः आंचल डेयरी की ये उपलब्धियाँ स्पष्ट रूप से दर्शाती हैं कि एक पारंपरिक सहकारी इकाई कैसे नवाचार और सशक्त नेतृत्व के माध्यम से ब्रांडिंग, विपणन और उत्पाद विविधता में नए आयाम स्थापित कर सकती है। जहां एक ओर आंचल कैफे जैसे प्रोजेक्ट राज्य में ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों को जोड़ते हैं, वहीं टेट्रा पैक उत्पादों और नई पैकेजिंग के माध्यम से यह ब्रांड बाजार प्रतिस्पर्धा में खुद को बेहतर स्थिति में स्थापित कर रहा है। राज्य सरकार की ओर से स्पष्ट समर्थन, नीति निर्देश और बाजार की बदलती जरूरतों को समझते हुए उठाए गए ये कदम आंचल को उत्तराखंड के सफल सहकारी ब्रांडों की अग्रणी सूची में ला खड़ा करते हैं।

सरकारी कार्यक्रमों में आंचल के उत्पाद

राज्य सरकार द्वारा आंचल उत्पादों को प्रोत्साहन देने हेतु कई प्रशासनिक निर्णय भी लिए गए। उत्तराखंड के मुख्य सचिव द्वारा निर्देश जारी किए गए कि अब से सभी सरकारी, अर्ध-सरकारी कार्यक्रमों और समारोहों में आंचल ब्रांड के दूध और दुग्ध उत्पादों का ही उपयोग किया जाए। इस निर्णय का उद्देश्य सहकारिता मॉडल को मजबूती देना, स्थानीय दुग्ध उत्पादकों को सुनिश्चित बाजार उपलब्ध कराना और राज्य के राजस्व को आंचल जैसे घरेलू ब्रांडों के माध्यम से सुदृढ़ करना था। इसके अलावा, आंचल ने अपने ऑनलाइन स्टोर और डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क को भी सुदृढ़ किया है। राज्य के अधिकांश शहरी क्षेत्रों में अब आंचल वैन और होम डिलीवरी सेवाएं चालू हैं, जिससे उपभोक्ताओं की पहुंच आसान हुई है।

टेट्रा पैक से लेकर शहद तक का सफर

आंचल डेयरी ने इस अवधि में उत्पाद विविधता पर भी विशेष ध्यान केंद्रित किया। जुलाई 2023 में मंत्री सौरभ बहुगुणा द्वारा टेट्रा पैक दूध, छाछ और लस्सी को लॉन्च किया गया। यह पहली बार था जब उत्तराखंड की कोई सहकारी डेयरी इकाई अपने उत्पादों को टेट्रा पैक के माध्यम से बाजार में लेकर आई। इस कदम का उद्देश्य उत्पादों की शेल्फ लाइफ बढ़ाना, लंबी दूरी की आपूर्ति संभव बनाना, और उपभोक्ताओं को साफ-सुथरा व सुविधाजनक विकल्प प्रदान करना था। इसके अलावा, इस पहल से राज्य के दुग्ध उत्पादकों को बेहतर दाम और स्थायी मांग मिलने की संभावना बनी। वर्ष 2024 में आंचल डेयरी ने शहद और 6 किलोग्राम दूध पैकेजिंग जैसे नए उत्पाद लॉन्च किए। नैनीताल दुग्ध संघ द्वारा तैयार इन उत्पादों को किसानों और छोटे उद्यमियों के लिए नई आजीविका का स्रोत बताया गया। साथ ही, इन उत्पादों की बिक्री को राज्य के पर्यटन स्थलों और शहरी बाजारों में बढ़ावा मिला।

शाह टाइम्स रजत जयंती की हार्दिक शुभकामनाऐं।

पत्रांकः 2220-22/पीएस0-पत्रा0/2025-26

उत्तराखण्ड सहकारी डेरी फैडरेशन लि0
मंगल पड़ाव, हल्द्वानी-263139
फोन/फैक्स नं0: 05946-255867, 255358
Email id: ucdfltd@gmail.com

AANCHAL

सेहत के लिए उपहार, खुशियों का भंडार, आंचल का परिवार

1. प्रदेश में फैडरेशन द्वारा 'आंचल ब्राण्ड' का टेट्रा पैक तरल दूध, लस्सी, क्रीम एवं छांछ आदि को शहरी एवं ग्रामीण उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराया जा रहा है।
2. फैडरेशन द्वारा 06 प्रकार की आंचल आईसक्रीम 42 प्रकार के अलग-अलग फ्लेवर में पैकिंग कर उपभोक्ताओं को उपलब्ध करवायी जा रही है।
3. दुग्ध उत्पादक सदस्यों को 75 प्रतिशत अनुदान पर साईलेज एवं 50 प्रतिशत अनुदान पर भूसा पशु चारा के रुप में मुहैया कराई जा रही है।
4. जायका योजना के अन्तर्गत ग्राम स्तर पर साइलेज बनाने का प्रशिक्षण, प्रदर्शन, हरा चारा विकास एवं जागरुकता कार्यक्रम, चौफकटर, साइलोबंकर व साइलेज बनाने हेतु बैग वितरण आदि कार्य किए जा रहे हैं।
5. यूसीडीएफ0 द्वारा स्पेशल उत्पाद के रुप में बद्री काउ घी व पहाड़ी घी तैयार कर उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराया जा रहा है, जो जनपदीय दुग्ध संघों से सीधे एवं ऑन लाईन फ्लिपकार्ट, अमेजन व फैडरेशन की वैबसाईट से क्रय किया जा सकता है।
6. आंचल ब्राण्ड का शुद्ध शहद उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराया जा रहा है।
7. यू0सी0डी0एफ0 द्वारा मुख्यमंत्री 'आंचल अमृत योजनान्तर्गत आंगनवाड़ी, प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को फोर्टिफाइड मीठा सुगन्धित दुग्ध चूर्ण उन्हें उपलब्ध कराया जा रहा है।
8. केन्द्र पोषित राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, एन0पी0डी0डी0 के अन्तर्गत दुग्ध पदार्थों की गुणवत्ता प्रशिक्षण हेतु प्रयोगशालाओं का आधुनिकीकरण कार्य किया जा रहा है।
9. जायका योजना के अन्तर्गत व्यवसायिक पशुचारा उत्पादन हेतु वृहद् प्रशिक्षण कार्यक्रम कराये जा रहे हैं।

(इं0 आर0एम0 तिवारी)
सामान्य प्रबंधक (प्रशा0)

एमडीडीए की उपलब्धियाँ सस्ते घरों से अवैध निर्माण नियंत्रण तक

एम. फहीम 'तन्हा'

देहरादून। मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने पिछले वर्षों में कई महत्वपूर्ण पहलों को अंजाम दिया है, जिनका उद्देश्य निम्न आय वर्ग को सुलभ आवास प्रदान करना, अवैध निर्माण पर लगाम लगाना तथा नक्शा पासिंग प्रक्रिया में सुधार लाना रहा है।

अवैध निर्माणों पर कार्रवाई

मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) द्वारा पिछले चार वर्षों में अब तक अवैध निर्माणों और प्लाटिंग पर सख्त रुख अपनाते हुए बड़े पैमाने पर कार्रवाई की गई है। इस अवधि में प्राधिकरण ने न केवल सैकड़ों अवैध इमारतों को सील किया, बल्कि हजारों बीघा भूमि पर हो रही अवैध प्लाटिंग को भी ध्वस्त किया है। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार देहराद. ून और मसूरी क्षेत्र में 600 से अधिक अवैध निर्माणों की पहचान की गई, जिनमें से कई को सील किया गया। इसी वर्ष जाखन और डोईवाला क्षेत्रों में अवैध रूप से निर्मित कई दुकानों और बहुमंजिला इमारतों पर बुलडोजर चला। ऋषिकेश में चल रही अवैध निर्माण गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एमडीडीए ने 14 निर्माणाधीन इमारतों को सील किया। रिस्पना नदी के किनारे 59 अवैध घरों को ध्वस्त किया गया, जो वर्ष 2016 के बाद बिना अनुमति के बनाए गए थे। शिमला बाईपास, तुन्तोवाला, बडोवाला और धर्मावाला क्षेत्रों में लगभग 5000 बीघा भूमि पर हो रही अवैध प्लाटिंग को रोका गया।

सस्ते एवं सुलभ आवास परियोजनाएँ

मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने आवासीय योजनाओं को गति देने के उद्देश्य से कई महत्त्वपूर्ण कदम उठाए हैं। प्राधिकरण ने पारदर्शी, पर्यावरण अनुकूल और आमजन केन्द्रित योजनाओं को प्राथमिकता दी है। एमडीडीए ने इस अवधि में अति विक. सित और अविकसित दोनों क्षेत्रों में योजनाबद्ध विकास की दिशा में काम करते हुए कई नई हाउसिंग स्कीमें शुरू कीं। इनमें ऋषिकेश, जोगीवाला, प्रेमनगर, सहस्त्रधारा रोड और डोईवाला क्षेत्र की आवासीय योजनाएं प्रमुख हैं, जिनमें मध्यम व निम्न आय वर्ग के लिए किफायती दरों पर भूखंड और मकान आवंटित किए गए।

"हमारा लक्ष्य है कि देहरादून को अव्यवस्थित निर्माण से मुक्त कर एक संतुलित और सुव्यवस्थित शहरी विकास मॉडल प्रस्तुत किया जाए। इसके लिए एमडीडीए पारदर्शी प्रक्रिया के साथ आवासीय योजनाएं ला रहा है, जिससे आम नागरिकों को भी भरोसा हो..."

बंशीधर तिवारी, उपाध्यक्ष, मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण

उपाध्यक्ष बंशीधार तिवारी के नेतृत्व में पहल

साफ झलकती है वीसी की त्वरित एक्शन की कार्यशैली

एमडीडीए के वीसी बंशीधर तिवारी के नेतृत्व में ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया को सरल किया गया, साथ ही ई-नीलामी प्रणाली के माध्यम से प्लॉट्स की पारदर्शी बिक्री सुनिश्चित की गई। आवंटन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की दलाली या अनियमितता रोकने के लिए डिजिटल निगरानी प्रणाली लागू की गई है। एमडीडीए ने पर्यावरणीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए ग्रीन जोन आधारित विकास और सोलर पॉवर उपयोग प्रोत्साहन जैसे पहल भी शुरू की हैं। इसके अलावा, योजनाओं में सामुदायिक पार्क, जल संचयन प्रणाली, और हरित क्षेत्र को भी शामिल किया गया है।प्राधिकरण के अनुसार, आगामी समय में स्मार्ट कॉलोनियाँ, सस्ती दरों पर अपार्टमेंट योजनाएं, और वरिष्ठ नागरिकों व दिव्यांगों के लिए विशेष आवास योजना भी प्रस्तावित है।एमडीडीए ने 2022, 2025 के बीच न केवल अवैध निर्माण पर शिकंजा कसा, बल्कि आवासीय योजनाओं में भी संरचित, पारदर्शी और जनख्रहितैषी सुधार किए। उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी के नेतृत्व में प्राधिकरण ने आम नागरिकों के विश्वास को पुन: प्राप्त करते हुए शहरी विकास को नई दिशा दी है।

नक्शा पास करने की प्रक्रिया में सुधार

एमडीडीए ने विगत वर्षों में नक्शा पासिंग प्रक्रिया में व्यापक सुधार करते हुए इसे पूरी तरह ऑनलाइन, पारदर्शी और समयबद्ध बना दिया है। इन पहलों के तहत अब भवन नक्शा स्वीकृति के लिए नागरिकों को कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ते। ऑनलाइन मैप अप्रूवल सिस्टम के माध्यम से नक्शा जमा करना, स्थिति ट्रैक करना और अनुमोदन प्राप्त करना आसान हो गया है। साथ ही, नक्शा पासिंग की प्रक्रिया को 7 से 15 कार्यदिवस के भीतर पूरा करने की समय-सीमा निर्धारित की गई है। पंजीकृत आर्किटेक्ट्स के लिए अलग लॉगिन पोर्टल, एसएमएस/ईमेल अलर्ट, और जीआईएस आधारित निरीक्षण प्रणाली जैसी आधुनिक तकनीकों का समावेश कर प्राधिकरण ने प्रक्रिया को दक्ष और जवाबदेह बनाया है।

पर्यटन का नया तीर्थ बना देवभूमि

तौसीफ कुरैशी

राज्य गठन के बाद पर्यटकों की आमद में जबरदस्त इजाफा

राज्य बनने के बाद पर्यटन में पाँच गुना से अधिक वृद्धि दर्ज की गई

देवभूमि उत्तराखंड अपनी प्राकृतिक सुंदरता, धार्मिक स्थलों और साहसिक पर्यटन के लिए सदियों से प्रसिद्ध रहा है। साल 2000 में उत्तराखंड राज्य बनने के बाद यहाँ पर्यटन का परिदृश्य पूरी तरह बदल गया। आँकड़े इस बात का प्रमाण हैं कि बीते 24 वर्षों में उत्तराखंड पर्यटन ने नई ऊँचाइयाँ छुई हैं। उत्तराखंड अब केवल तीर्थाटन का केंद्र नहीं, बल्कि एडवेंचर, नेचर, योग, वेलनेस और वन्यजीव पर्यटन का भी वैश्विक हब बन चुका है। राज्य बनने के बाद सड़कों, हवाई संपर्क, होटल व होम-स्टे योजनाओं और प्रचार-प्रसार ने इस उछाल में अहम भूमिका निभाई। देवभूमि उत्तराखंड आज सचमुच पर्यटन का नया तीर्थ है, जहाँ हर साल करोड़ों कदम श्रद्धा, रोमांच और सुकून की तलाश में आते हैं।

2000 में स्थिति

सन् 2000 में, जब उत्तराखंड नया-नया राज्य बना था, यहाँ कुल मिलाकर लगभग 1.11 करोड़ पर्यटक पहुँचे थे। इनमें अधिकतर घरेलू यात्री थे जबकि विदेशी पर्यटकों की संख्या केवल 56 हजार के आसपास थी।

लगातार बढ़ता ग्राफ

- 2005 तक यह आँकड़ा लगभग 1.63 करोड़ पर पहुँच गया है।
- 2010 आते-आते पर्यटकों की संख्या 3.11 करोड़ हो गई।
- 2015 में यह बढ़कर 2.94 करोड़ पर पहुँची और
- 2019 में पर्यटन ने चरम छुआ, 3.92 करोड़ से ज़्यादा लोग उत्तराखंड आए।

यानी राज्य बनने के दो दशक में पर्यटन में तीन गुना से अधिक वृद्धि हुई।

कोविड का असर और फिर वापसी

2020 में कोरोना महामारी की वजह से पर्यटन पर गहरा असर पड़ा और केवल 78 लाख लोग ही राज्य पहुँच पाए। लेकिन जैसे ही हालात सामान्य हुए,

- 2022 में फिर से 5.39 करोड़ पर्यटक आए।
- 2023 में 5.96 करोड़।
- और 2024 में रिकॉर्डतोड़ 5.95 करोड़ से अधिक लोग उत्तराखंड पहुँचे।

राज्य गठन से अब तक वर्षवार उत्तराखण्ड पहुंचे पर्यटकों का विवरण

वर्ष	देशी	विदेशी	कुल
2000	11078814	56766	11135580
2001	10548784	54701	10603485
2002	11652018	55974	11707992
2003	12929593	63499	12993092
2004	13830045	74761	13904806
2005	16280765	92744	16373509
2006	19358453	96264	19454717
2007	22154250	106150	22260400
2008	23064170	112423	23176593
2009	23154214	118243	23272457
2010	30972134	136459	31108593
2011	26665753	142687	26808440
2012	28329686	140524	28470210
2013	21028010	103596	21131606
2014	22520097	109948	22630045
2015	29295152	111094	29406246
2016	31663782	112799	31776581
2017	34581097	142102	34723199
2018	36697678	154526	36852204
2019	39066776	158964	39225740
2020	7836002	38763	7874765
2021	20002705	15410	20018115
2022	53916849	64489	53981338
2023	59488189	148412	59636601
2024	59373869	176408	59550277

वन्यजीव पर्यटन की नई पहचान

उत्तराखंड केवल धार्मिक और प्राकृतिक ही नहीं, बल्कि वन्यजीव पर्यटन का भी केंद्र बना है। यहाँ के राष्ट्रीय उद्यान पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं।

- कॉर्बेट नेशनल पार्क

- 2000 में यहाँ केवल 61 हजार लोग आए थे।
- 2019 में यह संख्या बढ़कर 2.83 लाख हो गई।
- 2024 में कॉर्बेट आए पर्यटकों की संख्या 3.61 लाख रही, जिनमें 10,120 विदेशी शामिल थे। यानी यहाँ विदेशी पर्यटकों की भारी मौजूदगी दर्ज की गई।

पर्यटकों की खास पसंद बने कई स्थल

हरिद्वारः हर वर्ष सबसे अधिक पर्यटक हरिद्वार ही आए

- 2000 में हरिद्वार में करीब 53 लाख लोग आए थे।
- 2019 तक यह संख्या 2.17 करोड़ हो गई।
- 2024 में हरिद्वार ने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए, 3.49 करोड़ यात्री यहाँ पहुँचे।

ऋषिकेश व नैनीताल विदेशी पर्यटकों के लिए खास पसंद बने। योग, गंगा आरती और हिमालयी अनुभवों ने ऋषिकेश को अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर स्थापित किया।

- 2024 में ऋषिकेश आए विदेशी पर्यटकों की संख्या 4,857 रही।
- वहीं नैनीताल में 9,537 विदेशी पर्यटक पहुँचे।

टिहरी झील और एडवेंचर टूरिज्म ने टिहरी को नई पहचान दी।

- केवल 2024 में ही यहाँ 58,855 विदेशी पहुँचे, जो सभी स्थलों में सबसे अधिक था।

राजाजी नेशनल पार्क

देहरादून, ऋषिकेश और हरिद्वार के बीच फैला राजाजी नेशनल पार्क भी रोमांचक अनुभव का केंद्र है। यद्यपि यहां आने वाले पर्यटकों का आँकड़ा अलग से दर्ज नहीं किया जाता। मगर बड़ी संख्या में पर्यटक यहां पहुंचते हैं, जिनकी संख्या हरिद्वार और ऋषिकेश के आँकड़ों का हिस्सा बनकर सामने आती है। अनुमान है कि हर वर्ष यहाँ लाखों पर्यटक सफारी और वन्यजीव दर्शन के लिए पहुँचते हैं।

पर्यटन को राज्य गठन ने दी नई पहचान

आँकड़ों की सीधी तुलना बताती है

- 2000 में कुल 1.11 करोड़ पर्यटक
- 2024 में कुल 5.95 करोड़ पर्यटक

यानी राज्य बनने के बाद पर्यटन में पाँच गुना से अधिक वृद्धि दर्ज की गई।

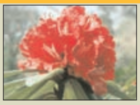

हमारी ताकत...

तीन राज्य, आठ संस्करण, 19.52 लाख पाठक

उत्तराखण्ड-गढ़वाल संस्करण (देहरादून)

एम फहीम 'तन्हा'
एस आलम अंसारी
मौहम्मद शाहनज़र
मयूर गुप्ता
इमरान चौधरी
नवीन बधानी
विकासनगर:-एसएम आसिम, महेंद्र तोमर
चकराता:-विक्रम सिंह तोमर, संजय वर्मा
मसूरी:-अभीषेक सक्सेना
डोईवाला:-संजय अग्रवाल, सलमान राव
हरिद्वार:-डी एस वर्मा
रूडकी:-अख्तर मलिक
पौड़ी:-त्रिभूवन उनियाल
श्रीनगर:-देवेंद्र गौड, सूदेश गौड
कोटद्वार:-गोरव गोदियाल
उत्तरकाशी:- चिरंजीव सेमवाल
बडकोट:-सचिन रावत व संदीप चौहान
टिहरी:- जय प्रकाश पाण्डेय
रूद्रप्रयाग:-रोहित डिमरी
चमोली/गोपेश्वर:-रणजीत नेगी
गोचर:-देवेंद्र गुंसाई

उत्तराखण्ड-कुमाऊं संस्करण (हल्द्वानी)

नैनीताल-अफजल हुसैन फौजी
हल्द्वानी-शाहवेज खान, दीपक भण्डारी, डॉ.ए.एन तिवारी व आसिम जमाल
लालकुआं-मोहन जोशी, मनोज जोशी, रंजीत कुमार
बिन्दुखत्ता-जीवन गोस्वामी
कालाढुंगी-शाकिर हुसैन
अल्मोड़ा-नसीम अहमद
बागेश्वर-महीप पाण्डे
काशीपुर-नवीन अरोरा
शांतिपुरी-आकाश मेहता
रानीखेत-बलवंत रावत
उधमसिंह नगर-उस्मान अली
सुल्तानपुर-मौ.आशिक
बाजपुर-मौ. नौशाद
रूद्रपुर-कमल सुयाल, मौ. समी, समी आलम
खटीमा-मुस्तकीम मलिक
नानकमत्ता-राजीव सक्सेना
सितारगंज-धर्मेन्द्र चौधरी
किच्छा-अब्दुल राही तंहा
शक्तिफॉर्म-विक्की मंडल
चंपावत-जीवन सिंह बिष्ट
टनकपुर-आबिद हुसैन

मुख्यालय

स्थानीय सम्पादक-चेतन गुरूंग
तौसीफ कुरैशी
ज़िया अब्बास ज़ैदी
आजम खान
शाहनूर राणा
अफसार अहमद
मौ. शारिक
रोहिताश वर्मा
नसीम राणा

कार्यकारी सम्पादक:- आनन्द बत्रा 'सुमन'

बनबसा-अर्जुन कुमार
लोहाघाट-गणेश पाण्डे
पिथौरागढ़-खालिद पाशा
जसपुर-शरीफ खान
बाजपुर-सलमान
गदरपुर-उमर अली
रामनगर-नदीम वारसी

उत्तर प्रदेश

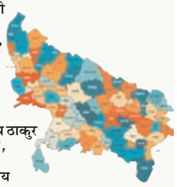

लखनाऊ-विरेश तरार
सहारनपुर-अबु बकर शिब्ली
देवबंद-अतहर उस्मानी
मुजफ्फर नगर-शरद गोयल, नसीम कुरैशी
मीरांपूर-नलिन वर्मा,
खतोली- आशीष सैनी
शामली-नसीम सैफी
बागपत-चांद मिया
मेरठ- शाहवेज खान, अजय ठाकुर
गाजियाबाद-नोशाद मलिक,
मोदीनगर-विनय कुमार
नोएडा-प्रवेश चौधरी व संजय त्यागी
अलीगढ़-प्रदीप शर्मा
बुलंदशहर-मौ. नईम खान
हापुड़-चांद मिया, बिजनोर-समीउल्लाह
नजीबाबाद-सोनू आदित्य, धामपूर-अभीषेक गुप्ता
मुरादाबाद-जितेंद्र जैन, ठाकुरद्वारा-सतीश चौधरी
बरेली-इरफान मुनीम,
रामपुर-इमरान हुसैन
पीलीभीत-विकास दीक्षित
संभल-मुजफ्फर हुसैन, बहजोई-राशिद अली
चंदोसी- सक्सेना
अमरोहा-नासिर अली
मथूरा-खलील अहमद
बदायूं-कामिल खान
दिल्ली-सफदर अली व राम गौपाल

सभी देश व प्रदेश वासियों को शाह टाइम्स रजत जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं

★ सभी व्यापारी अपने हितों को सुरक्षित रखने के लिए एकजुट रहें
★ छोटे व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए ज्यादा से ज्यादा दुकान से खरीदारी करें।
★ समय पर जीएसटी का भुगतान किया जाए, जिससे कि किसी भी तरह की परेशानी से बचा जा सके।
★ संगठन की शक्ति सदस्य हैं और सभी व्यापारी संगठन की मजबूती के लिए भी कार्यरत रहें

प्रतीक कालिया शर्मा
महामंत्री
भारतीय जनता पार्टी
ऋषिकेश
महामंत्री
नगर उद्योग व्यापार
प्रतिनिधि मंडल, ऋषिकेश

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून से प्रकाशित। सम्पादक: एस.एन. राना, *कार्यकारी सम्पादक आनन्द बत्रा 'सुमन', देहरादून कार्यालय 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून, 0135-2743363, R.N.I. No.UTTHIN 2001/05656, 'मोबाइल-9720007290, www.shahtimesnews.com, '*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों/लेखों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सरोवर नगरी का 'शाह टाइम्स'

ढाई दशक का स्वर्णिम सफर, बना जन-जन की आवाज

नैनीताल। उत्तराखंड की शांत सरोवर नगरी नैनीताल में 'शाह टाइम्स' ने अपने ढाई दशक के पत्रकारिता के सफर को स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज कराया है। इस प्रमुख समाचार पत्र ने न केवल स्थानीय मुद्दों को मुखरता से उठाया है, बल्कि समाज के हर वर्ग की आवाज बनकर अपनी गहरी पैठ बनाई है।

अफजल फौजी

ऐसे दौर में, जब अखबारी दुनिया का दायरा क्षेत्रीय स्तर तक सिमटता जा रहा है, 'शाह टाइम्स' ने नैनीताल और इसके आसपास के क्षेत्रों की आवाज को प्रदेश स्तर तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसने स्थानीय जनभावनाओं को शासन-प्रशासन तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम बनकर खुद को स्थापित किया है।

एक स्थानीय व्यवसायी रमेश चंद्र ने इस अखबार के योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा, 'शाह टाइम्स' ने हमेशा हमारी स्थानीय समस्याओं को प्रमुखता से प्रकाशित किया है। यह सिर्फ एक अखबार नहीं, बल्कि हमारी आवाज है जिसे प्रदेश स्तर पर सुना जाता है। सामाजिक, राजनैतिक और व्यावसायिक वर्गों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने के कारण इसकी लोकप्रियता निरंतर बढ़ती गई है। यही वजह है कि यह समाचार पत्र पाठकों का प्रिय बन चुका है।

अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए, 'शाह टाइम्स' ने नगर की हर छोटी-बड़ी समस्या को प्रमुखता से प्रकाशित किया है और शासन-प्रशासन को उनसे अवगत कराकर समाधान की दिशा में प्रयास किए हैं। नैनीताल के एक प्रमुख पर्यटन स्थल होने के नाते, 'शाह टाइम्स' ने यहाँ पर्यटन को बढ़ावा देने और पर्यटकों की आमद को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रबंधन ने भविष्य में भी इस दिशा में अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। इसके साथ ही, ऐतिहासिक सरोवर नगरी की समृद्ध संस्कृति और विरासत को जीवंत रखने में भी समाचार पत्र का योगदान उल्लेखनीय रहा है। यहाँ के तीज-त्योहारों और सांस्कृतिक आयोजनों को कलम के माध्यम से उजागर कर इसने अपनी भूमिका बखूबी निभाई है। शिक्षाविद् डॉ. अंजलि शर्मा के अनुसार, 'नैनीताल को शिक्षा का गुरुकुल कहा जाता है, जिसकी महत्ता ब्रिटिशकाल से चली आ रही है। शाह टाइम्स ने इस श्शिक्षा के मंदिरश की गरिमा को बनाए रखने और इसके प्रचार-प्रसार में भी सक्रिय सहयोग दिया है।'

नगर की सामाजिक सौहार्द की अनूठी पहचान देश-विदेश में है। 'शाह टाइम्स' ने इस पहचान को अक्षुण्ण बनाए रखने में भी अपना दायित्व प्रमुखता से निभाया है। अखबार प्रबंधन ने पाठकों के निरंतर स्नेह और विश्वास के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि श्शाह टाइम्सश आगे भी श्पत्र नहीं, मित्रश के अपने आदर्श वाक्य के साथ जनसेवा के पथ पर अग्रसर रहेगा।

उत्तराखंड में एयरपोर्ट व एयर स्ट्रिप की सूची

1. देहरादून जौलीग्रांट एयरपोर्ट- स्थान: देहरादून (जौलीग्रांट)-स्थिति: यह राज्य का प्रमुख व सबसे व्यस्त घरेलू एयरपोर्ट है, जिसमें नया टर्मिनल अक्टूबर 2021 में खोला गया था। 2. पंतनगर एयरपोर्ट-स्थान: पंतनगर, उधम सिंह नगर जिला (कुमाऊं क्षेत्र)-स्थिति: यह एक घरेलू विमानक्षेत्र है और कुमाऊं क्षेत्र का मुख्य प्रवेश मार्ग है। भविष्य में इसे अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट में परिवर्तित करने की योजना है। 3. नैनी सैनी एयरपोर्ट (पिथौरागढ़)-स्थान: पिथौरागढ़ (नैनी-सैनी)-स्थिति: यह घरेलू एयरपोर्ट है, जो UDAN योजना के तहत विकसित किया जा रहा है। हाल ही में यहां से नियमित उड़ानें शुरू हुई हैं। 4. भारकोट (चिन्यालीसौड़) एयरस्ट्रिप, स्थान: चिन्यालीसौड़, उत्तरकाशी जिला-स्थिति: इसे मां गंगा या धरासू एयरपोर्ट भी कहा जाता है। वर्तमान में यह आईएएफ द्वारा एक एडवांस्ड लैंडिंग ग्राउंड के रूप में उपयोग होता है। 5. गौचर एयरस्ट्रिप-स्थान: गौचर, चमोली जिला,स्थिति: यह एक एयरस्ट्रिप है यह एयरस्ट्रिप चारधाम यात्रा में हेलीकॉप्टर सेवाओं हेतु उपयोग की जाती है।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि
विक्टोरिया क्रॉस विजेता गबर सिंह ऊर्जा भवन, कांवली रोड, देहरादून

विद्युत समस्याओं के निवारण हेतु
1912(टोल फ्री)
पर कॉल करें।

सार्वजनिक सूचना

- सभी सम्मानित उपभोक्ताओं को सूचित करना है कि वे अपने विद्युत बिलों का Online भुगतान उपाकालि की वेबसाईट www.upcl.org के माध्यम से कर सकते हैं।
- उत्तराखण्ड पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड की वेबसाईट पर विद्युत बिलों का Online भुगतान निम्नलिखित मोड से किया जा सकता है : 1 क्रेडिट कार्ड (Credit card) 2 डेबिट कार्ड (Debit card) 3 नेट बैंकिंग (Net Banking)
- विद्युत बिलों का Online भुगतान प्रदेश के समस्त उपभोक्ता कर सकते हैं।
- उपाकालि से बिल सम्बन्धी अन्य जानकारी SMS के माध्यम से प्राप्त करने के लिए अपना मोबाईल नं0 विद्युत बिल की Counter Foil पर लिखकर उपाकालि के किसी भी कार्यालय में जमा करा सकते हैं अथवा उपाकालि की वेबसाईट पर भी रजिस्टर कर सकते हैं।

राज्य सरकार द्वारा स्थापित सभी कॉमन सर्विस सेन्टरों (सीएससी) पर विद्युत भुगतान की सुविधा उपलब्ध है। सम्मानित विद्युत उपभोक्ता इसका लाभ उठावें।

निम्न उपभोक्ता सेवा सम्बन्धित आवेदनों के लिए उपाकालि कस्टमर सर्विस सेन्टर आराघर, देहरादून में अपने आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।
1. नये संयोजन हेतु 2. नाम स्थानान्तरण हेतु 3. विद्युत भार परिवर्तन हेतु 4. विद्युत प्रकार परिवर्तन हेतु
नीचे दिये गये कोड को 9219503400 पर SMS कर जानकारी प्राप्त करें।

बिल विवरण की सूचना हेतु	BD<space><13 digit Service Connection No.>
बिल भुगतान की सूचना हेतु	PYD<space><13 digit Service Connection No.>
नये संयोजन की स्थिति जानने हेतु	NC<space><12 digit Registration No.>
शिकायत की स्थिति जानने हेतु	CD<space><11 digit Complaint No.>
मोबाईल नं0 पंजीकृत करने हेतु	RMN<space><13 digit Service Connection No.>
13 Digit Service Connection No टाइप करने का तरीका	3 digit खण्ड संकेत + 4 digit बुक संख्या + 6 digit कनेक्शन संख्या

"राष्ट्र हित में बिजली बचायें" "बिजली बचाने हेतु एल.ई.डी. बल्ब का प्रयोग करें"

कार्यालय जिला पंचायत देहरादून

पत्रांक संख्या 769/XIII/स्टोर/जि0पं0दे0दून/2025-26 दिनांक 20/08/2025

"जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में व्यवसायरत व्यवसायियों से अनुरोध है कि जिला पंचायत द्वारा आरोपित वार्षिक विभव एंव सम्पत्ति कर व व्यवसायिक लाईसेन्स का भुगतान समय से जिला पंचायत कार्यालय में जमा करने का कष्ट करें। जिला पंचायत, देहरादून जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में विकास हेतु सदैव तत्पर है। साथ ही समस्त व्यवसायियों एंव ग्रामवासियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे अपने घरों के साथ-साथ अपने गाँव को भी स्वच्छ रखें। घरों का कूड़ा नालों एंव सड़कों के किनारे न फेंकें तथा गीला एंव सूखा कूड़ा अलग-अलग करने के उपरान्त ही निस्तारित करना सुनिश्चित करें एंव अपने गाँव व क्षेत्र को साफ-स्वच्छ बनाने में सहयोग प्रदान करें। सिंगल यूज प्लास्टिक एंव पॉलिथीन का प्रयोग करने से बचें, तथा डेंगू, मलेरिया एंव चिकनगुनिया से बचाव हेतु अपने घर में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें एंव अपने घरों के आस-पास पानी एकत्रित न होने दें। स्वच्छता के प्रति जागरूक रहें एंव जनभागीदारी द्वारा अपने गाँव को स्वच्छता में प्रथम बनाने में अपना आवश्यक योगदान दें।'

अपर मुख्य अधिकारी
जिला पंचायत, देहरादून।

सौजन्य से

जिला पंचायत, देहरादून।

शाह टाइम्स रजत जयंती की हार्दिक शुभकामनाऐं।

'जल संचय' 'जीवन संचय'

उत्तराखण्ड जल संस्थान
'जल भवन', बी-ब्लॉक नेहरु कॉलोनी, देहरादून

सार्वजनिक अपील

राज्य की जनता को निरन्तर, पर्याप्त, स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के मूल उद्देश्य की प्राप्ति के लिए विभाग सतत प्रयासरत है। कतिपय नगरों/क्षेत्रों में दूषित जलापूर्ति के समाचार प्रकाशित होते हैं।

इस सम्बन्ध में नागरिकों से अनुरोध है कि निम्नानुसार सहयोग प्रदान करने का कष्ट करें।

- पेयजल एवं सीवर में संबंधित शिकायत के लिए 'शिकायत निवारण केन्द्र' टोल फ्री नं0 1916 अथवा 1800-180-4100 से सम्पर्क करें।
- समस्या का कारण मुख्यत: पाइपलाइन में लीकेज है जो जल संस्थान की पाइप के साथ-साथ अधिकांश उपभोक्ताओं के कनेक्शन के ऐसे पाईप हैं जो नाली/आदि के अन्दर/बीच से गुजरते हैं। अपने आस-पास लगे पाइप की लीकेज पर विशेष ध्यान दें एवं छोटी से छोटी लीकेज की सूचना जल संस्थान के क्षेत्रीय कार्यालय/मुख्यालय को दें।
- विभागीय कर्मचारियों द्वारा जांच के समय यदि व्यक्तिगत कनेक्शन के पाइप में लीकेज पाई जायेगी तो बिना अन्य नोटिस के तत्काल कनेक्शन बन्द कर दिया जायेगा और अर्थदण्ड लिया जा सकता है।
- प्रदूषण की समस्या का अन्य प्रमुख कारण लाइन पर सीधे टुल्लू पम्प लगाना है। पम्प लगाने से लीकेज वाले स्थानों पर भरा गन्दा पानी पाइप लाइन में प्रवेश कर जाता है और प्रदूषण की समस्या उत्पन्न होती है।
- यदि देखने में पानी स्वच्छ न हो अथवा उसमें अशुद्धियों के कण दिखायी दें अथवा बदबू हो तो क्लोरीन टेबलेट को प्रयोग में लायें। प्राय: जलापूर्ति के आरम्भ में थोड़ी देर गन्दा पानी आने की शिकायत रहती है बाद में स्वच्छ हो जाता है। स्वच्छ पानी एकत्रित करें।
- इसके अतिरिक्त हम आपकी सेवा बेहतर कर सकें, इसके लिए हम आपसे विनम्र निवेदन करते हैं।
  1. पेयजल अमूल्य है, कृपया इसका सदुपयोग करें।
  2. पेयजल की बर्बादी तथा अवैधानिक उपयोग किसी अन्य को प्यासा रख सकता है, अत: कृपया ऐसा न करें।
  3. विभाग को देयकों का समयान्तर्गत भुगतान कर पेयजल व्यवस्था में सहयोग करें।

देवभूमि में बदला अपराध का स्वरूप

मयूर गुप्ता

देवभूमि में साइबर सेंध: सरिया-सब्बल से साइबर अटैक तक, उत्तराखंड में बदल गई अपराध की 'मोडस ऑपरेंडी'

देवभूमि उत्तराखंड में अपराध की दुनिया ने भी समय के साथ अपनी चाल बदल ली है। कभी जहां चोरों के हाथ में सरिया और सब्बल होता था, आज उनकी उंगलियां कीबोर्ड पर चलती हैं और निशाना सीधे आपके बैंक खाते पर होता है। राज्य गठन के पच्चीस वर्ष पूरे होने के बाद, अपराध के इस डिजिटल कायापलट ने सुरक्षा एजेंसियों के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं, जहाँ परंपरागत चोरों ने अब साइबर अपराधी का चोला ओढ़ लिया है।

ढाई दशक पहले की अपराध तस्वीर

आज से लगभग ढाई दशक पूर्व, जब उत्तराखंड ने एक अलग राज्य के रूप में जन्म लिया था, तब अपराध की तस्वीर काफी सीधी-सादी थी। घरों और दुकानों में चोरी की वारदातें अक्सर किसी टूटे शटर या क्षतिग्रस्त ताले की गवाही देती थीं। चोरों की 'मोडस ऑपरेंडी' (कार्यप्रणाली) में सरिया, सब्बल और हथौड़े जैसे औजार शामिल होते थे, जिनसे वे भौतिक रूप से सेंधमारी करते थे। रात के अंधेरे में, शांत वादियों में, ऐसी वारदातें अक्सर ग्रामीणों और छोटे कस्बों के व्यापारियों के लिए चिंता का विषय बनती थीं।

दीपम सेठ, डीजीपी

तकनीक ने बदली अपराध की राह: अपराधियों का 'डिजिटल अपग्रेड'

देहरादून। लेकिन, समय के चक्र ने तेजी से घूमना शुरू किया। देश में आधुनिकता की लहर आई और तकनीक ने हर क्षेत्र में अपनी पैठ बनाई, तो अपराधी भी भला कैसे पीछे रहते? उन्हें भी यह आभास हो गया कि सरिया और सब्बल से दुकानों के शटर और घरों के ताले तोड़ने वाले चोर, आधुनिकता के इस दौर में अपने परंपरागत अपराध के पेशे में पिछड़ जाएंगे। यह एक ऐसी क्रांति थी जिसने अपराधियों को भी अपग्रेड होने पर मजबूर कर दिया।

अपराधियों को किसी सूरत में पैर पसारने नहीं दिया जाएगा: राजीव स्वरूप

देहरादून। गढ़वाल रेंज के पुलिस महानिरीक्षक राजीव स्वरूप ने बताया कि रेंज के अंदर अपराधियों को पैर पसारने की छूट नहीं दी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि अपराध को अंजाम देने वाले किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश के सभी पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट तौर पर कह रखा है कि अपराधी चाहे वह कितनी भी पहुंच वाला क्यों न हो और राजनीति में उसकी कितनी भी दखल हो उसे बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा भी गढ़वाल रेंज के सभी सातों जिलों के एसएसपी और एसपी व सभी क्षेत्राधिकारियों के निर्देश दें रखे है कि अगर उनके क्षेत्र में किसी प्रकार की कोई अपराधिक वारदात घटित होती है तो तत्काल मौके का निरीक्षण कर उसकी जानकारी से उन्हे भी अवगत करवाएं।

पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल परिक्षेत्र राजीव स्वरूप ने कहा कि अपराध करने वाले की जगह या तो जेल में है या फिर वह अपने किए का स्वयं जिम्मेदार होगा। उन्होंने एक साक्षत्कार के दौरान जानकारी देते हुए कहा कि अपराध करने वाले का कोई धर्म और जाति नहीं होती वह एक अपराधि होता है और उसके साथ वैसा ही व्यवहार किया जाएगा जैसा एक अपराधि के साथ किया जाएगा।

देहरादून पुलिस के लिए नई चुनौती: अदृश्य दुश्मन से मुकाबला

देहरादून। सीसीटीवी कैमरों की बढ़ती संख्या, मोबाइल सर्विलांस और डिजिटल फुटप्रिंट्स की अनिवार्यता ने अपराधियों की पुरानी योजनाओं पर पानी फेर दिया। अब ताला तोड़ने या शटर उखाड़ने की कोशिश करना, पकड़े जाने का सीधा निमंत्रण था। पुलिस की मुस्तैदी और तकनीक के उपयोग ने परंपरागत चोरों के लिए मैदान तंग कर दिया। इसी मोड़ पर अपराध की दुनिया ने एक नई करवट ली। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने इस बदलाव पर टिप्पणी करते हुए कहा, ष्पहले हमें चोरों का पीछा भौतिक रूप से करना पड़ता था, उनकी पहचान के लिए मुखबिरों पर निर्भर रहना पड़ता था। अब चुनौती डिजिटल है। साइबर अपराधी अदृश्य दुश्मन की तरह हैं, जो कहीं भी बैठकर किसी को भी निशाना बना सकते हैं। यह हमारे लिए एक पूरी तरह से नया युद्धक्षेत्र है।

साइबर अपराधों का बढ़ता जाल और नए हथियार

अपराध की इस दुनिया में एक सीढ़ी और आगे चढ़ते हुए, शातिर चोरों ने साइबर अपराधों की दुनिया में कदम रखा। जनता के बैंक खातों और निजी विवरण को साइबर अटैक के जरिए हैक करने का प्रचलन तेजी से बढ़ा। फिशिंग, स्पूफिंग, ओटीपी फ्रॉड और मालवेयर अटैक जैसे नए हथियार उनके तरकश में शामिल हो गए। उत्तराखंड की शांत छवि के विपरीत, साइबर अपराधियों को यहाँ की डिजिटल साक्षरता और ऑनलाइन लेनदेन में बढ़ती रुचि ने एक श्उपजाऊ भूमिश प्रदान की, जहाँ वे आसानी से भोले-भाले लोगों को अपना शिकार बना सकते थे।

देहरादून में अपराधियों के हौसलों को हर सूरत में किया जाएगा पस्त: अजय सिंह

देहरादून। देहरादून जनपद के अंदर अगर कोई व्यक्ति आपराधिक चोला ओढ़कर यहां के भोले-भाले लोगों को अपनी गुण्डागर्दी के बल पर उनसे लूटपाट करना, डकैती की वारदात को अंजाम देना और उनसे उगाही करने की सोच रखता है तो यह सोच उसकी आखिरी सोच होगी। जनपदवासियों को अपराधियों से सुरक्षा प्रदान करना खाकी का कर्तव्य है और खाकी पहनकर आम जनमानस और महिलाओं की सुरक्षा करने वाले मित्र पुलिस के अधिकारी और जवान अपने कर्तव्य से पीछे हटने वाले नहीं है। यह कहना है देहरादून के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह का। **शाह टाइम्स** के रजत जयंती पर अपनी बेबाक टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि दून पुलिस अपराधियों के लिए काल है और अगर कोई अपराधी यह सोचता है कि देहरादून को अपनी शरणस्थली बनाकर अपराध कर आराम से अपना जीवन व्यतीत करेगा तो यह उसकी गलत सोच है। अपराधी को उसके अंजाम तक पहुंचाने और अपराधी को शरण देने का काम करने वालों को कानून के दायर में रहकर उसकों सबक सिखाते हुए सलाखों के पीछे भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं और युवतियों की सुरक्षा का दायित्व भी पुलिस के कंधों पर है और मित्र पुलिस के जवान महिलाओं और युवतियों की सुरक्षा के प्रति जागरूक हैं।

उत्तराखंड में 'डिजिटल अरेस्ट' का आतंक: साइबर ठगी के मामले बढ़े

देवभूमि उत्तराखंड में साइबर अपराधों ने जिस तरह से अपनी जड़ें जमाई हैं, उससे राज्यवासी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। विशेषकर श्डिजिटल अरेस्टश के नाम पर डरा-धमकाकर लाखों रुपये ठगने के मामले तेजी से सामने आ रहे हैं। साइबर क्राइम पुलिस अधिकारियों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, राज्य के सभी जनपदों से कार्रवाई के लिए करीब 200 साइबर अपराध के मामले भेजे गए हैं। इनमें से पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 105 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचाया है। पूरे प्रदेश में साइबर ठगों के खिलाफ 61 मुकदमे दर्ज किए गए, जिनमें 39 अपराधियों को देश के विभिन्न राज्यों से दबोचा गया। इसके अतिरिक्त, 10 को वारंट भेजकर तलब किया गया और 56 को नोटिस तामील कराए गए। साइबर ठगों द्वारा डिजिटल अरेस्ट के अलावा, ऑनलाइन ट्रेडिंग व इन्वेस्टमेंट, फेसबुक फ्रेंड, गिफ्ट, इंश्योरेंस फ्रॉड, यूट्यूब लाइक, लोन ऐप और ऐप डाउनलोड के जरिए ठगी के मामले भी काफी तेजी से बढ़े हैं। इन बढ़ती चुनौतियों से निपटने और अपराधियों पर लगाम कसने के लिए साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन की टीमें लगातार प्रयासरत हैं।

बढ़ते आंकड़े भयावह परिणाम और आगे की राह

देहरादून। बीते पांच वर्षों में उत्तराखंड में साइबर अपराध के हैरतअंगेज आंकड़े दर्ज हुए हैं, जो इस बात की पुष्टि करते हैं कि अपराध का यह नया चेहरा कितना भयावह होता जा रहा है। ये आंकड़े न केवल मामलों की संख्या में वृद्धि दर्शाते हैं, बल्कि यह भी बताते हैं कि किस तरह अपराधियों ने अपनी रणनीति को सूक्ष्म और तकनीकी रूप से उन्नत कर लिया है। अब पीड़ित को न केवल आर्थिक नुकसान होता है, बल्कि उसकी निजी जानकारी भी खतरे में पड़ जाती है, जिससे मानसिक परेशानी और पहचान चोरी का खतरा भी बढ़ जाता है।साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इस चुनौती का सामना करने के लिए पुलिस और जनता दोनों को ही अधिक जागरूक और तकनीकी रूप से सशक्त होना पड़ेगा।

इमरान चौधरी

साइबर अपराध केवल कानून-व्यवस्था का मुद्दा नहीं, बल्कि एक सामा. जिक मुद्दा भी बन गया है, जिसके लिए व्यापक जागरूकता अभियान और तकनीकी प्रशिक्षण की आवश्यकता है। उत्तराखंड, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण के लिए जाना जाता है,

अब अपराध के एक नए मोर्चे पर खड़ा है। यह समय की मांग है कि हम इस डिजिटल अंधकार से निपटने के लिए सामूहिक प्रयास करें, ताकि देवभूमि की शांति और सुरक्षा अक्षुण्ण बनी रहे

प्रदेश में तेजतर्रार अधिकारियों की तैनाती

देहरादून। मित्र पुलिस अधिकारियों की रणनीति की प्रदेश को अपराध मुक्त करना है ने अमली जामा पहनना प्रारंभ कर दिया। उत्तराखंड की सीमाओं से लगती उत्तर प्रदेश की सीमाओं पर बनी कोतवालियों और थाने पर तेजतर्रार इंस्पेक्टरों और दरोगाओं की तैनाती की जाने लगी और इसका सीधा असर दिखाई देने लगा कि पश्चिम उत्तर प्रदेश और अन्य जनपदों के कुख्यात डकैत और लुटेरे या तो पुलिस मुठभेड़ में मारे जाने लगे या फिर उन्हे गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया गया।

उत्तराखंड पुलिस के मुखिया के तौर पर कार्यभार संभालने वाले तेज तर्रार आईपीएस अधिकारियों निवर्तमान पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार और प्रदेश के कार्यवाहक डीजीपी अभिनव कुमार ने कार्यभार संभालते ही बदमाशां को खुली चुनौती दी। अशोक कुमार ने तो अपने कार्यकाल में स्पष्ट कहा था कि बदमाश या तो प्रदेश छोड़कर चले जाए या फिर यमराज से मिलने को तैयार रहे। इसी चेतावनी को कार्यवाह पुलिस महानिदेशक रहे अभिनव कुमार ने भी दोहराया। उन्होंने भी पदभार संभालते हुए मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए दो टूक शब्दों में कहा था कि उत्तराखंड में अपराधियों और उनकों पनाह देने वालों के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने साफ तौर पर कहा था कि अपराधियों को या तो कानून के दायरे में आना होगा या फिर परिणाम भुगतने को तैयार रहे।

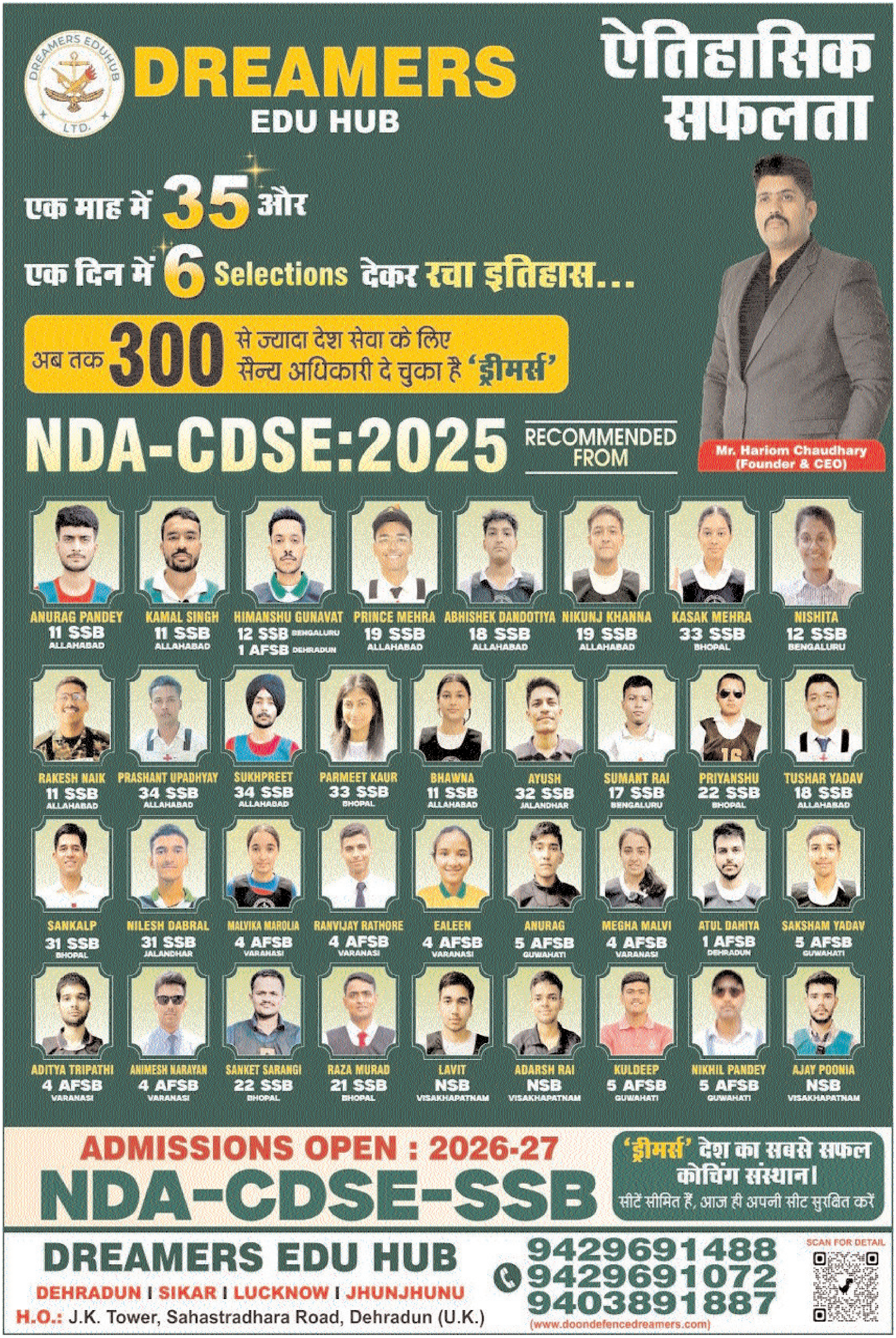
DREAMERS EDU HUB
DREAMERS EDUHUB LTD.
ऐतिहासिक सफलता
एक माह में 35 और
एक दिन में 6 Selections देकर रचा इतिहास...
अब तक 300 से ज्यादा देश सेवा के लिए सैन्य अधिकारी दे चुका है 'ड्रीमर्स'
NDA-CDSE:2025
RECOMMENDED FROM
Mr. Hariom Chaudhary (Founder & CEO)
ANURAG PANDEY 11 SSB ALLAHABAD
KAMAL SINGH 11 SSB ALLAHABAD
HIMANSHU GUNAVAT 12 SSB BENGALURU 1 AFSB DEHRADUN
PRINCE MEHRA 19 SSB ALLAHABAD
ABHISHEK DANDOTIYA 18 SSB ALLAHABAD
NIKUNJ KHANNA 19 SSB ALLAHABAD
KASAK MEHRA 33 SSB BHOPAL
NISHITA 12 SSB BENGALURU
RAKESH NAIK 11 SSB ALLAHABAD
PRASHANT UPADHYAY 34 SSB ALLAHABAD
SUKHPREET 34 SSB ALLAHABAD
PARMEET KAUR 33 SSB BHOPAL
BHAWNA 11 SSB ALLAHABAD
AYUSH 32 SSB JALANDHAR
SUMANT RAI 17 SSB BENGALURU
PRIYANSHU 22 SSB BHOPAL
TUSHAR YADAV 18 SSB ALLAHABAD
SANKALP 31 SSB BHOPAL
NILESH DABRAL 31 SSB JALANDHAR
MALVIKA MAROLIA 4 AFSB VARANASI
RANVIJAY RATHORE 4 AFSB VARANASI
EALEEN 4 AFSB VARANASI
ANURAG 5 AFSB GUWAHATI
MEGHA MALVI 4 AFSB VARANASI
ATUL DAHIYA 1 AFSB DEHRADUN
SAKSHAM YADAV 5 AFSB GUWAHATI
ADITYA TRIPATHI 4 AFSB VARANASI
ANIMESH NARAYAN 4 AFSB VARANASI
SANKET SARANGI 22 SSB BHOPAL
RAZA MURAD 21 SSB BHOPAL
LAVIT NSB VISAKHAPATNAM
ADARSH RAI NSB VISAKHAPATNAM
KULDEEP 5 AFSB GUWAHATI
NIKHIL PANDEY 5 AFSB GUWAHATI
AJAY POONIA NSB VISAKHAPATNAM
ADMISSIONS OPEN : 2026-27
NDA-CDSE-SSB
'ड्रीमर्स' देश का सबसे सफल कोचिंग संस्थान।
सीटें सीमित हैं, आज ही अपनी सीट सुरक्षित करें
DREAMERS EDU HUB
DEHRADUN I SIKAR I LUCKNOW I JHUNJHUNU
H.O.: J.K. Tower, Sahastradhara Road, Dehradun (U.K.)
9429691488
9429691072
9403891887
(www.doondefencedreamers.com)
SCAN FOR DETAIL